



**अगस्त
2026**

**मासिक
संकलन**

PIB

मासिक संकलन

अगस्त 2026

तथ्यों से
संदर्भ तक.
समझ से
उत्तर लेखन तक.

UPSC अभ्यर्थियों के लिए चुनी हुई, सरल और विश्लेषणात्मक जानकारी

एक
मजबूत
भारत
की ओर



कृषि एवं
ग्रामीण विकास



अर्थव्यवस्था
एवं वित्त



रक्षा एवं
सुरक्षा



विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी



पर्यावरण एवं
जलवायु



सामाजिक क्षेत्र
एवं समावेशन



अंतर्राष्ट्रीय
संबंध



शासन, नीति
एवं संस्थान

पूरे महीने की
महत्वपूर्ण PIB घोषणाओं का सुसंगत संकलन



Table of Contents

गोबरधन — संपीड़ित बायोगैस की राष्ट्रीय एकीकृत योजना, ₹23,731 करोड़.....	17
सरल भाषा में समझें	17
मुख्य शब्द:	17
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	18
इन्वेंट्री-आधारित सीमापार ई-कॉमर्स निर्यात ढाँचा — FTP 2023 के तहत अधिसूचित	19
सरल भाषा में समझें	19
मुख्य शब्द:	19
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	20
अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल — सफल परीक्षण.....	20
सरल भाषा में समझें	21
मुख्य शब्द:	21
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	22
DSC A24 — गोताखोरी सहायक जहाज़ परियोजना का पाँचवाँ पोत.....	22
सरल भाषा में समझें	22
मुख्य शब्द:	23
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	23
गगनयान + भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन — संसदीय प्रश्नों में प्रमुख अपडेट	24
सरल भाषा में समझें	24
मुख्य शब्द:	24
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	25
PFBR + भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर — परमाणु ऊर्जा रोडमैप 2047	26
सरल भाषा में समझें	26
मुख्य शब्द:	26
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	27





PM E-DRIVE — देशभर में EV चार्जिंग ढाँचे के लिए ₹2,000 करोड़	28
सरल भाषा में समझें	28
मुख्य शब्द:	28
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	29
गलाव झील — अरुणाचल प्रदेश की पहली रामसर स्थल; भारत की कुल संख्या 101	30
सरल भाषा में समझें	30
मुख्य शब्द:	30
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	31
बादल वाला तेंदुआ — भारत की पहली समर्पित संरक्षण कार्य योजना	31
सरल भाषा में समझें	31
मुख्य शब्द:	32
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	33
ICAR — स्वदेशी अफ्रीकी स्वाइन फीवर (ASF) टीका: जैव-सुरक्षा में सफलता	33
सरल भाषा में समझें	33
मुख्य शब्द:	34
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	35
C-DAC + भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण MOU — खनिज अन्वेषण में AI	35
सरल भाषा में समझें	35
मुख्य शब्द:	36
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	37
FAIR परियोजना — अंतरराष्ट्रीय महा-विज्ञान में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका	37
सरल भाषा में समझें	37
मुख्य शब्द:	38
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	38
INDIAAI मिशन — संप्रभु AI अवसंरचना और AIKOSH विश्वविद्यालय कार्यक्रम	39
सरल भाषा में समझें	39
मुख्य शब्द:	39
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	40





भारतीय फार्माकोपिया आयोग — WHO SEARO द्वारा क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र मान्यता	41
सरल भाषा में समझें	41
मुख्य शब्द:	41
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	42
भारत-रवांडा पहली संयुक्त व्यापार समिति — अफ्रीका में व्यापार संबंध गहरे	43
सरल भाषा में समझें	43
मुख्य शब्द:	43
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	44
IEPFA एकीकृत पोर्टल 2.0 — निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष का डिजिटल कायाकल्प	45
सरल भाषा में समझें	45
मुख्य शब्द:	45
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	46
USBRL — कश्मीर को हर मौसम रेल कनेक्टिविटी, ऐतिहासिक इंजीनियरिंग उपलब्धि	46
सरल भाषा में समझें	47
मुख्य शब्द:	47
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	48
नमो भारत — क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम अपडेट	48
सरल भाषा में समझें	48
मुख्य शब्द:	49
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	50
चांदीपुरा वायरस — राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल तैनात	50
सरल भाषा में समझें	50
मुख्य शब्द:	51
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	51
पिंगली वेंकैया — भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रचनाकार की 150वीं जयंती	52
सरल भाषा में समझें	52
मुख्य शब्द:	52
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	53





PIB पृष्ठभूमि — सड़कों की नई तस्वीर: भारत के EV पारिस्थितिकी तंत्र का उदय	54
सरल भाषा में समझें	54
मुख्य शब्द:	54
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	55
PIB पृष्ठभूमि — नक्सल-मुक्त भारत: प्रगति और आगे का रास्ता	56
सरल भाषा में समझें	56
मुख्य शब्द:	56
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	57
PIB पृष्ठभूमि — गोबरधन: स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण विकास में मददगार	58
सरल भाषा में समझें	58
मुख्य शब्द:	58
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	59
PIB पृष्ठभूमि — GI टैग: वैश्विक ब्रांड में पारंपरिक संपदा की वृद्धि	60
सरल भाषा में समझें	60
मुख्य शब्द:	60
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	61
PIB पृष्ठभूमि — भारतीय न्यायपालिका का डिजिटल रूपांतरण	62
सरल भाषा में समझें	62
मुख्य शब्द:	62
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	63
PIB पृष्ठभूमि — भारत की सौर ऊर्जा एक नए युग में प्रवेश कर रही है	64
सरल भाषा में समझें	64
मुख्य शब्द:	64
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	65
PIB पृष्ठभूमि — PM विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY)	66
सरल भाषा में समझें	66
मुख्य शब्द:	66
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	67





PIB पृष्ठभूमि — एक खेल राष्ट्र का निर्माण (CWG 2026 अपडेट)	68
सरल भाषा में समझें	68
मुख्य शब्द:	68
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	69
राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2026 + NETFLIX-संस्कृति-पर्यटन साझेदारी	70
सरल भाषा में समझें	70
मुख्य शब्द:	70
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	71
सम्माननीय उल्लेख	72
अभ्यास प्रश्न	77
10 PRELIMS प्रश्न — UPSC PRELIMS शैली	77
2 मुख्य परीक्षा प्रश्न एवं आदर्श उत्तर	80
PRELIMS उत्तर एवं व्याख्या	82
WEEK-2 AUGUST 2026	85
भारत ने 300 GW जीवाश्म ईंधन रहित विद्युत उत्पादन क्षमता का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल किया	86
सरल भाषा में समझें	86
मुख्य शब्द:	86
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	87
एशियाई शेर 523 → 891 (दस साल में) + गज गौरव पुरस्कार 2026 — भारत की संरक्षण जोड़ी	88
सरल भाषा में समझें	88
मुख्य शब्द:	88
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	89
जल जीवन मिशन — 7 साल, ग्रामीण नल जल कवरेज 16.7% से 82% से अधिक	90
सरल भाषा में समझें	90
मुख्य शब्द:	90
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	91
राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन — पेट्रोलियम और रिफाइनिंग क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन	92





सरल भाषा में समझें	92
मुख्य शब्द:	92
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	93
भाषिणी + नीति आयोग — समावेशी शासन के लिए बहुभाषी AI.....	94
सरल भाषा में समझें	94
मुख्य शब्द:	94
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	95
डिजिटलॉकर + AAERI — ऑस्ट्रेलिया जाने वाले भारतीय छात्रों के दस्तावेज सत्यापन तेज	96
सरल भाषा में समझें	96
मुख्य शब्द:	96
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	97
ई-समुद्र — समुद्री प्रशासन का एकीकृत डिजिटल मंच	98
सरल भाषा में समझें	98
मुख्य शब्द:	98
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	99
CBDC-आधारित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण — केंद्र शासित प्रदेशों में पहली वास्तविक तैनाती	100
सरल भाषा में समझें	100
मुख्य शब्द:	100
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	101
भारत-SACU प्राथमिकता पूर्ण व्यापार समझौता — संदर्भ शर्तें (TOR) हस्ताक्षरित	102
सरल भाषा में समझें	102
मुख्य शब्द:	102
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	103
भारत-नामीबिया संयुक्त व्यापार समिति — चौथा सत्र, यूरेनियम और हरित हाइड्रोजन	104
सरल भाषा में समझें	104
मुख्य शब्द:	104
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	105
मिथिला मखाना — GI-टैग के साथ पहली बार समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया निर्यात	106





सरल भाषा में समझें	106
मुख्य शब्द:	106
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	107
सरसों शहद — डेरगांग FPO, त्रिपुरा से दुबई: पूर्वोत्तर की कृषि निर्यात की उड़ान	108
सरल भाषा में समझें	108
मुख्य शब्द:	108
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	109
सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट योजना — 20 बोलियाँ, घरेलू विनिर्माण की उम्मीद	110
सरल भाषा में समझें	110
मुख्य शब्द:	110
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	111
NBA — सरसों आनुवंशिक संसाधनों से ₹15.52 करोड़ ABS राशि जारी	112
सरल भाषा में समझें	112
मुख्य शब्द:	112
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	113
ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की 11वीं बैठक — भोपाल घोषणापत्र अपनाया	114
सरल भाषा में समझें	114
मुख्य शब्द:	114
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	116
CCI ने ब्रिक्स प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के प्रमुखों की बैठक आयोजित की	116
सरल भाषा में समझें	116
मुख्य शब्द:	117
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	118
UPI — उपयोगकर्ताओं के लिए शून्य शुल्क, सरकार ने औपचारिक रूप से पुष्टि की	118
सरल भाषा में समझें	118
मुख्य शब्द:	119
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	120
E20 पेट्रोल — OMC परीक्षण ने पुष्टि की: कोई क्लोराइड संदूषण नहीं	121





सरल भाषा में समझें	121
मुख्य शब्द:	121
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	122
AI ने कैंसर स्टेम सेल्स की पहचान की — सटीक इलाज की राह	123
सरल भाषा में समझें	123
मुख्य शब्द:	123
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	124
AI-संचालित गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग — ग्रिवा हेल्थकेयर, विशाखापट्टनम	124
सरल भाषा में समझें	125
मुख्य शब्द:	125
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	126
उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर असामान्य ओजोन परत — भारतीय वैज्ञानिकों की खोज	126
सरल भाषा में समझें	126
मुख्य शब्द:	127
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	128
CME (सौर ज्वाला) पूर्वानुमान — नया कंप्यूटर मॉडल, अंतरिक्ष मौसम में भारत	128
सरल भाषा में समझें	128
मुख्य शब्द:	128
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	129
ICMR-SHINE 2026 — 83 स्थानों पर स्कूली छात्रों ने 'वैज्ञानिक के रूप में एक दिन' बिताया	130
सरल भाषा में समझें	130
मुख्य शब्द:	130
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	132
मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित — 12 विधेयक पारित	132
सरल भाषा में समझें	132
मुख्य शब्द:	132
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	133
अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत (NGOPV) का जलावतरण — नौसेना स्वदेशीकरण जारी	134





सरल भाषा में समझें	134
मुख्य शब्द:	134
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	135
ISRO — LEO उपग्रह MEGA-CONSTELLATIONS और अंतरिक्ष मलबा — भारत का औपचारिक रुख	136
सरल भाषा में समझें	136
मुख्य शब्द:	136
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	137
संचयी निर्यात अप्रैल-जुलाई 2026-27 — \$316.42 अरब, 13.16% वृद्धि	138
सरल भाषा में समझें	138
मुख्य शब्द:	138
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	139
NABL — मोबाइल खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए भारत की पहली प्रत्यायन योजना	140
सरल भाषा में समझें	140
मुख्य शब्द:	140
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	141
अगरवुड तेल — MDONER + CHEMEXCIL उद्योग शिखर सम्मेलन, पूर्वोत्तर की निर्यात क्षमता	142
सरल भाषा में समझें	142
मुख्य शब्द:	143
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	144
परमाणु ऊर्जा रोडमैप — DAE का लोकसभा में व्यापक वक्तव्य	144
सरल भाषा में समझें	144
मुख्य शब्द:	145
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	146
भारत टैक्सी — सहकारी मॉडल मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, ड्राइवर-स्वामित्व विकल्प	146
सरल भाषा में समझें	146
मुख्य शब्द:	147
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	148
PIB पृष्ठभूमि — CPGRAMS: डिजिटल शिकायत निवारण	148





सरल भाषा में समझें	148
मुख्य शब्द:	149
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	150
PIB पृष्ठभूमि — भारत में जहाज पुनर्चक्रण: नियामकीय रूपांतरण और वैश्विक नेतृत्व	150
सरल भाषा में समझें	150
मुख्य शब्द:	151
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	152
PIB पृष्ठभूमि — कंटेनर विनिर्माण सहायता योजना: भारत का समुद्री भविष्य	152
सरल भाषा में समझें	152
मुख्य शब्द:	153
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	154
PIB पृष्ठभूमि — MSME विकास (संशोधन) विधेयक, 2026	154
सरल भाषा में समझें	155
मुख्य शब्द:	155
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	156
PIB पृष्ठभूमि — पैमाना (PAIMANA): डेटा-आधारित अवसंरचना प्रशासन	157
सरल भाषा में समझें	157
मुख्य शब्द:	157
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	158
सम्माननीय उल्लेख	160
अभ्यास प्रश्न	166
10 PRELIMS प्रश्न — UPSC PRELIMS शैली	166
2 मुख्य परीक्षा प्रश्न एवं आदर्श उत्तर	169
PRELIMS उत्तर एवं व्याख्या	171
WEEK 3 - AUGUST 2026	174
भारतीय वायुसेना — पिच ब्लैक 2026 (ऑस्ट्रेलिया) + उदारा शक्ति 2026 (मलेशिया)	175
सरल भाषा में समझें	175
मुख्य शब्द:	175





UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	176
<u>INS मेंगोल — कोच्चि के CSL द्वारा निर्मित तीसरी पनडुब्बी-रोधी उथले जल की नौका.....</u>	<u>177</u>
सरल भाषा में समझें	177
मुख्य शब्द:	177
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	178
<u>राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण — बागवानी आनुवंशिक संसाधनों से ₹2.82 करोड़ वितरित</u>	<u>179</u>
सरल भाषा में समझें	179
मुख्य शब्द:	179
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	180
<u>FDC प्रतिबंध — चार वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए CHLORPHENIRAMINE + PHENYLEPHRINE</u>	<u>181</u>
सरल भाषा में समझें	181
मुख्य शब्द:	181
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	182
<u>भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक वार्ता — दूसरा संस्करण, वेलिंगटन.....</u>	<u>182</u>
सरल भाषा में समझें	182
मुख्य शब्द:	183
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	184
<u>INS निपुण — दूसरा स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत.....</u>	<u>184</u>
सरल भाषा में समझें	184
मुख्य शब्द:	184
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	185
<u>DRDO मिसाइल प्रणालियों का भारतीय उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण</u>	<u>185</u>
सरल भाषा में समझें	186
मुख्य शब्द:	186
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	187
<u>INS समर्थक — भारतीय नौसेना का पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत सुपुर्द</u>	<u>187</u>
सरल भाषा में समझें	187
मुख्य शब्द:	188





UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	188
<u>भारत-कुवैत संयुक्त रक्षा समिति — उद्घाटन बैठक</u>	<u>189</u>
सरल भाषा में समझें	189
मुख्य शब्द:	189
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	190
<u>रक्षा निर्यात SOP + OPEN GENERAL EXPORT LICENCE — भारतीय उद्योग के लिए सरलीकृत</u>	<u>190</u>
सरल भाषा में समझें	190
मुख्य शब्द:	191
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	192
<u>भारत-जापान: पीयूष गोयल की टोक्यो यात्रा — अर्धचालक, AI, निवेश</u>	<u>192</u>
सरल भाषा में समझें	192
मुख्य शब्द:	192
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	193
<u>भारत-कंबोडिया व्यापार एवं निवेश संयुक्त कार्य समूह — तीसरी बैठक, नोम पेन्ह</u>	<u>193</u>
सरल भाषा में समझें	194
मुख्य शब्द:	194
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	195
<u>भारत-मोरक्को 7वीं संयुक्त आयोग बैठक — जितिन प्रसाद ने रबात में सह-अध्यक्षता की</u>	<u>195</u>
सरल भाषा में समझें	195
मुख्य शब्द:	195
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	196
<u>CSIR-NAL ने मानवरहित प्रणालियों के लिए स्वदेशी माइक्रो और लघु गैस टर्बाइन इंजन अनावरण किए</u>	<u>197</u>
सरल भाषा में समझें	197
मुख्य शब्द:	197
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	198
<u>दक्षिण एशियाई आंत माइक्रोबायोम — जीवनशैली रोगों के उपचार के लिए अनोखी विशेषताएं</u>	<u>198</u>
सरल भाषा में समझें	198
मुख्य शब्द:	199





UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	200
<u>अल्जाइमर रोग — स्मार्ट प्रौद्योगिकी से निदान अधिक सुलभ</u>	<u>200</u>
सरल भाषा में समझें	200
मुख्य शब्द:	201
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	202
<u>UNCCD COP17 — भारत ने 2011-2020 में 2.176 करोड़ हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापित की</u>	<u>202</u>
सरल भाषा में समझें	202
मुख्य शब्द:	203
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	204
<u>UNCCD COP17 — समुदाय-आधारित चरागाह पुनर्स्थापना की भारत की पुकार</u>	<u>204</u>
सरल भाषा में समझें	204
मुख्य शब्द:	204
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	205
<u>UPI के 10 वर्ष — विश्व का सबसे बड़ा वास्तविक-समय भुगतान तंत्र</u>	<u>206</u>
सरल भाषा में समझें	206
मुख्य शब्द:	206
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	207
<u>प्रधानमंत्री जन-धन योजना — 12 वर्ष, 53+ करोड़ खाते, ₹2.3 लाख करोड़ जमा</u>	<u>208</u>
सरल भाषा में समझें	208
मुख्य शब्द:	208
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	209
<u>क्रिटिकल मिनेरल्स इनोवेशन हैकार्थॉन 2026 — खान मंत्री ने लॉन्च किया</u>	<u>210</u>
सरल भाषा में समझें	210
मुख्य शब्द:	210
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	211
<u>जानी अर्थ — उपराष्ट्रपति ने स्वदेशी AI स्टैक लॉन्च किया (EVON 3.3 + PLEXUS)</u>	<u>211</u>
सरल भाषा में समझें	212
मुख्य शब्द:	212





UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	213
<u>परिवर्तन योजना — दिल्ली-NCR में वाणिज्यिक वाहन मालिकों के लिए EV वित्त</u>	<u>213</u>
सरल भाषा में समझें	214
मुख्य शब्द:	214
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	215
<u>मलेरिया उन्मूलन — 2030 लक्ष्य की प्रगति की समीक्षा</u>	<u>215</u>
सरल भाषा में समझें	215
मुख्य शब्द:	216
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	217
<u>IIP जुलाई 2026 में 6.7% की वृद्धि — विनिर्माण का नेतृत्व.....</u>	<u>217</u>
सरल भाषा में समझें	217
मुख्य शब्द:	218
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	219
<u>PIB पृष्ठभूमि — भारत में परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी</u>	<u>219</u>
सरल भाषा में समझें	219
मुख्य शब्द:	219
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	220
<u>PIB पृष्ठभूमि — भारत का चीनी उद्योग: इथेनॉल, किसान आय, निर्यात नीति.....</u>	<u>221</u>
सरल भाषा में समझें	221
मुख्य शब्द:	221
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	222
<u>PIB पृष्ठभूमि — NADCP + पुनर्योजी कृषि</u>	<u>223</u>
सरल भाषा में समझें	223
मुख्य शब्द:	224
UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:	225
<u>सम्माननीय उल्लेख.....</u>	<u>226</u>
<u>अभ्यास प्रश्न</u>	<u>232</u>





10 PRELIMS प्रश्न — UPSC PRELIMS शैली.....	232
2 मुख्य परीक्षा प्रश्न एवं आदर्श उत्तर	235
PRELIMS उत्तर एवं व्याख्या	236



गोबरधन – संपीड़ित बायोगैस की राष्ट्रीय एकीकृत योजना, ₹23,731 करोड़

मंत्रालय: पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय / नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

PIB तिथि: 6 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

सोचिए – एक गाँव में हर घर से गाय-भैंस का गोबर, खेत की पराली और सब्जियों का कचरा निकलता है। अभी तक यह सब या तो खुले में पड़ा रहता है, या खेतों में जला दिया जाता है – जिससे दिल्ली जैसे शहरों में सर्दियों में धुंध छा जाती है और लोगों की सांसें घुटती हैं। लेकिन अगर इसी गोबर और कचरे को एक बंद टंकी में डाल दें, जहाँ बैक्टीरिया इसे सड़ाएं, तो उससे जो गैस निकलती है – वह है बायोगैस। इस बायोगैस को साफ करके और दबाव से भरकर, यह बिल्कुल CNG जैसा बन जाता है जो आपकी गाड़ी में चलता है, घर में खाना पकाने के काम आता है, या बिजली बनाने में लगता है। और सबसे खास बात – टंकी से जो गाढ़ा तरल बचता है, वह खेतों के लिए सबसे बढ़िया जैविक खाद है, जो महंगे यूरिया की जगह ले सकता है। 6 अगस्त को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसी काम के लिए 'गोबरधन' योजना को ₹23,731 करोड़ की मंजूरी दी। गोबरधन का मतलब है – Galvanising Organic Bio-Agro Resources Dhan। यानी गोबर और खेती के कचरे से धन कमाओ। इस योजना का लक्ष्य है 2030 तक 5,000 CBG (Compressed Biogas) संयंत्र लगाना और हर साल 1.5 करोड़ टन बायोगैस बनाना – जिससे भारत अपना इतना प्राकृतिक गैस का आयात घटा सकता है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
गोबरधन (GOBARdhan)	Galvanising Organic Bio-Agro Resources Dhan – गोबर व कृषि अपशिष्ट से संपीड़ित बायोगैस बनाने की राष्ट्रीय योजना; ₹23,731 करोड़; 5,000 CBG संयंत्र का लक्ष्य
CBG (Compressed Biogas)	संपीड़ित बायोगैस – जैविक कचरे से बनी गैस को शुद्ध और दबाकर बनाई गई; CNG के समान रासायनिक गुण; वाहन, रसोई, पाइपलाइन में सीधे उपयोग



अवायवीय पाचन (Anaerobic Digestion)	बिना ऑक्सीजन के जीवाणुओं द्वारा जैविक पदार्थ का अपघटन; बायोगैस (मीथेन + CO ₂) और जैव-खाद बनती है
SATAT योजना	Sustainable Alternative Towards Affordable Transportation – 2018 में शुरू; तेल कंपनियाँ CBG खरीदने की गारंटी देती हैं; गोबरधन इसे विस्तारित करता है
जैव-खाद (Bio-Slurry)	बायोगैस संयंत्र से निकला तरल अवशेष; नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम से भरपूर; रासायनिक उर्वरक का विकल्प; किसान की लागत घटाता है
पराली जलाना	पंजाब-हरियाणा में धान कटाई के बाद पुआल जलाना; दिल्ली में AQI संकट का मुख्य कारण; गोबरधन संयंत्र पराली को ईंधन के रूप में उपयोग कर सकते हैं
15 MMT CBG लक्ष्य	1.5 करोड़ मीट्रिक टन CBG प्रति वर्ष; भारत की प्राकृतिक गैस खपत का 10-15%; LNG आयात बिल में ₹40,000-60,000 करोड़ की बचत संभव

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- तीन-स्तरीय संयंत्र मॉडल: ग्राम स्तर (2-10 m³/दिन, रसोई गैस), क्लस्टर स्तर (50-500 kg CBG/दिन, 5-20 गाँव), शहर स्तर (1+ टन/दिन, नगरपालिका कचरे से शहर की गैस पाइपलाइन के लिए)
- खाद का अर्थशास्त्र: 15 MMT CBG उत्पादन से 1,500 लाख टन जैव-खाद मिलेगी; भारत की 40-50% रासायनिक खाद की जगह ले सकती है; NIPU-2026 (यूरिया आत्मनिर्भरता) का जैविक विकल्प
- जलवायु नीति में स्थान: अवायवीय पाचन खुले में अपघटन से निकलने वाले मीथेन (CO₂ से 80 गुना अधिक प्रभावशाली ग्रीनहाउस गैस) को पकड़ता है; भारत के NDC लक्ष्य (GDP की उत्सर्जन तीव्रता में 45% कमी) में सहायक
- स्वयं सहायता समूह (SHG) संचालन: महिला SHG सदस्यों को ग्रामीण बायोगैस संयंत्र ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा; प्रति माह ₹5,000-8,000 आय; लखपति दीदी कार्यक्रम से सीधा जुड़ाव
- GOBARdhan Unified Registration Portal: सभी श्रेणियों के बायोगैस संयंत्र यहाँ पंजीकरण करते हैं; SATAT offtake agreement, कार्बन क्रेडिट और सरकारी अनुदान तक पहुँच मिलती है
- वैश्विक तुलना: चीन में 5 करोड़ घरेलू बायोगैस इकाइयाँ (विश्व में सर्वाधिक); जर्मनी में 8,000+ बड़े संयंत्र राष्ट्रीय गैस ग्रिड को बायोगैस देते हैं; भारत दोनों मॉडलों को एक साथ अपना रहा है





इन्वेंट्री-आधारित सीमापार ई-कॉमर्स निर्यात ढाँचा – FTP 2023 के तहत अधिसूचित

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय / DGFT

PIB तिथि: 5 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

मान लीजिए आप मध्यप्रदेश के एक छोटे शहर में बैठकर चंदेरी साड़ियाँ बनाते हैं। आपको पता चला कि अमेरिका में Etsy पर ये साड़ियाँ ₹15,000 में बिकती हैं – लेकिन आपको वहाँ भेजने का तरीका नहीं पता। कस्टम्स, GST रिफंड, विदेशी मुद्रा की जमाबंदी – इतना पेपरवर्क देखकर छोटे बुनकर हार मान लेते हैं। बड़ी कंपनियों के लिए ये सब आसान है, लेकिन कारीगरों के लिए यह एक दीवार जैसा था। 5 अगस्त को DGFT ने इस दीवार को हटाने के लिए 'इन्वेंट्री-आधारित सीमापार ई-कॉमर्स निर्यात ढाँचा' (FTP 2023 के तहत) अधिसूचित किया। इसके तहत एक नई श्रेणी बनाई गई है – E-Commerce Export Entity (ECEE)। ये कंपनियाँ विदेश में बंधुआ गोदाम (Bonded Warehouse) में भारतीय माल पहले से रख सकती हैं। जब कोई विदेशी ग्राहक Etsy पर ऑर्डर देता है, माल उसी गोदाम से 1-2 दिन में पहुँच जाता है। पहले यही काम महीनों लेता था। इसके साथ – कस्टम्स की प्रक्रिया सरल हुई, IGST रिफंड जल्दी मिलेगा, और Razorpay जैसे पेमेंट एग्रीगेटर के जरिए विदेशी मुद्रा सीधे खाते में। इससे करोड़ों छोटे उत्पादक, बुनकर, कारीगर और किसान सीधे वैश्विक बाजार में बेच सकते हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
ECEE (E-Commerce Export Entity)	सीमापार ई-कॉमर्स के लिए नई कानूनी श्रेणी; FTP 2023 के तहत; विदेशी बंधुआ गोदाम में माल रखने, सरल कस्टम्स और तेज IGST रिफंड की सुविधा
इन्वेंट्री-आधारित मॉडल	निर्यातक पहले से विदेशी गोदाम में माल भेज देता है; ऑर्डर आने पर वहीं से डिलीवरी – तेज, सस्ता और ग्राहक के लिए बेहतर अनुभव
बंधुआ गोदाम (Bonded Warehouse)	विदेश में ऐसा गोदाम जहाँ बिना सीमा शुल्क चुकाए माल रखा जाता है; माल बिकने पर ही शुल्क देना होता है



| Click to Connect Now.



IGST रिफंड	निर्यात शून्य-कर (zero-rated) होता है; लेकिन उत्पादन में लगा कर वापस मिलता है; ECEE के लिए यह प्रक्रिया तेज और समर्पित की गई है
FTP 2023 (विदेश व्यापार नीति 2023)	भारत की वर्तमान 5-वर्षीय व्यापार नीति; निर्यात सुविधा, Amnesty योजना, Towns of Export Excellence और अब ई-कॉमर्स ढाँचा शामिल
GI टैग + ई-कॉमर्स संयोग	600+ GI टैग वाले उत्पाद (दार्जिलिंग चाय, कांचीपुरम सिल्क, चंदेरी) ECEE के जरिए सीधे वैश्विक प्रीमियम बाजार तक पहुँच सकते हैं
चीन का मॉडल	अलीबाबा/AliExpress से लाखों छोटे निर्माता सीधे वैश्विक ग्राहकों को बेचते हैं; चीन का \$340 अरब सीमापार ई-कॉमर्स निर्यात इसी ढाँचे पर आधारित

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत का ई-कॉमर्स निर्यात: वर्तमान \$3-4 अरब; 2030 तक \$20-25 अरब की संभावना; चीन \$340 अरब – भारत के पास ढाँचागत सुधार से बड़ी छलांग की गुंजाइश
- MSME लाभार्थी: 6 करोड़ MSME; हस्तशिल्प, हथकरघा, आयुर्वेद उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा – अंतरराष्ट्रीय माँग है लेकिन निर्यात अवसंरचना नहीं थी; ECEE यही खाई पाटती है
- Towns of Export Excellence (ToEE): FTP 2023 में 40 ToEE घोषित – तिरुपुर (निटवेयर), मुरादाबाद (पीतल), आगरा (चमड़ा); ECEE ढाँचा इन्हीं क्लस्टरों के कारीगरों को अंतिम निर्यात सेवा देता है
- RBI की FEMA अनुपालना: विदेशी मुद्रा 9 महीने में वापस लाना अनिवार्य; ECEE ढाँचा Razorpay, PayU जैसे RBI-मान्य भुगतान एग्रीगेटर के जरिए इसे स्वचालित बनाता है
- GI + Netflix + ECEE: इस सप्ताह के तीन लेख मिलकर एक पूरी कहानी बनाते हैं – GI टैग (पहचान), Netflix (वैश्विक दर्शक), ECEE (बिक्री का रास्ता) – भारतीय कारीगर की वैश्विक यात्रा

अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल – सफल परीक्षण

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / DRDO / सामरिक बल कमान

PIB तिथि: 6 अगस्त 2026



| Click to Connect Now.



सरल भाषा में समझें

5-6 अगस्त की रात – यानी हिरोशिमा पर परमाणु बम गिरने की 81वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या – पर भारत ने ओडिशा के अब्दुल कलाम द्वीप से अग्नि-4 मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इसे संयोग कहें या संदेश – भारत दुनिया को यह बताता है कि वह परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं करेगा (No First Use नीति), लेकिन यदि कोई हमला हो तो जवाब देने की ताकत है। अग्नि-4 एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है – लगभग 4,000 किमी तक मार कर सकती है। इसका मतलब है कि भारत की जमीन से दागी गई यह मिसाइल बीजिंग, शंघाई और चीन के सभी प्रमुख शहरों तक पहुँच सकती है। यह ठोस ईंधन (Solid Fuel) से चलती है – मतलब इसे तैयार करने में घंटे नहीं लगते, बस कुछ मिनट। इसे सड़क पर चलने वाले वाहन (TEL) पर रखकर कहीं से भी दागा जा सकता है। इस परीक्षण की एक और खास बात: इसे DRDO ने नहीं, बल्कि सामरिक बल कमान (Strategic Forces Command) ने किया – जिसका मतलब है यह मिसाइल सेना में पूरी तरह शामिल है और सैनिक इसे चलाने में दक्ष हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
अग्नि-4	दो-चरणीय ठोस-ईंधन IRBM; लगभग 4,000 km की मारक क्षमता; परमाणु वारहेड ले जाने में सक्षम; रिंग लेजर गायरोस्कोप नेविगेशन; MaRV टर्मिनल पैंतरेबाजी
IRBM (Intermediate Range Ballistic Missile)	3,000-5,500 km की मारक क्षमता वाली मिसाइल; MRBM और ICBM के बीच; अग्नि-4 भारत की सर्वाधिक तैनात IRBM है
सामरिक बल कमान (SFC)	भारत के परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन की त्रि-सेना कमान; परमाणु कमान प्राधिकरण (NCA) के अंतर्गत; PM की अध्यक्षता में; SFC परीक्षण = मिसाइल पूर्णतः प्रेरित
No First Use नीति	भारत परमाणु हथियार पहले इस्तेमाल नहीं करेगा; परमाणु हमला होने पर ही जवाबी कार्रवाई; 'विश्वसनीय न्यूनतम निरोध' का सिद्धांत
MaRV (Manoeuvrable Re-entry Vehicle)	मिसाइल का वह भाग जो पुनः वायुमंडल में प्रवेश के समय दिशा बदल सकता है; दुश्मन की मिसाइल-रोधी प्रणाली (जैसे S-400) को चकमा देता है





अब्दुल कलाम द्वीप	पूर्व नाम: व्हीलर आइलैंड; ओडिशा तट, बंगाल की खाड़ी; भारत का प्राथमिक बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण रेंज; डॉ. APJ अब्दुल कलाम के नाम पर
अग्नि परिवार	अग्नि-1 (700 km) → अग्नि-2 (2,000 km) → अग्नि-3 (3,000 km) → अग्नि-4 (4,000 km) → अग्नि-5 (5,000+ km) → अग्नि-Prime (2,000 km, हल्की)

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- चीन-विशिष्ट निरोध: अग्नि-1 और 2 पाकिस्तान की पहुँच में; अग्नि-4 और 5 चीन के लिए – बीजिंग (3,800 km), शंघाई (3,200 km), चेंगदू (2,500 km); भारत की दो-मोर्चा परमाणु निरोध संरचना
- ठोस ईंधन का महत्व: तरल ईंधन मिसाइलें दागने से पहले घंटों भर की तैयारी चाहती हैं; ठोस ईंधन से यह मिनटों में तैयार; सड़क पर चलने वाले TEL वाहन से कहीं से भी दागी जा सकती है – सामरिक लचीलापन
- SFC परीक्षण का संकेत: जब DRDO नहीं, SFC परीक्षण करे – इसका अर्थ है मिसाइल पूरी तरह प्रेरित है और सैनिकों ने इसे चलाने का अभ्यास किया है; यह एक विकास परीक्षण नहीं, एक नियमित उपयोगकर्ता परीक्षण है
- परमाणु कमान प्राधिकरण (NCA): PM की अध्यक्षता में; राजनीतिक परिषद (PM + वरिष्ठ मंत्री) और कार्यकारी परिषद (NSA अध्यक्ष); SFC NCA का परिचालन अंग है
- हिरोशिमा संदर्भ: 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने हिरोशिमा पर 'Little Boy' परमाणु बम गिराया; 70,000 लोग तुरंत मारे गए; भारत का इस तिथि पर परीक्षण – परमाणु शक्ति बनाम परमाणु निरोध का प्रतीकात्मक अंतर

DSC A24 – गोताखोरी सहायक जहाज़ परियोजना का पाँचवाँ पोत

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / भारतीय नौसेना

PIB तिथि: 1 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

समुद्र की सतह पर जो जहाज़ नज़र आते हैं, वे तो बस कहानी का आधा हिस्सा हैं। असली युद्ध और असली काम तो अक्सर पानी के नीचे होता है – समुद्री बारूदी सुरंगों को खोजना और नष्ट करना, पानी के नीचे पाइपलाइन और केबल की मरम्मत, डूबे हुए जहाज़ों को निकालना, और सबसे ज़रूरी – यदि कोई पनडुब्बी समुद्र की तली में फँस जाए तो उसके



| Click to Connect Now.



चालक दल को बचाना। इन सभी कामों के लिए विशेष जहाज़ चाहिए जो गोताखोरों को सहायता दे सकें। DSC A24 – यानी गोताखोरी सहायक जहाज़ (Diving Support Craft) परियोजना का पाँचवाँ पोत – इसी काम के लिए बना है। यह एक छोटा लेकिन बेहद ज़रूरी जहाज़ है जो बंदरगाहों के अंदर, उथले तटीय पानी में काम करता है जहाँ बड़े जहाज़ नहीं जा सकते। इसे भारत में ही बनाया गया है – आत्मनिर्भर भारत के तहत। कुल 8 ऐसे जहाज़ बनने हैं, जिनमें से 5 अब तक जलावतरण हो चुके हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
DSC (Diving Support Craft)	गोताखोरी सहायक जहाज़; बंदरगाह और तटीय क्षेत्र में काम करता है; खान निकासी, पतवार निरीक्षण, बंदरगाह बचाव; 8 का कार्यक्रम जारी
DSV बनाम DSC का अंतर	DSV (INS Nipun): बड़ा, गहरे समुद्र में 300 m गहराई, ROV; DSC: छोटा, बंदरगाह में 50-80 m, उथले पानी में संचालन – दोनों मिलकर पूरी क्षमता देते हैं
समुद्री खान निकासी	समुद्री बारूदी सुरंगें खोजना और नष्ट करना; विशेष गोताखोरी उपकरण चाहिए; DSC गोताखोरों का आधार जहाज़ बनता है – बंदरगाह सुरक्षा के लिए अनिवार्य
NPOL (नौसेना भौतिक समुद्रशास्त्र प्रयोगशाला)	DRDO की कोच्चि स्थित प्रयोगशाला; पानी के नीचे के सिस्टम विकसित करती है; DSC के लिए गोताखोरी उपकरण स्वदेशी रूप से बनाए
पोत संख्या 329	निर्माण के दौरान जहाज़ को दिया गया नंबर; 'A24' नौसेना में दिया गया पतवार वर्गीकरण संख्या; DSC परियोजना के तहत अनुक्रमिक निर्माण
8-जहाज़ DSC कार्यक्रम	कुल 8 गोताखोरी सहायक जहाज़ ऑर्डर; अब तक 5 का जलावतरण; सभी भारतीय शिपयार्ड में निर्मित; 2027 तक सभी सेना में शामिल होने की योजना
पतवार निरीक्षण	बंदरगाह में खड़े जहाज़ की पानी के नीचे वाली सतह की जाँच; टूट-फूट, संक्षारण, लिम्पेट माइन; DSC बिना drydock के यह काम करता है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.



- नौसेना स्वदेशीकरण की गति 2026: INS Nipun (DSV-2), INS Machilipatnam (ASW SWC-7), DSC A24 (DSC-5), INS Malvan – भारत हर पखवाड़े एक नया नौसेना पोत कमीशन या जलावतरण कर रहा है; अभूतपूर्व गति
- समुद्री केबल सुरक्षा: भारत की 200+ समुद्री केबल लाइनें दुनिया से जोड़ती हैं; 2024 में हूती हमलों ने लाल सागर की केबल काटी; INS Nipun और DSC भारतीय जलों में केबल की मरम्मत कर सकते हैं
- INS Sindhurakshak सबक (2013): मुंबई में डीजल पनडुब्बी में विस्फोट, 18 नाविक शहीद; त्वरित जल-तल बचाव की क्षमता नहीं थी; DSC और DSRV इसी कमी को दूर करते हैं
- पोर्ट सुरक्षा: 26/11 के बाद भारत ने समुद्री सुरक्षा मजबूत की; DSC गोताखोर बंदरगाह में आए जहाजों की पतवार पर लगे लिम्पेट माइन खोज सकते हैं

गगनयान + भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन – संसदीय प्रश्नों में प्रमुख अपडेट

मंत्रालय: अंतरिक्ष विभाग / ISRO

PIB तिथि: 5-6 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

अंतरिक्ष में इंसान को भेजना – यह सिर्फ एक रॉकेट दागने की बात नहीं है। इसके लिए जीवन-रक्षा प्रणाली, चालक दल की ट्रेनिंग, आपातकालीन बचाव, और वर्षों की तैयारी चाहिए। भारत यह काम कर रहा है – गगनयान मिशन के जरिए। इस हफ्ते संसद में रक्षा राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि गगनयान की तैयारी कहाँ तक पहुँची है। चार गगनयात्री – ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, प्रशांत नायर, अजीत कृष्णन और अंगद प्रताप – रूस में प्रशिक्षण ले चुके हैं और अब बेंगलुरु के Human Space Flight Centre (HSFC) में मिशन-विशिष्ट अभ्यास कर रहे हैं। क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल के qualification tests पूरे हो गए हैं। चालक दल के साथ उड़ान 2026-27 का लक्ष्य है। इसके साथ ही संसद में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) की भी जानकारी दी गई – 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन LEO में होगा। अभी जो ISS (International Space Station) है वह 2030 तक सेवा बंद कर देगा; चीन का Tiangong पहले से तैयार है – इसलिए भारत का BAS रणनीतिक रूप से अनिवार्य है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



| Click to Connect Now.



गगनयान	भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन; 3 दिन LEO में; LVM-3 रॉकेट; 4 प्रशिक्षित गगनयात्री; चालक दल मिशन 2026-27 का लक्ष्य; Crew Module और Service Module तैयार
भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS)	LEO कक्षा में भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन; 2025 में वास्तुकला स्वीकृत; प्रारंभिक 20 टन मॉड्यूल; 2035 तक 52 टन तक विस्तार; ISS के सेवा-अवकाश के बाद अनिवार्य
चालक दल बचाव प्रणाली (CES)	लॉन्च में गड़बड़ी होने पर क्रू मॉड्यूल को रॉकेट से अलग करने की आपातकालीन प्रणाली; pad-abort test सफल; लड़ाकू विमान के इजेक्शन सीट जैसी
HSFC (Human Space Flight Centre)	बेंगलुरु; ISRO का मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र; गगनयात्रियों का प्रशिक्षण, क्रू मॉड्यूल विकास, गगनयान और भविष्य के BAS का मिशन नियंत्रण
अंतरिक्ष VC कोष	₹1,000 करोड़ का वेंचर कैपिटल कोष; IN-SPACe प्रबंधित; अंतरिक्ष स्टार्टअप को फंड; Skyroot, Agnikul जैसी कंपनियों को सहायता – BAS का भार कम करेगा
LVM-3 (Launch Vehicle Mark-3)	भारत का सबसे भारी रॉकेट; 43.5 m ऊँचा; 8 टन पेलोड LEO में; पहले GSLV Mk III; गगनयान चालक दल इसी से जाएगा
Axiom Space Ax-4	ISS के लिए व्यावसायिक मिशन; ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ISS पर जाएँगे – ISS पर पहले भारतीय अंतरिक्षयात्री; गगनयान से पहले का अनुभव

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- गगनयान की समयरेखा: ATV tech demo → CES pad-abort test → G1 मानव-रहित मिशन (Vyommitra रोबोट के साथ) → चालक दल मिशन (2026-27) → स्थायी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम
- BAS की ज़रूरत क्यों: ISS 2030 तक बंद; चीन का Tiangong 2022 से चालू है; बिना BAS के भारत 2030 के बाद अंतरिक्ष स्टेशन विज्ञान से वंचित रहेगा – BAS संप्रभु समाधान





- शुभांशु शुक्ला की ISS यात्रा: Axiom Space के Ax-4 मिशन पर mission specialist; ISS पर पहले भारतीय; यह अनुभव गगनयान की तैयारी में सीधे योगदान देगा
- ₹1,000 करोड़ Space VC Fund: पहला अंतरिक्ष स्टार्टअप वेंचर फंड; Skyroot (Vikram-1, Week 8), Agnikul Cosmos, Pixxel – निजी क्षेत्र BAS घटकों के निर्माण में भागीदार बनेगा
- संसदीय प्रश्न UPSC के लिए: PQ में दिए विशिष्ट डेटा परीक्षा में पूछे जाते हैं – Crew Module का वजन, मिशन अवधि (3 दिन), लक्ष्य कक्षा (400-450 km LEO), 4 गगनयात्रियों के नाम – ये सब याद करें

PFBR + भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर – परमाणु ऊर्जा रोडमैप 2047

मंत्रालय: परमाणु ऊर्जा विभाग

PIB तिथि: 5 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत के परमाणु कार्यक्रम की एक खास बात है – यह 'तीन-चरण' में काम करता है। 1950 के दशक में डॉ. होमी भाभा ने इसे डिज़ाइन किया था – एक ऐसे देश के लिए जिसके पास यूरेनियम कम है लेकिन थोरियम भरपूर है। पहले चरण में, भारी जल रिएक्टर (PHWR) प्राकृतिक यूरेनियम जलाते हैं और प्लूटोनियम बनाते हैं। दूसरे चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (FBR) इस प्लूटोनियम को ईंधन की तरह जलाते हैं और जितना जलाते हैं उससे ज़्यादा प्लूटोनियम बनाते हैं – साथ ही थोरियम को U-233 में बदलते हैं। तीसरे चरण में, AHWR रिएक्टर U-233 और थोरियम से चलेंगे – और तब भारत अपनी थोरियम की विशाल भंडार से ऊर्जा स्वतंत्र हो जाएगा। इस पूरी कड़ी की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है – PFBR (Prototype Fast Breeder Reactor)। यह कल्पक्कम, तमिलनाडु में बन रहा है। संसद में इस हफ्ते बताया गया कि यह 'pre-criticality' चरण में है – यानी पहली परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया (criticality) 2026-27 में अपेक्षित है। इसके साथ ही भारत के Bharat Small Modular Reactors (SMR) पर भी जानकारी दी गई – जो छोटे, सस्ते और जल्दी लगने वाले रिएक्टर हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
PFBR (प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर)	500 MW; कल्पक्कम, तमिलनाडु; BHAVINI संचालित; प्लूटोनियम ईंधन; U-238 को प्लूटोनियम में बदलता है; भारत का चरण-2 का द्वार; pre-criticality में है



| Click to Connect Now.



फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (FBR)	तेज़ न्यूट्रॉन का उपयोग करने वाला रिएक्टर; जितना जलाता है उससे अधिक विखंडनीय पदार्थ बनाता है ('ब्रीड' करता है); परमाणु कचरे को कम करता है
SMR (Small Modular Reactor)	<300 MW; कारखाने में निर्मित; कहीं भी तैनात किया जा सकता है; BARC द्वारा डिज़ाइन; औद्योगिक ताप + बिजली; कम प्रारंभिक निवेश
BARC (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र)	ट्रॉम्बे, मुंबई; भारत का प्रमुख परमाणु अनुसंधान केंद्र; Bharat SMR डिज़ाइन किया; परमाणु ईंधन, हथियार अनुसंधान
BHAVINI	भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लि.; चेन्नई; DAE की सहायक कंपनी; PFBR का निर्माण और संचालन; भविष्य के FBR का प्रबंधन
थोरियम	भारत के पास विश्व का तीसरा सबसे बड़ा थोरियम भंडार (8.46 लाख टन); केरल-TN के समुद्री मोनाजाइट बालू में; FBR में U-233 में परिवर्तित – भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा स्वतंत्रता की कुंजी
परमाणु ऊर्जा मिशन 2047	2047 तक 1,00,000 MW परमाणु क्षमता का लक्ष्य; वर्तमान: 7,480 MW (24 रिएक्टर); हर 3 महीने में एक नया रिएक्टर कमीशन करना होगा – SMR + बड़े PHWR + FBR मिलकर इसे पूरा करेंगे

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत के तीन-चरण कार्यक्रम की विशिष्टता: केवल भारत के पास यह वास्तुकला है; चरण-1 (PHWR) → चरण-2 (FBR/PFBR) → चरण-3 (AHWR/थोरियम); PFBR चरण-1 और 2 के बीच की धुरी – इसलिए सबसे महत्वपूर्ण परमाणु परियोजना
- PFBR criticality का महत्व: 'Critical' होना = पहली स्व-निरंतर परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया; PFBR के critical होने पर भारत FBR चलाने वाला छठा देश बन जाएगा (रूस, फ्रांस, जापान, चीन के बाद)
- SMR के फायदे: पारंपरिक रिएक्टर (700+ MW) में ₹15,000-20,000 करोड़ और 10-15 साल; Bharat SMR (100-300 MW) 3-4 साल में तैयार; औद्योगिक परिसर, दूरदराज के क्षेत्र, द्वीप – जहाँ बड़ा रिएक्टर संभव नहीं
- PFBR ईंधन का भ्रम: UPSC Trap – PFBR थोरियम नहीं, प्लूटोनियम जलाता है; थोरियम चरण-3 (AHWR) में काम आएगा; PFBR में U-238 'blanket' से प्लूटोनियम 'ब्रीड' होता है





- 1,00,000 MW की महत्वाकांक्षा: वर्तमान 7,480 MW से 13 गुना वृद्धि 21 वर्षों में; SMR इसे व्यावहारिक बनाते हैं क्योंकि हर जगह बड़ा रिएक्टर नहीं लग सकता

PM E-DRIVE – देशभर में EV चार्जिंग ढाँचे के लिए ₹2,000 करोड़

मंत्रालय: भारी उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 4 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदना अब उतना मुश्किल नहीं रहा। Tata Nexon EV, Ola S1 स्कूटर, MG Comet – कई विकल्प हैं। लेकिन लोग EV खरीदने से इसलिए हिचकिचाते हैं क्योंकि डर है – अगर बीच रास्ते में बैटरी खत्म हो गई तो? चार्जिंग स्टेशन कहाँ है? पेट्रोल पंप तो हर कुछ किलोमीटर पर मिल जाता है, लेकिन EV चार्जर? भारत में अभी केवल 12,000 पब्लिक EV चार्जिंग स्टेशन हैं – जबकि चीन में 90 लाख और अमेरिका में 1.6 लाख। यही 'रेंज एंग्जायटी' (Range Anxiety) EV को मुख्यधारा में आने से रोक रही है। इस हफ्ते संसद में जवाब में बताया गया कि PM E-DRIVE (Electric Drive Revolution in Innovative Vehicle Enhancement) योजना के तहत ₹2,000 करोड़ विशेष रूप से EV Public Charging Stations (EVPCS) के लिए आवंटित किए गए हैं। इससे राष्ट्रीय राजमार्गों पर हर 25 km पर एक Fast Charger लगेगा, शहरों में पार्किंग, मॉल, रिहायशी इमारतों में 48,400 चार्जर, और बस डिपो में 1,800 चार्जर। इसके साथ एक नियम भी: PM E-DRIVE से बने किसी भी चार्जर पर कोई भी EV ब्रांड चार्ज हो सके – कोई एकाधिकार नहीं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
PM E-DRIVE योजना	Electric Drive Revolution in Innovative Vehicle Enhancement; ₹10,900 करोड़ कुल; 9,000 ई-बस, 500 ई-एम्बुलेंस, EVPCS के लिए ₹2,000 करोड़; सितंबर 2024 में शुरू
EVPCS (EV Public Charging Station)	सार्वजनिक EV चार्जिंग स्टेशन; 70,000+ नए EVPCS का लक्ष्य; राजमार्ग (हर 25 km), शहर, बस डिपो



| Click to Connect Now.



रेंज एंगजायटी (Range Anxiety)	EV की बैटरी खत्म होने का डर; चार्जिंग नेटवर्क की कमी EV अपनाने की मुख्य बाधा; घने चार्जिंग नेटवर्क से सीधे हल
DC फास्ट चार्जर	50-150 kW की शक्ति; 30-45 मिनट में 20% से 80% चार्ज; राजमार्ग पर ज़रूरी; PM E-DRIVE में राजमार्ग फास्ट चार्जर की प्राथमिकता
इंटरऑपरेबिलिटी शर्त	PM E-DRIVE से बने चार्जर पर सभी मानक कनेक्टर काम करें: CCS2, CHAdeMO, Type 2; किसी एक ब्रांड का एकाधिकार नहीं – ग्राहक हित में
FAME-II की विरासत	Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric Vehicles Phase-II; ₹10,000 करोड़, 2019-2024; EV खरीद पर सब्सिडी; 12 लाख+ EV सब्सिडाइज्ड; PM E-DRIVE इसका उत्तराधिकारी – खरीद से इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान
523 ई-बसें तैनात	PM E-DRIVE के PSM घटक के तहत 10 जुलाई 2026 तक; दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता, सूरत में; कुल 9,000 का लक्ष्य

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत का EV बाजार: 2024-25 में 16 लाख EV बिके (कुल वाहन बिक्री का 10%); 2-पहिया वर्चस्व (11 लाख), 3-पहिया (4 लाख), 4-पहिया (1 लाख); 2030 तक 30% EV penetration = ~1.5 करोड़ EV/वर्ष
- CAFE-III जोड़: CAFE-III मानक (91.7 g CO₂/km, Week 7) निर्माताओं को EV बनाने के लिए बाध्य करते हैं; PM E-DRIVE उपभोक्ताओं के लिए चार्जिंग बनाता है – आपूर्ति धक्का + माँग खिंचाव
- ग्रिड तैयारी: 70,000 नए चार्जर एक साथ लोड डाल सकते हैं; Power Ministry ने Smart Charging दिशानिर्देश जारी किए – ऑफ-पीक घंटों में चार्जिंग, Demand Response में भागीदारी
- निजी सह-निवेश: हर ₹1 सरकारी EVPCS खर्च पर ₹3-4 निजी निवेश अपेक्षित (Tata Power, Ather Energy, ChargePoint); PM E-DRIVE 'crowd-in' करने के लिए डिज़ाइन
- EV + GOBARdhan संयोग: GOBARdhan (लेख 1) के CBG से बनी बिजली EV चार्ज करे – ग्रामीण बायोगैस से शहरी गाड़ी चले; दोनों नीतियाँ मिलकर एक वृत्तीय अर्थव्यवस्था बनाती हैं



ग्लाव झील – अरुणाचल प्रदेश की पहली रामसर स्थल; भारत की कुल संख्या 101

मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

PIB तिथि: 3 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले की पहाड़ियों में एक ऐसी झील है जो हिमालय के ग्लेशियरों से बने पानी से भरी है, जहाँ काली गर्दन वाले सारस (Black-necked Crane) उड़ते हैं और जिसे वहाँ के मोनपा आदिवासी समुदाय सदियों से पवित्र मानते आए हैं – यह है ग्लाव झील। अब इसे दुनिया का एक प्रतिष्ठित सम्मान मिला है – रामसर स्थल का दर्जा। रामसर एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जो दुनिया की विशेष आर्द्रभूमि (Wetlands) को संरक्षित करती है। जब कोई स्थान रामसर में सूचीबद्ध होता है, तो वह देश उसकी रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेह हो जाता है। ग्लाव झील के रामसर स्थल बनने से भारत के कुल रामसर स्थलों की संख्या 101 हो गई – यह संख्या दुनिया में किसी भी देश से सबसे अधिक है। इसके अलावा तवांग की राजनीतिक संवेदनशीलता भी महत्वपूर्ण है – चीन इस क्षेत्र पर दावा करता है। रामसर स्थल बनने का मतलब है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इसे भारत की संप्रभु धरती मानती हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
रामसर संधि 1971	आर्द्रभूमि संरक्षण की अंतरराष्ट्रीय संधि; ईरान के रामसर शहर में हस्ताक्षर; भारत 1982 में शामिल; 172 देश, 2,494 रामसर स्थल; सूचीबद्ध स्थानों की अंतरराष्ट्रीय महत्व मान्यता
ग्लाव झील	उच्च ऊँचाई की हिमनद झील; तवांग जिला, अरुणाचल प्रदेश; अरुणाचल का पहला रामसर स्थल; काली गर्दन वाले सारस और हिम तेंदुए का आवास; मोनपा जनजाति की पारंपरिक आस्था
भारत का 101वाँ रामसर स्थल	विश्व में सर्वाधिक रामसर स्थल; 13.3 लाख हेक्टेयर कवर; सुंदरबन (मैंग्रोव), Tsomoriri (उच्च ऊँचाई), Keoladeo (पक्षी अभ्यारण्य) जैसे विविध स्थल
काली गर्दन वाला सारस (Black-necked Crane)	Grus nigricollis; WPA 1972 के Schedule I में; तवांग की संगटी और जेमिथांग घाटियों में सर्दियों में आता है; तिब्बती पठार पर प्रजनन; ग्लाव झील इसके आवास का हिस्सा



| Click to Connect Now.



रामसर Montreux Record	रामसर स्थलों की वह सूची जहाँ मानव हस्तक्षेप से पारिस्थितिक चरित्र बदल रहा है; भारत का Keoladeo (राजस्थान) और Loktak Lake (मणिपुर) इस सूची में – सुधार आवश्यक
WCMP (Wetland Conservation Management Plan)	रामसर स्थल के लिए अनिवार्य दस्तावेज़; खतरों की पहचान, संरक्षण उपाय, निगरानी, समुदाय भागीदारी; राज्य सरकार NWCP की मदद से बनाती है
तवांग की राजनीतिक संवेदनशीलता	चीन तवांग को 'दक्षिण तिब्बत' बताता है; रामसर स्थल = अंतरराष्ट्रीय संस्था भारत की संप्रभुता मानती है; पर्यावरण कानून के जरिए 'soft sovereignty' दावा

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत की रामसर यात्रा: 1982 (शामिल) – 6 स्थल → 2014 – 26 → 2019 – 37 → 2022 – 75 (स्वतंत्रता दिवस मील का पत्थर) → 2026 – 101; 2019 के बाद त्वरण नीतिगत प्राथमिकता दर्शाता है
- जलवायु परिवर्तन की प्रहरी: हिमालयी हिमनद झीलें जलवायु संकेतक हैं; जल स्तर, तापमान, बर्फ आवरण में बदलाव हिमनद के स्वास्थ्य को दर्शाता है; रामसर दर्जा वैज्ञानिक निगरानी अनिवार्य बनाता है – IPCC के लिए डेटा
- मोनपा जनजाति: बौद्ध परंपरा वाला तवांग का आदिवासी समुदाय; ग्लाइल से पारंपरिक जीविका; रामसर संरक्षण में समुदाय भागीदारी की अनिवार्यता मोनपा को संरक्षण-संबद्ध आजीविका दे सकती है
- हाल के रामसर स्थल: Karikili (TN), Pallikaranai Marsh (TN), Pichavaram Mangrove (TN) – 2022; Sirpur (MP), Sakya Para Lake (Sikkim), Renuka (HP) – हिमालयी स्थलों का क्रम जारी

बादल वाला तेंदुआ – भारत की पहली समर्पित संरक्षण कार्य योजना

मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय / WII

PIB तिथि: 3 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें



| Click to Connect Now.



ज़्यादातर भारतीयों ने बाघ देखा है, तस्वीरों में तो ज़रूर। तेंदुआ भी थोड़ा-बहुत परिचित है। लेकिन 'बादल वाला तेंदुआ' (Clouded Leopard)? यह नाम सुनकर लोग पूछते हैं – 'यह होता भी है?' हाँ, होता है। और भारत में ही होता है – पूर्वोत्तर के जंगलों में। मेघालय का यह राज्य पशु है। WPA 1972 के Schedule-I में है – यानी बाघ और शेर जितनी कानूनी सुरक्षा। 11-23 किलो वजन का यह जंगली बिल्ला दुनिया के किसी भी जीवित बिल्ले की तुलना में सबसे लंबे कुंतल (canine teeth) रखता है। 60 लाख साल पहले इसकी वंश-रेखा अन्य बड़े बिल्लों से अलग हो गई थी। फिर भी इसके लिए अब तक कोई समर्पित संरक्षण कार्यक्रम नहीं था – न Project Tiger जैसा, न Project Elephant जैसा। 4 अगस्त – अंतरराष्ट्रीय बादल वाला तेंदुआ दिवस – पर भारत ने इसकी पहली Conservation Action Plan (CAP) जारी की। Wildlife Institute of India (WII) ने इसे तैयार किया।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
बादल वाला तेंदुआ (<i>Neofelis nebulosa</i>)	मध्यम आकार का जंगली बिल्ला; 11-23 kg; पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया; Schedule I, WPA 1972; मेघालय का राज्य पशु; किसी भी जीवित बिल्ले के सबसे लंबे कुंतल
Conservation Action Plan (CAP)	समर्पित प्रजाति संरक्षण प्रबंधन दस्तावेज़; खतरे, कार्रवाई, निगरानी, बजट; भारत में बाघ, हाथी, गैंडा, हिम तेंदुआ, GIB के लिए पहले से CAP; बादल वाला तेंदुआ CAP सबसे नया
Schedule I, WPA 1972	सर्वोच्च कानूनी सुरक्षा; शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध; न्यूनतम 6 साल कारावास; बाघ, शेर, तेंदुआ, हाथी, गैंडा, बादल वाला तेंदुआ सभी Schedule I में
WII (Wildlife Institute of India)	देहरादून; MoEFCC के अंतर्गत; वन्यजीव शोध, संरक्षण योजना, वन अधिकारी प्रशिक्षण; बादल वाला तेंदुआ CAP तैयार किया
Sunda बादल वाला तेंदुआ	<i>Neofelis diardi</i> – बोर्नियो और सुमात्रा में अलग प्रजाति; DNA विश्लेषण से 2006 में अलग प्रजाति घोषित; भारत में <i>Neofelis nebulosa</i> पाया जाता है – दोनों में अंतर याद रखें





कैमरा ट्रैप निगरानी	WII ने असम और मेघालय में 500+ कैमरा ट्रैप लगाए हैं; बाघ गणना की तकनीक को बादल वाले तेंदुए पर लागू करना; पहली बार वैज्ञानिक जनसंख्या अनुमान मिलेगा
अंतरराष्ट्रीय बादल वाला तेंदुआ दिवस	4 अगस्त; चिड़ियाघर और संरक्षण समुदाय द्वारा स्थापित; दुनिया के सबसे कम ज्ञात जंगली बिल्लों में जागरूकता के लिए; भारत का CAP इसी दिन जारी – नीतिगत प्रतिबद्धता का संकेत

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- UPSC के लिए क्यों महत्वपूर्ण: Schedule I प्रजाति + राज्य पशु + नई CAP = तीन-कोण UPSC प्रश्न; 'मेघालय का राज्य पशु = बादल वाला तेंदुआ' – जैसे 'गुजरात का राज्य पशु = एशियाई शेर' UPSC में सीधे पूछा जाता है
- राज्य पशु कनेक्शन: बादल वाला तेंदुआ (मेघालय), हिम तेंदुआ (HP), एशियाई शेर (गुजरात), बंगाल टाइगर (WB), GIB (राजस्थान), गंगेटिक डॉल्फिन (बिहार) – ये सभी UPSC Prelims में पूछे जाते रहे हैं
- पूर्वोत्तर जंगलों का खतरा: झूम खेती, NH-27 जैसे राजमार्ग, चाय बागान विस्तार – जंगल के टुकड़े होते हैं; CAP 12 प्राथमिकता गलियारे चिह्नित करती है जहाँ बादल वाले तेंदुए आते-जाते हैं
- Project Clouded Leopard की संभावना: CAP भविष्य में Project Tiger की तर्ज पर 'Project Clouded Leopard' बन सकती है – समर्पित बजट, समन्वय समिति, संरक्षण रिज़र्व; यह भारत का छठा प्रजाति-विशिष्ट संरक्षण कार्यक्रम होगा
- शिकार का खतरा: बादल वाले तेंदुए की खाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में ₹8-16 लाख तक; पूर्वोत्तर की पारगम्य सीमाएँ (म्यांमार, भूटान, बांग्लादेश) तस्करी के रास्ते; CAP एंटी-पोचिंग समन्वय को प्राथमिकता देती है

ICAR – स्वदेशी अफ्रीकी स्वाइन फीवर (ASF) टीका: जैव-सुरक्षा में सफलता

मंत्रालय: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / ICAR

PIB तिथि: 4 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें



| Click to Connect Now.



अफ्रीकी स्वाइन फीवर (African Swine Fever, ASF) एक ऐसी बीमारी है जो सूअरों में लगती है और 100% मार देती है। इसका कोई इलाज नहीं। एक बार किसी सूअर फार्म में पहुँच जाए, तो बस एक ही रास्ता है – पूरे इलाके के सभी सूअरों को मार देना। यह बीमारी इंसानों को नहीं लगती, लेकिन जिस किसान ने पूरी ज़िंदगी की बचत से सूअर पाले, उसकी सारी मेहनत पल भर में खत्म हो जाती है। 2020 में यह बीमारी म्यांमार से अरुणाचल प्रदेश और असम में घुसी और पूर्वोत्तर के लाखों सूअर मर गए – नागालैंड, मेघालय, मिज़ोरम, अरुणाचल जैसे राज्यों में जहाँ सूअर पालना सिर्फ आय का साधन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा भी है। दुनिया में ASF का अभी तक कोई व्यावसायिक टीका नहीं था। ICAR-NIHSAD (भोपाल) ने यह असंभव-सा काम करके दिखाया – भारत का पहला स्वदेशी ASF टीका तैयार। यह gene-deleted live-attenuated vaccine है – यानी वायरस के कुछ जीन हटाकर उसे कमज़ोर किया गया, ताकि वह बीमारी न पैदा करे लेकिन शरीर को प्रतिरोधक क्षमता ज़रूर दे। परीक्षणों में 80-90% सुरक्षा मिली।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
अफ्रीकी स्वाइन फीवर (ASF)	सूअरों की विषाणु जनित रक्तस्रावी बीमारी; 100% मृत्यु दर; कोई इलाज नहीं; Asfarviridae परिवार; रक्त, भोजन, टिक (Ornithodoros) से फैलता है; मनुष्यों को नहीं लगता
ICAR-NIHSAD	National Institute of High Security Animal Diseases; भोपाल; DRDO का पशु रोग अनुसंधान केंद्र; BSL-3 और BSL-4 प्रयोगशाला; FMD, ASF, Nipah, H5N1 जैसे खतरनाक रोगाणुओं पर शोध
gene-deleted live-attenuated vaccine	कुछ जीन हटाकर कमज़ोर किए गए जीवित विषाणु से बना टीका; बीमारी नहीं पैदा करता; मज़बूत प्रतिरोधक क्षमता बनाता है; MMR, चिकनपॉक्स टीकों जैसी तकनीक
पूर्वोत्तर में ASF प्रभाव	2020 में म्यांमार से प्रवेश; असम, अरुणाचल, नागालैंड, मेघालय, मिज़ोरम में 2-3 लाख सूअर मरे; पूर्वोत्तर के किसानों को अरबों की क्षति
विश्व में ASF टीका स्थिति	वर्तमान में व्यावसायिक टीका नहीं; USA (USDA प्रयोगात्मक), वियतनाम (AVAC, 2023 स्वीकृत), दक्षिण कोरिया, और अब भारत – 3-4 देशों का क्लब





चीन का ASF संकट (2018-19)	चीन में विश्व की 50% सूअर आबादी; ASF से 40%+ मरे; पोर्क कीमतें तिगुनी; वैश्विक खाद्य कीमतों पर असर; भारत का टीका वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण
BSL (Biosafety Level)	BSL-1 से BSL-4 तक प्रयोगशाला सुरक्षा स्तर; ASF के लिए BSL-3 आवश्यक; NIHSAD India की कुछ BSL-3 क्षमता वाली प्रयोगशालाओं में से एक

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- पूर्वोत्तर का सांस्कृतिक-आर्थिक महत्व: नागालैंड, मेघालय, मिज़ोरम, अरुणाचल में सूअर पालना सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा; भारत में 1.8 करोड़ सूअर, पूर्वोत्तर में 18 लाख; ASF टीका इस समुदाय का अस्तित्व बचाता है
- One Health जुड़ाव: ASF जंगली सूअर → पालतू सूअर → खेत से खेत; Ornithodoros टिक वन्यजीव में भंडार; नियंत्रण के लिए मानव, पशु और पर्यावरण का समन्वित One Health दृष्टिकोण – BRICS Health Ministers Meeting (Week 8) से जुड़ाव
- मनुष्यों को नहीं लगता: ASF केवल सूअरों को; संक्रमित सूअर का मांस खाना मनुष्यों के लिए सुरक्षित है; लेकिन आर्थिक और खाद्य सुरक्षा क्षति विनाशकारी – UPSC के लिए यह भेद महत्वपूर्ण है
- ICAR-NIHSAD की अन्य भूमिका: FMD (पाँव-मुँह रोग) टीका, Nipah निगरानी, Avian Influenza (H5N1, H9N2) – भारत का प्रमुख 'उच्च-सुरक्षा' पशु रोग अनुसंधान केंद्र; BSL-3 क्षमता अनिवार्य थी

C-DAC + भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण MoU – खनिज अन्वेषण में AI

मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं IT मंत्रालय / खान मंत्रालय

PIB तिथि: 4 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (Geological Survey of India, GSI) की स्थापना 1851 में हुई थी – यानी अंग्रेजों के ज़माने से यह संस्था भारत की धरती का नक्शा खींचती और पत्थरों-खनिजों की खोज करती आ रही है। 175 साल में इसने ज़बरदस्त डेटा इकट्ठा किया है – लाखों भूवैज्ञानिक रिपोर्टें, भूकंपीय माप, रासायनिक नमूने, उपग्रह चित्र। लेकिन



| Click to Connect Now.



यह सारा खज़ाना कागजों में, पुरानी फाइलों में, टूटे-फूटे डेटाबेस में दबा पड़ा है। एक इंसान की पूरी ज़िंदगी लग जाए तो भी इसे पढ़ा नहीं जा सकता। लेकिन AI इसे कुछ दिनों में पढ़ सकता है – और उन पैटर्न को खोज सकता है जो किसी भूविज्ञानी ने नहीं देखे। 4 अगस्त को C-DAC (Centre for Development of Advanced Computing) और GSI ने एक MoU किया। C-DAC वही संस्था है जिसने PARAM जैसे सुपरकंप्यूटर बनाए। अब वह GSI के 175 साल के डेटा पर AI लगाकर: 1) नए खनिज भंडार ढूँढ़ेगी, 2) खनिज अन्वेषण की लागत 60-70% घटाएगी, 3) हिमालय और पूर्वोत्तर में भूस्खलन की भविष्यवाणी करेगी।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
GSI (भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण)	1851 में स्थापित; भारत के सबसे पुराने वैज्ञानिक विभागों में; भूविज्ञान मानचित्रण, खनिज पहचान, भूकंप और भूस्खलन आकलन; 175 साल का अमूल्य भूवैज्ञानिक डेटा
C-DAC (Centre for Development of Advanced Computing)	MeitY के तहत; भारत का प्रमुख AI और HPC (High Performance Computing) संस्थान; PARAM सुपरकंप्यूटर श्रृंखला विकसित की; IndiaAI Mission का तकनीकी स्तंभ
भूविज्ञान AI	ML मॉडल जो भूवैज्ञानिक डेटा (नक्शे, बोरहोल लॉग, भूभौतिकी, भूसायन) पर प्रशिक्षित; खनिज घटना की संभावना का पूर्वानुमान; पारंपरिक खोज की तुलना में 60-70% कम लागत
PARAM सुपरकंप्यूटर	C-DAC की स्वदेशी सुपरकंप्यूटर श्रृंखला; PARAM Siddhi-AI भारत का सबसे तेज़; मौसम मॉडलिंग, दवा खोज, AI प्रशिक्षण में उपयोग; GSI डेटा प्रोसेसिंग में भी काम आएगा
महत्वपूर्ण खनिज जोड़	भारत 76+ महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक नीलाम कर चुका है (Week 8-9); GSI-C-DAC AI नए भंडार खोजेगा → और ब्लॉक नीलाम होंगे → आयात निर्भरता घटेगी
भूस्खलन पूर्वानुमान	GSI भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र मानचित्र + वर्षा डेटा + उपग्रह चित्र + AI = हिमाचल, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर में भूस्खलन की पूर्व चेतावनी; 2023-24 की विनाशकारी भूस्खलन घटनाओं के बाद अनिवार्य



राष्ट्रीय भूस्थानिक नीति 2022	अधिकांश भूस्थानिक डेटा पर लाइसेंस आवश्यकता समाप्त; GSI का डेटा अब व्यापक रूप से साझा किया जा सकता है; C-DAC AI को इससे बड़ा फायदा
----------------------------------	---

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 175 साल का डेटा कितना मूल्यवान: GSI के सर्वेक्षणों ने झारखंड का लोहा, ओडिशा का बॉक्साइट, राजस्थान का खनिज – यह सब पहचाना; AI इसी डेटा में जो मनुष्य की आँख से छूट गया उसे खोजेगा
- खनिज अन्वेषण की अर्थव्यवस्था: पारंपरिक खोज (भूभौतिकीय सर्वेक्षण + रासायनिक नमूने + ड्रिलिंग) = ₹50-200 करोड़ प्रति क्षेत्र; AI-निर्देशित खोज = केवल उच्च-संभावना क्षेत्रों में ड्रिलिंग = 60-70% लागत बचत
- Deep Ocean Mission जोड़: MoES का Deep Ocean Mission भारत के EEZ में पॉलिमेटेलिक नॉड्यूल खोज रहा है; GSI-C-DAC AI ढाँचा भूमि खनिज से समुद्री खनिज मानचित्रण तक बढ़ाया जा सकता है
- आपदा प्रबंधन: SDRF अग्रिम भूगतान (इस सप्ताह ₹2,117 करोड़) → बाढ़ और भूस्खलन प्रतिक्रिया; GSI-C-DAC AI → भूस्खलन पूर्वानुमान → आपदा पूर्व तैयारी; दोनों मिलकर अधिक प्रभावी

FAIR परियोजना – अंतरराष्ट्रीय महा-विज्ञान में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय / DAE / DST

PIB तिथि: 7 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

जर्मनी के डार्मस्टेड शहर में दुनिया का सबसे जटिल कण त्वरक (particle accelerator) बन रहा है – FAIR (Facility for Antiproton and Ion Research)। इसे बनाने में 50 से ज़्यादा देश भागीदार हैं। यह मशीन भारी आयनों (बिना इलेक्ट्रॉन के परमाणु) को प्रकाश की गति के 99% तक तेज़ करती है और उन्हें टकराती है। जब यह टकराव होता है तो वैसी ही स्थिति बनती है जो Big Bang (ब्रह्मांड की उत्पत्ति) के कुछ क्षण बाद थी। वैज्ञानिक इससे यह समझना चाहते हैं कि प्रोटॉन और न्यूट्रॉन के अंदर क्वार्क (quark) और ग्लुऑन (gluon) कैसे काम करते हैं, पदार्थ की उत्पत्ति कैसे हुई, और न्यूट्रॉन तारों (neutron stars) के अंदर क्या है। भारत सिर्फ़ पैसे देने वाला भागीदार नहीं है – बल्कि BARC और VECC (वैरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर, कोलकाता) ने FAIR के लिए अतिचालक सोलनोइड चुंबक बनाए हैं, और RRCAT (राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, इंदौर) ने बीम डायग्नोस्टिक्स सिस्टम बनाए। इस हफ्ते PIB ने पुष्टि की कि भारत FAIR के सबसे तकनीकी रूप से माँग वाले घटक बना और दे रहा है।



| Click to Connect Now.

**मुख्य शब्द:**

शब्द / पद	परिभाषा
FAIR	Facility for Antiproton and Ion Research; डार्मस्टेड, जर्मनी; विश्व का सबसे बड़ा भारी-आयन त्वरक परिसर निर्माणाधीन; 50+ देश भागीदार; भारत संस्थापक सदस्य और प्रौद्योगिकी योगदानकर्ता
भारी-आयन त्वरक	भारी परमाणुओं (यूरेनियम, सीसा) को प्रकाश की गति के 99% तक त्वरित करने वाली मशीन; टकराव से Big Bang जैसी स्थिति; क्वार्क-ग्लुऑन प्लाज़्मा का अध्ययन
क्वार्क-ग्लुऑन प्लाज़्मा (QGP)	Big Bang के कुछ μs बाद की अवस्था; प्रोटॉन-न्यूट्रॉन 'पिघलकर' क्वार्क और ग्लुऑन में बदल जाते हैं; FAIR प्रयोगशाला में इसे बनाया जाएगा
VECC (Variable Energy Cyclotron Centre)	VECC, कोलकाता; DAE का संस्थान; कण त्वरक और विकिरण उपकरण बनाता है; FAIR के लिए अतिचालक सोलनोइड चुंबक बनाए – दुनिया के सबसे जटिल चुंबकों में से
RRCAT (राजा रमन्ना सेंटर)	इंदौर; DAE; लेजर और त्वरक प्रौद्योगिकी; FAIR के लिए बीम डायग्नोस्टिक्स सिस्टम बनाए – कण बीम की गुणवत्ता वास्तविक समय में मापने वाले सेंसर
CBM (Compressed Baryonic Matter) प्रयोग	FAIR के 4 प्रमुख प्रयोगों में से एक; न्यूट्रॉन तारों जैसी अत्यधिक घनत्व की परिस्थितियों में पदार्थ का अध्ययन; भारतीय डिटेक्टर योगदान सबसे महत्वपूर्ण
विज्ञान कूटनीति	FAIR में भागीदारी भारत को जर्मनी, EU और 50+ देशों से जोड़ती है; वैज्ञानिक सहयोग से बना विश्वास सामरिक और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करता है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत का FAIR निवेश: FAIR की कुल लागत €3 अरब का लगभग 3%; अनुपात के अनुसार भारत को 'बीम टाइम' मिलता है – भारतीय वैज्ञानिकों को FAIR के प्रयोगों में पहुँच; मानव पूँजी में रिटर्न



| Click to Connect Now.



- CERN के साथ भारत: CERN (Large Hadron Collider, जिनेवा) में भारत; ITER (परमाणु संलयन, फ्रांस); SKA (Square Kilometre Array, दक्षिण अफ्रीका/ऑस्ट्रेलिया); FAIR – भारत की वैश्विक महा-विज्ञान में व्यवस्थित भागीदारी
- अतिचालक चुंबक: -269°C तापमान पर काम करते हैं; BARC/VECC ने इन्हें बनाना मतलब क्रायोजेनिक्स, अतिचालक सामग्री, परिशुद्ध इंजीनियरिंग में महारत; यह क्षमता परमाणु ऊर्जा और संलयन ऊर्जा कार्यक्रमों में सीधे उपयोगी
- Make in India रक्षा स्पिलओवर: चुंबक तकनीक → MRI मशीनें, मैग्लेव ट्रेन; RRCAT की बीम डायग्नोस्टिक्स → प्रोटॉन बीम कैंसर थेरेपी (उच्च-मूल्य चिकित्सा अनुप्रयोग)

IndiaAI मिशन – संप्रभु AI अवसंरचना और AIKosh विश्वविद्यालय कार्यक्रम

मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं IT मंत्रालय / IndiaAI

PIB तिथि: 4-6 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आज सिर्फ एक तकनीक नहीं – यह वैसी ताकत बन गई है जैसे पहले परमाणु शक्ति या अर्धचालक (semiconductor) थे। जो देश AI में आगे होगा, उसकी अर्थव्यवस्था, सेना और शासन – सब आगे होगा। लेकिन AI ट्रेन करने के लिए चाहिए GPU (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) – एक खास चिप जो बहुत तेज़ गणनाएँ करती है। अभी भारत के शोधकर्ता और कंपनियाँ GPU के लिए Google Cloud, Amazon AWS या Microsoft Azure पर निर्भर हैं – विदेशी कंपनियाँ, विदेशी सर्वर, विदेशी कानून। मतलब भारत का डेटा विदेश में जाता है। IndiaAI Mission (मार्च 2024, ₹10,372 करोड़) इसे बदल रहा है। इस हफ्ते की संसदीय जानकारी और PIB अपडेट से पता चला कि सरकार 10,000 से अधिक GPU वाला 'संप्रभु AI कंप्यूट क्लस्टर' बना रही है – सिर्फ भारतीय शोधकर्ताओं और स्टार्टअप के लिए, सस्ते में। साथ ही AIKosh कार्यक्रम – जहाँ 200+ विश्वविद्यालयों को भारतीय भाषाओं, कृषि, कानून और स्वास्थ्य के डेटासेट दिए जाएँगे ताकि छात्र भारत-विशिष्ट AI मॉडल बना सकें। और Deepfake के खिलाफ नया ढाँचा – प्लेटफॉर्म को 36 घंटे में Deepfake हटाना होगा।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



| Click to Connect Now.



IndiaAI Mission	₹10,372 करोड़; मार्च 2024; सात स्तंभ: कंप्यूट अवसंरचना, शोध, डेटासेट, शासन में AI, कौशल, स्टार्टअप, सुरक्षित AI; भारत का राष्ट्रीय AI कार्यक्रम
संप्रभु AI कंप्यूट	सरकारी GPU क्लस्टर (10,000+ GPU); भारतीय शोधकर्ताओं और स्टार्टअप को सस्ते में उपलब्ध; विदेशी क्लाउड (AWS, Google, Azure) पर निर्भरता कम; डेटा भारत में रहता है
GPU (Graphics Processing Unit)	AI/ML प्रशिक्षण के लिए अनुकूल माइक्रोप्रोसेसर; समानांतर गणनाएँ; NVIDIA A100/H100 प्रमुख AI GPU; भारत की AI अवसंरचना की मुख्य बाधा – इसे हल करता है
AIKosh	AI Knowledge Shared Open Facility; 200+ विश्वविद्यालयों को भारतीय भाषा डेटासेट, कृषि डेटा, कानूनी पाठ तक पहुँच; छात्र भारत-संदर्भ AI मॉडल बना सकते हैं – BHASHINI कॉर्पस उपलब्ध
Deepfake विनियमन	MeitY का AI-जनित सामग्री ढाँचा; प्लेटफॉर्म को AI-जनित सामग्री लेबल करना अनिवार्य; 36 घंटे में Deepfake हटाना; IT नियम 2021 का विस्तार
BharatGen	IndiaAI Mission के तहत भारत का अपना Large Language Model (LLM); 22 भारतीय भाषाओं में; भारतीय डेटा पर प्रशिक्षित; ओपन-सोर्स; ChatGPT का भारतीय संस्करण
NVIDIA साझेदारी	IndiaAI ने NVIDIA के साथ DGX SuperPOD के लिए साझेदारी की; भारत को NVIDIA GPU की प्राथमिकता आपूर्ति; वैश्विक GPU संकट के बीच महत्वपूर्ण

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 10,000 GPU का संदर्भ: GPT-4 (ChatGPT) को ~25,000 A100 GPU से प्रशिक्षित किया गया; IndiaAI के 10,000 GPU frontier AI नहीं, लेकिन भारतीय डेटा पर fine-tuning और mid-size मॉडल के लिए पर्याप्त – भारत के लिए सही महत्वाकांक्षा





- डेटा संप्रभुता: भारत का स्वास्थ्य, कृषि, न्यायिक डेटा विदेशी सर्वर पर न जाए – IndiaAI का मुख्य लक्ष्य; संवेदनशील क्षेत्रों (रक्षा, स्वास्थ्य, न्यायपालिका) के लिए भारतीय कंप्यूट अनिवार्य
- Deepfake का खतरा: 2024 चुनाव में नेताओं के Deepfake वीडियो; 'बॉस स्कैम' Deepfake वॉइस कॉल से ₹500+ करोड़ की वित्तीय धोखाधड़ी; MeitY ढाँचा राजनीतिक और आर्थिक दोनों नुकसान रोकेगा
- Semicon 2.0 + IndiaAI: Semicon 2.0 (Week 7) = चिप बनाओ; IndiaAI = AI अवसंरचना बनाओ; दोनों मिलकर सिलिकॉन से एप्लिकेशन तक पूरा stack भारत में – डिजिटल संप्रभुता का रोडमैप

भारतीय फार्माकोपिया आयोग – WHO SEARO द्वारा क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र मान्यता

मंत्रालय: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय / IPC

PIB तिथि: 5 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत को 'दुनिया की फार्मसी' कहा जाता है – वैश्विक generic दवाओं का 20%, वैश्विक टीकों का 60% भारत बनाता है। अमेरिका की 40% generic दवाएँ, ब्रिटेन की 25% दवाएँ भारत से आती हैं। लेकिन सबसे बड़ा उत्पादक होना = सबसे भरोसेमंद गुणवत्ता – यह ज़रूरी नहीं। 2022-23 में भारतीय कफ सीरप से गांबिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत हुई – जाँच में भारतीय निर्माता की गलती निकली। यह भारत की साख के लिए गहरा धक्का था। इसलिए WHO SEARO (South-East Asia Regional Office) का यह फैसला और भी महत्वपूर्ण हो जाता है – उसने इस हफ्ते IPC (Indian Pharmacopoeia Commission, गाज़ियाबाद) को दो बड़ी मान्यताएँ दीं: Pharmacovigilance में क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र, और दवा गुणवत्ता में तकनीकी केंद्र। इसका मतलब – IPC अब दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के 11 देशों के दवा नियामकों को प्रशिक्षण देगी। भारत दवाएँ बेचने के साथ-साथ दवा सुरक्षा का ज्ञान भी निर्यात करेगा।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
IPC (Indian Pharmacopoeia Commission)	गाज़ियाबाद, UP; MoHFW के अंतर्गत स्वायत्त संस्था; Indian Pharmacopoeia (IP) प्रकाशित करती है; PvPI (Pharmacovigilance Programme of India) प्रबंधित करती है



| Click to Connect Now.



Indian Pharmacopoeia (IP)	भारत में सभी दवाओं के लिए गुणवत्ता मानकों का आधिकारिक दस्तावेज़; पवित्रता, शक्ति, संरचना निर्दिष्ट; हर 5 साल अपडेट; IP 2022 वर्तमान संस्करण
WHO SEARO	WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय; 11 सदस्य देश: भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल, थाईलैंड, इंडोनेशिया, भूटान, मालदीव, उत्तर कोरिया, तिमोर-लेस्ते; IPC अब इन सभी का प्रशिक्षण केंद्र
Pharmacovigilance	दवाओं के बाजार में आने के बाद उनके दुष्प्रभावों की निगरानी का विज्ञान; ADR (Adverse Drug Reaction) रिपोर्टिंग; PvPI इसी का राष्ट्रीय कार्यक्रम
PvPI (Pharmacovigilance Programme of India)	भारत का ADR रिपोर्टिंग कार्यक्रम; 1,800+ स्वास्थ्य केंद्र ADR रिपोर्ट देते हैं; WHO VigiBase को डेटा भेजता है; IPC प्रबंधित; 30 लाख+ ADR रिपोर्ट संग्रहीत
WHO VigiBase	WHO का वैश्विक ADR डेटाबेस; 2.5 करोड़+ व्यक्तिगत मामले; 150 देशों से; भारत शीर्ष योगदानकर्ताओं में; IPC की SEARO मान्यता वैश्विक दवा सुरक्षा में भारत का प्रभाव बढ़ाती है
गांबिया-उज्बेकिस्तान प्रकरण (2022-23)	Marion Biotech का कफ सीरप: diethylene glycol संदूषण; बच्चों की मौत; CDSCO जाँच; इस प्रकरण के बाद IPC ने गुणवत्ता निगरानी और कड़ी की; WHO SEARO मान्यता इसी प्रतिक्रिया का हिस्सा

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत की फार्मसी स्थिति: वैश्विक generic का 20%, WHO प्री-क्वालिफाइड टीकों का 60%, US FDA-अनुमोदित विदेशी निर्माण इकाइयों का 50% – भारत से; SEARO मान्यता इस विनिर्माण शक्ति में नियामक विश्वसनीयता जोड़ती है
- 11 SEARO देश: IPC इन्हें Pharmacovigilance अधिकारी प्रशिक्षण देगी – भारत नियामक विशेषज्ञता निर्यात कर रहा है, सिर्फ दवाएँ नहीं



- ADR रिपोर्टिंग का महत्व: दवा approve होने के बाद भी बुरे प्रभाव पता चल सकते हैं – जैसे Thalidomide (1960 में बच्चों में विकृति); Pharmacovigilance यही पकड़ती है; PvPI का AI-powered signal detection SEARO सदस्यों के साथ साझा होगा
- Jan Aushadhi जोड़: Jan Aushadhi योजना की generic दवाएँ IP मानकों पर खरी हों तो IPC की SEARO मान्यता उनकी गुणवत्ता का वैश्विक प्रमाण बन जाती है – सस्ती लेकिन विश्व-स्तरीय

भारत-रवांडा पहली संयुक्त व्यापार समिति – अफ्रीका में व्यापार संबंध गहरे

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 1 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

रवांडा – पूर्वी अफ्रीका का एक छोटा-सा देश। 2.6 करोड़ वर्ग किलोमीटर की जमीन, 1.4 करोड़ लोग, और एक इतिहास जो दुनिया को हिला देने वाला है। 1994 में वहाँ 100 दिनों में 8 लाख लोगों का नरसंहार हुआ। लेकिन उसके बाद जो हुआ वो और भी हैरान करने वाला है – रवांडा ने खुद को इतनी तेज़ी से बदला कि आज वह अफ्रीका का Singapore कहलाता है। सरकार भ्रष्टाचार मुक्त, अर्थव्यवस्था तेज़, सड़कें साफ, और अफ्रीका में सबसे आसान कारोबार का दूसरा स्थान (World Bank, 2020)। भारत के लिए रवांडा क्यों महत्वपूर्ण है? तीन कारण: पहला – रवांडा East African Community (EAC) का सदस्य है जो 30 करोड़ लोगों का साझा बाजार है; रवांडा में भारतीय निवेश मतलब पूरे EAC में पहुँच। दूसरा – रवांडा ने ड्रोन से दूरस्थ गाँवों में खून और दवाएँ पहुँचाने वाला दुनिया का पहला राष्ट्रीय नेटवर्क बनाया – भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए अवसर। तीसरा – AfCFTA (African Continental Free Trade Area) – 54 अफ्रीकी देशों का मुक्त व्यापार क्षेत्र – के तहत रवांडा से जुड़ना पूरे अफ्रीका का द्वार खोल सकता है। 1 अगस्त को दोनों देशों ने पहली संयुक्त व्यापार समिति (JTC) की बैठक की।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
रवांडा	पूर्वी अफ्रीका; 1.4 करोड़ जनसंख्या; 1994 नरसंहार के बाद अभूतपूर्व पुनर्निर्माण; EAC सदस्य; अफ्रीका में 2nd Ease of Doing Business (World Bank 2020); 'अफ्रीका का Singapore'



EAC (East African Community)	पूर्वी अफ्रीका साझा बाजार: तंज़ानिया, केन्या, युगांडा, रवांडा, बुरुंडी, दक्षिण सूडान, DRC; 30 करोड़ लोग; वस्तु, सेवा, पूँजी, लोगों की मुक्त आवाजाही
AfCFTA (African Continental Free Trade Area)	विश्व का सबसे बड़ा FTA देशों की संख्या के हिसाब से (54 देश); 2021 में शुरू; 90% टैरिफ खत्म; \$3.4 ट्रिलियन संयुक्त GDP; रवांडा के साथ JTC = पूरे अफ्रीका में पहुँच का द्वार
JTC (Joint Trade Committee)	संरचित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता का तंत्र; व्यापार बाधाएँ हटाना, टैरिफ वार्ता, निवेश सुविधा; पहली JTC बैठक = व्यापक व्यापार समझौते से पहला कदम
Zipline Rwanda	रवांडा में अमेरिकी कंपनी Zipline का ड्रोन डिलीवरी नेटवर्क; दूरस्थ क्लीनिकों में रक्त, टीके, दवाएँ ड्रोन से पहुँचाना; दुनिया का पहला राष्ट्रीय चिकित्सा ड्रोन नेटवर्क; भारत का DGCA ड्रोन ढाँचा इससे प्रेरित
Kigali घोषणा 2022	India-Africa Forum Summit 2022; 2030 तक India-Africa व्यापार \$150 अरब का लक्ष्य; भारत-रवांडा JTC इसी प्रतिबद्धता का द्विपक्षीय क्रियान्वयन
भारतीय समुदाय रवांडा	5,000+ भारतीय; व्यापार, NGO, UN एजेंसियाँ; Cipla, Dr Reddy's रवांडा के राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा को generic दवाएँ देती हैं – पहले से व्यावसायिक संबंध

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत-अफ्रीका व्यापार: \$100 अरब (2023-24); भारत अफ्रीका का 3rd बड़ा व्यापार भागीदार; भारत निर्यात: pharma, वस्त्र, मशीनरी; अफ्रीका निर्यात: कच्चा तेल, सोना, दालें, काजू; JTC रवांडा इस संबंध को गहरा करेगा
- IAFS (India-Africa Forum Summit): IAFS-III (2015, नई दिल्ली) – \$600 करोड़ विकास सहायता, 50,000 छात्रवृत्तियाँ; IAFS-IV 2026 में प्रस्तावित; भारत-रवांडा JTC IAFS-IV से पहले की द्विपक्षीय कूटनीति
- खनिज रणनीति: DRC (रवांडा का पड़ोसी, EAC सदस्य) में विश्व का सबसे बड़ा कोबाल्ट भंडार; रवांडा DRC खनिजों का पारगमन केंद्र; भारत की Critical Minerals रणनीति (Week 8-9) को EAC से जोड़ने का अवसर





- 1994 नरसंहार – भारत की भूमिका: 1994 में भी भारत ने रवांडा में राजनयिक संबंध बनाए रखे; यह ऐतिहासिक सद्भावना चीन, USA, EU की तुलना में भारत को विश्वास का लाभ देती है

IEPFA एकीकृत पोर्टल 2.0 – निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष का डिजिटल कायाकल्प

मंत्रालय: कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय / IEPFA

PIB तिथि: 6 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

मान लीजिए आपके दादाजी ने 1990 में किसी कंपनी के शेयर खरीदे थे। वह कागज़ कहीं घर में है, लेकिन किसी को याद नहीं। उन शेयरों पर हर साल जो लाभांश (dividend) आया, वह बैंक खाते में नहीं पहुँचा। 7 साल बाद कंपनियाँ ऐसे अदावी लाभांश और शेयर सरकार के IEPF (Investor Education and Protection Fund) में जमा कर देती हैं – Companies Act 2013 के अनुसार। अभी IEPF में ₹6,000+ करोड़ के अदावी लाभांश और ₹2,000+ करोड़ के शेयर पड़े हैं जो करोड़ों छोटे निवेशकों के हैं जिन्हें पता ही नहीं कि उनका पैसा वहाँ है। और अगर पता चले, तो वापस पाना और भी मुश्किल था – IEPF-5 फॉर्म भरो, कंपनी से verify कराओ, ROC में जमा करो, 6-18 महीने इंतज़ार करो। इस हफ्ते IEPFA ने अपने Integrated IEPFA Portal 2.0 पर stakeholder engagement किया – यह एक पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म है जहाँ PAN या Aadhaar से खोजें, ऑनलाइन दावा करें, और सीधे बैंक खाते में पैसा पाएँ।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
IEPF (Investor Education and Protection Fund)	Companies Act 2013 के तहत सांविधिक कोष; 7+ साल से अदावी लाभांश, शेयर, जमाराशि कंपनियों से प्राप्त; ₹8,000+ करोड़ संग्रह; IEPFA द्वारा प्रबंधित
IEPFA (IEPF Authority)	MCA के अंतर्गत सांविधिक संस्था; IEPF प्रशासन, धनवापसी दावे, निवेशक जागरूकता; IEPFA Portal 2.0 डिजिटल रूपांतरण पहल
अदावी लाभांश	कंपनी द्वारा घोषित लेकिन शेयरधारक द्वारा नहीं लिया गया लाभांश; 7 लगातार वर्षों तक अदावी रहने पर IEPF में स्थानांतरित; शेयरधारक फिर भी IEPF से कभी भी दावा कर सकता है



| Click to Connect Now.



IEPF-5 फॉर्म	IEPF से धनवापसी के लिए फॉर्म; पहले कागज़ी, अब Portal 2.0 पर डिजिटल; Aadhaar-आधारित e-verification और सीधे बैंक क्रेडिट से सरल
NSDL / CDSL	National Securities Depository Ltd / Central Depository Services Ltd; भारत के दो डिपॉज़िटरी; IEPFA Portal 2.0 शेयर सत्यापन के लिए इनसे एकीकृत
Companies Act 2013, धारा 124-125	कंपनियों को 7 साल के अदावी लाभांश को IEPF में स्थानांतरित करना अनिवार्य; संगत शेयर भी हस्तांतरित; IEPFA Portal 2.0 दोनों पक्षों के लिए अनुपालन सरल बनाता है
निवेशक जागरूकता	IEPFA का 'निवेशक दीदी' कार्यक्रम महिला निवेशकों को प्रशिक्षित करता है; 17 करोड़+ demat खाते – नए निवेशक अदावी लाभांश की समस्या न दोहराएँ

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- अदावी संपदा का पैमाना: ₹6,000+ करोड़ अदावी लाभांश + ₹2,000+ करोड़ के शेयर IEPF में; अधिकांश छोटे निवेशकों के; Portal 2.0 उन्हें वापस पाने का डिजिटल रास्ता देता है
- 7-वर्ष नियम: Companies Act 2013 की धारा 124; शेयरधारक IEPF से कभी भी दावा कर सकता है – कोई समय-सीमा नहीं; एक बार IEPF में जाने के बाद भी अधिकार नहीं जाता
- Digital India एकीकरण: DigiLocker (दस्तावेज़), Aadhaar e-KYC (पहचान), PFMS (भुगतान) – पूरा DPI stack निवेशक संरक्षण में लागू; GeM जैसे सरकारी खरीद में डिजिटलीकरण का समानांतर
- कॉर्पोरेट अनुपालन सुधार: Portal 2.0 कंपनियों को भी IEPF हस्तांतरण डिजिटल रूप से रिपोर्ट करने देता है; स्वचालित रिपोर्टिंग = हस्तांतरण में देरी की संभावना कम; कॉर्पोरेट प्रशासन सुधार
- 17 करोड़ demat खाते: 2020 में 4 करोड़ → 2025-26 में 17 करोड़; खुदरा निवेशक उफान; IEPFA Portal 2.0 समय पर आया – नए निवेशकों को पुरानी गलतियाँ न दोहरानी पड़ें

USBRL – कश्मीर को हर मौसम रेल कनेक्टिविटी, ऐतिहासिक इंजीनियरिंग उपलब्धि



| Click to Connect Now.



मंत्रालय: रेल मंत्रालय / उत्तर रेलवे

PIB तिथि: 7 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

कश्मीर घाटी तक पहुँचना हमेशा एक चुनौती रही है। जम्मू से श्रीनगर का राष्ट्रीय राजमार्ग 44 साल में 60-90 दिन बंद रहता है – भूस्खलन, हिमस्खलन, भारी बारिश। जब सड़क बंद होती है, कश्मीर अलग-थलग पड़ जाता है – खाना, दवाएँ, सेना की आपूर्ति सब रुक जाती है। हवाई रास्ता है, लेकिन वह मौसम पर निर्भर और महँगा है। 1997 में एक सपना देखा गया – उधमपुर से बारामुला तक रेल लाइन बिछाओ। लेकिन रास्ते में था – हिमालय। 272 km का USBRL (Udhampur-Srinagar-Baramulla Rail Link) प्रोजेक्ट में 38 सुरंगें (कुल 119 km – आधा रास्ता ज़मीन के नीचे), 927 पुल, और दुनिया का सबसे ऊँचा रेल पुल – चिनाब रेल ब्रिज (359 मीटर ऊँचा – एफिल टावर से भी ऊँचा)। इस हफ्ते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया कि USBRL पूरी तरह चालू है – पहली बार कश्मीर को हर मौसम में रेल से जोड़ा जा सका है। कश्मीर के सेब उगाने वाले किसान अब अपनी फसल 24 घंटे में दिल्ली पहुँचा सकते हैं – पहले जब सड़क बंद होती थी, फसल सड़ जाती थी।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
USBRL	Udhampur-Srinagar-Baramulla Rail Link; 272 km; 38 सुरंगें (119 km भूमिगत); 927 पुल; कश्मीर को हर मौसम रेल कनेक्टिविटी; 1997 में स्वीकृत, 2024-25 में पूर्ण
चिनाब रेल ब्रिज	विश्व का सबसे ऊँचा रेल पुल; 359 मीटर (चिनाब नदी की तलहटी से); एफिल टावर (330 m) से ऊँचा; 28,660 टन स्टील; भूकंप Zone V के अनुसार डिज़ाइन
Zone V भूकंपीयता	भारत का सर्वोच्च भूकंप खतरा क्षेत्र; पूरी कश्मीर घाटी Zone V में; USBRL के पुल और सुरंगें इसी के अनुसार बनाई गईं – सबसे कठोर संरचनात्मक मानक
NH-44 की कमज़ोरी	जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग; साल में 60-90 दिन बंद; भूस्खलन, हिमस्खलन; एकमात्र सड़क मार्ग; USBRL मौसम-स्वतंत्र विकल्प देता है



| Click to Connect Now.



T-49 सुरंग	भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग; 12.75 km; Banihal-Qazigund के बीच; USBRL के सबसे चुनौतीपूर्ण खंड में
कश्मीर सेब अर्थव्यवस्था	कश्मीर भारत के 70%+ सेब उगाता है; NH-44 बंद होने पर ₹500-1,000 करोड़ का नुकसान; USBRL से सेब 24 घंटे में दिल्ली, बारिश हो या बर्फ
रणनीतिक रसद	कश्मीर में 7 लाख+ सैन्य और अर्धसैनिक बल; रेल से हथियार, उपकरण, राशन की आपूर्ति हवाई मार्ग से बेहतर, सस्ती और मौसम-स्वतंत्र; सामरिक महत्व

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- इंजीनियरिंग रिकॉर्ड: 38 सुरंगें (119 km भूमिगत), 927 पुल (30 बड़े पुल), चिनाब ब्रिज (दुनिया का सबसे ऊँचा रेल पुल), T-49 (भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग) – USBRL भारतीय इंजीनियरिंग की प्रथम सूची
- लागत और समयसीमा: 1997 में स्वीकृत, लागत ₹3,720 करोड़; अंतिम लागत ₹35,000+ करोड़ (10 गुना); 27 साल – भूगर्भीय चुनौतियों, सुरक्षा कारणों के चलते; किसी भारतीय रेल परियोजना की सबसे लंबी अवधि
- Article 370 के बाद एकीकरण: J&K को UT बनाना (2019) राजनीतिक एकीकरण था; USBRL भौतिक एकीकरण है – बाजार, व्यापार, आवागमन से कश्मीर को भारत से जोड़ना; दोनों परस्पर पूरक
- पर्यटन: अब ट्रेन से कश्मीर – दिल्ली से बारामुला सीधी ट्रेन संभव; श्रीनगर, गुलमर्ग, पहलगाम तक पहुँच आसान; कश्मीर पर्यटन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा
- BRO का योगदान: Border Roads Organisation ने USBRL के लिए कई सड़कें और पहुँच पथ बनाए; साथ ही पूर्वोत्तर और लद्दाख में 3,000+ km सड़कें प्रति वर्ष; Viksit Vibrant Village Programme (Week 9) से जुड़ाव

नमो भारत – क्षेत्रीय रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम अपडेट

मंत्रालय: आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय / NCRTC

PIB तिथि: 4 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें



| Click to Connect Now.

दिल्ली और मेरठ के बीच की दूरी लगभग 70 km है। पीक टाइम में सड़क से जाएँ तो 3-4 घंटे। मेट्रो नहीं जाती। ट्रेन बहुत धीमी। इसका मतलब था – लाखों लोग रोज़ इस दूरी को तय करने में अपनी आधी ज़िंदगी गँवा रहे थे। नमो भारत RRTS (Regional Rapid Transit System) इसी समस्या का जवाब है। यह न मेट्रो है, न लंबी दूरी की ट्रेन – यह दोनों के बीच की कड़ी है। 160-180 km/h की रफ़्तार, हर 5-15 km पर स्टेशन, और हर 15 मिनट पर ट्रेन। दिल्ली-मेरठ के बीच की यात्रा अब 55 मिनट में होती है। इस हफ़्ते संसद में जानकारी दी गई कि दिल्ली-मेरठ RRTS का पूरा 82 km चालू है; Sahibabad-New Ashok Nagar खंड जुड़ने से RRTS अब दिल्ली मेट्रो से भी जुड़ गई है; रोज़ 1.2 लाख यात्री इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। और तीन और कॉरिडोर – दिल्ली-पानीपत, दिल्ली-अलवर, दिल्ली-SNB – निर्माणाधीन हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
RRTS (Regional Rapid Transit System)	क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली; 160-180 km/h; शहरों के बीच महानगरीय क्षेत्र में; स्टेशन अंतराल 5-15 km; 30-100 km दैनिक यात्रियों के लिए; मेट्रो और लंबी दूरी की ट्रेन के बीच
NCRTC	National Capital Region Transport Corporation; RRTS का NCR में क्रियान्वयन; केंद्र + NCR राज्य सरकारें (UP, हरियाणा, राजस्थान) + दिल्ली की JV; MoHUA के अंतर्गत
दिल्ली-मेरठ RRTS (RAPIDX)	82 km; भारत का पहला RRTS कॉरिडोर; 'RAPIDX' ब्रांड; दिल्ली से मेरठ 55 मिनट; 25 स्टेशन; 1.2 लाख दैनिक यात्री
RRTS-मेट्रो इंटरचेंज	Sahibabad-New Ashok Nagar खंड से RRTS दिल्ली मेट्रो Blue Line से जुड़ी; भारत में पहला RRTS-मेट्रो मल्टीमोडल जंक्शन; शहर के अंदर + बाहर यात्रा एक नेटवर्क
तीन और कॉरिडोर	दिल्ली-पानीपत (103 km), दिल्ली-अलवर (164 km, सबसे लंबा), दिल्ली-SNB (Boraki) – निर्माणाधीन; 2031 तक पूरा NCR RRTS नेटवर्क
यूरोपीय RRTS मॉडल	फ्रांस का RER (पेरिस), जर्मनी का S-Bahn, नीदरलैंड्स का Intercity Direct – क्षेत्रीय उच्च-गति रेल जो शहरी मेट्रो से एकीकृत; नमो भारत इसी प्रकार का भारतीय संस्करण



KfW वित्तपोषण	जर्मन विकास बैंक KfW ने RRTS को ऋण दिया; जर्मनी का हरित परिवहन अवसंरचना में भारत के साथ साझेदारी का संकेत; ADB (एशियाई विकास बैंक) भी
----------------------	---

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- NCR का यात्री संकट: 4 करोड़+ जनसंख्या; 2.5 करोड़ दैनिक यात्री; औसत NCR आवागमन 1.5-2 घंटे प्रत्येक दिशा में; RRTS से मेरठ-दिल्ली 3-4 घंटे → 55 मिनट = प्रति यात्री 2+ घंटे/दिन की बचत – उत्पादकता में भारी वृद्धि
- RRTS बनाम मेट्रो बनाम रेल: मेट्रो (1-2 km स्टेशन, 80 km/h, शहर के अंदर); RRTS (5-15 km स्टेशन, 160-180 km/h, NCR के बीच); Shatabdi/Rajdhani (30-50 km, 130-160 km/h, राज्यों के बीच) – RRTS बीच की खाली कड़ी
- वायु गुणवत्ता लाभ: हर 1 लाख RRTS यात्री जो निजी कार छोड़ें = सालाना ~1,000 टन CO₂ और 5 टन PM2.5 कम; 8 लाख यात्री लक्ष्य पर NCR वायु गुणवत्ता पर सार्थक असर
- RAPIDX ब्रांडिंग: Business Class (चमड़े की सीट, WiFi, चार्जिंग) और Economy Class; मेट्रो से महंगा, विमान से सस्ता; NCR के उभरते मध्यवर्ग को लक्षित – प्रीमियम कम्प्यूटर उत्पाद

चांदीपुरा वायरस – राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल तैनात

मंत्रालय: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय / ICMR / NCDC

PIB तिथि: 5 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

एक माँ की कल्पना करें जिसका 7 साल का बच्चा सुबह ठीक था, शाम को तेज़ बुखार आया और 24-48 घंटे में गंभीर हालत में अस्पताल में है। यह है चांदीपुरा वायरस (Chandipura Virus, CHPV) – एक ऐसा वायरस जो भारत में ही पाया जाता है, 15 साल से कम उम्र के बच्चों पर हमला करता है, और जिनमें दिमाग की सूजन (encephalitis) होती है उनमें से 55-75% बच नहीं पाते। यह मृत्यु दर कोविड (0.5-1%), इबोला (50%), और रेबीज़ (100%) के बीच में है – बेहद खतरनाक। इसे फैलाता है रेत मक्खी (Phlebotomus sandfly) – मच्छर से बहुत छोटी, जो भोर और शाम को काटती है और जो साधारण मच्छरदानी के छेदों से अंदर आ जाती है। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र में फैले इस प्रकोप को



| Click to Connect Now.



देखते हुए इस हफ्ते केंद्र ने राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल (NJORT) तैनात किया – NCDC के महामारी विशेषज्ञ, ICMR-NIV के विषाणु विशेषज्ञ, और NVBDCP के कीट-विज्ञानी मिलकर जाँच और नियंत्रण करेंगे।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
चांदीपुरा वायरस (CHPV)	RNA विषाणु; Rhabdoviridae परिवार (रेबीज़ वायरस का परिवार); Phlebotomus रेत मक्खी से प्रसार; 15 वर्ष से कम बच्चों में मुख्यतः; CFR 55-75%; गुजरात-राजस्थान-AP-महाराष्ट्र में स्थानिक
Rhabdoviridae	बुलेट-आकार RNA विषाणु परिवार; CHPV और रेबीज़ दोनों इसी में; तंत्रिका तंत्र (neurological) रोग उत्पन्न करते हैं; CHPV मस्तिष्क की सूजन (acute encephalitis) करता है
Phlebotomus रेत मक्खी	3 mm छोटी काटने वाली मक्खी; CHPV, काला-अज़ार (Leishmaniasis) और रेत मक्खी बुखार की वाहक; मलबे, दरारों, पशुबाड़े में प्रजनन; भोर-शाम सक्रिय; साधारण मच्छरदानी से गुज़रती है
NJORT (National Joint Outbreak Response Team)	जटिल प्रकोपों के लिए बहु-संस्थागत दल; NCDC महामारी विशेषज्ञ + ICMR-NIV विषाणु विशेषज्ञ + NVBDCP कीट-विज्ञानी; जाँच और नियंत्रण समन्वय
NCDC (National Centre for Disease Control)	नई दिल्ली; DGHS के अंतर्गत; भारत का महामारी निगरानी और जाँच केंद्र; IDSP (Integrated Disease Surveillance Programme) नेटवर्क चलाता है
ICMR-NIV पुणे	National Institute of Virology, पुणे; 1966 में CHPV पहली बार यहीं पहचाना; संदर्भ प्रयोगशाला; प्रकोप के नमूनों की पुष्टि यहीं होती है
CFR 55-75% का अर्थ	Case Fatality Rate; 100 confirmed CHPV encephalitis मामलों में 55-75 बच्चों की मृत्यु; तुलना: कोविड ~1%, इबोला ~50%, CHPV ~55-75%; भारत का सबसे घातक स्थानिक विषाणु

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.



- CHPV का इतिहास: 1966 – नागपुर जिले के चांदीपुरा गाँव में पहली बार पहचाना; 2003-04 – AP + गुजरात में बड़ा प्रकोप, 329 बच्चों की मौत; 2010 – गुजरात क्लस्टर; 2025-26 – वर्तमान बहु-राज्य प्रकोप
- बच्चों पर अधिक प्रभाव: CHPV 15 वर्ष से कम बच्चों में गंभीर; वयस्कों में हल्की या कोई बीमारी नहीं; पूर्व संपर्क से आंशिक प्रतिरोधक क्षमता संभव – बच्चों में यह नहीं होता
- रोकथाम: महीन जाली मच्छरदानी (<0.6 mm छेद); दीवारों पर कीटनाशक छिड़काव (DDT, synthetic pyrethroids); रेत मक्खी के प्रजनन स्थल (मलबा, दरारें) नष्ट करना; मच्छरदानी से बेहतर – दीवार छिड़काव
- One Health जुड़ाव: CHPV मवेशियों में भी मिला; मवेशियों का खून पीने वाली रेत मक्खी इंसानों को भी काटे तो संक्रमण; One Health निगरानी (पशु + मानव + वाहक) आवश्यक
- IDSP भूमिका: बचपन में encephalitis के किसी भी cluster की 24 घंटे में NCDC को सूचना अनिवार्य; IDSP नेटवर्क NJORT तैनाती का ट्रिगर; भारत की रोग निगरानी प्रणाली की रीढ़

पिंगली वेंकैया – भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रचनाकार की 150वीं जयंती

मंत्रालय: प्रधानमंत्री कार्यालय / संस्कृति मंत्रालय

PIB तिथि: 2 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

हर भारतीय तिरंगे को जानता है – लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसे किसने बनाया। उनका नाम है पिंगली वेंकैया (2 अगस्त 1876 - 4 जुलाई 1963)। वह आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के रहने वाले थे – उसी मछलीपट्टनम (Machilipatnam) के पास जिसके नाम पर इसी सप्ताह INS मछलीपट्टनम (Week 9) का जलावतरण हुआ – एक अद्भुत संयोग। वेंकैया 1899-1902 के बोअर युद्ध में दक्षिण अफ्रीका गए – वहाँ उनकी मुलाकात गांधीजी से हुई। लौटकर उन्हें एक धुन सवार हो गई – आज़ाद भारत का अपना झंडा होना चाहिए। उन्होंने 30 देशों के झंडों का अध्ययन किया और 30 प्रारूप बनाए। 1921 के विजयवाड़ा कांग्रेस अधिवेशन में उन्होंने गांधीजी को अपना प्रारूप दिखाया – तीन रंग (लाल, हरा, सफेद) और बीच में चरखा। गांधीजी ने इसे स्वीकृति दी। फिर धीरे-धीरे यह ध्वज विकसित होता गया – 1947 में चरखे की जगह सारनाथ के अशोक स्तंभ के अशोक चक्र ने ले ली (जो इसी सप्ताह UNESCO की विश्व विरासत सूची में शामिल सारनाथ से आया – एक और अद्भुत संयोग)। वेंकैया 1963 में गरीबी में गुजरे – राष्ट्र ने उन्हें पद्म भूषण 2009 में दिया, मृत्यु के 46 साल बाद।

मुख्य शब्द:



| Click to Connect Now.



शब्द / पद	परिभाषा
पिंगली वेंकैया	2 अगस्त 1876 - 4 जुलाई 1963; स्वतंत्रता सेनानी, विद्वान; भट्टलापेनुमारु, कृष्णा जिला, AP (मछलीपट्टनम के पास); राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप तैयार किया; 1921 विजयवाड़ा कांग्रेस में गांधीजी को प्रस्तुत
1921 विजयवाड़ा कांग्रेस अधिवेशन	वेंकैया ने गांधीजी को ध्वज प्रारूप दिखाया; प्रारंभिक डिज़ाइन: लाल, हरा, सफेद बैंड + चरखा; गांधीजी ने अनुमोदित किया; आगे के वर्षों में विकास हुआ
अशोक चक्र	सारनाथ के अशोक स्तंभ के आधार (abacus) से लिया गया 24-तीली चक्र; 1947 में चरखे की जगह; गहरे नीले रंग का; धर्म के शाश्वत चक्र का प्रतीक; भारत के राष्ट्रीय चिह्न से सीधा जुड़ाव
राष्ट्रीय ध्वज विनिर्देश	22 जुलाई 1947 को अपनाया; केसरिया (साहस, बलिदान), सफेद (शांति, सत्य), हरा (विश्वास, समृद्धि); 24-तीला अशोक चक्र (नेवी ब्लू); अनुपात 2:3
पद्म भूषण (मरणोपरांत)	2009 में; मृत्यु के 46 साल बाद; उनका मछलीपट्टनम का घर जर्जर था; 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय सम्मान – देर आई पर दुरुस्त आई
भारतीय राष्ट्रीय ध्वज संहिता 2002	राष्ट्रीय ध्वज के सम्मानजनक प्रदर्शन के नियम; 2022 में संशोधन: मशीन निर्मित और पॉलिएस्टर झंडे की अनुमति; 24 घंटे प्रदर्शन की अनुमति; 'हर घर तिरंगा' इसी संशोधन पर आधारित
सारनाथ-वेंकैया-अशोक चक्र का त्रिकोण	सारनाथ (Week 9) UNESCO → Lion Capital → Ashoka Chakra → राष्ट्रीय ध्वज → पिंगली वेंकैया (इस सप्ताह) – एक ही ऐतिहासिक धागे से जुड़े UPSC तथ्य

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 150वीं जयंती = UPSC सतर्कता: शताब्दी जयंतियाँ परीक्षा में पूछी जाती हैं; 2026 में वेंकैया की 150वीं जयंती – 'राष्ट्रीय ध्वज के रचनाकार कौन' UPSC Prelims में सीधा पूछा जा सकता है





- ध्वज विकास की पूरी कड़ी: 1906 (कलकत्ता, पारसी बगान चौक) → 1907 (भीकाजी कामा, स्टटगार्ट, जर्मनी) → 1917 (तिलक + एनी बेसेंट, Home Rule) → 1921 (वैकैया, विजयवाड़ा) → 1931 (INC आधिकारिक तिरंगा) → 1947 (चरखे की जगह अशोक चक्र)
- अशोक चक्र का स्रोत: सारनाथ के Lion Capital की abacus (आधार) से – वही सारनाथ जो Week 9 में UNESCO विश्व विरासत बना; Lion Capital ही भारत का राष्ट्रीय चिह्न है; 'सत्यमेव जयते' मुंडक उपनिषद् से, बौद्ध नहीं – UPSC Trap
- ध्वज संहिता 2002 की मुख्य बातें: 2022 संशोधन = मशीन निर्मित/पॉलिएस्टर झंडे; 24 घंटे प्रदर्शन; 'हर घर तिरंगा' (9-17 अगस्त, इस सप्ताह भी); राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम (Week 9) से जुड़ाव
- मछलीपट्टनम संयोग: INS मछलीपट्टनम (7th Mahe-class ASW SWC, Week 9) उसी शहर के नाम पर जहाँ वैकैया का जन्म हुआ; एक ही PIB सप्ताह में दोनों – UPSC में एक साथ पूछे जा सकते हैं

PIB पृष्ठभूमि – सड़कों की नई तस्वीर: भारत के EV पारिस्थितिकी तंत्र का उदय

मंत्रालय: भारी उद्योग मंत्रालय / NITI Aayog

PIB तिथि: 5 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत ने बहुत कम समय में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। 2020 में जब PM मोदी ने 'Vocal for Local' की अपील की, उस समय Ola Electric का स्कूटर बाजार में था ही नहीं। Tata Nexon EV अभी-अभी आया था। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा 2-पहिया बाजार बनने की ओर है, और 2030 तक 30% EV penetration का लक्ष्य है। PIB पृष्ठभूमि 'सड़कों की नई तस्वीर' पाँच नीतिगत परतें दस्तावेज़ करती है। FAME-I (2015) और FAME-II (2019-2024) ने खरीद पर सब्सिडी दी – 12 लाख+ EV सब्सिडाइज़ हुए। ACC PLI (₹18,100 करोड़) ने बैटरी सेल निर्माण को प्रोत्साहित किया। ऑटोमोबाइल PLI (₹25,938 करोड़) ने EV निर्माण को। CAFE-III (91.7 g CO₂/km) ने निर्माताओं को मजबूर किया। PM E-DRIVE (₹10,900 करोड़) ने e-बस, e-एम्बुलेंस और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को। और AIS-038E बैटरी सुरक्षा मानक ने EV आग की दुर्घटनाएँ कम कीं। यह पृष्ठभूमि दिखाती है कि भारत 2030 तक चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा EV बाजार बन सकता है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



| Click to Connect Now.



FAME-II	Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric Vehicles Phase-II; ₹10,000 करोड़; 2019-2024; 2-पहिया (₹10,000-15,000), 4-पहिया, बस खरीद पर सब्सिडी; 12 लाख+ EV सब्सिडाइज़
ACC PLI	Advanced Chemistry Cell बैटरी PLI; ₹18,100 करोड़; घरेलू बैटरी सेल निर्माण; 10 GWh नई वैश्विक निविदा (Week 9); चीनी बैटरी आयात पर निर्भरता घटाना
AIS-038E	Automotive Industry Standard 038E; EV बैटरी सुरक्षा मानक; थर्मल प्रबंधन, क्रैश सुरक्षा, जलरोधी; 2022 से अनिवार्य; EV आग की कई घटनाओं के बाद लागू
हरे नंबर प्लेट	EV पर हरे नंबर प्लेट (पेट्रोल/डीजल पर सफेद, व्यावसायिक पर पीली); EV की तत्काल पहचान; विशेष पार्किंग, कम टोल, Low Emission Zone में मुफ्त प्रवेश की पात्रता
बैटरी स्वैपिंग नीति 2022	NITI Aayog नीति; मानकीकृत स्वैपेबल बैटरी; 2 मिनट में बैटरी बदलो (30 मिनट चार्जिंग की तुलना में); e-रिक्शा और डिलीवरी वाहनों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त
16 लाख EV बिक्री (2024-25)	2-पहिया (11 लाख), 3-पहिया (4 लाख), 4-पहिया (1 लाख); कुल वाहन बिक्री का 10%; 2030 तक 30% penetration = ~1.5 करोड़ EV/वर्ष
Ola Electric	OLA S1 स्कूटर; भारत का सबसे मूल्यवान EV स्टार्टअप; IPO ₹76,000 करोड़ मूल्यांकन; तमिलनाडु में Futurefactory; PLI लाभार्थी; 10 लाख+ EV/वर्ष उत्पादन

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- पाँच नीतिगत परतें याद करें: FAME (माँग) + PLI for ACC (बैटरी) + PLI for Autos (वाहन) + CAFE-III (नियामक दबाव) + PM E-DRIVE (इन्फ्रास्ट्रक्चर) = भारत का पूर्ण EV नीति स्टैक
- Tata Motors बनाम Ola: Tata (Nexon EV, Punch EV, Tigor EV) 4-पहिया में 70%+ बाजार हिस्सेदारी; Ola 2-पहिया में अग्रणी; दोनों PLI लाभार्थी; भारतीय EV बाजार घरेलू कंपनियों का वर्चस्व





- 2030 तक तीसरा सबसे बड़ा EV बाजार: चीन (1 करोड़+ EV/वर्ष), अमेरिका (20 लाख), भारत (1.5 करोड़ लक्ष्य) – भारत का लक्ष्य अमेरिका को पीछे छोड़ना; 2028-29 तक संभव
- CAFE-III जोड़: CAFE-III (Week 7) निर्माताओं को EV बनाने के लिए बाध्य करता है (आपूर्ति धक्का); PM E-DRIVE चार्जिंग देता है (माँग खिंचाव); बैटरी स्विपिंग (गति) – तीन मिलकर EV revolution बनाते हैं
- GOBARdhan + EV: GOBARdhan (लेख 1) के CBG से बनी बिजली EV चार्ज करे; ग्रामीण जैव-ऊर्जा → शहरी EV ईंधन – भारत की वृत्तीय ऊर्जा अर्थव्यवस्था का सुंदर उदाहरण

PIB पृष्ठभूमि – नक्सल-मुक्त भारत: प्रगति और आगे का रास्ता

मंत्रालय: गृह मंत्रालय

PIB तिथि: 2 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

'नक्सलवाद भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती है।' – यह बात PM मनमोहन सिंह ने कही थी। 2010 में इसकी चरम सीमा थी – 223 जिले, 20 राज्य प्रभावित; 2,258 लोगों की जानें गईं एक साल में। नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गाँव से हुई – जब किसानों ने ज़मींदारों के खिलाफ हथियार उठाए। माओवादी विचारधारा से प्रेरित, इन्होंने 'बंदूक से क्रांति' का रास्ता चुना। लेकिन आज 2026 में तस्वीर बदल गई है – और यह बदलाव देखने लायक है। LWE (Left Wing Extremism) प्रभावित जिले 180 (2014) से घटकर 38 (2026) हो गए; 'Most Affected Districts' (Red Zone) 35 से घटकर 6 हो गए; हिंसा की घटनाएँ 73% कम हुईं; और सबसे महत्वपूर्ण – 2025 में पश्चिम बंगाल (जहाँ से यह आंदोलन शुरू हुआ) में शून्य नक्सल हिंसा दर्ज हुई। PIB पृष्ठभूमि यह बताती है कि यह बदलाव सुरक्षा और विकास के एक साथ काम करने से आया है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
LWE (Left Wing Extremism)	माओवादी/नक्सल उग्रवाद; 1967 नक्सलबाड़ी विद्रोह से उपजा; सशस्त्र क्रांति की विचारधारा; अधिकतम 223 जिले प्रभावित; अब 38 तक सिमटा; मुख्यतः छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना





SAMADHAN सिद्धांत	Smart Leadership, Aggressive Strategy, Motivation & Training, Actionable Intelligence, Dashboard KPIs, Harnessing Technology, Action plan per theatre, No access to financing; MHA की व्यापक LWE-विरोधी नीति
सर्वाधिक प्रभावित जिले (MAD)	सर्वाधिक LWE हिंसा वाले जिले; 2014 में 35 → 2026 में 6 (मुख्यतः छत्तीसगढ़ का बस्तर, झारखंड); CRPF बस्तरिया बटालियन, आंध्र की Greyhounds इन पर केंद्रित
नक्सलबाड़ी 1967	दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल; चारु मजूमदार, कानू सान्याल, जंगल संथाल के नेतृत्व में किसान विद्रोह; माओवादी विचारधारा से प्रेरित; 'नक्सलवाद' नाम इसी से; विडंबना: पश्चिम बंगाल 2025 में शून्य LWE हिंसा
CRPF बस्तरिया बटालियन	बस्तर (छत्तीसगढ़) के आदिवासी समुदायों से भर्ती CRPF बटालियन; क्षेत्र की भाषा, संस्कृति, भूगोल की जानकारी; LWE-विरोधी अभियानों में सबसे प्रभावी; स्थानीय ज्ञान का सुरक्षा में उपयोग
73% हिंसा में कमी	LWE घटनाएँ: 1,553 (2010, चरम) → 1,091 (2014) → 287 (2025); मृत्यु: 1,005 (2010) → 454 (2014) → 138 (2025); सातत्य दर्शाता है कि यह स्थायी बदलाव है
आकांक्षी जिले कार्यक्रम	NITI Aayog; 112 पिछड़े जिले; अधिकांश LWE जिले आकांक्षी जिले भी हैं; 49 संकेतकों पर जिला-स्तरीय निगरानी; LWE जिले आकांक्षी जिलों में सबसे तेज़ सुधार दिखा रहे हैं

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- नक्सलवाद की जड़ें: भूमि अलगाव, बंधुआ मजदूरी, वन अधिकारों का हनन, जाति अत्याचार, और राज्य की उपेक्षा – इन सामाजिक-आर्थिक कारणों ने भर्ती का रास्ता दिया; SAMADHAN सिद्धांत स्पष्टतः सुरक्षा और विकास दोनों को अनिवार्य मानता है



- वन अधिकार अधिनियम 2006: वनवासियों को वन अधिकार पत्र देना; 43 लाख+ व्यक्तिगत वन अधिकार शीर्षक; LWE क्षेत्रों में FRA क्रियान्वयन = आदिवासियों को वन पर कानूनी हक → नक्सल प्रचार की प्रभावशीलता घटती है
- मोबाइल कनेक्टिविटी: LWE क्षेत्रों में 4G टावर (2018 से समर्पित योजना); Jan Dhan (बैंकिंग), ONDC (ई-कॉमर्स), PM eVIDYA (शिक्षा), DBT (प्रत्यक्ष लाभ) – कनेक्टिविटी सरकार को आदिवासियों तक पहुँचाती है
- शरणागत नक्सल: MHA की आत्मसमर्पण-पुनर्वास नीति; नकद, व्यावसायिक प्रशिक्षण, पुनर्वास; 2014-2026 में 8,000+ ने आत्मसमर्पण किया; सुरक्षा अभियान से अधिक प्रभावी
- FY2026-27 लक्ष्य: शेष 6 MADs में 'महत्वपूर्ण कमी'; सरकार ने 'LWE-मुक्त भारत 2026' का संकल्प किया था; पृष्ठभूमि इसकी दिशा में प्रगति दस्तावेज़ करती है

PIB पृष्ठभूमि – गोबरधन: स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण विकास में मददगार

मंत्रालय: पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय / नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

PIB तिथि: 7 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

GOBARdhan पर Cabinet निर्णय (लेख 1) के साथ-साथ PIB ने एक विस्तृत पृष्ठभूमि दस्तावेज़ भी जारी किया जो Cabinet संक्षेप से कहीं अधिक तकनीकी और नीतिगत गहराई देता है। इस पृष्ठभूमि की तीन मुख्य अतिरिक्त जानकारीयाँ: पहली – तीन-स्तरीय संयंत्र वास्तुकला। ग्राम स्तर पर छोटी इकाइयाँ (2-10 m³/दिन) – परिवार को रसोई गैस; क्लस्टर स्तर पर मझोले संयंत्र (50-500 kg CBG/दिन) – 5-20 गाँवों के लिए; और शहर-स्तर पर बड़े संयंत्र (1+ टन/दिन) – नगरपालिका कचरे से शहर की गैस पाइपलाइन में। दूसरी – खाद का गणित। 15 MMT CBG उत्पादन से 1,500 लाख टन जैव-खाद मिलेगी – भारत की 40-50% रासायनिक उर्वरक ज़रूरत पूरी हो सकती है। यह सिर्फ ऊर्जा नहीं, उर्वरक आत्मनिर्भरता की भी योजना है। तीसरी – GOBARdhan Unified Registration Portal, जहाँ हर संयंत्र पंजीकृत होता है, SATAT offtake agreement मिलता है, और कार्बन क्रेडिट भी मिलती है – संयंत्र संचालक को तीन आय स्रोत: CBG बिक्री + खाद बिक्री + कार्बन क्रेडिट।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



तीन-स्तरीय वास्तुकला	ग्राम (2-10 m ³ /दिन, रसोई गैस, 10 लाख इकाइयाँ), क्लस्टर (50-500 kg CBG/दिन, पाइप नेटवर्क), शहर-स्तर (1+ टन/दिन, MSW/सीवेज, शहर गैस ग्रिड) – तीनों पैमाने के लिए GOBARdhan
10 लाख ग्राम बायोगैस इकाइयाँ	2030 तक लक्ष्य; प्रत्येक 25-50 kg गोबर/दिन उपयोग; 1-2 परिवारों को रसोई गैस; खाद खेत में; महिला SHG संचालक; LPG आयात में कमी
1,500 लाख टन जैव-खाद	15 MMT CBG उत्पादन से प्राप्त जैव-खाद; नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम से युक्त; भारत की 40-50% रासायनिक उर्वरक माँग की जगह ले सकती है; NIPU-2026 का जैविक विकल्प
GOBARdhan पंजीकरण पोर्टल	सभी श्रेणियों के संयंत्र एकल पोर्टल पर; SATAT offtake agreement (तेल कंपनियाँ CBG खरीदती हैं); कार्बन क्रेडिट; GOBARdhan अनुदान – तीन आय धाराएँ
कार्बन क्रेडिट	CBG संयंत्र दो तरह से क्रेडिट कमाते हैं: खुले में अपघटन से मीथेन रोकना; जीवाश्म ईंधन की जगह CBG – दोनों से कार्बन बाजार में बिक्री; अतिरिक्त राजस्व
Swachh Bharat Mission 2.0 जोड़	MSW-आधारित CBG संयंत्र एक साथ: ठोस कचरा प्रबंधन (SBM लक्ष्य) + ऊर्जा उत्पादन; GOBARdhan स्पष्ट रूप से दोनों को जोड़ता है
NIPU-2026 + GOBARdhan	NIPU-2026 (Week 9): पारंपरिक तरीकों से यूरिया आत्मनिर्भरता; GOBARdhan: जैविक तरीकों से; दोनों पूरक – रासायनिक + जैविक उर्वरक स्वतंत्रता की दोहरी रणनीति

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- उर्वरक-ऊर्जा नेक्सस: पृष्ठभूमि का 1,500 लाख टन जैव-खाद अनुमान सबसे कम आँका गया लाभ है; भारत ₹1.5-2 लाख करोड़ उर्वरक आयात करता है; GOBARdhan इसे आधा कर सकता है – ऊर्जा + उर्वरक दोहरी बचत
- पराली समाधान: पंजाब में हर साल 2.3 करोड़ टन धान की पराली जलाई जाती है; GOBARdhan संयंत्र पराली को feedstock बना सकते हैं; चावल मिलों के पास GOBARdhan संयंत्र = पराली जलाने की ज़रूरत खत्म = नवंबर में दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार





- महिला SHG उद्यमिता: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय + MoPNG MoU; SHG सदस्य ग्रामीण GOBARdhan संयंत्र चलाएँगी; 30 दिन प्रशिक्षण; ₹5,000-8,000/माह आय; लखपति दीदी कार्यक्रम से सीधा जुड़ाव
- SATAT से GOBARdhan विकास: SATAT (2018) – OMC खरीद गारंटी; लेकिन 7 साल में 400 संयंत्र ही बने (5,000 का लक्ष्य); GOBARdhan पूँजी अनुदान जोड़ता है (छोटे संयंत्र के लिए ₹1 करोड़) – यह कमी दूर करता है

PIB पृष्ठभूमि – GI टैग: वैश्विक ब्रांड में पारंपरिक संपदा की वृद्धि

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय / DPIIT / CGPDTM

PIB तिथि: 5 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

दार्जिलिंग की चाय इसलिए खास है क्योंकि उसकी 'muscatel' सुगंध उसी पहाड़ की मिट्टी, वहाँ की धुंध और ऊँचाई से आती है – दुनिया के किसी और जगह की चाय में वह स्वाद नहीं मिलेगा। कांचीपुरम सिल्क इसलिए बेशकीमती है क्योंकि वहाँ के बुनकरों की सदियों पुरानी कला और शुद्ध रेशम का संयोग उसे बनाता है। रत्नागिरी का अलफांसो आम इसलिए प्रीमियम है क्योंकि वहाँ की जलवायु उसे वह मिठास और रंग देती है जो दूसरी जगह नहीं। इसी भौगोलिक-सांस्कृतिक खासियत को 'Geographical Indication' (GI) कहते हैं। भारत में 600+ GI टैग हैं – दुनिया में किसी भी देश से सबसे अधिक। लेकिन यह रजिस्ट्री उपलब्धि कैसे बनती है व्यापार उपलब्धि? इसी सवाल का जवाब है PIB पृष्ठभूमि 'GI Tags: Scaling Traditional Wealth into Global Brands'। इस हफ्ते 'GI & Beyond 2.0 Summit' (5 अगस्त, नई दिल्ली) में तीन चुनौतियाँ चिन्हित हुईं: जागरूकता (अधिकांश उपभोक्ता नहीं जानते), प्रवर्तन (नकली दार्जिलिंग चाय बाजार में भरी पड़ी है), और निर्यात अवसंरचना (GI उत्पादक कारीगर निर्यात नहीं कर पाते)।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
GI (Geographical Indication)	वह चिह्न जो बताए कि उत्पाद किस भौगोलिक क्षेत्र से है और वहाँ की विशेषता उसमें है; भारत का GI Act 1999 (2003 से लागू); CGPDTM GI रजिस्ट्री चलाती है



| Click to Connect Now.



भारत के 600+ GI टैग	विश्व में सर्वाधिक; कृषि (दार्जिलिंग चाय, अलफांसो आम, बासमती चावल), हस्तशिल्प (कांचीपुरम सिल्क, चन्नापटना खिलौने, मधुबनी पेंटिंग), निर्मित (कोल्हापुरी चप्पल, बीकानेरी भुजिया)
GI Act 1999	भौगोलिक संकेत (वस्तुओं का पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम; EU GI प्रणाली पर आधारित; सामूहिक बौद्धिक संपदा; उत्पादक संघ/राज्य सरकार आवेदन करती है; 10 साल के लिए, नवीकरणीय
CGPDTM	Controller General of Patents, Designs and Trade Marks; चेन्नई; GI रजिस्ट्री; आवेदन सत्यापन, पंजीकरण, विवाद समाधान
नकली दार्जिलिंग चाय	विश्व में 80 करोड़ kg 'दार्जिलिंग चाय' बिकती है; वास्तव में दार्जिलिंग में केवल 10 करोड़ kg उगती है; 70 करोड़ kg नकली; GI का सबसे बड़ा प्रवर्तन संकट; Interpol के साथ DGHB काम करता है
EU-भारत FTA + GI	भारत-EU FTA (2026 में हस्ताक्षर प्रस्तावित) में GI की पारस्परिक मान्यता अपेक्षित; EU भारतीय GI उत्पादों की यूरोप में रक्षा करेगा; भारत EU GI (Champagne, Parma Ham) की; बड़ा FTA डिलीवरेबल
GI निर्यात लक्ष्य	GI उत्पाद निर्यात: ₹5,000 करोड़ (2023-24); 2030 तक ₹25,000 करोड़ (5 गुना) का लक्ष्य; दार्जिलिंग चाय, बासमती चावल, अलफांसो आम, कश्मीर केसर, कांचीपुरम सिल्क – शीर्ष 5

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- GI बनाम ट्रेडमार्क: ट्रेडमार्क = एक कंपनी का ब्रांड; GI = एक भौगोलिक समुदाय का सामूहिक उत्पाद; कोई एक कंपनी GI का मालिक नहीं; उस क्षेत्र का हर उत्पादक जो गुणवत्ता मानक पूरे करे, GI tag लगा सकता है
- दार्जिलिंग चाय प्रकरण का महत्व: 70 करोड़ kg नकली = ब्रांड प्रीमियम कम; दार्जिलिंग किसानों की आय घटती है; DGHB-Interpol सहयोग = GI प्रवर्तन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना आवश्यक
- ECEE + GI: इस सप्ताह का Cross-border E-Commerce Framework (लेख 2) + GI Tags = GI उत्पादक कारीगर सीधे Etsy या Amazon पर बेचें और 20-50% प्रीमियम कमाएँ – दोनों नीतियाँ मिलकर काम करती हैं





- National GI Mission: पृष्ठभूमि 'राष्ट्रीय GI मिशन' की दिशा में संकेत करती है – GI आवेदन में केंद्रीय वित्तपोषण, गुणवत्ता परीक्षण अवसंरचना, हवाई अड्डों पर GI lounge; GI रजिस्ट्री को राष्ट्रीय ब्रांडिंग अवसंरचना में बदलना
- WIPO जुड़ाव: भारत WIPO (World Intellectual Property Organisation, जिनेवा) में पारंपरिक ज्ञान-आधारित GI उत्पादों के मजबूत अंतरराष्ट्रीय संरक्षण के लिए लड़ रहा है; NBA ABS (Week 9) और TKDL (Week 7) से जुड़ाव

PIB पृष्ठभूमि – भारतीय न्यायपालिका का डिजिटल रूपांतरण

मंत्रालय: विधि एवं न्याय मंत्रालय / न्याय विभाग

PIB तिथि: 7 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

5 करोड़ – यह है भारत में लंबित मुकदमों की संख्या। सर्वोच्च न्यायालय में 80,000, उच्च न्यायालयों में 60 लाख, जिला अदालतों में 4.4 करोड़। एक मामला 10 साल, कभी-कभी 20 साल तक चलता है। इस अटकी हुई न्याय व्यवस्था में प्रौद्योगिकी नई उम्मीद लेकर आई है। PIB पृष्ठभूमि 'भारतीय न्यायपालिका का डिजिटल रूपांतरण' तीन पीढ़ियों की कहानी बताती है। पहली पीढ़ी (eCourts Phase-I, 2007-2015): 14,000 जिला अदालतें कंप्यूटरीकृत; Case Information System; मामलों की स्थिति ऑनलाइन। दूसरी पीढ़ी (Phase-II, 2015-2023): 16 करोड़+ मामले eCourts पोर्टल पर; e-filing; 3,000+ video conferencing; NJDG (National Judicial Data Grid) – हर अदालत का लंबित मामलों का लाइव डैशबोर्ड। तीसरी पीढ़ी (Phase-III, 2023-2027, ₹7,000 करोड़): AI न्यायपालिका में। SUPACE (SC का AI) मामलों के दस्तावेज़ प्रोसेस करता है, कानूनी मुद्दे पहचानता है, प्रासंगिक पूर्व निर्णय सुझाता है। LegRAA (Week 9) – NIC का AI, उच्च और जिला अदालतों के लिए। Virtual Courts – बिना किसी की व्यक्तिगत उपस्थिति के, 3 करोड़+ ट्रैफिक और मामूली अपराध मामले निपटाए।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
eCourts Mission Mode Project	तीन चरण (2007-2027); ₹7,000 करोड़ Phase-III में; सभी जिला और अधीनस्थ न्यायालय कंप्यूटरीकृत; राष्ट्रीय मुकदमा प्रबंधन और वादी सेवा अवसंरचना



| Click to Connect Now.



NJDG (National Judicial Data Grid)	सभी अदालतों के लंबित मामलों का लाइव डैशबोर्ड; njdg.gov.in; न्यायाधीश, अदालत, मामले के प्रकार, आयु के अनुसार; PM मोदी ने इसे पारदर्शिता उपकरण बताया; लक्षित मामला निपटान में सहायक
SUPACE	Supreme Court Portal for Assistance in Court Efficiency; SC का AI उपकरण; मामले के दस्तावेज़ प्रोसेस, कानूनी मुद्दे पहचान, प्रासंगिक पूर्व निर्णय; न्यायाधीशों के लिए, जनता के लिए नहीं
Virtual Courts	विशिष्ट प्रकार के मामलों के लिए ऑनलाइन अदालत (ट्रैफिक challan, NI Act धारा 138 चेक बाउंस); कोई व्यक्तिगत उपस्थिति नहीं; पूरी तरह ऑनलाइन नोटिस से जुर्माना भुगतान; 3 करोड़+ मामले 2020 से
FTSC (Fast Track Special Courts)	POCSO, यौन अपराध, SC/ST अत्याचार के लिए समर्पित अदालतें; 755 FTSC चालू; 2.5 लाख+ मामले निपटाए; अब परीक्षा पेपर लीक मामलों तक विस्तारित (Week 9 संशोधन)
Tele-Law	CSC (Common Service Centres) पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निःशुल्क कानूनी परामर्श; 40 लाख+ परामर्श; ग्रामीण और गरीब वादी को अदालत तक पहुँचने से पहले का कानूनी समर्थन
Nyaya Setu App	वादी का मोबाइल ऐप; मामले की स्थिति, अगली सुनवाई की तारीख, न्यायाधीश के आदेश – सीधे NJDG से; 2 करोड़+ डाउनलोड; 'दलाल' संस्कृति को खत्म करता है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 5 करोड़ मामलों का संकट: SC 80,000+; 25 HC 60 लाख+; 3,000+ ज़िला/अधीनस्थ न्यायालय 4.4 करोड़+; 10+ साल पुराने मामले 1 करोड़+; eCourts 2025-26 में पहली बार 2.1 करोड़ मामले निपटाए vs 1.8 करोड़ नए – शुद्ध लंबित में कमी
- AI का सीमित उपयोग: SUPACE, LegRAA (Week 9) – AI न्यायाधीश को सहायता देता है, निर्णय नहीं लेता; भारत की नीति: AI = सहायक उपकरण, न्यायाधीश का प्रतिस्थापन नहीं; वैश्विक सर्वोत्तम प्रथा से संगत
- न्यायाधीश रिक्तियाँ तकनीक से नहीं भरती: 25,000 स्वीकृत ज़िला न्यायाधीशों में 5,500+ रिक्त (22%); तकनीक मौजूदा न्यायाधीशों को तेज़ बनाती है; लेकिन न्यायाधीश संख्या बढ़ाए बिना 5 करोड़ मामलों का हल नहीं





- भारत वैश्विक मॉडल: नाइजीरिया, बांग्लादेश, केन्या भारत के eCourts मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं; UPI की तरह भारत का न्यायपालिका तकनीक एक शासन-निर्यात उत्पाद बन रही है
- DISHA 2.0 + LegRAA: DISHA 2.0 (₹255 करोड़) – न्याय तक पहुँच; Tele-Law (संस्थागत) + LegRAA (तकनीकी) = एक ही न्याय तक पहुँच की एजेंडे के दो पहलू

PIB पृष्ठभूमि – भारत की सौर ऊर्जा एक नए युग में प्रवेश कर रही है

मंत्रालय: नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

PIB तिथि: 3 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत ने जून 2026 में 100 GW सौर क्षमता पार की – और PIB पृष्ठभूमि इसकी कहानी चार चरणों में बताती है।

पहला चरण (2010-2015): जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन (JNNSM); सौर महंगा था (\$4/watt); 2014 तक केवल 3.7 GW। दूसरा चरण (2015-2020): Ultra Mega Solar Parks – पावागड़ा (2,050 MW), कुर्नूल (1,000 MW), भड़ला (2,245 MW); सरकार ने ज़मीन और ग्रिड जुड़ाव की बाधाएँ हटाई; Reverse Auction (सबसे कम बोली) से सौर दर ₹7.50/kWh से ₹2.00/kWh – 73% गिरावट 9 साल में। तीसरा चरण (2020-2024): PLI for Solar Modules (₹24,000 करोड़); चीनी सौर मॉड्यूल पर आयात शुल्क (25-40%); भारत का मॉड्यूल उत्पादन 5 GW → 40 GW/वर्ष। चौथा चरण (2024-2030): 'नया युग' – PM Surya Ghar (घरेलू छत सौर + net metering), PM-SSY (जलाशयों पर तैरते सौर), Offshore Wind, और सबसे महत्वपूर्ण – भंडारण एकीकरण। अब 100 MW से बड़े हर सौर प्रोजेक्ट के साथ co-located storage अनिवार्य होगा।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
JNNSM (जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन)	2010 में शुरू; Phase-I 1 GW, Phase-II 10 GW, Phase-III 20 GW लक्ष्य; वास्तविक 2022 तक 60+ GW – 3 गुना; सौर नीति का प्रारंभिक ढाँचा





Ultra Mega Solar Parks	सरकार-विकसित बड़े सौर क्षेत्र; पूर्व-व्यवस्थित भूमि, ग्रिड, निकासी; डेवलपर्स सिर्फ पैनल लगाते हैं; भड़ला (राजस्थान, 2,245 MW), पावागड़ा (कर्नाटक, 2,050 MW)
Reverse Auction	सौर बिजली मूल्य खोज की प्रतिस्पर्धी बोली; सबसे कम बोली जीतती है; ₹7.50 (2014) → ₹1.99 (2023, सबसे कम) – 9 साल में 73% गिरावट; अब ₹2.50-3.00 (भंडारण आवश्यकता से थोड़ा बढ़ा)
PLI for Solar Modules	₹24,000 करोड़ PLI; उच्च-दक्षता सौर मॉड्यूल घरेलू निर्माण; Adani Solar, Waaree, Vikram Solar, Tata Power Solar – GW-स्तर पर विस्तार; चीन आयात 80% (2020) → 30% (2026)
PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana	घरेलू छत सौर; 1-3 kW प्रणाली; 300 यूनिट मुफ्त/माह; 50 लाख स्थापना (अगस्त 2026 तक, PQ से जानकारी); ₹78,000 तक सब्सिडी; net metering से अतिरिक्त बिजली बेचना
Co-located Storage शर्त	नई घोषणा: >100 MW के सौर प्रोजेक्ट में साथ में battery storage अनिवार्य; 2-4 घंटे की भंडारण क्षमता; सौर बिजली को dispatchable बनाता है – कोयले का पूर्ण विकल्प
Offshore Wind	नया क्षेत्र; गुजरात और TN समुद्र तट; 2023 में पहली 1 GW निविदा जारी; 2030 तक 30 GW offshore wind लक्ष्य; ज़मीनी हवा से अधिक स्थिर और तेज़

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 100 GW सौर मील का पत्थर: जून 2026; केवल चीन (800+ GW) और USA (200+ GW) के बाद; 12 साल में 2.6 GW (2014) से 100 GW – 38 गुना वृद्धि; 2030 तक 300 GW सौर लक्ष्य
- मूल्य गिरावट की कहानी: ₹7.50/kWh (2014) → ₹2.00/kWh (2021) → ₹1.99 (सबसे कम, 2023) → अब ₹2.50-3.00 (भंडारण से थोड़ी वृद्धि); फिर भी नए कोयला संयंत्र (₹4-5/kWh) से सस्ता
- निर्माण क्रांति: भारत 80% मॉड्यूल चीन से आयात करता था (2020); PLI + आयात शुल्क → घरेलू निर्माण 5 GW → 40 GW/वर्ष; अब 2030 तक 100 GW उत्पादन क्षमता का लक्ष्य





- 50 लाख PM Surya Ghar स्थापना: औसत 2 kW प्रणाली = 10 GW छत सौर; 300 यूनिट/माह मुफ्त = एक सामान्य शहरी घर की पूरी खपत; 50 लाख = भारत के 5 करोड़ शहरी परिवारों का 10% – शुरुआत
- भंडारण एकीकरण का महत्व: बैटरी भंडारण सौर लागत में ₹1.5-2.00/kWh जोड़ता है; Solar + Storage = ₹3.50-4.00/kWh; पीकिंग पावर प्लांट (डीजल, गैस: ₹6-8/kWh) से सस्ता – solar अब कोयले का पूर्ण विकल्प बनने के करीब

PIB पृष्ठभूमि – PM विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY)

मंत्रालय: श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

PIB तिथि: 2 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत में हर साल 1 करोड़+ युवा नौकरी के बाज़ार में आते हैं। लेकिन उनमें से ज्यादातर 'असंगठित क्षेत्र' में जाते हैं – जहाँ कोई PF नहीं, कोई ESI नहीं, कोई सुरक्षा नहीं, मिनिमम वेज भी सुनिश्चित नहीं। EPFO में पंजीकरण = 'संगठित क्षेत्र में नौकरी' – जो सिर्फ 10% कार्यबल को मिलती है। PM विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY) इस समस्या का सबसे सीधा हल है – नियोक्ताओं को पैसे दो कि वे नए कर्मचारियों को EPFO में पंजीकृत करें। योजना के तीन घटक: A) पहली बार नौकरी करने वालों के लिए: ₹1 लाख/माह से कम वेतन वाले नए EPFO सदस्य का, सरकार पहले साल EPF का कर्मचारी हिस्सा (12%) सीधे उनके PF खाते में देगी। B) विनिर्माण में रोजगार: नए मैन्युफैक्चरिंग कर्मचारियों के लिए 2 साल तक दोनों हिस्से (24% – नियोक्ता + कर्मचारी दोनों का) सरकार देगी। C) नियोक्ता सहायता: जो कंपनी 10%+ अधिक EPFO-पंजीकृत कर्मचारी रखे, उसके सभी नए कर्मचारियों का नियोक्ता हिस्सा (12%) सरकार देगी। पहले 9 महीनों में 18 लाख नए EPFO सदस्य – असर दिखने लगा।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
PM-VBRY	PM विकसित भारत रोजगार योजना; बजट 2024-25 घोषणा; संगठित क्षेत्र में नए रोजगार को प्रोत्साहन; तीन घटक: पहली बार नौकरी, विनिर्माण, नियोक्ता वृद्धि





EPFO (Employees' Provident Fund Organisation)	भारत का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा संगठन; PF, EPS (पेंशन), EDLI (बीमा); ₹25 लाख करोड़ कोष; 7 करोड़+ सक्रिय सदस्य; EPFO पंजीकरण = संगठित क्षेत्र
EPF योगदान	कर्मचारी 12% मूल वेतन का EPF में; नियोक्ता 12% (8.33% EPS पेंशन + 3.67% EPF); PM-VBRY के तहत पात्र नए कर्मचारियों के लिए यह सरकार देती है
संगठित बनाम असंगठित रोज़गार	संगठित: EPFO-पंजीकृत, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, नौकरी सुरक्षा; असंगठित: अपंजीकृत, कोई सुरक्षा नहीं; भारत का 90%+ कार्यबल असंगठित – PM-VBRY इसे बदलना चाहती है
विनिर्माण प्रोत्साहन	नए मैनुफैक्चरिंग कर्मचारी के लिए 2 साल तक वेतन का 24% (दोनों हिस्से) सरकार देती है; मैनुफैक्चरिंग श्रम को 24% सस्ता करती है 2 साल के लिए – बड़ा प्रोत्साहन
18 लाख नए EPFO सदस्य	PM-VBRY के पहले 9 महीनों में; मैनुफैक्चरिंग का 40% – परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य प्रसंस्करण में वृद्धि; सालाना 24 लाख का अनुमान – जैविक वार्षिक वृद्धि (15-20 लाख) से दोगुना
ABPS (Aadhaar-आधारित भुगतान)	PM-VBRY का भुगतान ABPS के जरिए; सरकारी अनुदान सीधे कर्मचारी के EPF खाते में – नियोक्ता के हाथों से नहीं; पारदर्शिता और लाभार्थी-केंद्रित

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- रोज़गार चुनौती: भारत को सालाना 1 करोड़+ नए औपचारिक नौकरियाँ चाहिए; EPFO सालाना 15-20 लाख स्वाभाविक रूप से जोड़ता है; PM-VBRY 24+ लाख/वर्ष जोड़ेगी – औपचारिक रोज़गार सृजन दर दोगुनी
- माँग-पक्ष रोज़गार नीति: अधिकांश भारतीय रोज़गार कार्यक्रम आपूर्ति-पक्ष (कौशल प्रशिक्षण); PM-VBRY माँग-पक्ष है – नियोक्ता को काम पर रखने का पैसा देती है; ब्राज़ील (PAYG subsidy) और दक्षिण कोरिया जैसे सफल अंतरराष्ट्रीय मॉडल पर आधारित
- PLI + PM-VBRY: PLI योजनाएँ (इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र, खाद्य) निवेश आकर्षित करती हैं → कारखाने बनते हैं; PM-VBRY उन कारखानों में कर्मचारी रखना सस्ता करती है → PLI = कारखाना, PM-VBRY = कर्मचारी





- ESIC जुड़ाव: EPFO पंजीकरण से ₹21,000/माह तक वेतन वाले को ESIC स्वास्थ्य बीमा भी मिलता है; PM-VBRY से औपचारिक होने वाले कर्मचारी को PF + स्वास्थ्य बीमा – पूरा सामाजिक सुरक्षा पैकेज

PIB पृष्ठभूमि – एक खेल राष्ट्र का निर्माण (CWG 2026 अपडेट)

मंत्रालय: युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

PIB तिथि: 7 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

ग्लासगो में Commonwealth Games 2026 में भारत का प्रदर्शन – 29 पदक (11 स्वर्ण, 9 रजत, 9 कांस्य) – सिर्फ संख्या नहीं, एक पूरी व्यवस्था के फल हैं। और PIB पृष्ठभूमि 'एक खेल राष्ट्र का निर्माण' इसी व्यवस्था की कहानी बताती है। मुक्केबाज़ी में 9 पदक (6 स्वर्ण!) – यह चमत्कार नहीं, 25 साल की निवेश की फसल है। MC Mary Kom से नींव पड़ी, खेलो इंडिया मुक्केबाज़ी ने आधार बनाया, TOPS ने क्यूबाई और कज़ाख कोच बुलाए जिनके पास Olympic अनुभव है, और ऊँचाई प्रशिक्षण (Spiti) से शरीर तैयार हुआ। अंकुश पंधाल (80 kg), सचिन सिवाच (60 kg), अरुंधति चौधरी (70 kg), प्रिया घांगस (60 kg), साक्षी (51 kg), जैस्मिन लंबोरिया (57 kg), प्रीति (54 kg) – 7 में से 6 स्वर्ण महिलाओं ने जीते। भारतीय खेल की यह तस्वीर 2000 की Sydney Olympics (1 पदक, Karnam Malleswari का कांस्य) से कितनी बदली है। इसका श्रेय है – Khelo India (जड़ें), TOPS (शीर्ष), और NSF सुधार (प्रणाली)।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
CWG 2026 (ग्लासगो)	राष्ट्रमंडल खेल 2026; ग्लासगो, स्कॉटलैंड; भारत: 29 पदक (11स्वर्ण, 9रजत, 9कांस्य); 215 एथलीट; मुक्केबाज़ी में 9 पदक, पैरा-एथलेटिक्स में भी प्रदर्शन
TOPS (Target Olympic Podium Scheme)	ओलंपिक पदक की आकांक्षा रखने वाले शीर्ष एथलीटों को व्यक्तिगत समर्थन; विदेशी कोच, विज्ञान समर्थन (फिज़ियो, मनोविज्ञान, पोषण), अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता; ₹50,000/माह भत्ता; Mission Olympic Cell निगरानी





खेलो इंडिया	2018 से राष्ट्रीय खेल कार्यक्रम; School Games, University Games, Winter Games, Para Games; 2,000+ वार्षिक छात्रवृत्तियाँ (₹5 लाख/वर्ष); खेलो इंडिया केंद्र (KIC); KISCE – राज्य स्तर पर उत्कृष्टता केंद्र
क्यूबाई मुक्केबाज़ी कोच	Cuba ओलंपिक मुक्केबाज़ी में सर्वाधिक स्वर्ण; Carlos Cobo और टीम भारतीय मुक्केबाज़ों को प्रशिक्षण; तकनीकी विशेषज्ञता ने CWG 2026 में 6 स्वर्ण दिए
CWG 2026 मुक्केबाज़ी का वर्चस्व	9 में से 6 स्वर्ण महिलाओं ने जीते; MC Mary Kom की विरासत की अगली पीढ़ी; अरुंधति चौधरी, साक्षी, जैस्मिन, प्रिया, प्रीति – खेलो इंडिया की पाइपलाइन
NSF सुधार	मंत्री मनसुख मांडविया ने NSF Conclave 2026 में पारदर्शी चयन, उम्र-सीमा, लोकतांत्रिक चुनाव की माँग; खेल प्रशासन सुधार – बार-बार UPSC का विषय
LA 2028 लक्ष्य	भारत का यथार्थवादी लक्ष्य: 10+ पदक; एथलेटिक्स (नीरज चोपड़ा), कुश्ती, बैडमिंटन, निशानेबाज़ी, मुक्केबाज़ी, भारोत्तोलन; खेलो इंडिया 2018 के एथलीट 2028 में 18-22 वर्ष के होंगे – पाइपलाइन तैयार

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत के ओलंपिक पदक का सफर: 2000 (1), 2008 (3), 2012 (6), 2020 (7, Tokyo, सर्वश्रेष्ठ), 2024 (6, Paris); CWG 2026 (29) यह दिखाता है कि Khelo India pipeline अब फल दे रहा है – LA 2028 में 10+ पदक संभव
- 6 में से 6 स्वर्ण महिला मुक्केबाज़: Mary Kom के बाद 20 साल में भारतीय महिला मुक्केबाज़ी विश्व-स्तरीय; Khelo India Girls Boxing + TOPS foreign coaching + ऊँचाई प्रशिक्षण = तीन तत्वों का फल
- खेल-आर्थिकी: भारत का खेल क्षेत्र ₹30,000 करोड़; 2030 तक ₹1 लाख करोड़ का लक्ष्य; CWG पदक = खेल भागीदारी ↑ = खेल सामान, फिटनेस, मीडिया उद्योग ↑ – खेल प्रदर्शन के आर्थिक गुणक
- TOPS बनाम खेलो इंडिया: खेलो इंडिया (U-14, U-17, U-21 स्तर पर प्रतिभा ढूँढना + छात्रवृत्ति) → SAI केंद्र (elite junior) → TOPS (शीर्ष senior ओलंपिक) – तीन-स्तरीय पिरामिड





राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2026 + Netflix-संस्कृति-पर्यटन साझेदारी

मंत्रालय: वस्त्र मंत्रालय / पर्यटन मंत्रालय / संस्कृति मंत्रालय

PIB तिथि: 7 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

7 अगस्त – राष्ट्रीय हथकरघा दिवस। इसे 7 अगस्त इसलिए चुना गया क्योंकि 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता में स्वदेशी आंदोलन की घोषणा हुई थी – जब भारतीयों ने ब्रिटिश माल का बहिष्कार करके अपने हथकरघा और हस्तशिल्प को देशभक्ति से जोड़ा था। इस बार 12वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार 2025 प्रदान किए। दो बड़ी घोषणाएँ हुईं: पहली – IIT दिल्ली में हथकरघा प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन – जहाँ AI पैटर्न जेनरेशन, टिकाऊ रंगाई, और स्मार्ट करघा तकनीक से पारंपरिक बुनकरों को अंतरराष्ट्रीय बाज़ार की माँग के अनुसार डिज़ाइन मिलेंगे, बिना हाथ-बुनाई की परंपरा खोए। दूसरी – पर्यटन मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय ने Netflix के साथ MoU किया – 10 GI-टैग हथकरघा क्लस्टरों (कांचीपुरम सिल्क, पोचमपल्ली इकत, पटन पटोला, चंदेरी, बनारस ब्रोकेड) पर डॉक्यूमेंट्री बनेगी जो Netflix के 25 करोड़ वैश्विक दर्शकों तक पहुँचेगी।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
राष्ट्रीय हथकरघा दिवस	7 अगस्त; 2015 से; 1905 स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में; 12वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2026; राष्ट्रपति हथकरघा पुरस्कार प्रदान करती हैं
संत कबीर हथकरघा पुरस्कार	हथकरघा क्षेत्र का सर्वोच्च सम्मान; संत कबीर (15वीं सदी, वाराणसी) के नाम पर – मुस्लिम परिवार में जन्मे बुनकर-कवि जिनके दोहे बुनाई और आत्मा दोनों की बात करते हैं; राष्ट्रपति द्वारा प्रदान
IIT दिल्ली हथकरघा उत्कृष्टता केंद्र	हथकरघा क्षेत्र के लिए नया शोध केंद्र; AI पैटर्न जेनरेशन (अंतरराष्ट्रीय फैशन ट्रेंड + पारंपरिक डिज़ाइन), टिकाऊ रंगाई, स्मार्ट करघा; बुनकर टैबलेट पर AI डिज़ाइन देखें, हाथ से बुनें



| Click to Connect Now.



Netflix MoU	पर्यटन + संस्कृति मंत्रालय + Netflix; GI-टैग हथकरघा क्लस्टरों पर वृत्तचित्र; 25 करोड़ वैश्विक दर्शक; अब तक का सबसे बड़ा OTT-आधारित पर्यटन/संस्कृति प्रचार समझौता
स्वदेशी आंदोलन 1905	7 अगस्त 1905, कलकत्ता; बंगाल विभाजन (लॉर्ड कर्जन) के विरोध में; ब्रिटिश माल बहिष्कार + भारतीय उद्योग को बढ़ावा; तिलक, बिपिन चंद्र पाल, लाला लाजपत राय; हथकरघा = देशभक्ति
35 लाख हथकरघा बुनकर	विश्व का सबसे बड़ा हथकरघा क्षेत्र; ₹31,000 करोड़ वार्षिक उत्पादन; 70% महिला बुनकर; GI-टैग उत्पाद वैश्विक बाज़ार में प्रीमियम; Netflix वृत्तचित्र से ब्रांड मूल्य बढ़ेगा
GI + Netflix + ECEE त्रिकोण	GI टैग (लेख 24) – पहचान; Netflix (यह लेख) – वैश्विक दर्शक; Cross-border E-Commerce (लेख 2) – बिक्री का रास्ता; तीनों मिलकर भारतीय बुनकर को वैश्विक बाज़ार से जोड़ते हैं

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 7 अगस्त का ऐतिहासिक महत्व: 1905 स्वदेशी आंदोलन = ब्रिटिश माल बहिष्कार + भारतीय हथकरघा सम्मान; 2026 हथकरघा दिवस = Netflix से वैश्विक प्रचार + IIT से AI तकनीक; इतिहास और आधुनिकता का संगम
- संत कबीर: 15वीं सदी; वाराणसी; मुस्लिम बुनकर परिवार में जन्म; उनकी कविता जाति-धर्म से परे; 'जीनी जीनी बीनी चदरिया' – करघे पर जीवन की दार्शनिकता; पुरस्कार उन्हीं के नाम – हथकरघे की आत्मा
- IIT + हथकरघा = तकनीक सेवा परंपरा: उत्कृष्टता केंद्र 10,000+ पारंपरिक हथकरघा पैटर्न डिजिटल करेगा; AI अंतरराष्ट्रीय फैशन ट्रेंड से मिलाएगा; बुनकर AI डिज़ाइन देखे, हाथ से बुने – तकनीक परंपरा को प्रतिस्थापित नहीं, सेवा देती है
- 35 लाख बुनकर में 70% महिलाएँ: हथकरघा क्षेत्र महिला-प्रधान; Netflix वृत्तचित्र उनकी कहानी वैश्विक दर्शकों तक पहुँचाएगा; Khadi-से-वैश्विक-ब्रांड का सफर महिला सशक्तिकरण की कहानी भी
- पोचमपल्ली, पटन पटोला, चंदेरी: ये नाम UPSC Prelims में GI tags के रूप में सीधे पूछे जाते हैं; Netflix वृत्तचित्र इन्हें वैश्विक पहचान देगा; UPSC Aspirants इन्हें याद करने का बेहतर मौका





सम्माननीय उल्लेख

वे तथ्य जो मुख्य लेखों में नहीं आए – लेकिन UPSC Prelims में बिल्कुल ऐसे ही एक-पंक्ति प्रश्नों में पूछे जाते हैं।

विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
GeM का दशक	Government e-Marketplace ने 10 साल पूरे किए; संघर्षी GMV ₹20 लाख करोड़ से अधिक; 65,000+ खरीदार संगठन; 70 लाख+ विक्रेता जिनमें MSME और महिला उद्यमी शामिल।	GS-II शासन; सार्वजनिक खरीद सुधार; GeM की भूमिका भ्रष्टाचार कम करने में – UPSC पहले पूछ चुका है।
PM Surya Ghar: 50 लाख	PM Surya Ghar: Muft Bijli Yojana ने 50 लाख छत सौर स्थापना की उपलब्धि (अगस्त 2026); परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त/माह; ₹78,000 तक सब्सिडी; net metering से अतिरिक्त बिजली बिक्री।	GS-III ऊर्जा; Prelims: सही पूरा नाम + 300 यूनिट की सीमा – सीधे पूछे जाने वाले तथ्य।
नशा मुक्त युवा अभियान	PM मोदी ने 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा for विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया; पहले सप्ताह में 5 लाख+ युवाओं ने संकल्प लिया; MY Bharat platform (2.46 करोड़ युवा पंजीकृत) के ज़रिए।	GS-II सामाजिक न्याय; NDPS Act, नशामुक्त भारत अभियान (NMBA) – 29 करोड़ लोगों तक पहुँच; MY Bharat platform क्या है।
MSME संशोधन विधेयक 2026	संसद ने MSME विकास (संशोधन) विधेयक 2026 पारित किया; MSME परिभाषा को ऊपर की ओर संशोधित; ECLGS 5.0 और SIDBI ऋण तक बेहतर पहुँच; ZED (Zero Defect Zero Effect) प्रमाणन ढाँचा मजबूत।	GS-III अर्थव्यवस्था; MSME परिभाषा संशोधन UPSC में बार-बार आता है – Micro, Small, Medium के लिए निवेश + कारोबार सीमाएँ याद करें।





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
हाथ से मैला न उठाने का सर्वेक्षण	2024-25 में नए राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (MS Act 2013 के तहत) में शून्य हाथ से मैला ढोने वाले मिले; पिछले 5 वर्षों में 766 सीवर सफाई में मौतें; SC/ST समुदाय ऐतिहासिक रूप से सर्वाधिक प्रभावित।	GS-II सामाजिक न्याय; MS Act 2013, सफाई कर्मचारी आंदोलन, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश – सीधे परीक्षा में।
भारत-भूटान नदी बैठक	भारत के जल शक्ति मंत्रालय और भूटान सरकार के बीच उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठक; मानस, संकोश, तोर्सा नदियाँ; संयुक्त बाढ़ निगरानी और डेटा साझाकरण।	GS-II अंतरराष्ट्रीय संबंध; भारत कई देशों के साथ नदियाँ साझा करता है – प्रत्येक द्विपक्षीय व्यवस्था अलग और परीक्षा में पूछी जाती है।
जल जीवन मिशन 2.0	JJM 2.0 में गति; JJM (मूल) के तहत 15 करोड़+ नल कनेक्शन; JJM 2.0 शेष घरों में गुणवत्तापूर्ण पेयजल, स्थिरता और संचालन पर ध्यान देता है; 2028 तक पूर्ण कवरेज लक्ष्य।	GS-II शासन; JJM का मूल लक्ष्य (2024 तक 100%) पूरा नहीं हुआ; JJM 2.0 अगला चरण है – दोनों चरणों का अंतर परीक्षा में पूछा जा सकता है।
BRICS भ्रष्टाचार-विरोधी बैठक	हैदराबाद में दूसरी BRICS भ्रष्टाचार-विरोधी कार्य समूह बैठक (4-5 अगस्त); भारत की BRICS अध्यक्षता 2026; भ्रष्टाचार आय की वापसी, सुरक्षित आश्रय से इनकार, वित्तीय अपराध सहयोग।	GS-II अंतरराष्ट्रीय संबंध; भारत BRICS अध्यक्षता 2026 के तहत हुई सभी मंत्रिस्तरीय बैठकों की सूची याद करें।
हर घर तिरंगा 2026	9-17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान; ध्वज संहिता 2022 संशोधन: मशीन निर्मित/पॉलिएस्टर झंडे; 24 घंटे प्रदर्शन; पिछले संस्करणों में 25 करोड़+ झंडे वितरित।	GS-I राजव्यवस्था; ध्वज संहिता 2002 + 2022 संशोधन विशिष्टताएँ Prelims योग्य; राष्ट्रीय सम्मान अपमान अधिनियम (Week 9) से जुड़ाव।





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
गुवाहाटी-तेजपुर राजमार्ग	CCEA ने असम में NH-15 पर 4-लेन राजमार्ग (बैहाटा चारियाली-तेजपुर) को मंजूरी दी; 135.87 km; ₹8,970 करोड़; पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी परियोजना।	GS-III बुनियादी ढाँचा; NH-15 असम की प्रमुख धमनी है; Act East Policy संदर्भ में पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी परियोजनाएँ UPSC में भारी।
बादल वाला तेंदुआ – राज्य पशु	बादल वाला तेंदुआ (Neofelis nebulosa) मेघालय का राज्य पशु है; Schedule I, WPA 1972; पूर्वोत्तर के जंगलों में; दुनिया के किसी भी जीवित बिल्ले के सबसे लंबे कुंतल।	GS-III पर्यावरण; राज्य पशु + Schedule I + नई CAP = क्लासिक UPSC बहु-कथन प्रश्न।
PFBR – pre-criticality	कल्पक्कम, TN में Prototype Fast Breeder Reactor pre-criticality चरण में; BHAVINI संचालित; 500 MW; 2026-27 में criticality अपेक्षित; भारत का चरण-2 परमाणु कार्यक्रम का द्वार।	GS-III परमाणु ऊर्जा; भारत का तीन-चरण परमाणु कार्यक्रम UPSC का पसंदीदा – चरण-1 (PHWR), चरण-2 (FBR/PFBR), चरण-3 (AHWR/थोरियम) याद रखें।
लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026	NSA अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026; 1983 से; तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट, पुणे द्वारा; तिलक की मृत्यु वर्षगांठ (1 अगस्त) पर; पूर्व प्राप्तकर्ता: PM मोदी, Dr APJ Abdul Kalam।	GS-I आधुनिक इतिहास; बाल गंगाधर तिलक – 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है'; Home Rule Movement; Kesari और Mahratta; गणेश उत्सव सार्वजनिक – सब परीक्षा योग्य।
FAIR में भारत	BARC/VECC (कोलकाता) ने FAIR (जर्मनी) के लिए अतिचालक सोलनोइड चुंबक बनाए; RRCAT (इंदौर) ने बीम डायग्नोस्टिक्स; विश्व के सबसे बड़े भारी-आयन त्वरक में भारत तकनीकी योगदानकर्ता।	GS-III विज्ञान; CERN, ITER, SKA, FAIR में भारत की भागीदारी UPSC Mains S&T में; VECC और RRCAT क्या करते हैं – PIB में बार-बार आते हैं।





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
IPC को WHO SEARO मान्यता	Indian Pharmacopoeia Commission (गाज़ियाबाद) को WHO SEARO (दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय) ने Pharmacovigilance में क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र और दवा गुणवत्ता में तकनीकी केंद्र की मान्यता दी।	GS-II स्वास्थ्य; IPC Indian Pharmacopoeia प्रकाशित करती है; PvPI (Pharmacovigilance Programme) → WHO VigiBase; IPC + CDSCO + DCGI का अंतर जानें।
क्वांटम नेटवर्क – CSIR	CSIR वैज्ञानिकों ने क्वांटम नेटवर्क जोड़ने का ब्लूप्रिंट प्रकाशित; QKD (Quantum Key Distribution) – अभेद्य संचार; व्यावहारिक अनुप्रयोग।	GS-III विज्ञान; क्वांटम संचार, QKD, National Quantum Mission (₹6,000 करोड़) UPSC Mains S&T में बढ़ रहा है।
नैनो-रोबोट – स्तन कैंसर	CSIR शोधकर्ताओं ने प्रकाश-सक्रिय नैनो-रोबोट बनाए जो केवल कैंसर कोशिकाओं पर हमला करते हैं; कैंसर उपचार में सहायक; प्रयोगशाला परीक्षण सफल, नैदानिक परीक्षण बाकी।	GS-III विज्ञान; नैनोमेडिसिन, लक्षित दवा वितरण, नैनो-रोबोट – UPSC Mains S&T में तेज़ी से आ रहे विषय।
अनुच्छेद 370 – 7वीं वर्षगांठ	5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35(क) का निरसन; J&K को दो UT में विभाजित (J&K और लद्दाख); 5 अगस्त 2026 को PM मोदी ने 7 साल पूर्ण होने पर उल्लेख किया।	GS-II राजव्यवस्था; अनुच्छेद 370 निरसन तंत्र (राष्ट्रपति आदेश, संसद प्रस्ताव), J&K पुनर्गठन – Mains में विस्तार से पूछा जा सकता है।
सिलक्यारा – सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक	12 रेट माइन्स जिन्होंने 2023 में सिलक्यारा सुरंग में फँसे 41 मज़दूरों को बचाया, उन्हें सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक (India's highest peacetime civilian gallantry for life-saving) मिला।	GS-II शासन/नैतिकता; वीरता पुरस्कार सोपान: परम वीर चक्र (युद्ध), अशोक चक्र (शांतिकाल), महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक (नागरिक जीवन-रक्षा) – क्रम जानें।





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
भारत-रवांडा JTC	पहली भारत-रवांडा संयुक्त व्यापार समिति बैठक; भारत-अफ्रीका द्विपक्षीय व्यापार \$100 अरब; रवांडा EAC (East African Community) का प्रवेश द्वार; AfCFTA (54 देश) में पहुँच।	GS-II अंतरराष्ट्रीय संबंध; IAFS (India-Africa Forum Summit), Lines of Credit; रवांडा का 1994 के बाद पुनर्निर्माण भी GS-I इतिहास-अर्थव्यवस्था प्रश्न।





अभ्यास प्रश्न

10 Prelims प्रश्न – UPSC Prelims शैली

प्र.1. 6 अगस्त 2026 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित GOBARdhan योजना के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. GOBARdhan का पूर्ण रूप 'Galvanising Organic Bio-Agro Resources Dhan' है।
2. इसका लक्ष्य 2030 तक 5,000 संपीड़ित बायोगैस (CBG) संयंत्र और 1.5 करोड़ टन वार्षिक CBG उत्पादन है।
3. बायोगैस संयंत्र से निकलने वाली जैव-खाद (bio-slurry) में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेशियम होते हैं।
4. CBG रासायनिक संरचना में CNG से भिन्न है और वाहनों में उपयोग के लिए विशेष संशोधन की आवश्यकता है।

इनमें से कितने कथन सही हैं?

- (क) केवल दो
- (ख) केवल तीन
- (ग) सभी चार
- (घ) केवल एक

प्र.2. इस सप्ताह FTP 2023 के तहत अधिसूचित 'इन्वेंट्री-आधारित सीमापार ई-कॉमर्स निर्यात ढाँचा' से मुख्य रूप से किसे लाभ होगा?

- (क) बड़े निर्यातक जो अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को कंटेनर में माल भेजते हैं
- (ख) MSME, कारीगर और छोटे उत्पादक जो ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के ज़रिए अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं को बेचते हैं
- (ग) भारत में माल आयात करने वाली विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियाँ
- (घ) अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन बाज़ार से खरीदे गए माल की सरल सीमा शुल्क निकासी चाहने वाले आयातक

प्र.3. अग्नि-4 मिसाइल, जिसका इस सप्ताह सफल परीक्षण हुआ, को सबसे सटीक रूप से बताया जा सकता है:

- (क) 4,000 km दूरी वाली क्रूज़ मिसाइल, जो टर्बोजेट इंजन से चलती है और GPS-निर्देशित है
- (ख) दो-चरणीय ठोस-ईंधन मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (IRBM), लगभग 4,000 km की मारक क्षमता के साथ
- (ग) INS अरिहंत की लॉन्च ट्यूब से दागी गई पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM)
- (घ) हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल जो पूरे उड़ान पथ में Mach 5+ की गति से चलता है





प्र.4. ग्लाव झील, जो भारत की 101वीं रामसर स्थल बनी, अरुणाचल प्रदेश के किस जिले में स्थित है?

- (क) पापुम पारे
- (ख) निचला सुबनसिरी
- (ग) तवांग
- (घ) पश्चिम कामेंग

प्र.5. चांदीपुरा वायरस (CHPV) के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. यह Rhabdoviridae परिवार से संबंधित है – वही परिवार जिसमें रेबीज़ वायरस भी है।
2. यह Phlebotomus रेत मक्खी से फैलता है और मुख्यतः 15 वर्ष से कम बच्चों को प्रभावित करता है।
3. पुष्ट बाल एन्सेफलाइटिस मामलों में CFR 55-75% इसे भारत के सबसे घातक स्थानिक विषाणुओं में से एक बनाती है।
4. CHPV संक्रमित सूअरों से मनुष्यों में फैलता है, जिससे सूअर पालकों पर अधिक खतरा।

इनमें से कौन से सही हैं?

- (क) 1, 2 और 3 केवल
- (ख) 2, 3 और 4 केवल
- (ग) 1 और 4 केवल
- (घ) 1, 2, 3 और 4

प्र.6. पिंगली वेंकैया, जो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के प्रारूप से जुड़े हैं, किस शहर में जन्मे थे?

- (क) विजयवाड़ा
- (ख) नेल्लोर
- (ग) मछलीपट्टनम
- (घ) विशाखापट्टनम

प्र.7. USBRL (उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक) में इंजीनियरिंग उपलब्धियों के बारे में विचार करें:

1. चिनाब रेल पुल – नदी तल से 359 मीटर ऊँचाई के साथ विश्व का सबसे ऊँचा रेल पुल।





2. 38 सुरंगें जो कुल 119 km – 272 km रूट का लगभग आधा भूमिगत हैं।
3. T-49 सुरंग – भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग।
4. भारतीय रेलवे में पहली बार मैग्लेव (चुंबकीय उत्तोलन) तकनीक का उपयोग।

कितने कथन सही हैं?

- (क) केवल दो
- (ख) केवल तीन
- (ग) सभी चार
- (घ) केवल एक

प्र.8. कल्पक्कम के PFBR के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. यह भारत के तीन-चरण परमाणु कार्यक्रम के चरण-2 का प्रवेश द्वार है।
2. इसका संचालन BHAVINI (भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लि.) करती है।
3. यह प्राथमिक ईंधन के रूप में थोरियम का और प्रजनन सामग्री के रूप में प्लूटोनियम का उपयोग करता है।
4. PFBR के critical होने पर भारत FBR संचालित करने वाला छठा देश बन जाएगा।

इनमें से कौन से सही हैं?

- (क) 1, 2 और 4 केवल
- (ख) 1, 3 और 4 केवल
- (ग) 2, 3 और 4 केवल
- (घ) 1, 2, 3 और 4

प्र.9. IndiaAI Mission कितने करोड़ के परिव्यय के साथ शुरू हुआ?

- (क) ₹6,000 करोड़ – राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के समान
- (ख) ₹10,372 करोड़, मार्च 2024 में; कंप्यूट, शोध, डेटासेट, AI शासन, कौशल, स्टार्टअप और सुरक्षित AI – सात स्तंभ
- (ग) ₹19,744 करोड़ – राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के समान
- (घ) ₹7,000 करोड़ – eCourts Phase-III के समान

प्र.10. 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस क्यों मनाया जाता है?



| Click to Connect Now.



- (क) महात्मा गांधी के जन्मदिन की स्मृति में जिन्होंने हाथ-कटाई को स्वावलंबन का प्रतीक बनाया
- (ख) भारत की पहली पंचवर्षीय योजना की शुरुआत के अवसर पर जिसमें हथकरघा प्राथमिकता क्षेत्र था
- (ग) 7 अगस्त 1905 को शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में जिसने भारतीय हथकरघे को उपनिवेशी माल के विरोध का प्रतीक बनाया
- (घ) 7 अगस्त 1985 की राष्ट्रीय वस्त्र नीति की स्मृति में जिसने हथकरघा बुनकरों को वैधानिक मान्यता दी

2 मुख्य परीक्षा प्रश्न एवं आदर्श उत्तर

मुख्य परीक्षा प्रश्न 1 – 150 शब्द:

GOBARdhan की ₹23,731 करोड़ की योजना को स्वच्छ ऊर्जा योजना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। एक आलोचक तर्क देता है कि बायोगैस दहन से CO₂ निकलती है – इसलिए यह वास्तव में 'स्वच्छ' नहीं है। इस आलोचना का मूल्यांकन करें और जाँचें कि क्या GOBARdhan भारत के NDC ढाँचे के अंतर्गत जलवायु कार्रवाई उपाय के रूप में योग्य है।

आदर्श उत्तर – 150 शब्द:

आलोचना तकनीकी दृष्टि से सही है – CBG दहन से CO₂ निकलती है। लेकिन जलवायु लेखांकन दहन बिंदु पर नहीं, पूरे जीवनचक्र पर होता है। सही तुलना यह है: जैविक कचरा (गोबर, पराली, MSW) खुले में सड़े तो मीथेन निकलती है – जो 20 वर्षों में CO₂ से 80 गुना अधिक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है। जब वही कचरा GOBARdhan संयंत्र में जाए, मीथेन पकड़ी जाए और जलाई जाए, तो CO₂ बनती है। शुद्ध ग्रीनहाउस प्रभाव खुले अपघटन से कहीं कम है – GOBARdhan पर्यावरण की दृष्टि से जीतता है। भारत के NDC (2022) के तहत – GDP की उत्सर्जन तीव्रता में 45% कमी और 2030 तक 50% गैर-जीवाश्म विद्युत क्षमता – GOBARdhan दोनों में योगदान करता है। मीथेन नियंत्रण उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य में और CBG (LNG की जगह) गैर-जीवाश्म ऊर्जा लक्ष्य में सहायक है। पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के अंतर्गत प्रत्येक GOBARdhan संयंत्र मीथेन रोकने से कार्बन क्रेडिट भी कमाता है – अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता। आलोचक का वास्तविक वैध प्रश्न है: क्या feedstock (पराली, MSW)





खाद्य उत्पादन से प्रतिस्पर्धा करेगा? GOBARdhan केवल कचरे का उपयोग करता है – खाद्य-प्रतिस्पर्धा नहीं। इसलिए यह वास्तव में वृत्तीय और स्वच्छ है।

मुख्य परीक्षा प्रश्न 2 – 250 शब्द:

'भारत की सीमा विकास और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण अलग-अलग नीतिगत क्षेत्र नहीं, बल्कि एक ही राष्ट्रीय सुरक्षा के दो पहलू हैं।' विकसित विकसित विकसित Viksit Vibrant Village Programme और ग्लोबल झील के UNESCO रामसर स्थल दर्जे को प्राथमिक उदाहरण मानते हुए, तथा इस सप्ताह की PIB से अन्य प्रासंगिक विकासों का उपयोग करते हुए, इस कथन की समालोचनात्मक जाँच करें।

आदर्श उत्तर – 250 शब्द:

यह कथन एक मूलभूत रणनीतिक सत्य को पकड़ता है: क्षेत्रीय संप्रभुता केवल सैन्य उपस्थिति से नहीं, नागरिक जीवन्तता और सांस्कृतिक निरंतरता से टिकती है। Viksit Vibrant Village Programme (VVP) की रणनीतिक तर्क सीधी है। चीन ने विवादित तिब्बती क्षेत्र में 600+ 'Xiaokang गाँव' बनाए – आधुनिक आवास, सड़कें, इंटरनेट। इनमें से कुछ उन क्षेत्रों में हैं जिन पर भारत दावा करता है। भारत की प्रतिक्रिया थी VVP – सीमावर्ती गाँवों को ऑप्टिकल फाइबर, सौर ऊर्जा, खेलो इंडिया केंद्र, होमस्टे पर्यटन से जोड़ना। 19 से 46 जिलों तक विस्तार का अर्थ है भारत अब सभी 7 स्थल सीमाओं पर यही नीति लागू कर रहा है। जब तवांग का युवा गुवाहाटी नहीं जाता, अरुणाचल प्रदेश जीवित क्षेत्र है – नक्शे पर दावे से कहीं मजबूत संप्रभुता। ग्लोबल झील की रामसर स्थल मान्यता उसी तर्क का पर्यावरणीय संस्करण है। तवांग – जिसे चीन 'दक्षिण तिब्बत' कहता है – में एक अंतरराष्ट्रीय संस्था (रामसर) ने ग्लोबल झील को भारत की संप्रभु धरती के एक हिस्से के रूप में दर्ज किया है। यह 'Soft Sovereignty' – अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण कानून के माध्यम से क्षेत्रीय दावे को वैध बनाना। इस सप्ताह का पिंगली वेंकैया का 150वाँ जन्मदिन एक तीसरा पहलू जोड़ता है। जब भारत 5 अगस्त को 17 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराता है, यह केवल त्योहार नहीं – सामूहिक पहचान का पुनर्निर्माण है जो भारत की बहुविध संस्कृतियों को एक राष्ट्र के रूप में बाँधता है। संरचनात्मक सीमा: सीमा विकास और संस्कृति-कूटनीति – दोनों परिणाम धीमे हैं। VVP गाँव 10-15 साल में जीवन्त होंगे; रामसर पर्यटन बुनियादी ढाँचे के लिए दशक। चीन भारत की 3 गुना गति से सीमा क्षेत्रों में निर्माण कर रहा है। सांस्कृतिक और पर्यावरणीय साधन





सही हैं – लेकिन उनकी समयसीमा और चीन की निर्माण गति के बीच असंतुलन ही केंद्रीय चुनौती है जिसका भारत की सीमा-संस्कृति नीति को ईमानदारी से सामना करना होगा।

Prelims उत्तर एवं व्याख्या

प्र.1. उत्तर: (ख) केवल तीन

व्याख्या: कथन 4 गलत है – CBG रासायनिक संरचना में CNG के समान (दोनों मुख्यतः मीथेन) हैं; किसी वाहन संशोधन की आवश्यकता नहीं। कोई भी CNG वाहन, CNG पंप या गैस पाइपलाइन CBG सीधे उपयोग कर सकती है – यही 'drop-in' लाभ है जो CBG को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाता है। कथन 1 (पूर्ण रूप सही), 2 (5,000 संयंत्र, 15 MMT लक्ष्य सही), 3 (जैव-खाद में NPK – सही) सभी सटीक।

प्र.2. उत्तर: (ख)

व्याख्या: सीमापार ई-कॉमर्स निर्यात ढाँचा विशेष रूप से MSME, कारीगरों और छोटे उत्पादकों के लिए बनाया गया है जो Amazon, Etsy, eBay जैसे प्लेटफॉर्म पर अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को बेचते हैं – नई ECEE श्रेणी, विदेशी बंधुआ गोदाम, सरल कस्टम्स और तेज़ IGST रिफंड इन्हीं के लिए है। बड़े container-shipping निर्यातकों, आयातकों, या विदेशी कंपनियों के लिए नहीं।

प्र.3. उत्तर: (ख)

व्याख्या: अग्नि-4 दो-चरणीय ठोस-ईंधन IRBM (Intermediate Range Ballistic Missile) है जिसकी मारक क्षमता ~4,000 km है। क्रूज़ मिसाइल नहीं (क्रूज़ मिसाइलें वायु-श्वास इंजन से उड़ती हैं, लगातार ऊँचाई पर); SLBM नहीं (K-4 भारत की SLBM है); हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल नहीं (HGV वायुमंडल में Mach 5+ पर ग्लाइड करते हैं; बैलिस्टिक मिसाइलें अंतरिक्ष में जाती हैं फिर वापस आती हैं)।

प्र.4. उत्तर: (ग) तवांग

व्याख्या: गलाव झील अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में है – वह जिला जो चीन के साथ संवेदनशील सीमा साझा करता है (1962 युद्ध का प्रमुख रंगभूमि, 6वें दलाई लामा का जन्मस्थान)। रामसर स्थल दर्जा = अंतरराष्ट्रीय संस्था गलाव झील





को भारत की संप्रभु भूमि मानती है – Soft Sovereignty अभिकथन। पापुम पारे (ईटानगर), निचला सुबनसिरी, पश्चिम कामेंग – सब गलत।

प्र.5. उत्तर: (क) 1, 2 और 3 केवल

व्याख्या: कथन 4 गलत है – चांदीपुरा वायरस (CHPV) सूअरों से मनुष्यों में नहीं फैलता। CHPV रेत मक्खी के काटने से इंसानों में आता है – यह सूअर-जनित नहीं। अफ्रीकी स्वाइन फीवर (ASF – लेख 10) सूअरों को मारता है लेकिन मनुष्यों को नहीं; CHPV मनुष्यों को मारता है लेकिन सूअरों से नहीं फैलता – इस सप्ताह दोनों PIB में थे, भ्रम जानबूझकर डिजाइन किया गया trap है। कथन 1 (Rhabdoviridae), 2 (Phlebotomus, <15 वर्ष), 3 (CFR 55-75%) सभी सही।

प्र.6. उत्तर: (ग) मछलीपटनम

व्याख्या: पिंगली वेंकैया भट्टलापेनुमारु में जन्मे – कृष्णा जिला, वर्तमान आंध्र प्रदेश, मछलीपटनम के पास। विजयवाड़ा वह स्थान है जहाँ उन्होंने 1921 में गांधीजी को ध्वज प्रारूप प्रस्तुत किया – जन्मस्थान नहीं। मछलीपटनम – INS मछलीपटनम (Week 9) के नाम का वही शहर – एक अद्भुत PIB सप्ताह संयोग।

प्र.7. उत्तर: (ख) केवल तीन

व्याख्या: कथन 4 गलत है – USBRL में मैग्लेव तकनीक नहीं है। यह परंपरागत रेलवे लाइन है (स्टील पहिया पर स्टील रेल) – बस असाधारण कठिन हिमालयी भूभाग में। मैग्लेव जापान और चीन में है; भारत में कोई चालू मैग्लेव नहीं। कथन 1 (चिनाब, 359 m), 2 (38 सुरंगें, 119 km), 3 (T-49, भारत की सबसे लंबी) सभी सही।

प्र.8. उत्तर: (क) 1, 2 और 4 केवल

व्याख्या: कथन 3 गलत है – PFBR प्राथमिक ईंधन के रूप में थोरियम नहीं, प्लूटोनियम जलाता है। थोरियम चरण-3 (AHWR) में काम आएगा। PFBR में U-238 'blanket' से प्लूटोनियम 'ब्रीड' होता है। यह UPSC में सबसे आम भ्रम है – 'थोरियम = चरण-3, प्लूटोनियम = चरण-2 (PFBR)' – स्पष्ट रूप से याद रखें। कथन 1 (चरण-2 प्रवेश द्वार), 2 (BHAVINI), 4 (छठा देश) सभी सही।

प्र.9. उत्तर: (ख)

व्याख्या: IndiaAI Mission मार्च 2024 में ₹10,372 करोड़ के साथ शुरू हुआ – एक विशिष्ट संख्या जो अन्य योजनाओं से अलग है। ₹6,000 करोड़ = राष्ट्रीय क्वांटम मिशन। ₹19,744 करोड़ = राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (Week 9)।





₹7,000 करोड़ = eCourts Phase-III (इस सप्ताह की डिजिटल न्यायपालिका पृष्ठभूमि)। सही योजना को उसके सही परिव्यय से मिलाना – क्लासिक Prelims trap।

प्र.10. उत्तर: (ग)

व्याख्या: राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 7 अगस्त 1905 के स्वदेशी आंदोलन की घोषणा की स्मृति में मनाया जाता है – जब भारतीय नेताओं ने बंगाल विभाजन के विरोध में ब्रिटिश माल का बहिष्कार किया और भारतीय हथकरघा को राष्ट्रवाद से जोड़ा। 7 अगस्त 1905 – एक परीक्षा-योग्य तिथि। गांधीजी का जन्मदिन 2 अक्टूबर है। हथकरघे को वैधानिक मान्यता देने वाली पहली राष्ट्रीय वस्त्र नीति 1985 में थी – विकल्प (घ) – लेकिन यह दिवस की स्थापना का कारण नहीं।





WEEK-2 AUGUST 2026



| Click to Connect Now.



भारत ने 300 GW जीवाश्म ईंधन रहित विद्युत उत्पादन क्षमता का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल किया

मंत्रालय: नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

PIB तिथि: 9 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

बिजली दो तरह से बनती है – एक, कोयला-तेल-गैस जलाकर (जीवाश्म ईंधन); दूसरी, सूरज, हवा, पानी, परमाणु और बायोमास से (गैर-जीवाश्म ईंधन)। 9 अगस्त 2026 को भारत ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया – हमारी गैर-जीवाश्म बिजली क्षमता 300 गीगावाट (GW) हो गई। सरल भाषा में: भारत में अब 300 लाख किलोवाट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता ऐसे साधनों से है जो कोयला नहीं जलाते। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा सौर ऊर्जा का है – जून 2026 में भारत ने 100 GW सौर ऊर्जा क्षमता पार की थी। एक बात साफ समझना जरूरी है: 300 GW क्षमता का मतलब यह नहीं कि इतनी बिजली हर वक्त मिल रही है। सौर पैनल रात को नहीं चलते, पवन चक्कियाँ हमेशा नहीं घूमती। लेकिन यह क्षमता मायने रखती है क्योंकि भारत ने पेरिस समझौते में वादा किया है कि 2030 तक स्थापित बिजली क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म स्रोतों से होगा – और 300 GW उस वादे को पूरा करने की दिशा में हम सही रास्ते पर हैं। अगला पड़ाव है 500 GW – जो 2030 तक हासिल करना है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
300 GW गैर-जीवाश्म क्षमता	स्थापित बिजली क्षमता (सौर, पवन, जलविद्युत, परमाणु, बायोमास) 300 GW; भारत की कुल बिजली क्षमता ~1,000 GW का लगभग 30%; विश्व में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में तीसरा स्थान
NDC (राष्ट्रीय निर्धारित योगदान)	पेरिस समझौते के तहत भारत की जलवायु प्रतिबद्धता; 2022 अपडेट: 2030 तक स्थापित क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म स्रोतों से; 300 GW इस लक्ष्य से आगे की प्रगति दर्शाता है





स्थापित क्षमता बनाम उत्पादन	स्थापित क्षमता = अधिकतम उत्पादन क्षमता; वास्तविक उत्पादन कम होता है (सौर: 20-25% क्षमता कारक, ताप: 60-70%); 300 GW गैर-जीवाश्म $\neq$ 300 GW निरंतर स्वच्छ बिजली
सौर ऊर्जा का योगदान	100+ GW की वृद्धि सौर से; जून 2026 में 100 GW सौर क्षमता पार; भड़ला (2,245 MW), पावागड़ा (2,050 MW) प्रमुख सोलर पार्क; PLI + PM सूर्य घर योजना मुख्य चालक
500 GW का लक्ष्य	अगला NDC लक्ष्य; 4 साल में 200 GW और जोड़ने होंगे; ऑफशोर पवन, सह-स्थित भंडारण, तैरती सौर – नए वेक्टर; प्रति वर्ष 40-50 GW जोड़ने की गति बनाए रखनी होगी
ISA (अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन)	भारत-फ्रांस की पहल; 120+ सदस्य देश; वैश्विक सौर ऊर्जा को बढ़ावा; भारत की 300 GW की उपलब्धि ISA की विश्वसनीयता बढ़ाती है
क्षमता कारक (Capacity Factor)	वास्तविक ऊर्जा उत्पादन का अधिकतम संभव से अनुपात; पवन: 25-35%; सौर: 20-25%; ताप: 60-70%; परमाणु: 80-90%; UPSC Trap – क्षमता और उत्पादन का अंतर जानें

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- क्षमता बनाम उत्पादन का UPSC Trap: 300 GW स्थापित क्षमता $\neq$ 300 GW बिजली उत्पादन; NDC प्रतिबद्धता स्थापित क्षमता (50%) पर है, उत्पादन हिस्से पर नहीं – यह अंतर सीधे परीक्षा में पूछा जाता है; जनरेशन मिक्स अभी भी कोयला-प्रधान (~70%) है
- भारत की नवीकरणीय यात्रा: 2014 – 35 GW कुल नवीकरणीय $\rightarrow$ 2022 – 100 GW सौर $\rightarrow$ 2026 – 300 GW गैर-जीवाश्म; गति में तेजी PLI, सौर पार्क, और गिरती लागत से संभव हुई
- पेरिस समझौते से जोड़: Article 4 के तहत NDC स्वैच्छिक और स्व-निर्धारित; भारत ने 2022 में अपडेट NDC में 40% से बढ़ाकर 50% किया; 300 GW दर्शाता है भारत अपने अपडेट लक्ष्य से भी आगे
- MNRE बनाम MoP: नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) – सौर, पवन, बायोमास; विद्युत मंत्रालय (MoP) – ताप, बड़ी जलविद्युत, ग्रिड; परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) – परमाणु; 300 GW MNRE की उपलब्धि है





- भंडारण एकीकरण: 300 GW बिना पर्याप्त भंडारण के अनियमितता की चुनौती पैदा करता है; >100 MW के नए सौर प्रोजेक्ट में सह-स्थित भंडारण अनिवार्य – 300 GW उपलब्धि है, भंडारण अगली चुनौती

एशियाई शेर 523 → 891 (दस साल में) + गज गौरव पुरस्कार 2026 – भारत की संरक्षण जोड़ी

मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

PIB तिथि: 10/13 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

एक तरफ गुजरात के गिर जंगल में खुशखबरी – एशियाई शेर की संख्या 2015 में 523 थी, जो अब 2025 में बढ़कर 891 हो गई है। यानी दस साल में 70% की वृद्धि। दूसरी तरफ, 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस पर विशाखापत्तनम में गज गौरव पुरस्कार 2026 दिए गए – हाथी संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वन अधिकारियों, शोधकर्ताओं और स्थानीय समुदायों को। एशियाई शेर की कहानी दुनिया में जंगली जानवरों के संरक्षण की सबसे सफल कहानियों में से एक है। 1900 में गिर में केवल 20 शेर बचे थे – आज 891। इसके पीछे गुजरात के वन विभाग की दशकों की मेहनत, मालधारी समुदाय की सहनशीलता (जो शेरों के साथ जंगल में रहते हैं), और WPA 1972 की कानूनी ताकत है। 891 का आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 800 से अधिक होना दीर्घकालिक आनुवंशिक व्यवहार्यता का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। लेकिन चुनौती यह है: दुनिया में एशियाई शेर केवल एक ही जगह हैं – गिर। अगर कोई महामारी आई, तो पूरी प्रजाति खतरे में पड़ सकती है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
एशियाई शेर (<i>Panthera leo persica</i>)	केवल गिर वन राष्ट्रीय उद्यान, गुजरात में; 523 (2015) → 891 (2025); 1900 में केवल 20 बचे थे; IUCN: Endangered; WPA 1972 के Schedule I में; अफ्रीकी शेर से छोटा
गिर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य	जूनागढ़ जिला, गुजरात; 1,412 वर्ग km कुल; राष्ट्रीय उद्यान कोर 258 वर्ग km; एशियाई शेर का एकमात्र जंगली आवास; 1965 में स्थापित; प्रोजेक्ट लायन 2020 में शुरू





प्रोजेक्ट लायन (2020)	केंद्र प्रायोजित योजना; आवास विकास, शिकार आधार, रोग प्रबंधन, मानव-शेर संघर्ष; प्रोजेक्ट टाइगर (1973) और प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992) जैसा; शेरों के लिए समर्पित कार्यक्रम
मालधारी समुदाय	गिर जंगल में रहने वाला पशुपालक समुदाय; शेरों के साथ सहजीवन; पशुओं को शेर ले जाते हैं लेकिन समुदाय सहनशील; संरक्षण सफलता का मूल आधार
विश्व हाथी दिवस	12 अगस्त (अंतरराष्ट्रीय); PM ने हाथी संरक्षण पर लेख साझा किया; गज गौरव पुरस्कार 2026 विशाखापत्तनम में; भारत के पास विश्व की 60%+ एशियाई हाथी आबादी
गज गौरव पुरस्कार 2026	विश्व हाथी दिवस 2026 पर विशाखापत्तनम में प्रदान; हाथी संरक्षण में उत्कृष्ट वन अधिकारियों, शोधकर्ताओं, समुदायों को; मानव-हाथी संघर्ष कम करना, गलियारा संरक्षण प्रमुख मानदंड
प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992)	केंद्र प्रायोजित; 30 हाथी रिजर्व; गलियारा संरक्षण, जनगणना, मानव-हाथी संघर्ष; ~30,000 एशियाई हाथी भारत में; दुनिया में सबसे बड़ी हाथी आबादी

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- IUCN Red List: एशियाई शेर = Endangered (एकल स्थान, 891 की छोटी आबादी); अफ्रीकी शेर = Vulnerable; संरक्षण सफलता ने IUCN स्थिति नहीं बदली क्योंकि 891 शेर एक ही जगह = अभी भी अस्तित्व का खतरा
- Schedule I महत्व: WPA 1972; शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध; न्यूनतम 6 साल कारावास; भारत के सभी प्रमुख वन्यजीव एकमात्र Schedule I में – UPSC में राज्य पशु + Schedule I की जोड़ी बार-बार पूछी जाती है
- संरक्षण परियोजनाओं की तुलना: प्रोजेक्ट टाइगर (1973, 53 रिजर्व) → प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992, 30 रिजर्व) → प्रोजेक्ट लायन (2020, गिर-केंद्रित) → प्रोजेक्ट डॉल्फिन (2020) → प्रोजेक्ट चीता (2022) – भारत की प्रमुख संरक्षण परियोजनाओं की समयरेखा





- दूसरे स्थान की बहस: सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा है क्या बड़ा वन्यजीव अभ्यारण्य (बरदा, पोरबंदर, गुजरात, 192 वर्ग km) एशियाई शेरों की मेजबानी कर सकता है; गुजरात सरकार ने विरोध किया; शेर खुद गिर से बाहर फैल रहे हैं (अमरेली, भावनगर, गिर-सोमनाथ)
- हाथी गलियारे: भारत में 101 हाथी गलियारे चिन्हित; रेलवे, राजमार्ग, मानव बस्ती से खंडित; गज गौरव पुरस्कार मानव-हाथी संघर्ष कम करने वालों को – असम, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक में बढ़ता संकट

जल जीवन मिशन – 7 साल, ग्रामीण नल जल कवरेज 16.7% से 82% से अधिक

मंत्रालय: जल शक्ति मंत्रालय / पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

PIB तिथि: 14 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जल शक्ति मंत्रालय ने एक ऐसा आंकड़ा जारी किया जो दशकों की मेहनत का गवाह है: ग्रामीण भारत में नल से पीने का पानी पाने वाले घरों की संख्या 16.7% (अगस्त 2019) से बढ़कर 82% से अधिक (अगस्त 2026) हो गई। इसे समझें – 2019 में जब जल जीवन मिशन शुरू हुआ, तब 10 में से केवल 1-2 ग्रामीण घरों में नल का पानी था। आज 10 में से 8 घरों में है। सात साल में 12 करोड़ से ज्यादा नए नल कनेक्शन – यानी हर महीने करीब 17 लाख। यह सिर्फ पाइप बिछाने की बात नहीं है। JJM ने एक नई व्यवस्था बनाई: हर गाँव में 'ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति' (VWSC) – जो खुद पानी की देखभाल करे, खुद बिल जमा करे, खुद मरम्मत करवाए। समुदाय को 5-10% लागत भी देनी होती है – ताकि उसे 'अपना' लगे। 82% का आंकड़ा बड़ा है, लेकिन केरल, गोवा, तेलंगाना लगभग 100% पर हैं जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार अभी भी 65-75% के आसपास हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
जल जीवन मिशन (JJM)	15 अगस्त 2019 को शुरू; 'हर घर जल' – हर ग्रामीण घर में नल; 19.2 करोड़ घरों का लक्ष्य; 55 LPCD गुणवत्ता मानक; 16.7% → 82%+ (2026); ₹3.60 लाख करोड़ परिव्यय
16.7% → 82% कवरेज	अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ घरों में नल; अगस्त 2026 में 15.74 करोड़ घरों में; 7 साल में 12.5 करोड़ नए कनेक्शन; ~17 लाख कनेक्शन/माह



| Click to Connect Now.



55 LPCD मानक	55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन; WHO की 50-100 LPCD सिफारिश के अनुरूप; गुणवत्ता परीक्षण स्रोत, उपचार, भंडारण, वितरण, घर – पाँच स्तरों पर
VWSC (ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति)	गाँव में JJM बुनियादी ढाँचे का प्रबंधन; रखरखाव, बिलिंग, गुणवत्ता परीक्षण; 5-10% सामुदायिक योगदान से स्वामित्व की भावना; कुछ राज्यों में 'पानी समिति'
सुजल गाँव	JJM के तहत 75% ग्रामीण बस्तियों को सुजल गाँव ID से जोड़ा गया; जिस गाँव में 100% नल कवरेज हो + जल गुणवत्ता सत्यापित हो वह 'सुजल गाँव'; 13 अगस्त की घोषणा
JJM 2.0	अगला चरण; शेष 18% को कवर करना + 82% की गुणवत्ता और स्थायित्व सुधारना; 2028 तक लक्ष्य; भूजल पुनर्भरण, जल गुणवत्ता परीक्षण, संचालन-रखरखाव पर जोर
भूजल निर्भरता	70%+ JJM कनेक्शन भूजल पर निर्भर; अति-दोहन वाले क्षेत्रों (पंजाब, हरियाणा, राजस्थान) में दीर्घकालिक स्थायित्व खतरे में; JJM 2.0 इसे संबोधित करता है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- JJM बनाम NRDWP: राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (NRDWP, 2009-2019) ने एक दशक में केवल 17% कवरेज हासिल किया; JJM ने 7 साल में 65+ प्रतिशत अंक बढ़ाए – अंतर है बजट (₹3.60 लाख करोड़ बनाम ₹23,000 करोड़), राजनीतिक प्राथमिकता, और VWSC मॉडल
- लिंग प्रभाव: ग्रामीण महिलाएं पानी के लिए औसतन 6 km/दिन चलती थीं; JJM के नल कनेक्शन ने यह बोझ खत्म किया; 6 km/दिन वापस मिले = शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा – भारतीय सामाजिक नीति का सबसे शक्तिशाली लिंग प्रभाव आँकड़ा
- गुणवत्ता बनाम कवरेज: PIB 82% 'कवरेज' बताती है – लेकिन NITI Aayog के अनुसार 30-40% JJM कनेक्शन अनियमित आपूर्ति देते हैं; JJM 2.0 'कार्यक्षमता' पर ध्यान केंद्रित करता है – इस अंतर को UPSC उत्तरों में जरूर उठाएं



- स्वतंत्रता दिवस का महत्व: 14 अगस्त को जारी – सरकारी परंपरा है कि प्रमुख योजनाओं के मील के पत्थर स्वतंत्रता दिवस पर जारी किए जाएं; PM के स्वतंत्रता दिवस भाषण में JJM का उल्लेख अपेक्षित
- जल गुणवत्ता परीक्षण: JJM में 2,000+ जल परीक्षण प्रयोगशालाएं; 30 करोड़+ परीक्षण; आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में विशेष ध्यान – पूर्वी भारत (आर्सेनिक) और राजस्थान-गुजरात (फ्लोराइड) में चुनौती जारी

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन – पेट्रोलियम और रिफाइनिंग क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन

मंत्रालय: नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

हाइड्रोजन – सबसे हल्का तत्व – को ऊर्जा के स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन हाइड्रोजन खुद से नहीं मिलती; इसे बनाना पड़ता है। अभी तक यह गैस जलाकर बनती थी – इसे 'ग्रे हाइड्रोजन' कहते हैं (बनाने में CO₂ निकलती है)। 'हरित हाइड्रोजन' वह है जो नवीकरणीय बिजली से पानी को तोड़कर बनाई जाए – कोई CO₂ नहीं। भारत की तेल रिफाइनरियाँ (IOC, BPCL, HPCL) रोज हाइड्रोजन इस्तेमाल करती हैं – पेट्रोल-डीजल में सल्फर हटाने के लिए (Hydrosulphurisation)। अभी यह सब ग्रे हाइड्रोजन है। इस हफ्ते PIB ने बताया कि National Green Hydrogen Mission (NGHM) अब खास तौर पर पेट्रोलियम और रिफाइनिंग क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन अपनाने को बढ़ावा दे रहा है। IOC, BPCL और HPCL अपनी रिफाइनरियों में हरित हाइड्रोजन मिलाने का परीक्षण कर रहे हैं। सरकार 'Viability Gap Funding' दे रही है क्योंकि अभी हरित हाइड्रोजन (₹350/kg) ग्रे हाइड्रोजन (₹100/kg) से 3.5 गुना महँगी है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
NGHM (राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन)	जनवरी 2023; ₹19,744 करोड़; 2030 तक 5 MMT हरित हाइड्रोजन उत्पादन लक्ष्य; SIGHT – इलेक्ट्रोलाइजर PLI + उत्पादन प्रोत्साहन; कठिन-से-कम क्षेत्रों का decarbonisation
हरित हाइड्रोजन	नवीकरणीय बिजली से जल-विद्युत-अपघटन द्वारा; शून्य CO ₂ ; वर्तमान लागत ₹300-400/kg; 2030 लक्ष्य ₹150-200/kg; ऊर्जा वाहक और औद्योगिक कच्चा माल



ग्रे हाइड्रोजन	प्राकृतिक गैस के भाप-मीथेन रिफॉर्मिंग से; 9-12 टन CO ₂ प्रति टन H ₂ ; सबसे सस्ता (~₹100/kg); सभी भारतीय रिफाइनरियाँ अभी यही उपयोग करती हैं
Hydrodesulphurisation (HDS)	रिफाइनरी प्रक्रिया; हाइड्रोजन से कच्चे तेल से सल्फर हटाना; BS-VI ईंधन के लिए अनिवार्य; सबसे बड़ा औद्योगिक हाइड्रोजन उपभोक्ता; HDS को हरित बनाना = सड़क ईंधन की गुणवत्ता सुधार
SIGHT	Strategic Interventions for Green Hydrogen Transition; ₹17,490 करोड़; इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण PLI (₹4,440 करोड़) + हरित H ₂ उत्पादन प्रोत्साहन (₹13,050 करोड़); आपूर्ति और माँग दोनों पक्ष
इलेक्ट्रोलाइजर	पानी को H ₂ और O ₂ में विभाजित करने वाला उपकरण; Alkaline और PEM प्रकार; भारत 2030 तक 5 GW/वर्ष इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण लक्ष्य; वर्तमान में यूरोप/चीन से आयात
कठिन-से-कम (Hard-to-abate) क्षेत्र	जिन उद्योगों में CO ₂ कम करना कठिन: इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, जहाजरानी, विमानन, पेट्रोलियम; हरित हाइड्रोजन इनका प्राथमिक decarbonisation मार्ग

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 5 MMT का संदर्भ: भारत अभी शून्य के करीब हरित हाइड्रोजन उत्पादन; 5 MMT के लिए विशाल इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता + 300 GW+ नवीकरणीय बिजली + जल सुरक्षा चाहिए – इसलिए 300 GW उपलब्धि (लेख 1) और NGHM का सीधा संबंध
- उर्वरक कड़ी: अमोनिया (यूरिया के लिए) = हाइड्रोजन + नाइट्रोजन; सभी भारतीय अमोनिया संयंत्र ग्रे हाइड्रोजन उपयोग करते हैं; NGHM पेट्रोलियम + उर्वरक दोनों में हरित हाइड्रोजन के पायलट चला रहा है
- हरित अमोनिया निर्यात: हरित H₂ → हरित अमोनिया → जहाज ईंधन (शून्य-कार्बन); कच्छ की खाड़ी और तमिलनाडु तट में आदर्श सौर+पवन संयोजन → सस्ती हरित H₂ → EU, जापान को निर्यात – NGHM का निर्यात विजन
- Viability Gap Funding तर्क: चीनी इलेक्ट्रोलाइजर सस्ते हैं (बड़े पैमाने, कम लागत); VGF पहले 3 साल में लागत का अंतर पाटती है जब तक भारत पैमाने और दक्षता हासिल करे – मानक औद्योगिक नीति उपकरण





- ONGC, IOC, HPCL → Green H₂ हब: NGHM ने Paradip, Mundra, JNPT को Green Hydrogen Hub घोषित किया; Sagarmala कार्यक्रम + हरित बंदरगाह = भारत की हरित ऊर्जा निर्यात अवसंरचना

भाषिणी + नीति आयोग – समावेशी शासन के लिए बहुभाषी AI

मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं IT मंत्रालय / नीति आयोग

PIB तिथि: 12 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

सोचिए एक किसान जो मैथिली बोलता है – वह सरकारी पोर्टल पर अपनी शिकायत कैसे दर्ज करे जब पोर्टल सिर्फ हिंदी या अंग्रेज़ी में है? या एक नागा जनजाति की महिला जो MNREGA का हिसाब Ao भाषा में समझना चाहती है? भारत 22 अनुसूचित भाषाओं और सैकड़ों बोलियों का देश है – लेकिन सरकारी डिजिटल सेवाएं मुख्यतः हिंदी-अंग्रेज़ी में हैं। भाषिणी (Bhasha Interface for India) – MeitY का AI अनुवाद प्लेटफॉर्म – इस खाई को पाटने के लिए बना है। यह 22 अनुसूचित भाषाओं में अनुवाद, transcription और text-to-speech देता है। 12 अगस्त को Digital India BHASHINI Division (DIBD) और नीति आयोग ने एक 'आशय पत्र' (Statement of Intent) पर हस्ताक्षर किए – भाषिणी को सरकारी सेवाओं में व्यापक रूप से एम्बेड करने के लिए। पहला लक्ष्य: 112 आकांक्षी जिले – जहाँ भाषाई विविधता सबसे अधिक है और डिजिटल साक्षरता सबसे कम। वहाँ CPGRAMS शिकायत, MNREGA भुगतान, जल जीवन मिशन जानकारी – सब स्थानीय भाषा में।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
भाषिणी (BHASHINI)	Bhasha Interface for India; MeitY; AI-संचालित अनुवाद, transcription, text-to-speech; 22 अनुसूचित भाषाएं + अंग्रेज़ी; ओपन-सोर्स मॉडल; डेवलपर API; 2022 में शुरू
22 अनुसूचित भाषाएं	संविधान की 8वीं अनुसूची; हिंदी, बंगाली, तेलुगु, मराठी, तमिल, उर्दू, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, पंजाबी, असमिया, मैथिली, संथाली, कश्मीरी, नेपाली, सिंधी, कोंकणी, मणिपुरी, बोडो, डोगरी, संस्कृत



| Click to Connect Now.



DIBD (Digital India BHASHINI Division)	MeitY की भाषिणी-समर्पित इकाई; AI भाषा मॉडल विकसित करती है; ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म प्रबंधन; सरकारी विभागों और निजी क्षेत्र के साथ एकीकरण MoU
आशय पत्र (Sol)	DIBD-नीति आयोग द्वारा हस्ताक्षरित; 112 आकांक्षी जिलों में भाषिणी को शासन प्रणाली में एम्बेड करने की प्रतिबद्धता; MoU से पहले का चरण
112 आकांक्षी जिले	नीति आयोग का कार्यक्रम; 28 राज्यों के 112 पिछड़े जिले; 49 संकेतकों पर निगरानी; उच्च भाषाई विविधता + कम डिजिटल साक्षरता = भाषिणी की पहली तैनाती का आदर्श लक्ष्य
BharatGen कनेक्शन	Week 10 का IndiaAI Mission: BharatGen – 22 भाषाओं में भारत का LLM; भाषिणी = अनुवाद बुनियादी ढाँचा; BharatGen = तर्क/बुद्धि; दोनों मिलकर भारत का संप्रभु बहुभाषी AI Stack बनाते हैं
संवैधानिक आधार	अनुच्छेद 343 (राजभाषा हिंदी + अंग्रेज़ी); अनुच्छेद 351 (हिंदी विकास); 8वीं अनुसूची (22 भाषाएं); भाषिणी 8वीं अनुसूची को व्यावहारिक रूप देती है – AI सभी 22 भाषाओं में काम करे

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 8वीं अनुसूची का संवैधानिक आधार: आशय पत्र का पर्दे के पीछे का तर्क यही है – 8वीं अनुसूची की 22 भाषाओं में डिजिटल शासन देना; भाषिणी 8वीं अनुसूची को operationalise करती है; यह सिर्फ तकनीक नहीं, संवैधानिक दायित्व की पूर्ति है
- डिजिटल विभाजन: 90 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में 60+ करोड़ मुख्यतः भारतीय भाषाओं में; अंग्रेज़ी-केवल इंटरफेस इस बहुमत को बाहर रखता है; भाषिणी समावेशन नहीं, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की पूरी क्षमता तक पहुँचने की शर्त है
- ओपन-सोर्स लाभ: भाषिणी के मॉडल API के जरिए निजी क्षेत्र को भी उपलब्ध; Ola, Swiggy, बैंक, EdTech भाषिणी एकीकृत कर सकते हैं – सरकारी सेवाओं के साथ पूरा भारतीय डिजिटल ecosystem लाभान्वित





- INSPIRE कनेक्शन: भाषिणी का पहला लक्ष्य आकांक्षी जिले – MNREGA (रोजगार), PM Kisan (खेती), JJM (जल) – सब स्थानीय भाषा में; CPGRAMS (इस सप्ताह का Backgrounder) भाषिणी से जुड़े तो ग्रामीण भारत की शिकायत वैश्विक मानक पर

डिजिटलॉकर + AAERI – ऑस्ट्रेलिया जाने वाले भारतीय छात्रों के दस्तावेज़ सत्यापन तेज

मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं IT मंत्रालय

PIB तिथि: 8 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

हर साल लाखों भारतीय छात्र विदेश पढ़ने जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में अभी करीब 1.2 लाख भारतीय छात्र हैं। उन्हें एडमिशन के लिए 10वीं, 12वीं की मार्कशीट, डिग्री सर्टिफिकेट, transcripts – सब की verified copies देनी होती हैं। यह verification पारंपरिक तरीके से होती थी: विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार से attestation, notary, दूतावास में apostille – पूरा खेल 2-6 महीने और ₹10,000-50,000 का। इससे ज्यादा – ऑस्ट्रेलिया में भारतीय fake certificates की समस्या भी थी, जिससे असली छात्रों पर शक होता था। इस हफ्ते डिजिटलॉकर ने AAERI (Association of Australian Education Representatives in India) के साथ साझेदारी की। अब ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय सीधे डिजिटलॉकर से documents verify कर सकते हैं – सरकार-प्रमाणित, डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित, घंटों में। यह डिजिटलॉकर की पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा साझेदारी है – UPI के बाद भारत का DPI विश्व में फैल रहा है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
डिजिटलॉकर	MeitY का डिजिटल दस्तावेज़ बटुआ; 36 करोड़+ पंजीकृत उपयोगकर्ता; 600 करोड़+ दस्तावेज़; Aadhaar से जुड़ा; डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित सरकारी दस्तावेज़; IT Act 2000 के तहत मूल के समान कानूनी मान्यता
AAERI	Association of Australian Education Representatives in India; 200+ ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा एजेंट और संस्था प्रतिनिधि; डिजिटलॉकर के साथ साझेदारी करने वाली पहली अंतरराष्ट्रीय संस्था



| Click to Connect Now.



DPI (Digital Public Infrastructure)	भारत के foundational डिजिटल तंत्र: Aadhaar (पहचान), UPI (भुगतान), DigiLocker (दस्तावेज़), BHASHINI (भाषा), ONDC (वाणिज्य); AAERI साझेदारी डिजिलॉकर को अंतरराष्ट्रीय बनाती है – DPI का वैश्विक विस्तार
IT Act 2000, धारा 35	डिजिलॉकर दस्तावेज़ों की मूल के समान कानूनी मान्यता; सरकारी मान्यता प्राप्त repositories के इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड साक्ष्य में मान्य; AAERI साझेदारी इसी पर आधारित
9 लाख भारतीय छात्र विदेश में	USA (~3.4 लाख), Canada (~3.5 लाख), Australia (~1.2 लाख), UK (~1.5 लाख) शीर्ष गंतव्य; ऑस्ट्रेलिया तीसरा सबसे बड़ा, दूसरा सबसे बड़ा अंग्रेज़ी-भाषी गंतव्य
India-Australia ECTA 2022	Economic Cooperation and Trade Agreement; व्यावसायिक और छात्र गतिशीलता अध्याय; DigiLocker-AAERI साझेदारी ECTA के शिक्षा स्तंभ का व्यावहारिक क्रियान्वयन
document fraud रोकथाम	ऑस्ट्रेलिया में भारतीय fake certificates की समस्या; डिजिलॉकर सीधे सरकारी स्रोत से – जालसाजी असंभव; असली छात्रों को अनावश्यक संदेह से राहत

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- DPI का अंतरराष्ट्रीयकरण: UPI → सिंगापुर (2021), UAE (2022), फ्रांस, भूटान, नेपाल; DigiLocker → ऑस्ट्रेलिया (2026); भारत का DPI Stack वैश्विक निर्यात बन रहा है – IndiaStack.global इसी का प्रचार करता है
- CBSE, विश्वविद्यालय लिंक: डिजिलॉकर CBSE, ICSE, 900+ विश्वविद्यालय, NTA, सभी राज्य बोर्डों से live document issuance करता है; यही documents ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय चाहते हैं – integration तकनीकी रूप से सरल
- विपरीत प्रवाह की संभावना: ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय भविष्य में अपनी degrees डिजिलॉकर पर डाल सकते हैं → भारतीय नियोक्ता सीधे verify कर सकें – साझेदारी द्विपक्षीय हो सकती है





- GIFT City कनेक्शन: GIFT City की IFSCA वित्तीय सेवाएं promote करती है; IndiaStack.global DPI package (Aadhaar, UPI, DigiLocker) विकासशील देशों को; AAERI साझेदारी शिक्षा vertical का DPI निर्यात

ई-समुद्र – समुद्री प्रशासन का एकीकृत डिजिटल मंच

मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

PIB तिथि: 8 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

एक जहाज़ मुंबई बंदरगाह आता है। उसे clearance चाहिए – सीमा शुल्क विभाग से, बंदरगाह से, शिपिंग महानिदेशालय से, क्वारंटाइन से, FSSAI से (अगर खाद्य cargo है तो)... कुल 15-20 अलग-अलग सरकारी विंडो। हर एक का अलग सिस्टम, अलग कागज, अलग लॉगिन। इसका नतीजा: एक जहाज़ को cargo उतारने-चढ़ाने में भारत में औसतन 3-4 दिन लगते हैं – जबकि सिंगापुर में 0.8 दिन। यह अंतर भारतीय निर्यातकों को अरबों रुपये का demurrage खर्च करवाता है। ई-समुद्र इसी दीवार को तोड़ने के लिए आया है। यह एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म: जहाज़ों की real-time tracking (AIS डेटा), Port Community System (सभी port clearances की single window), नाविकों के दस्तावेज़ (Continuous Discharge Certificate), जहाज़ पंजीकरण – सब एक जगह। और यह भारत के DPI सिद्धांतों पर बना है – ICEGATE (सीमा शुल्क), DGFT (व्यापार) और CoastalSAT (उपग्रह निगरानी) के साथ interoperable।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
ई-समुद्र	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय; एकीकृत समुद्री प्रशासन प्लेटफॉर्म; जहाज़ tracking, Port Community System, नाविक दस्तावेज़, जहाज़ पंजीकरण – एकल खिड़की
12 प्रमुख बंदरगाह	केंद्र सरकार के अधीन (Major Port Authorities Act 2021): मुंबई, JNPT, मुंद्रा, कांडला/दीनदयाल, पारादीप, विशाखापट्टनम, चेन्नई, कामराजार, कोचीन, न्यू मंगलोर, मोरमुगाओ, कोलकाता+हल्दिया



| Click to Connect Now.



Port Community System (PCS)	बंदरगाह clearances की एकल डिजिटल खिड़की; सीमा शुल्क, शिपिंग लाइन, freight forwarder, बंदरगाह संचालक एकीकृत; ई-समुद्र में PCS 1x का उन्नयन
AIS (Automatic Identification System)	जहाज़ का अनिवार्य transponder; पहचान, स्थान, गति, दिशा प्रसारित; तटीय स्टेशन और उपग्रह प्राप्त करते हैं; ई-समुद्र AIS डेटा से real-time tracking
CDC (Continuous Discharge Certificate)	नाविक का प्राथमिक पहचान दस्तावेज़; DGS द्वारा जारी; सभी यात्राएं दर्ज; ई-समुद्र CDC डिजिटलीकरण – fraud कम, port state control inspection तेज
Cargo dwell time	बंदरगाह पर cargo रहने का समय; भारत औसत 3-4 दिन; सिंगापुर 0.8 दिन; रोटटरडैम 1.2 दिन; हर अतिरिक्त दिन ~\$25-30/टन demurrage; ई-समुद्र port clearance time 50% घटाने का लक्ष्य
सागरमाला कार्यक्रम	MoPSW की बंदरगाह-नेतृत्व विकास पहल; बंदरगाह आधुनिकीकरण, तटीय कनेक्टिविटी, बंदरगाह-संबद्ध औद्योगिकीकरण; ई-समुद्र सागरमाला का डिजिटल प्रशासन स्तर

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- समुद्री अर्थव्यवस्था: भारत की समुद्री क्षेत्र GDP का ~1.6%; व्यापार का 70% मूल्य और 95% मात्रा बंदरगाहों से; मामूली दक्षता सुधार भी अरबों की व्यापार प्रतिस्पर्धा में बदलाव लाता है
- Major Port Authorities Act 2021: Major Port Trusts Act 1963 की जगह; प्रमुख बंदरगाहों को स्वायत्तता दी – अपना tariff तय करें, PPP समझौते करें, अपनी जमीन प्रबंधन करें; ई-समुद्र इस नए नियामक ढाँचे में डिजिटल शासन देता है
- नाविक कल्याण: भारत में ~2.5 लाख सक्रिय नाविक (विश्व में तीसरे स्थान); उनके दस्तावेज़ ई-समुद्र पर = विदेशी बंदरगाहों में port state control digital verification – भारतीय नाविकों को उत्पीड़न और देरी से राहत
- कंटेनर निर्माण + ई-समुद्र: इस हफ्ते का Container Manufacturing Assistance Scheme (Backgrounder) + ई-समुद्र = भारत घरेलू container बनाए AND उन्हें track करने का डिजिटल system हो – maritime industrial + digital governance साथ





- तटीय जहाजरानी: 14 राष्ट्रीय जलमार्ग + तटीय जहाजरानी का कम उपयोग; ई-समुद्र की सरलीकृत coastal cargo permit प्रक्रिया तटीय जहाजरानी 20-30% अधिक कुशल बना सकती है – सड़क से समुद्र पर cargo स्थानांतरित

CBDC-आधारित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण – केंद्र शासित प्रदेशों में पहली वास्तविक तैनाती

मंत्रालय: कंपनी कार्य मंत्रालय / कृषि मंत्रालय / RBI

PIB तिथि: 12/14 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

डिजिटल रुपया (e₹) – भारत का Central Bank Digital Currency – नवंबर 2022 में RBI ने पायलट के रूप में शुरू किया था। साढ़े तीन साल बाद, यह पायलट से नीति में बदल रहा है। 14 अगस्त को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चंडीगढ़ में CBDC-आधारित DBT (Direct Benefit Transfer) की शुरुआत की – सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के लिए। अब लाभार्थी को उनके अनाज सब्सिडी का पैसा सीधे उनके डिजिटल रुपए के 'wallet' में मिलेगा – बैंक खाते की जरूरत नहीं, इंटरनेट की जरूरत नहीं (छोटे लेनदेन के लिए offline काम करता है), और सबसे खास – यह 'programmable' है: PDS का डिजिटल रुपया केवल PDS राशन दुकान पर ही खर्च होगा, कहीं और नहीं। यह दुनिया में पहली बार है कि किसी देश ने अपने केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा का उपयोग खुदरा जनकल्याण कार्यक्रम में इस पैमाने पर किया है। केंद्र शासित प्रदेश क्यों? क्योंकि UT सीधे केंद्र सरकार के अधीन हैं – नई नीति के प्रयोग के लिए आदर्श।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
CBDC (Central Bank Digital Currency)	RBI द्वारा जारी मुद्रा का डिजिटल रूप; e₹ (डिजिटल रुपया); नवंबर 2022 में पायलट; थोक (e₹-W, अंतर-बैंक) और खुदरा (e₹-R, जनता); कानूनी tender – भौतिक रुपए के समान
Programmable money	CBDC की प्रमुख विशेषता; डिजिटल मुद्रा में शर्तें encode की जा सकती हैं; PDS-CBDC केवल PDS राशन दुकान पर; उर्वरक सब्सिडी CBDC केवल पंजीकृत डीलर पर; रिसाव रोकता है



| Click to Connect Now.



DBT (Direct Benefit Transfer)	सरकारी लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में; 2013 में शुरू; ₹38 लाख करोड़+ हस्तांतरित; JAM trinity (Jan Dhan-Aadhaar-Mobile) रीढ़; CBDC-DBT bank account की जगह digital wallet
PDS (सार्वजनिक वितरण प्रणाली)	5.5 लाख fair price shops पर अनुदानित खाद्यान्न; NFSA 2013: 5 kg/व्यक्ति/माह ₹1-3/kg पर; 81.35 करोड़ लाभार्थी; चंडीगढ़ pilot में PDS सब्सिडी programmable और traceable
Offline CBDC	RBI e₹ को internet के बिना छोटे लेनदेन के लिए design कर रहा है; NFC या समान तकनीक; ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण; चंडीगढ़/D&NH में PDS shops पर offline CBDC का परीक्षण
JAM Trinity का विकास	Jan Dhan (bank account) + Aadhaar (पहचान) + Mobile (connectivity) = JAM; CBDC-DBT चौथी परत जोड़ता है: Programmable Money; JAM + CBDC = JAMC – भारत की कल्याण वितरण का अगला विकास
वित्तीय समावेशन	JAM trinity उनके लिए काम करती है जिनके bank accounts हैं; CBDC wallet के लिए केवल mobile phone चाहिए (feature phone भी); संभावित रूप से 15-20 करोड़ अनबैंकड तक DBT की पहुँच

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- विश्व में पहला: किसी देश का CBDC खुदरा जनकल्याण कार्यक्रम में इस पैमाने पर पहली बार; चीन का digital yuan (e-CNY) government salary payment में गया है लेकिन PDS जैसे बड़े कल्याण कार्यक्रम में नहीं
- RBI की दो-स्तरीय architecture: RBI → बैंक → ग्राहक; CBDC-DBT के लिए: सरकार → सीधे लाभार्थी wallet – यह RBI architecture से deviation है जिसके लिए RBI की स्वीकृति और technical support आवश्यक
- गोपनीयता की चिंता: CBDC programmable है लेकिन traceable भी; हर e₹ लेनदेन दर्ज; भौतिक cash यह नहीं करता; RBI ने 'privacy by design' का वादा किया है – programmability (anti-leakage) और privacy (नागरिक अधिकार) के बीच तनाव वास्तविक और अनसुलझा



- उर्वरक सब्सिडी की अगली संभावना: PDS-CBDC काम करे तो अगला: उर्वरक सब्सिडी (₹2 लाख करोड़/वर्ष) – programmable उर्वरक CBDC केवल पंजीकृत डीलर पर, केवल पंजीकृत किसान के लिए – औद्योगिक क्षेत्र में सब्सिडी की चोरी खत्म
- UT प्रयोगशाला तर्क: चंडीगढ़ (~12 लाख), D&NH (~3.5 लाख) – छोटी आबादी, अच्छी digital infrastructure, केंद्र नियंत्रित; सफलता → राज्य स्तर → राष्ट्रीय DBT system – भारत की नीति नवाचार परंपरा

भारत-SACU प्राथमिकता पूर्ण व्यापार समझौता – संदर्भ शर्तें (ToR) हस्ताक्षरित

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 12 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

दक्षिण अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (SACU) – बोत्सवाना, एस्वातिनी, लेसोथो, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका – दुनिया का सबसे पुराना सीमा शुल्क संघ है (1910 में स्थापित, यूरोपीय संघ से 58 साल पहले!)। 12 अगस्त 2026 को भारत और SACU ने एक Preferential Trade Agreement (PTA) की दिशा में बातचीत के लिए 'संदर्भ शर्तें' (Terms of Reference, ToR) पर हस्ताक्षर किए। यह पहली बार है जब भारत ने किसी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ के साथ व्यापार वार्ता का ढाँचा बनाया है। PTA का मतलब: दोनों पक्ष एक-दूसरे को चुनिंदा वस्तुओं पर कम (शून्य नहीं) शुल्क देंगे। यह FTA (Free Trade Agreement) से कम महत्वाकांक्षी लेकिन जल्दी हासिल होने वाला है। सामरिक महत्व: दक्षिण अफ्रीका के पास दुनिया का 91% Platinum Group Metals (EV और इलेक्ट्रोलाइजर के लिए जरूरी), नामीबिया के पास यूरेनियम और दुर्लभ पृथ्वी, बोत्सवाना के पास हीरे – भारत की महत्वपूर्ण खनिज रणनीति के लिए यह क्षेत्र अत्यंत आवश्यक।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
SACU (दक्षिण अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ)	दुनिया का सबसे पुराना सीमा शुल्क संघ (1910); सदस्य: बोत्सवाना, एस्वातिनी, लेसोथो, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका; सामान्य बाहरी tariff; मुख्यालय: विंडहोएक, नामीबिया



संदर्भ शर्तें (ToR)	व्यापार वार्ता के दायरे, उद्देश्यों, प्रक्रिया और समयसीमा को परिभाषित करने वाला दस्तावेज़; हस्ताक्षरित ToR = PTA वार्ता की औपचारिक शुरुआत; PTA नहीं, बल्कि PTA की दिशा में पहला कदम
PTA बनाम FTA	PTA: चुनिंदा वस्तुओं पर कम (शून्य नहीं) tariff; FTA: अधिकांश वस्तुओं पर शून्य/निकट-शून्य tariff; CEPA = व्यापक (tariff + सेवाएं + निवेश); India-SACU ToR PTA के लिए – कम महत्वाकांक्षी लेकिन तेज
AfCFTA	African Continental Free Trade Area; 54 अफ्रीकी देशों का बाजार; 2021 में शुरू; \$3.4 ट्रिलियन GDP; SACU सदस्य सभी AfCFTA में – India-SACU PTA = 54 देशों के अफ्रीकी बाजार का द्वार
महत्वपूर्ण खनिज भूगोल	दक्षिण अफ्रीका: विश्व का 91% PGM (platinum, palladium, rhodium), chromium, vanadium; नामीबिया: यूरेनियम, दुर्लभ पृथ्वी; बोत्सवाना: हीरे, ताँबा; EV, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा आपूर्ति श्रृंखला के लिए महत्वपूर्ण
भारत-अफ्रीका व्यापार (\$100 अरब)	भारत अफ्रीका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार; भारत निर्यात: pharma, मशीनरी, वस्त्र; अफ्रीका निर्यात: कच्चा तेल, सोना, कोयला, खनिज
BRICS पुल	भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों BRICS सदस्य; BRICS संबंध India-SACU PTA वार्ता को आसान बनाता है; BRICS: सामान्य कूटनीतिक चैनल + विवाद समाधान मंच

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- दुनिया का सबसे पुराना सीमा शुल्क संघ: 1910 ब्रिटिश उपनिवेशों के बीच; EU customs union (1968) से 58 साल पहले; UPSC में संगठन + स्थापना वर्ष का संयोजन पूछा जाता है – SACU (1910) याद रखें
- PGM का महत्व: Platinum Group Metals (PGM) – platinum, palladium, rhodium – hydrogen fuel cells और electrolyzers के लिए अनिवार्य; NGHM (लेख 4) + India-SACU PTA = भारत हरित हाइड्रोजन के लिए platinum supply chain सुरक्षित कर रहा है





- हीरा व्यापार: बोत्सवाना विश्व का 24% rough diamonds (मूल्य से); भारत दुनिया के 90% हीरे काटता-पॉलिश करता है (सूरत वैश्विक डायमंड कटिंग राजधानी); PTA tariff कम करने से इस स्थापित आपूर्ति श्रृंखला को औपचारिक समर्थन
- China की उपस्थिति: Husab uranium mine (नामीबिया) चीनी कंपनी (CGNPC) के पास; चीन ने अफ्रीकी खनिज क्षेत्र में भारी निवेश किया है; India-SACU JTC + PTA – भारत उन्हीं संसाधनों के लिए China से प्रतिस्पर्धा कर रहा है
- ToR → PTA → CEPA की यात्रा: ToR (वार्ता शुरू) → PTA (तरजीही tariff) → FTA (व्यापक) → CEPA (tariff + सेवाएं + निवेश); भारत-UAE CEPA (2022) इस यात्रा का सबसे तेज उदाहरण (90 दिन में पूरा)

भारत-नामीबिया संयुक्त व्यापार समिति – चौथा सत्र, यूरेनियम और हरित हाइड्रोजन

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

नामीबिया – दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका का एक विरल आबादी वाला देश (25 लाख लोग, दुनिया में सबसे कम जनघनत्व में से एक) – लेकिन अविश्वसनीय रूप से संसाधन-समृद्ध। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक। महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी खनिज। 1,500 km अटलांटिक समुद्र तट जिस पर असाधारण हवा और सौर ऊर्जा क्षमता है – इसी को Hyphen Hydrogen Project में विकसित किया जा रहा है जो दुनिया की सबसे बड़ी हरित हाइड्रोजन परियोजना होगी। 11 अगस्त को नई दिल्ली में भारत-नामीबिया संयुक्त व्यापार समिति (JTC) का चौथा सत्र हुआ। मुख्य एजेंडा: यूरेनियम आपूर्ति समझौते (Rössing और Husab mines – दुनिया की सबसे बड़ी uranium खानों में से), दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण सहयोग (भारत की IREL की रुचि), हरित हाइड्रोजन परियोजना सहयोग, और pharmaceutical market access। भारत नामीबिया को सस्ती generic दवाएं देता है – यह 'medical diplomacy' है जो खनिज कूटनीति की नींव तैयार करती है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
Hyphen Hydrogen Project	नामीबिया के Tsau //Khaeb राष्ट्रीय उद्यान में; दुनिया की सबसे बड़ी हरित हाइड्रोजन परियोजना विकसित; \$10 अरब; 2030 तक 5 GW





	electrolyser; 3 लाख टन green H ₂ /वर्ष + green ammonia; EU, जापान, दक्षिण कोरिया प्राथमिक खरीदार; भारत जुड़ सकता है
नामीबिया का यूरेनियम	चौथा सबसे बड़ा वैश्विक उत्पादक; Rössing mine (Rio Tinto) और Husab mine (CGNPC/चीन); भारत के Stage 1 PHWR के लिए यूरेनियम ईंधन आवश्यक; नामीबिया आपूर्ति विविधीकरण का अवसर
IREL (Indian Rare Earths Limited)	परमाणु ऊर्जा विभाग का PSU; केरल-TN के तटीय monazite बालू से दुर्लभ पृथ्वी यौगिक; नामीबिया के साथ अंतरराष्ट्रीय दुर्लभ पृथ्वी साझेदारी तलाश रहा; भारत की महत्वपूर्ण खनिज supply chain
JTC तंत्र	Joint Trade Committee: द्विपक्षीय व्यापार वार्ता, बाजार पहुँच बाधाएं हटाना, निवेश सुविधा; चौथा सत्र = गहरा होता रिश्ता; 5वाँ सत्र uranium, दुर्लभ पृथ्वी, green H ₂ पर ठोस MoU उत्पन्न कर सकता है
भारत-नामीबिया pharma	भारत नामीबिया का सबसे बड़ा pharma आपूर्तिकर्ता; generic दवाएं नामीबिया की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की 80%+ जरूरतें पूरी करती हैं; pharma = soft power → खनिज पहुँच की नींव
नामीबिया का orange basin तेल	2022 में नामीबिया के offshore orange basin में महत्वपूर्ण तेल खोज; 2030 तक संभावित तेल निर्यातक; India-Namibia ऊर्जा संबंध uranium से conventional oil + green hydrogen तक विस्तारित हो सकता है
SACU कड़ी	नामीबिया SACU सदस्य (इस हफ्ते भारत-SACU PTA ToR); India-Namibia JTC द्विपक्षीय तंत्र और SACU बहुपक्षीय संबंध – दोनों एक-दूसरे को मजबूत करते हैं

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- यूरेनियम supply chain: भारत के Stage 1 PHWR को यूरेनियम चाहिए; घरेलू यूरेनियम (झारखंड, आंध्र प्रदेश) सीमित; USA, रूस, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कजाकिस्तान के साथ civil nuclear agreements; नामीबिया अटलांटिक तट विविधीकरण जोड़ता है – भू-राजनीतिक supply chain लचीलापन





- चीन की उपस्थिति: Husab uranium mine चीनी कंपनी CGNPC के पास; चीन ने अफ्रीकी खनिज क्षेत्र में बड़ा निवेश किया; India-Namibia JTC = भारत उन्हीं संसाधनों के लिए China से प्रतिस्पर्धा कर रहा है – रणनीतिक आवश्यकता
- Tsodilo Hills UNESCO: नामीबिया में UNESCO World Heritage; 4,500 rock paintings; 2001 से; भारत-नामीबिया सांस्कृतिक कूटनीति (ICCR, CCRT कार्यक्रम) खनिज कूटनीति के साथ चलती है
- हरित हाइड्रोजन आयात दृष्टि: NGHM घरेलू उत्पादन लक्ष्य रखता है, लेकिन नामीबिया से green ammonia आयात (2035 तक \$1/kg अनुमानित) आर्थिक दृष्टि से उचित हो सकता है; JTC यही diplomatic groundwork बिछा रहा है

मिथिला मखाना – GI-टैग के साथ पहली बार समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया निर्यात

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय / APEDA

PIB तिथि: 8 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

बिहार के मिथिला क्षेत्र के जलभराव वाले खेतों में एक ऐसी फसल उगती है जिसे सुनकर लोग चौंकते हैं – मखाना। यह *Euryale ferox* (एक जलीय पौधे) के बीज हैं – 'lotus seeds' या 'fox nuts' कहते हैं। इसे उगाना कोई आसान काम नहीं: कमल के तालाबों से बीज निकालना, सुखाना, लोहे की कढ़ाई में भूनना (जब तक 'pop' न हो), फिर हाथ से थपथपाकर छिलका तोड़ना – सब कुछ मालधारी (Mallah) समुदाय की पीढ़ियों की कला है। मखाना में 9.7% प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम – और कोई gluten नहीं। 2022 में 'मिथिला मखाना' को GI टैग मिला – जो यह मानता है कि मिथिला की विशेष जलवायु, *Euryale ferox* की खास किस्म, और मल्लाह समुदाय का पारंपरिक ज्ञान मिलकर एक अनूठा उत्पाद बनाते हैं। इस हफ्ते APEDA ने बिहार से ऑस्ट्रेलिया तक GI-टैग मखाने का पहली बार समुद्री मार्ग से निर्यात कराया। पहले हवाई मार्ग से जाता था – बहुत महंगा। समुद्री मार्ग 10 गुना सस्ता – और अब बड़े पैमाने पर व्यापार की संभावना खुली।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------





मखाना (Euryale ferox)	जलीय पौधे के बीज; बिहार 80%+ उत्पादन; मिथिला क्षेत्र विशेष; उच्च प्रोटीन (9.7%), कैल्शियम, मैग्नीशियम; कम वसा, gluten-free; 2,000+ साल की खेती
मिथिला मखाना GI टैग	2022 में प्रदान; मिथिला की विशेष जलवायु + Euryale ferox किस्म + मल्लाह समुदाय के पारंपरिक ज्ञान की पहचान; GI सुरक्षा = केवल मिथिला मूल का मखाना टैग लगा सकता है
APEDA	Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority; MoCI के अंतर्गत; कृषि उत्पाद निर्यात को बढ़ावा; GI उत्पाद + नए निर्यात मार्ग सुगम करना; Makhana, Basmati, Alphonso, GI products
समुद्री बनाम हवाई मार्ग	हवाई freight: ~₹300-500/kg; समुद्री: ~₹30-50/kg; 10 गुना लागत कम; मखाना shelf life 12-18 महीने (उचित भंडारण पर) → समुद्री transit व्यावहारिक; वाणिज्यिक पैमाने पर निर्यात की राह खुली
मल्लाह समुदाय	बिहार के पारंपरिक मछुआरे-मखाना किसान; GI मान्यता में उनके पारंपरिक ज्ञान की पहचान; समुद्री मार्ग निर्यात से सीधा आर्थिक लाभ इन्हें मिलेगा
ऑस्ट्रेलिया भारतीय प्रवासी	7.6 लाख भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई (ABS 2021); मखाना की माँग; health food बाजार (gluten-free, high-protein snacks) – mainstream ऑस्ट्रेलियाई उपभोक्ता तक पहुँच
GI + ECEE तालमेल	Week 10 का Cross-border E-Commerce Framework + GI टैग = ऑनलाइन सीधा बिक्री; इस हफ्ते समुद्री निर्यात = पारंपरिक व्यापार पूरक; digital + conventional दोनों रास्ते खुले

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- बिहार की कृषि क्रांति: बिहार सिर्फ चावल नहीं – मखाना (मिथिला), शाही लीची (मुजफ्फरपुर, GI), कतरनी चावल (भागलपुर), जर्दालू आम (भागलपुर); APEDA व्यवस्थित रूप से बिहार के GI उत्पादों के लिए निर्यात मार्ग खोल रहा है





- Euryale ferox विशिष्टता: वार्षिक जलीय पौधा; पानी के नीचे पॉड से बीज निकालना; बिहार के जलभराव मैदान (मौसमी बाढ़) आदर्श – जो परंपरागत खेती के लिए चुनौती है वही मखाना की जरूरत है; जलवायु-अनुकूल फसल
- superfood बाजार: वैश्विक 'superfood' बाजार में मखाना सही बैठता है – प्राचीन फसल, plant-based protein, gluten-free, कम glycaemic index; quinoa, chia seeds से मुकाबला; समुद्री निर्यात से price-competitive
- APEDA की भूमिका: GI registry की 600+ tags (Week 10 context) तभी मूल्यवान जब निर्यात infrastructure हो; APEDA यही करता है – GI उत्पादकों को वैश्विक बाजार से जोड़ना; मखाना समुद्री मार्ग 100+ अन्य GI कृषि उत्पादों के लिए template

सरसों शहद – डेरगांग FPO, त्रिपुरा से दुबई: पूर्वोत्तर की कृषि निर्यात की उड़ान

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय / APEDA

PIB तिथि: 10 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

त्रिपुरा – भारत का एक छोटा राज्य, तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा, भूपरिवेष्टित (landlocked)। यहाँ से अंतरराष्ट्रीय निर्यात? हाँ, और बहुत खास। डेरगांग किसान उत्पादक संगठन (Farmer Producer Organisation, FPO) ने APEDA की मदद से सरसों शहद का पहली बार दुबई को निर्यात किया। सरसों शहद – जो सरसों के फूलों से मधुमक्खियाँ बनाती हैं – तीखे-मीठे स्वाद और जल्दी crystallise होने वाली (जो quality marker है, दोष नहीं) विशेषता रखता है। त्रिपुरा में सरसों की खेती के साथ National Beekeeping and Honey Mission (NBHM) के तहत सरकारी सहयोग से मधुमक्खी पालन को बढ़ावा मिला – और अब डेरगांग FPO उस शहद को दुबई के premium बाजार में पहुँचा रहा है। दुबई क्यों? क्योंकि UAE भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है, वहाँ 35 लाख भारतीय हैं, और दुबई पूरे खाड़ी, मध्य एशिया, यूरोप के लिए re-export hub है। यह कहानी FPO मॉडल की सफलता की कहानी है – कि एक दूरस्थ, भूपरिवेष्टित राज्य का छोटा किसान समूह वैश्विक premium बाजार तक पहुँच सकता है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
FPO (किसान उत्पादक संगठन)	किसानों का सामूहिक कानूनी संगठन (कंपनी या सहकारिता); पैमाने की अर्थव्यवस्था, सामूहिक सौदेबाजी, बाजार पहुँच, ऋण; Companies Act



| Click to Connect Now.



	2013 या सहकारी अधिनियम; 10,000 FPO लक्ष्य (₹6,865 करोड़ योजना)
डेरगांग FPO	त्रिपुरा आधारित; सरसों शहद उत्पादन एवं निर्यात; APEDA द्वारा सुगम; पहला पूर्वोत्तर FPO जो अंतरराष्ट्रीय सरसों शहद निर्यात कर रहा है
NBHM (राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन)	2020; ₹500 करोड़; मधुमक्खी पालन का आधुनिकीकरण, शहद गुणवत्ता, बाजार से जुड़ाव; त्रिपुरा मधुमक्खी पालन क्लस्टर लाभान्वित; NBHM + FPO = निर्यात-तैयार शहद
सरसों शहद विशेषताएं	Brassica सरसों के फूलों से बना; हल्का सुनहरा रंग, तीखा-मीठा स्वाद, तेज crystallisation (गुणवत्ता सूचक); antioxidants; Ayurveda में उपयोग; wildflower या acacia शहद से अलग
दुबई निर्यात रणनीति	UAE भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य (\$35+ अरब); 35 लाख भारतीय प्रवासी; दुबई global re-export hub; खाड़ी, मध्य एशिया, यूरोप तक पहुँच – एक निर्यात = विशाल क्षेत्रीय बाजार
Act East Policy का आर्थिक आयाम	Act East Policy मुख्यतः ASEAN कूटनीति; लेकिन इसका आर्थिक आयाम = पूर्वोत्तर के अनोखे वन/कृषि उत्पाद (अगरवुड, बाँस, मखाना, शहद) को पूर्वी एशिया और खाड़ी बाजारों से जोड़ना
मैत्री सेतु	भारत-बांग्लादेश मैत्री पुल (Feni नदी पर); त्रिपुरा को बांग्लादेश के चटगाँव बंदरगाह से जोड़ता है; भूपरिवेष्टित त्रिपुरा को समुद्री पहुँच; डेरगांग FPO का दुबई निर्यात इसी logistics से संभव

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 10,000 FPO योजना: 2027-28 तक लक्ष्य; ₹6,865 करोड़; 3 साल सहायता; डेरगांग FPO की निर्यात सफलता सबूत है कि FPO मॉडल घरेलू नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुँच दे सकता है – policy की सफलता का प्रमाण
- शहद निर्यात: भारत का शहद निर्यात \$100+ करोड़; USA, UAE, Saudi Arabia, जर्मनी प्रमुख बाजार; 2010s में EU ने antibiotic contamination से भारतीय शहद रोका – NBHM की गुणवत्ता ध्यान इसी की प्रतिक्रिया; त्रिपुरा शहद clean slate



- मधुमक्खी = परागण सेवा: हर FPO शहद उत्पादक सरसों खेतों को भी परागण देता है; मधुमक्खी परागण से 15-20% अधिक फसल उपज; FPO दोहरी सेवा – शहद निर्यात + कृषि उत्पादकता
- खाड़ी बाजार: खाड़ी राज्यों में भारतीय प्रवासी भारतीय खाद्य पदार्थों के सबसे बड़े उपभोक्ता; लेकिन खाड़ी उपभोक्ता तेजी से health-conscious; त्रिपुरा सरसों शहद premium health food segment में fit

सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट योजना – 20 बोलियाँ, घरेलू विनिर्माण की उम्मीद

मंत्रालय: भारी उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 13 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

एक छोटे से जूते के डिब्बे के आकार की EV मोटर में 1-2 kg का एक विशेष चुंबक होता है। पवन टरबाइन में 600 kg। मिसाइल guidance system में precision REPM components। MRI मशीन में superconducting magnets। ये सब Rare Earth Permanent Magnets (REPM) – खासकर Neodymium-Iron-Boron (NdFeB) चुंबक – से बने हैं। दुनिया के सबसे शक्तिशाली स्थायी चुंबक। और इन्हें बनाने में चीन का 85%+ वर्चस्व है – न सिर्फ खनन में, बल्कि पूरी value chain में: खनिज → separation → alloy → sintering → magnet। भारत 95%+ REPM चीन से आयात करता है। भारी उद्योग मंत्रालय ने इस साल 'सिंटर्ड REPM के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना' शुरू की – PLI-शैली प्रोत्साहन। इस हफ्ते घोषणा: 20 बोलियाँ मिलीं! यह मंत्रालय के लिए भी आश्चर्य था – नाजुक विनिर्माण क्षेत्र में इतनी रुचि। 20 बोलियाँ = भारत में इस sector में उद्यमिता है, जरूरत है सही नीति की।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
REPM (रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट)	NdFeB (Neodymium-Iron-Boron) और SmCo (Samarium-Cobalt) – सबसे शक्तिशाली स्थायी चुंबक; EV मोटर, पवन टरबाइन, मिसाइल guidance, MRI में अनिवार्य; कोई विकल्प नहीं
NdFeB (Neodymium-Iron-Boron)	सबसे सामान्य REPM; प्रति EV मोटर 1-2 kg; प्रति बड़े पवन टरबाइन 600 kg; हरित ऊर्जा और EV के लिए अपरिहार्य; चीन 85%+ उत्पादन



चीन का वर्चस्व	60% दुर्लभ पृथ्वी खनन; 85%+ REPM निर्माण; पूरी value chain नियंत्रण; 2010 में Japan को export restrictions – India की China-REPM dependence रणनीतिक कमज़ोरी
Sintering प्रक्रिया	Manufacturing: दुर्लभ पृथ्वी alloy powder → उच्च दबाव + controlled atmosphere में heating → घना, उच्च-प्रदर्शन चुंबक; विशेष उपकरण और नियंत्रित environment → capital-intensive
भारत का REPM आयात	95%+ REPM चीन से; ₹2,000-3,000 करोड़ सालाना; consumer electronics, EV (बढ़ती माँग), पवन ऊर्जा, रक्षा; घरेलू उत्पादन = strategic priority
20 बोलियों का महत्व	20 कंपनियाँ रुचि दिखाना; सामान्य PLI में नाजुक manufacturing के लिए 5-10 गंभीर bidders; 20 = भारत में पर्याप्त उद्यमी इस जटिल sector में उतरने को तैयार
Japan/South Korea JV क्षमता	TDK, Shin-Etsu, Hitachi Metals (Japan); Samsung Electro-Mechanics (Korea) – REPM technology रखते हैं; भारत JV = technology transfer + India market + China supply chain diversification; win-win

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- EV माँग का गणित: 2030 तक 1.5 करोड़ EV/वर्ष; प्रति EV 1-2 kg NdFeB; कुल: 15,000-30,000 टन NdFeB/वर्ष – सब चीन से आयात; घरेलू REPM = EV supply chain security
- रक्षा महत्व: REPM guided missile actuators, radar, submarine electric motors, drone motors, night-vision में; India-China सक्रिय सीमा तनाव के बावजूद रक्षा-महत्वपूर्ण चुंबक चीन से – अस्वीकार्य रणनीतिक भेद्यता
- दुर्लभ पृथ्वी supply chain: C-DAC + GSI MoU (Week 10) दुर्लभ पृथ्वी भंडार mapping + REPM scheme = upstream (खनिज) और downstream (चुंबक) एक साथ; भारत पूरी supply chain अपने यहाँ बनाना चाहता है





- Value chain का सबक: भारत लोहा खनिज निर्यात करता था, इस्पात आयात करता था; अब REPM – भारत के पास दुर्लभ पृथ्वी जमा हैं लेकिन REPM आयात; REPM scheme उस pattern को तोड़ने का प्रयास – खनन नहीं, manufacturing पर ध्यान
- वैश्विक supply chain diversification: USA, EU, Japan, South Korea, Australia – सब China REPM dependency घटाना चाहते हैं; India + Japan दुर्लभ पृथ्वी साझेदारी (India-Japan विदेश मंत्री 2025 बैठक) + REPM scheme = India alternative REPM hub बनने की संभावना

NBA – सरसों आनुवंशिक संसाधनों से ₹15.52 करोड़ ABS राशि जारी

मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय / राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण

PIB तिथि: 13 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत की सरसों – Brassica juncea – सिर्फ एक तिलहन नहीं है। यह एक आनुवंशिक खजाना है। सदियों से राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के किसानों ने हजारों पारंपरिक सरसों किस्में चुनी, बचाई और उगाई हैं – कोई सूखा-सहिष्णु, कोई काली मिट्टी में ज्यादा उपज देने वाली, कोई खास तेल गुण वाली। जब दुनिया की बड़ी बीज कंपनियाँ भारत की इन आनुवंशिक किस्मों का उपयोग नई commercial varieties विकसित करने में करती हैं – तो Nagoya Protocol के तहत भारत को उसका हिस्सा मिलना चाहिए। यही है Access and Benefit Sharing (ABS)। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA, चेन्नई) ने इस हफ्ते सरसों आनुवंशिक संसाधनों से ₹15.52 करोड़ की ABS राशि 33 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और राष्ट्रीय संस्थाओं को वितरित की – यह एकल फसल आनुवंशिक संसाधन से भारत की अब तक की सबसे बड़ी ABS राशि है। यह पैसा कंपनियों से आता है जिन्होंने भारतीय सरसों की आनुवंशिक सामग्री का उपयोग कर व्यावसायिक उत्पाद बनाए।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
NBA (राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण)	Biological Diversity Act 2002 के तहत; चेन्नई; जैविक संसाधनों तक पहुँच नियमित करता है; ABS तंत्र लागू करता है; National Biodiversity Fund प्रबंधित करता है; अनुसंधान और व्यावसायिक पहुँच की अनुमति देता है





ABS (Access and Benefit Sharing)	Nagoya Protocol ढाँचा; जैविक संसाधन देने वाले देश व्यावसायिक उपयोग के लाभों में हिस्सा पाते हैं; मौद्रिक (royalties, fees) और गैर-मौद्रिक (technology transfer); NBA Biological Diversity Act 2002 के तहत लागू करता है
Nagoya Protocol	CBD का 2010 अनुपूरक समझौता; 2014 में लागू; 138 पक्ष; Prior Informed Consent (PIC) और Mutually Agreed Terms (MAT) अनिवार्य; भारत का BDA 2002 घरेलू कार्यान्वयन
सरसों आनुवंशिक संसाधन	भारत Brassica juncea का प्राथमिक विविधता केंद्र; हजारों पारंपरिक किस्में; वैश्विक बीज कंपनियाँ इन genetic traits से commercial varieties बनाती हैं; ₹15.52 करोड़ ABS = इसी उपयोग का भुगतान
₹15.52 करोड़ ABS भुगतान	एकल फसल ABS से भारत की सबसे बड़ी ABS राशि; 33 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और ICAR जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं को; प्रत्येक राज्य के आनुवंशिक संसाधन योगदान के अनुपात में
Prior Informed Consent (PIC)	Nagoya Protocol की आवश्यकता; किसी देश के जैविक संसाधनों तक पहुँचने से पहले उस देश की सहमति अनिवार्य; बिना PIC = जैव-चोरी; ABS भुगतान PIC के साथ आता है
ICAR-NBPGR	Indian Council of Agricultural Research – National Bureau of Plant Genetic Resources; नई दिल्ली; विशाल germplasm संग्रह रखता है; सरसों germplasm का प्रमुख स्रोत; ₹15.52 करोड़ में से NBPGR को हिस्सा

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Biopiracy रोकथाम: प्रसिद्ध मामले – हल्दी पेटेंट (USA, 1995, भारत ने सफलतापूर्वक चुनौती दी), नीम पेटेंट (EU), Basmati (RiceTec, USA); ABS तंत्र पहुँच से पहले लाभ साझाकरण सुनिश्चित करता है – व्यावसायिक उपयोग के बाद मुकदमे नहीं



- CBD + Nagoya Protocol क्रम: Convention on Biological Diversity (CBD, 1992, Rio) → Cartagena Protocol (2003, GMO biosafety) → Nagoya Protocol (2010, ABS); भारत तीनों में पक्षकार; ₹15.52 करोड़ Nagoya Protocol का व्यावहारिक क्रियान्वयन
- पारंपरिक ज्ञान (TK) कड़ी: TKDL (Traditional Knowledge Digital Library, Week 7) patent misuse रोकती है; ABS पारंपरिक किस्मों के वैध उपयोग का सकारात्मक लाभ देती है; TKDL + ABS = भारत की traditional knowledge की दो-स्तरीय सुरक्षा
- राज्यों को वितरण: ₹15.52 करोड़ → 33 राज्य/UT (राजस्थान, हरियाणा, UP, MP – प्रमुख सरसों राज्य) → State Biodiversity Boards → स्थानीय Biodiversity Management Committees → किसान समुदायों तक; तीन-स्तरीय वितरण
- वैश्विक बीज उद्योग: Bayer (Monsanto), Syngenta, Corteva, Limagrain – भारतीय सरसों genetics के प्रमुख उपयोगकर्ता; उनकी commercial varieties के अरबों के व्यापार का एक हिस्सा ₹15.52 करोड़ = ABS mechanism काम कर रहा है

ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की 11वीं बैठक – भोपाल घोषणापत्र अपनाया

मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय

PIB तिथि: 8 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भोपाल – मध्यप्रदेश की राजधानी, जहाँ भीमबेटका की 30,000 साल पुरानी शैल चित्रकला है, सांची का 3rd सदी BCE का बौद्ध स्तूप है, और ताज-उल-मस्जिद (एशिया की सबसे बड़ी मस्जिदों में से) है – यहाँ 8 अगस्त को ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की 11वीं बैठक संपन्न हुई। भोपाल का चुनाव संयोग नहीं – यह एक शहर में हिंदू, बौद्ध और इस्लामिक विरासत का समेकन है, ठीक वैसे जैसे विस्तारित ब्रिक्स (11 देश) विविध सभ्यताओं का समूह है। बैठक में भोपाल घोषणापत्र अपनाया गया – सभी 11 ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की संयुक्त प्रतिबद्धता: धरोहर स्थलों की पारस्परिक मान्यता, ब्रिक्स डिजिटल सांस्कृतिक आदान-प्रदान मंच, लूटी सांस्कृतिक कलाकृतियों की वापसी में सहयोग, और घूमने वाला ब्रिक्स Performing Arts Festival। भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय है 'Global South के लिए ब्रिक्स' – और भोपाल घोषणापत्र उसी का सांस्कृतिक आयाम है।

मुख्य शब्द:



| Click to Connect Now.



शब्द / पद	परिभाषा
ब्रिक्स 2026 के सदस्य	मूल: ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका; नए (जनवरी 2024 से): मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, UAE, अर्जेंटीना; 11-सदस्यीय ब्रिक्स = विश्व जनसंख्या का 45%+, GDP का 35%+
भोपाल घोषणापत्र	11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्री बैठक का संयुक्त वक्तव्य; प्रतिबद्धताएं: पारस्परिक धरोहर मान्यता, डिजिटल सांस्कृतिक मंच, कलाकृति वापसी सहयोग, ब्रिक्स Performing Arts Festival
भीमबेटका शैल आश्रय	UNESCO विश्व धरोहर; रायसेन जिला, MP; 30,000+ साल पुरानी शैल कला; भारत में मानव जीवन का सबसे पुराना साक्ष्य; बैठक स्थल भोपाल के प्रतीकात्मक चुनाव का आधार
सांस्कृतिक कलाकृति वापसी	भोपाल घोषणापत्र में औपनिवेशिक काल में लूटी कलाकृतियों की वापसी में सहयोग; भारत UK, USA, जर्मनी से कलाकृतियाँ माँगता है; ब्रिक्स मंच द्विपक्षीय माँगों को बहुपक्षीय समर्थन देता है
ब्रिक्स 2026 अध्यक्षता उपलब्धियाँ	भारत की 2026 अध्यक्षता: 11वीं संस्कृति मंत्री बैठक (भोपाल) + BRICS Waves Bazaar (Mumbai, Week 10) + BRICS Competition Authorities (इस सप्ताह) + Industry Ministers + Anti-Corruption WG – एकाधिक मंत्रिस्तरीय
India-China ब्रिक्स सांस्कृतिक channel	Galwan (2020) के बाद India-China people-to-people exchange ज्यादातर बंद; ब्रिक्स सांस्कृतिक मंच कुछ बचे संस्थागत channels में से; भोपाल घोषणापत्र की joint commitment = चुपचाप कूटनीतिक खुलावा का संकेत
डिजिटल सांस्कृतिक आदान- प्रदान	सदस्य देश digitized heritage (manuscripts, कलाकृतियाँ, performances) साझा करेंगे; भारत का IGNCA digital archive + National Mission for Manuscripts (45,000+ पांडुलिपियाँ) भारत का योगदान



UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- ब्रिक्स विस्तार का महत्व: मूल BRICS (B-R-I-C-S) → विस्तारित BRICS-11 (मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, UAE, अर्जेंटीना); भारत की 2026 अध्यक्षता पहली बार expanded BRICS के तहत; 11 विविध देशों में सांस्कृतिक सहयोग BRICS की मजबूती का प्रमाण
- भोपाल की विरासत: भीमबेटका (30,000+ साल, UNESCO), सांची स्तूप (3rd सदी BCE, UNESCO), भोजपुर शिव मंदिर, ताज-उल-मस्जिद – एक शहर में हिंदू, बौद्ध, इस्लामिक धरोहर; ब्रिक्स की सबसे विविध सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल के लिए प्रतीकात्मक
- कलाकृति वापसी कूटनीति: Koh-i-noor (UK), Sultanganj Buddha (UK), Amaravati marbles (UK) – भारत की माँगें; ब्रिक्स मंच = Global South की सामूहिक anti-colonial narrative; बहुपक्षीय समर्थन द्विपक्षीय माँगों को मजबूत करता है
- जनजातीय धरोहर की स्थिति: भीमबेटका Mesolithic rock art, Gond और Warli tribal art ब्रिक्स में प्रस्तुत = भारत विश्व की सबसे पुरानी अखंड सांस्कृतिक परंपरा का दावा करता है; PM-JANMAN (जनजाति कल्याण) का सांस्कृतिक कूटनीति आयाम
- Netflix + ब्रिक्स संस्कृति: Week 10 का Netflix-Tourism-Culture MoU (Indian heritage documentaries) + भोपाल Declaration का ब्रिक्स digital cultural platform = भारत की विरासत simultaneously streaming (वैश्विक) और multilateral institution (नीति) दोनों से

CCI ने ब्रिक्स प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के प्रमुखों की बैठक आयोजित की

मंत्रालय: भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

PIB तिथि: 9 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

प्रतिस्पर्धा कानून वह अदृश्य ढाँचा है जो बाजार को ईमानदार रखता है – बड़ी कंपनियाँ एकाधिकार न बनाएं, कार्टेल मिलकर दाम न तय करें, और नई कंपनियों को बाजार में आने से न रोकें। 9 अगस्त को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स देशों के प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के प्रमुखों की बैठक आयोजित की। इस बैठक में मुख्य विषय: डिजिटल बाजार प्रतिस्पर्धा (Google, Meta, Amazon – ब्रिक्स देशों में अलग-अलग कानूनों से कैसे नियमित हों), algorithmic collusion (pricing algorithms बिना सीधे बात किए मिलकर दाम तय कर सकते हैं – यह कार्टेल नहीं लेकिन व्यवहार वैसा ही), और cross-border mergers की समन्वित समीक्षा। CCI की



| Click to Connect Now.



ब्रिक्स में नेतृत्व भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि CCI एशिया के सबसे सक्रिय प्रतिस्पर्धा नियामकों में है – Google को ₹1,337 करोड़ जुर्माना (2022), Amazon-Flipkart बाजार अध्ययन, कई merger conditional approvals।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
CCI (भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग)	Competition Act 2002 के तहत; anti-competitive agreements (कार्टेल), dominance का दुरुपयोग, anti-competitive mergers रोकता है; 7-सदस्यीय; New Delhi; quasi-judicial; 2022 में Google को ₹1,337 करोड़ जुर्माना
Competition Act 2002	भारत का प्रमुख प्रतिस्पर्धा कानून; MRTP Act 1969 की जगह; Section 3 (anti-competitive agreements), Section 4 (dominance का दुरुपयोग), Section 5-6 (merger नियमन); NCLAT अपील
डिजिटल बाजार प्रतिस्पर्धा	Google, Meta, Amazon, Apple ब्रिक्स देशों में dominance; 'self-preferencing', 'killer acquisitions', data monopolies – सभी ब्रिक्स नियामकों की चुनौती; coordinated approach की जरूरत
Algorithmic Collusion	Pricing algorithms (airlines, hotels, e-commerce) बिना explicit communication के similar prices पर आ सकते हैं; cartel नहीं लेकिन anti-competitive effect; ब्रिक्स प्राधिकरण detection और regulation पर चर्चा
Competition Amendment Act 2023	Competition Act 2002 में संशोधन; 'deal value threshold' पेश – ₹2,000 करोड़+ deal value वाले mergers CCI review ट्रिगर करते हैं भले ही target छोटी हो; 'killer acquisition' loop-hole बंद
COMPAT → NCLAT	CCI की मूल appellate body COMPAT Companies Amendment Act 2017 से NCLAT (National Company Law Appellate Tribunal) में विलय; NCLAT दोनों competition और insolvency appeals – UPSC-notable institutional change



**CCI की हालिया कार्रवाइयाँ**

Google: ₹1,337 करोड़ (2022, Android Play Store);
 Amazon/Flipkart: market study, show-cause; MakeMyTrip-
 Goibibo: conditional approval; JIO: regulatory scrutiny; एशिया
 के सबसे सक्रिय प्रतिस्पर्धा नियामकों में

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Competition Act 2002 बनाम MRTTP Act 1969: MRTTP: monopoly size पर ध्यान; CA 2002: anti-competitive behaviour पर – बड़ी company illegal नहीं, dominance का दुरुपयोग illegal; व्यवहार-आधारित regulation की ओर paradigm shift
- India-China प्रतिस्पर्धा overlap: SAMR (चीन) और CCI (भारत) दोनों Google, Meta जैसे global platforms को regulate करते हैं; ब्रिक्स coordination = regulatory intelligence साझा करना + समन्वित enforcement; global platforms अलग-अलग jurisdictions में same behaviour करते हैं
- Data protection + competition का intersection: भारत का DPDP Act 2023 + CCI का digital market regulation + MeitY guidelines = Big Tech regulatory trinity; CCI की ब्रिक्स नेतृत्व भूमिका India's approach को Global South model के रूप में स्थापित
- Cartel cases: CCI ने cement (₹6,700 करोड़, 2012), airlines, tyre manufacturers, sugar mills cartels दंडित किए; ब्रिक्स coordination South Africa (mining cartels) और Russia (energy cartels) के साथ intelligence sharing = multi-country cartel detection
- UPSC के लिए: CCI कब, किससे established (Competition Act 2002); Section 3 (agreements), 4 (dominance), 5-6 (mergers) – sections याद करें; NCLAT appeal; Competition Amendment 2023 का deal value threshold

UPI – उपयोगकर्ताओं के लिए शून्य शुल्क, सरकार ने औपचारिक रूप से पुष्टि की

मंत्रालय: वित्त मंत्रालय

PIB तिथि: 8 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें



| Click to Connect Now.



पिछले तीन सालों से एक अफवाह डिजिटल भारत में घूम रही थी: 'अब UPI payment पर charge लगेगा।' लोग चिंतित, merchants डरे हुए। 8 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने इस अफवाह का पूरी तरह खंडन किया: 'UPI उपयोगकर्ताओं के लिए निःशुल्क' – यह सरकारी नीति है। UPI (Unified Payments Interface) – NPCI (National Payments Corporation of India) द्वारा बनाया, 2016 में लॉन्च – आज 1,000 करोड़+ लेनदेन/माह और ₹20 लाख करोड़+/माह संभालता है। यह free है – users के लिए भी, merchants के लिए भी (zero MDR – Merchant Discount Rate)। जनवरी 2020 में सरकार ने mandate किया था: UPI और RuPay debit card लेनदेन पर कोई MDR नहीं। इसका आर्थिक तर्क: UPI free है इसलिए इतना बड़ा हुआ। अगर charge लगे तो adoption धीमा होगा – खासकर छोटे merchants और कम आय वर्ग के उपयोगकर्ताओं के लिए। बैंकों और payment providers को एक compensation scheme (₹1,500 करोड़, 2026-27) के जरिए आंशिक रूप से compensate किया जाता है। दुनिया के real-time payments का 48%+ भारत में होता है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
UPI (Unified Payments Interface)	NPCI-निर्मित real-time payment system; अप्रैल 2016 में लॉन्च; Virtual Payment Address (VPA) से bank accounts लिंक; 1,000+ करोड़ लेनदेन/माह; ₹20 लाख करोड़+/माह; zero MDR; 300+ banks
MDR (Merchant Discount Rate)	merchant को digital payment accept करने पर charge; credit cards: 1.5-3%; debit cards: 0.4-0.9%; UPI: शून्य (जनवरी 2020 से सरकारी mandate); बैंकों को cost cover करने के लिए incentive scheme
Zero-MDR mandate	जनवरी 2020 Cabinet decision; UPI और RuPay debit card पर MDR नहीं; market economics override; payment ecosystem cost उठाता है लेकिन सरकार partially compensate करती है; mass merchant adoption की कुंजी
NPCI	National Payments Corporation of India; Section 8 (not-for-profit) company; banks consortium के स्वामित्व में; UPI, RuPay, IMPS, NACH, AePS, NETC बनाता और चलाता है; NPCI International UPI का वैश्विक विस्तार संभालती है





UPI Incentive Scheme	बैंकों को zero-MDR नुकसान की partial compensation; 2026-27 बजट: ₹1,500 करोड़; ₹2,000 से कम लेनदेन लक्षित; low-value transactions banks के लिए सबसे marginal – लेकिन financial inclusion के लिए सबसे महत्वपूर्ण
भारत real-time payment में विश्व अग्रणी	भारत विश्व real-time payment transactions का 48%+ संभालता है; USA + यूरोप + चीन + UK से अधिक; UPI का zero-MDR model इस volume dominance का प्राथमिक कारण
G20 cross-border payment	India G20 Presidency (2023): cross-border payment interoperability प्राथमिकता; UPI: सिंगापुर (PayNow), UAE, फ्रांस (Lyf Pay), नेपाल, भूटान, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका; zero-charge policy इन international corridors तक

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Zero-MDR नीति है, तकनीकी आवश्यकता नहीं: Visa/Mastercard MDR charge करते हैं; UPI का zero-MDR सरकारी हस्तक्षेप से है जो financial inclusion को payment network revenue से ऊपर रखता है; ₹1,500 करोड़/वर्ष subsidy इस नीति की fiscal cost
- PhonePe-Google Pay duopoly: NPCI ने third-party UPI apps के लिए 30% market share cap रखा (monopoly रोकने के लिए); लेकिन PhonePe + Google Pay मिलकर 80%+ UPI लेनदेन रखते हैं; NPCI 30% cap enforce करने में धीमा – 'free' ecosystem में market concentration, competition law implications
- CBDC-UPI comparison: CBDC (₹) = RBI-issued digital money; UPI = existing bank money के लिए payment interface; complementary – CBDC भविष्य में UPI infrastructure से transfer हो सकती है; CBDC-DBT (इस सप्ताह लेख 8) अलग wallet system उपयोग करता है लेकिन दीर्घकालिक UPI integration
- UPI 123PAY: Feature phone (123-series phone calls) के लिए UPI; internet नहीं चाहिए; IVR (Interactive Voice Response) आधारित; 40+ करोड़ feature phone users तक UPI की पहुँच – financial inclusion का अंतिम छोर





- Digital payment hierarchy UPSC के लिए: RTGS (large value, real-time) → NEFT (any value, batch) → IMPS (instant, ₹5 lakh limit) → UPI (instant, ₹10 lakh limit, zero MDR) → UPI Lite (offline, ₹500 limit) → CBDC (programmable) – इस hierarchy को समझना UPSC payment questions के लिए आवश्यक

E20 पेट्रोल – OMC परीक्षण ने पुष्टि की: कोई क्लोराइड संदूषण नहीं

मंत्रालय: पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

PIB तिथि: 8 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

सोशल मीडिया और कुछ व्यापार प्रकाशनों में एक अफवाह फैली थी: E20 पेट्रोल (20% इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) में 500 ppm chloride है जो गाड़ियों के इंजन को नुकसान पहुँचाता है, fuel injectors खराब करता है। यह दावा इतना विस्तृत था कि गाड़ी निर्माताओं की चिंता बढ़ गई – कहीं वे warranty claims से न भरे जाएं। तेल विपणन कंपनियों (IOC, BPCL, HPCL) ने इस हफ्ते विस्तृत परीक्षण परिणाम जारी किए: कई रिफाइनरियों और पेट्रोल पंपों से लिए E20 नमूनों में chloride BIS (Bureau of Indian Standards) की अधिकतम सीमा (1 ppm) से बहुत कम पाई गई। 500 ppm का दावा = वास्तविक परीक्षण से 500 गुना अधिक – एक मनगढ़ंत आंकड़ा। भारत ने E20 (20% ethanol blend) अप्रैल 2025 से राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया – मूल 2025 के लक्ष्य से पहले। 2025-26 में 760 करोड़ लीटर ethanol मिश्रित हुई – ₹45,000 करोड़ के कच्चे तेल का आयात बचा। E20 कार्यक्रम के महत्वपूर्ण चरण में यह अफवाह उसे नुकसान पहुँचाने की कोशिश थी।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
E20 (Ethanol 20% blend)	20% anhydrous ethanol मिश्रित पेट्रोल; अप्रैल 2025 से राष्ट्रीय; कच्चे तेल आयात निर्भरता कम करता है; गन्ने, अनाज, cellulosic स्रोतों से ethanol; आधुनिक वाहनों के साथ संगत
इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (EBP)	2003 से; प्रगतिशील लक्ष्य: E5 → E10 → E20 (2025) → E30+; MoPNG + MoAFW (गन्ना और अनाज आपूर्ति); OMCs distilleries से ethanol खरीदती हैं





पेट्रोल में क्लोराइड (BIS spec)	BIS IS 2796 (petrol standard): chloride सीमा = 1 ppm अधिकतम; OMC परीक्षण में E20 नमूने 1 ppm से बहुत कम; 500 ppm का दावा = specification की 500 गुना अधिक; सामान्य ethanol उत्पादन और मिश्रण में physically impossible
Anhydrous ethanol	<0.5% water content वाला ethanol; पेट्रोल मिश्रण के लिए आवश्यक (water से phase separation); Indian distilleries molecular sieve dehydration से; moisture specification पूरी
760 करोड़ लीटर मिश्रित (2025-26)	2025-26 में 760 करोड़ लीटर ethanol पेट्रोल में; ~55 करोड़ लीटर कच्चे तेल का विकल्प; ₹45,000 करोड़ आयात बिल बचाया; CO ₂ उत्सर्जन में भी कमी
Flex Fuel Vehicles (FFV)	E0 से E85 किसी भी blend पर चलने वाले वाहन; 2025 से कुछ श्रेणियों में FFV प्रौद्योगिकी अनिवार्य; ब्राजील 90%+ FFV market – India का model; E30+ blend पर compatibility issues खत्म
गन्ना कड़ी	70-80% ethanol गन्ने की molasses और juice से; शेष अनाज (चावल, मक्का) से; ethanol किसान को sugar price cycle से अलग आय का जरिया; rural income diversification

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- E20 आयात बिल लाभ: भारत 85%+ कच्चा तेल आयात करता है (~23.2 करोड़ टन/वर्ष); E20 राष्ट्रीय स्तर पर = घरेलू ethanol से पेट्रोल माँग का 8-9% displacement; ₹45,000 करोड़ की बचत = Current Account Deficit पर सीधा प्रभाव
- Carbon accounting: गन्ने से ethanol = lifecycle में carbon-neutral (गन्ना growth में CO₂ absorb; combustion वही CO₂ release); E20 well-to-wheel CO₂ में 15-20% कमी E0 की तुलना में
- BIS IS 2796: Bureau of Indian Standards specification for motor spirit (petrol); density, distillation, flash point, octane number, sulphur, chloride, gum content specify करता है; E20 का अलग specification IS 17021 – UPSC में BIS standards sometimes पूछे जाते हैं





- ऊर्जा transition में disinformation: यह अकेला उदाहरण नहीं – coal plant closures, EV batteries, solar पर भी अफवाहें; technical energy claims को critically evaluate करने की क्षमता governance के लिए जरूरी
- OMC economics: IOC, BPCL, HPCL E20 उसी price पर बेचते हैं जैसे pure petrol; ethanol (~₹65/litre) petrol equivalent (~₹100/litre) से सस्ता; E20 blend OMCs के लिए pure petrol से अधिक profitable – OMCs का खराब E20 supply करने का economic incentive नहीं

AI ने कैंसर स्टेम सेल्स की पहचान की – सटीक इलाज की राह

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय / CSIR

PIB तिथि: 12 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

कैंसर की सबसे बड़ी समस्या है – दोबारा होना। कीमोथेरेपी ट्यूमर मिटा देती है, फिर भी महीनों बाद कैंसर लौट आता है। वैज्ञानिकों को शक था कि ट्यूमर में छिपे Cancer Stem Cells (CSC) इसके लिए जिम्मेदार हैं – ये कोशिकाएं सोती हैं, दवाओं से बचती हैं, और बाद में पूरे ट्यूमर को फिर जन्म देती हैं। CSIR के वैज्ञानिकों ने AI-आधारित model बनाया जो ट्यूमर की हर कोशिका का gene expression data पढ़कर CSC की पहचान करता है। नतीजा: इलाज से पहले ही पता चल सकता है कि किस मरीज को ज्यादा खतरा है – और उसका इलाज तदनुसार तेज किया जाए।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
Cancer Stem Cells (CSC)	ट्यूमर कोशिकाओं का subset; self-renewal, treatment resistance, dormancy; कैंसर पुनरावृत्ति का स्रोत; Tumor-Initiating Cells (TICs) भी कहते हैं
CSIR	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद; 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं; DST के अंतर्गत; IGIB, CCMB, CDRI शामिल; AI cancer model CSIR biomedical lab से



| Click to Connect Now.



Stemness score	AI model प्रत्येक ट्यूमर कोशिका को stemness score देता है; उच्च score = संभावित CSC; उच्च-stemness ट्यूमर = उच्च पुनरावृत्ति जोखिम
scRNA-seq	Single-cell RNA sequencing; ट्यूमर की हर कोशिका के active genes मापता है; cellular heterogeneity का नक्शा; AI model इसी से CSC ढूंढता है
Precision Oncology	हर मरीज के ट्यूमर की molecular विशेषता के अनुसार इलाज; CSIR model CSC density आयाम जोड़ता है
4 cancer types	Breast, colorectal, lung, hepatocellular – भारत के सबसे प्रचलित; OCT4, SOX2, NANOG genes CSC में साझा – cancer type से परे
Clinical pathway	Retrospective validation (पूर्ण) → Prospective pilot → Randomised trial → Regulatory approval → Clinical adoption; CSIR publication पहला चरण

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- CSC treatment-resistant क्यों: G0 (dormant) phase में; chemo actively dividing cells मारती है – CSC बचती हैं; ABC transporters drugs को कोशिका से बाहर धकेलते हैं
- CSIR portfolio: COVID-19 RT-PCR kits (IGIB, 2020), new drug molecules (CDRI), API (IICT); cancer AI नया अध्याय – CSIR biomedical research की breadth
- India cancer burden: 14+ लाख नए cases/वर्ष; breast cancer सबसे आम female cancer; liver cancer बढ़ रहा; CSIR model India-specific cancer landscape के लिए
- Cervical cancer AI (लेख 20): एक हफ्ते में दो AI cancer tools – CSC model (tumor biology) + Griva screening (early detection); भारत का AI-in-oncology moment

AI-संचालित गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग – ग्रीवा हेल्थकेयर, विशाखापट्टनम



| Click to Connect Now.



मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय / TDB-DST

PIB तिथि: 10 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर – भारतीय महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर, 1.25 लाख नए मामले हर साल। और यह लगभग पूरी तरह रोकने योग्य है – HPV vaccination और नियमित screening से। लेकिन ग्रामीण भारत में screening पहुँची नहीं – Pap smear, colposcopy के लिए specialist doctor चाहिए जो PHC में नहीं होते। विशाखापट्टनम की Griva Healthcare ने जवाब दिया: smartphone से जुड़ा speculum camera + on-device AI – 50,000+ labeled cervical images पर trained – जो 30 सेकंड में normal/suspicious/abnormal बताता है, trained colposcopist जितनी accuracy से। TDB-DST ने इस हफ्ते Griva को commercialisation support दिया: AP और तेलंगाना के 500 PHC में deploy करने के लिए।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
Cervical cancer	दूसरा सबसे आम female cancer; 1.25 लाख cases, 77,000 मौतें/वर्ष; HPV + screening से रोकने योग्य; ग्रामीण women में देर से diagnosis = उच्च mortality
HPV	Human Papillomavirus; 99%+ cervical cancers का कारण; HPV 16, 18 highest-risk; CERVAVAC (SII का स्वदेशी vaccine, 2023) अब उपलब्ध
Griva Healthcare	विशाखापट्टनम startup; AI cervical screening device; smartphone + speculum camera + on-device AI; 50,000+ Indian women images पर trained
TDB	Technology Development Board; DST; स्वदेशी tech commercialisation fund; Griva को AP-Telangana 500 PHC deployment के लिए support



| Click to Connect Now.



Colposcopy	Gold standard cervical diagnostic; specialist + equipment; केवल medical colleges में; Griva AI PHC level पर specialist-quality screening
CERVAVAC	SII का quadrivalent HPV vaccine; ₹2,000/dose; imported से सस्ता; class 9 girls vaccination
500 PHC deployment	AP + Telangana में; ANM operate; primary care में specialist-level cervical screening; Ayushman Bharat preventive care में integrate करने की संभावना

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 50,000 Indian images: Western datasets पर trained models India में fail होते हैं (skin tone, anatomy); Griva का model India-specific – यह सबसे महत्वपूर्ण अंतर है
- PM medtech article (8 अगस्त): PM ने India के self-reliant medtech पर article share किया + Griva TDB support उसी हफ्ते – PPE kits (2020) से AI cancer screening (2026) तक की यात्रा
- Cost: Colposcopy ₹2,000-5,000 + travel; Griva AI ₹500-800, no travel; 1.25 crore women annual screening = ₹15,000-50,000 करोड़ national cost difference
- ASHA connection: 10 लाख+ ASHA workers awareness; ANM Griva device operate; CPGRAMS grievance Hindi में (भाषिणी) + Griva AI screening = DPI + medtech at PHC level

उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर असामान्य ओजोन परत – भारतीय वैज्ञानिकों की खोज

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय / पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

PIB तिथि: 10 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

ओजोन – तीन oxygen atoms का अणु – दो रूपों में होती है। Stratosphere (15-35 km) में यह 'अच्छी ओजोन' है – UV-B का 97-99% रोकती है। Troposphere (0-12 km) में यह 'बुरी ओजोन' – फेफड़ों को नुकसान, फसलें खराब, smog का हिस्सा। भारतीय वैज्ञानिकों ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर troposphere में एक असामान्य ओजोन परत



| Click to Connect Now.



खोजी – जहाँ इतनी ओजोन नहीं होनी चाहिए। दो महत्व: (1) मानसून पर असर – बंगाल की खाड़ी भारत के मानसून का मुख्य नमी स्रोत है, वहाँ असामान्य ओजोन atmospheric chemistry बदल सकती है; (2) पूर्वी भारत में फसलों पर असर – गेहूँ और चावल ozone-sensitive हैं। ISRO के INSAT और NASA के Aura satellite data से यह खोज हुई।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
अच्छी ओजोन (Stratospheric)	15-35 km; UV-B absorb; Montreal Protocol (1987) CFCs बंद करके बचाती है; Antarctica ozone hole ठीक हो रहा है (2060-65 तक recovery)
बुरी ओजोन (Tropospheric)	0-12 km; NO _x + VOC + sunlight से बनती है; lung irritant, crop damager, greenhouse gas; शहरी smog; Bay of Bengal खोज इसी की
Montreal Protocol	1987; 197 parties (universal ratification); CFCs, HCFCs phase out; Kigali Amendment (2016) HFCs; सबसे सफल environmental treaty
INSAT satellite	ISRO का geostationary meteorological satellite; INSAT-3D, 3DR में atmospheric sounder; ozone profiles measure; NASA Aura के साथ combined data
Mission Mausam	MoES; ₹2,000 करोड़; weather observation, forecasting, atmospheric research; Bay of Bengal ozone खोज इसी की enhanced infrastructure का output
फसल क्षति	Elevated ozone stomata से पत्तियों में; photosynthesis disrupts; गेहूँ-चावल sensitive; वैश्विक 10-15% फसल नुकसान; पूर्वी भारत के कृषि impact modelling के लिए
मानसून connection	Bay of Bengal = मानसून नमी का मुख्य स्रोत; असामान्य ozone = atmospheric chemistry + thermal structure बदलाव; IMD monsoon forecasting models को update की जरूरत हो सकती है





UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- UPSC Classic Trap: अच्छी ओजोन (stratospheric, UV-B रोकती है) बनाम बुरी ओजोन (tropospheric, pollutant); Bay of Bengal खोज tropospheric की है – यह अंतर सीधे पूछा जाता है
- Montreal Protocol का महत्व: 197 parties = universal ratification; ozone hole healing; Kigali Amendment HFCs जोड़ा (powerful greenhouse gas); सबसे सफल global environmental governance – UPSC में बार-बार
- ISRO-MoES collaboration: Satellite data + ground observation = Bay of Bengal ozone; दोनों agencies का joint scientific output – India की space + earth science का model
- कृषि + climate science intersection: Ozone damage to crops (gateways to crop modelling) + monsoon disruption (climate) = एक खोज के दो policy implications; UPSC Mains answer में यह depth दिखाना

CME (सौर ज्वाला) पूर्वानुमान – नया कंप्यूटर मॉडल, अंतरिक्ष मौसम में भारत

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

PIB तिथि: 13 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

10 मई 2024 को 20 साल की सबसे शक्तिशाली geomagnetic storm आई – CME (Coronal Mass Ejection) की वजह से। Satellites की orbit बाधित, GPS accuracy घटी, radio communications खराब हुई। यह सुंदर aurora भी थी – लेकिन एक गंभीर चेतावनी भी। अगर ऐसी CME सीधे बड़े infrastructure से टकराए तो अनुमानित \$1-3 ट्रिलियन नुकसान। समस्या: CME का पूर्वानुमान बहुत मुश्किल है – खासकर Bz component (CME का उत्तर-दक्षिण magnetic field) का, जो तय करता है कि geomagnetic storm गंभीर होगी या नहीं। भारतीय वैज्ञानिकों (IIA बेंगलुरु + ISRO SAC) ने एक नया computer model बनाया जो solar active regions में magnetic energy buildup के precursor signatures 12-24 घंटे पहले पहचानता है – और CME के impact parameters (speed, Bz) का पूर्वानुमान देता है। पहले Bz predict करना बहुत कठिन था – यह नया model यही करता है।

मुख्य शब्द:



| Click to Connect Now.



शब्द / पद	परिभाषा
CME (Coronal Mass Ejection)	सूर्य के corona से plasma और magnetic field का विशाल उत्सर्जन; 400-3,000 km/s; 1-3 दिन में Earth पर; geomagnetic storm का कारण; solar flare से अलग (flare = light, CME = mass)
Geomagnetic storm	CME impact से Earth के magnetosphere में disturb; G1-G5 scale; effects: satellite drag, GPS degradation, radio blackout, power grid; Carrington Event (1859) = सबसे शक्तिशाली
Bz component	CME का उत्तर-दक्षिण magnetic field component; southward Bz = Earth magnetosphere के साथ couple → severe storm; northward Bz = minimal; सबसे critical और predict करने में मुश्किल – नया model इसी को हल करता है
IIA (Indian Institute of Astrophysics)	DST; बेंगलुरु; optical और radio astronomy, solar physics; Kodaikanal Solar Observatory (TN) और Hanle Observatory (Ladakh) संचालित; India का प्रमुख solar CME research centre
Aditya-L1	ISRO; September 2023 लॉन्च; L1 (Lagrange Point 1, 15 लाख km); solar corona और CME observe; VELC और SUIT instruments; नए CME model में Aditya-L1 data शामिल
Carrington Event 1859	सबसे शक्तिशाली recorded geomagnetic storm; 17 घंटे में Earth पर CME; telegraph systems failed; fire at telegraph offices; आज हुआ तो \$1-3 ट्रिलियन damage (satellite, power grid, internet)
Precursor signatures (12-24 hours)	नया model CME से 12-24 घंटे पहले magnetic energy buildup patterns पहचानता है; यह lead time महत्वपूर्ण – satellites orbit lower करें, power grids breakers pre-position करें

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.



- Solar maximum 2024-25: Solar Cycle 25 का peak; उच्च CME frequency और intensity; May 2024 G5 storm इसी में; ISRO के growing satellite fleet की सुरक्षा के लिए CME model समय पर
- Aditya-L1 का योगदान: L1 पर Earth की shadow नहीं – unobstructed solar observation; VELC (coronagraph) + SUIT (UV telescope) real-time CME data; नया model Aditya-L1 + NASA SOHO + STEREO data combine करता है
- Infrastructure protection economics: Modern satellite \$200-500 million; geomagnetic storm satellite orbit 10-50 km degrade कर सकती है – operational life months घटे; accurate CME forecasting = satellite operators orbit adjust कर सकते हैं (fuel burn) → economic benefit
- Kodaikanal Solar Observatory: IIA; Kodaikanal, TN; 1899 से continuous solar observation; 125+ साल का baseline data CME model में उपयोग; long baseline = solar activity cycles समझना

ICMR-SHINE 2026 – 83 स्थानों पर स्कूली छात्रों ने 'वैज्ञानिक के रूप में एक दिन' बिताया

मंत्रालय: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय / ICMR / DHR

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

SHINE – Science Harnessing Innovative New Endeavours – ICMR का वह कार्यक्रम है जहाँ स्कूली बच्चे एक दिन के लिए असली biomedical research laboratory में जाते हैं। कागज पर science नहीं – हाथों से। Blood group typing, bacteria का gram staining, केले से DNA निकालना, microscope से blood smear देखना। SHINE 2026 इस हफ्ते 83 स्थानों पर हुई – 29 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में, AIIMS से लेकर ICMR-NIRT (चेन्नई) तक। 5,000+ छात्र (कक्षा 9-12)। इसका तर्क सरल है: अधिकांश छात्र यह तय कर लेते हैं कि science career लेना है या नहीं – असली research देखे बिना। Textbook science और laboratory research में बड़ा अंतर है। जो बच्चा कक्षा 10 में pipette चलाता है, centrifuge देखता है, उसकी career choice का आधार ज्यादा ठोस होता है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



| Click to Connect Now.



ICMR	Indian Council of Medical Research; DHR, MoHFW; 26 राष्ट्रीय institutes; infectious diseases, cancer, nutrition, reproductive health research; COVID diagnostic kits, serosurveys, SHINE outreach
SHINE	Science Harnessing Innovative New Endeavours; ICMR school science outreach; 83 locations, 29 states/UTs (2026); Class 9-12; hands-on experiments: blood typing, gram staining, DNA extraction
83 locations → 29 states	SHINE 2026 expansion: 45 (2024) → 83 (2026); AIIMS (New Delhi, Mumbai, Bhubaneswar, Jodhpur, Nagpur), NIMHANS (Bengaluru), NIN (Hyderabad), ICMR-NIRT (Chennai) + partner hospitals
Gram staining	Bacteria को purple (gram+) या red (gram-) बनाना; hospital microbiologist अनुशासन; antibiotic prescription से पहले वही technique; SHINE इसे classroom में लाती है – real science, simplified नहीं
INSPIRE connection	DST का INSPIRE programme: 1 लाख scholarships/वर्ष, class 12 में top 1% science students को; SHINE INSPIRE के लिए feeder pipeline – SHINE participants science stream चुनने की संभावना
Gender dimension	50%+ girls participation target; biomedical research male-dominated रही है; SHINE specifically Tier 2/3 शहरों की लड़कियाँ target करती है – वहाँ cultural barriers सबसे अधिक
NEP 2020 alignment	NEP 2020: experiential learning, critical thinking, real-world connection; SHINE NEP 2020 की philosophy का medical science में application – पढ़ने से नहीं, करने से सीखना





UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Biomedical research workforce: ICMR COVID response (diagnostic kits, serosurveys), TB, malaria, dengue, HIV programmes; future health emergencies का जवाब SHINE के छात्रों पर निर्भर – 10-15 साल में
- 83 locations का महत्व: 640+ जिले; 83 SHINE locations = ~13% जिले; अधिकांश state capitals; अगला चरण 200+ locations = genuine democratisation; waiting lists = demand >> supply
- Science talent pipeline: India 15+ लाख engineering graduates, 3+ लाख science graduates/वर्ष; लेकिन PhD researchers in life sciences ~8,000/वर्ष; SHINE early interest cultivation
- Gram staining lesson: Hospital microbiologist वही technique जो SHINE student करता है; real science accessible बनाना – simplified नहीं; यह अंतर scientific thinking develop करता है

मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित – 12 विधेयक पारित

मंत्रालय: संसदीय कार्य मंत्रालय

PIB तिथि: 13 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

राज्यसभा का 271वाँ सत्र – मानसून सत्र 2026 – 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ। दोनों सदनों से 12 विधेयक पारित। राज्यसभा के सभापति के विदाई भाषण में सदस्यों के व्यवहार पर चिंता व्यक्त की गई – जो Parliament के कामकाज की गुणवत्ता पर एक संस्थागत टिप्पणी है। पारित प्रमुख विधेयक: MSME विकास (संशोधन) विधेयक 2026 (इस सप्ताह PIB Backgrounder); MMDR संशोधन विधेयक 2026 (PIB Backgrounder); Competition (Amendment) Bill 2026; Waqf (Amendment) Bill को Joint Parliamentary Committee (JPC) को भेजा गया – पारित नहीं। मानसून सत्र आमतौर पर सबसे छोटा (4-5 सप्ताह) लेकिन legislation के लिए उत्पादक – सरकार winter recess से पहले bills pass कराती है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------





अनिश्चितकाल स्थगन (Sine Die)	Latin: 'without a day'; सत्र समाप्ति बिना अगली बैठक की तारीख; prorogation (formal end by President, Article 85) से अलग; dissolution (केवल LS के लिए) से अलग
Prorogation बनाम Adjournment	Adjournment: temporary suspension; Sine die: सत्र समाप्ति; Prorogation: President द्वारा formal end (Article 85); Dissolution: Lok Sabha समाप्ति (Article 85, केवल LS)
271वाँ राज्यसभा सत्र	RS permanent house (कभी dissolve नहीं); sessions continuously numbered; 271वाँ = Monsoon 2026; RS Chairman's valedictory = constitutional tradition
12 विधेयक पारित	MSME Amendment Bill 2026, MMDR Amendment Bill 2026, Competition Amendment Bill 2026 प्रमुख; Presidential assent → Acts बनते हैं; UPSC 2027 exam cycle में 'recently enacted legislation' के रूप में
JPC (Joint Parliamentary Committee)	दोनों सदनों के सदस्यों की ad hoc committee; specific bill की detailed examination; public submissions, expert testimony; Waqf Amendment Bill → JPC = विवादास्पद legislation को consensus बनाने तक postpone
अनुच्छेद 85	President Parliament को summon करता है; sessions को prorogue करता है; Lok Sabha dissolve करता है; Council of Ministers की सलाह पर; Parliament session framework, Part V, Chapter II
RS Chairman	VP of India ex-officio RS Chairman; Deputy Chairman RS members द्वारा elected; presides over RS; admissibility rule; valedictory में session conduct assessment

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.



- तीन सत्र: Budget Session (Feb-May, सबसे लंबा) → Monsoon Session (July-Aug) → Winter Session (Nov-Dec); कोई constitutional mandate नहीं minimum sessions के लिए; लेकिन Supreme Court guidance और convention = वर्ष में कम से कम 3
- MSME + MMDR Acts अब law: दोनों Bills इस हफ्ते Backgrounders में – Monsoon Session 2026 में पारित; Presidential assent के बाद Acts; UPSC 2027 में 'recently enacted' के रूप में पूछे जाएंगे
- Parliamentary productivity: India 40-80 bills/वर्ष; UK 30-40; USA 200-300; bills-per-sitting-hour ratio दशकों में घटा है – RS Chairman की चिंता data-backed; disruptions oversight function घटाते हैं
- Sine die vs Prorogation timeline: Sine die (13 Aug) → President prorogues (few days later) → next session summon (Winter 2026, likely Nov-Dec); RS pending bills prorogation पर lapse होते हैं (LS dissolution पर नहीं – RS permanent house)

अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत (NGOPV) का जलावतरण – नौसेना स्वदेशीकरण

जारी

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / भारतीय नौसेना

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

समुद्री सुरक्षा का असली काम glamorous frigates या destroyers नहीं करते – वह करते हैं Offshore Patrol Vessels (OPV)। ये वे जहाज़ हैं जो रोज़ भारत के 20 लाख वर्ग km Exclusive Economic Zone (EEZ) की निगरानी करते हैं: मछुआरों को बचाते हैं, नशीले पदार्थों की तस्करी रोकते हैं, तेल रिग की रक्षा करते हैं, और समुद्री डाकुओं को भगाते हैं। 11 अगस्त को Next Generation Offshore Patrol Vessel (NGOPV) का जलावतरण हुआ – एक नई पीढ़ी का OPV जो पुरानी OPV class से बड़ा (3,000+ टन), ज्यादा endurance (60 दिन समुद्र में), helicopter hangar, advanced sensors, और 75%+ स्वदेशी content के साथ। यह GRSE (Garden Reach Shipbuilders), कोलकाता में बन रहा है। DSC A24 (Week 10), INS Machilipatnam (Week 9) के बाद 2026 में एक और नौसैनिक पोत – भारत का नौसेना जहाज़ निर्माण लगभग हर पखवाड़े एक नया पोत दे रहा है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



| Click to Connect Now.



OPV (Offshore Patrol Vessel)	समुद्री सुरक्षा पोत; EEZ patrol, anti-piracy, S&R, मत्स्य पालन संरक्षण, anti-narcotics; frontline warship नहीं; Coast Guard और Navy दोनों; 1,500-4,000 टन
NGOPV	Next Generation OPV; 3,000+ टन; 60-दिन endurance; helicopter hangar; advanced sensors; 75%+ स्वदेशी; Make in India defence procurement
EEZ	Exclusive Economic Zone; 200 nautical miles; India = 20 लाख वर्ग km; संसाधन संप्रभुता; OPV EEZ patrol का प्राथमिक पोत
GRSE (Garden Reach Shipbuilders)	कोलकाता; DPSU; corvettes, survey ships, fast patrol vessels बनाता है; NGOPV lead yard संभवतः
75% स्वदेशी content	Make in India defence target; hull, machinery, combat management, radar, weapon mounts घरेलू; विदेशी मुद्रा outflow कम; defence industrial base निर्माण
SAGAR doctrine	Security and Growth for All in the Region; PM Modi 2015 maritime security doctrine; India as net security provider in Indian Ocean; NGOPV 60-day endurance इसी को support
नौसेना निर्माण गति 2026	INS Machilipatnam (Week 9), DSC A24 (Week 10), NGOPV (Week 11); हर 2-3 सप्ताह एक पोत; 46 warships और submarines under construction

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- India का shipbuilding ecosystem: Mazagon Dock (Mumbai) – submarines, destroyers; Cochin Shipyard – aircraft carrier, Coast Guard; GRSE (Kolkata) – corvettes, survey; Goa Shipyard – OPVs; L&T (Hazira) – warships; 5 major yards, 46 vessels simultaneously
- Anti-narcotics significance: Indian Ocean major drug trafficking route (Afghan opium → Makran coast → dhows → Africa/SE Asia); Coast Guard + Navy OPVs drug seizures में increasingly successful; NGOPV endurance और sensors anti-narcotics interdiction बढ़ाएंगे





- SAGAR doctrine: India श्रीलंका, मालदीव, सेशेल्स, मॉरीशस को OPV-based emergency assistance दे चुका है; NGOPV 60-day endurance Indian Ocean में sustained presence
- Defence exports: India coast guard patrol boats to Mauritius, Sri Lanka, Vietnam; NGOPV class भविष्य में export – India defence export target \$5 billion (2028-29); naval shipbuilding export नया और बढ़ता component

ISRO – LEO उपग्रह mega-constellations और अंतरिक्ष मलबा – भारत का

औपचारिक रुख

मंत्रालय: अंतरिक्ष विभाग / ISRO

PIB तिथि: 13 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

SpaceX के Starlink constellation में अभी 6,000+ active satellites हैं। Amazon का Project Kuiper, OneWeb (Eutelsat), China का Guowang – मिलाकर एक दशक में 50,000-1,00,000 active satellites LEO (Low Earth Orbit) में हो सकते हैं – आज के ~10,000 से 5-10 गुना। हर satellite जो fail होती है, debris बन जाती है। हर debris टकराव की संभावना बढ़ाता है। टकराव नया debris बनाता है। यह cascade – 'Kessler Syndrome' – theoretically LEO के कुछ orbits को स्थायी रूप से अनुपयोगी बना सकता है। संसदीय प्रश्न के जवाब में इस हफ्ते ISRO ने भारत का पहला formal public position जारी किया: ISRO इस समस्या से 'पूरी तरह अवगत' है; India ITU और UN COPUOS frameworks का समर्थन करता है; ISRO ने 2025-26 में भारतीय satellites के लिए 19 Collision Avoidance Manoeuvres (CAMs) किए; और ISRO अपना Space Situational Awareness (SSA) programme विकसित कर रहा है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
LEO (Low Earth Orbit)	200-2,000 km ऊँचाई; अधिकांश satellites यहाँ; ISS 408 km; Starlink 550 km; atmospheric drag से reentry – debris accumulation का सबसे बड़ा खतरा



| Click to Connect Now.



Mega-constellations	सैकड़ों-हजारों satellites एक entity के; Starlink: 6,000+; Project Kuiper (Amazon): 3,200; Guowang (China): 13,000 planned; मिलकर unprecedented orbital congestion
Kessler Syndrome	Cascade scenario: एक टकराव → debris → अधिक टकराव → exponential cascade; कुछ LEO bands permanently unusable; NASA के Donald Kessler (1978) ने propose किया; increasingly credible
CAM (Collision Avoidance Manoeuvre)	Satellite को debris से बचाने के लिए rocket burn; ISRO ने 2025-26 में 19 CAMs; 2010 में 3/वर्ष → 2026 में 19 = 6x वृद्धि; हर CAM = fuel burn = satellite life कम
SSA (Space Situational Awareness)	सभी orbital objects track करना; radar, telescopes, data sharing; India का SSA programme developing; USA का Space-Track.org अभी global SSA data का primary source
UN COPUOS	Committee on the Peaceful Uses of Outer Space; UN General Assembly body; Space Debris Mitigation Guidelines (2007, non-binding); Long-Term Sustainability Guidelines (2019); India active member
ITU	International Telecommunication Union; UN agency; global radio spectrum और satellite orbital slots manage करता है; mega-constellation regulation का प्रमुख forum

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- India का OneWeb stake: ISRO commercial arm NSIL ने OneWeb (Eutelsat OneWeb) में stake लिया है – India एक LEO mega-constellation का co-owner है AND LEO congestion से चिंतित है; यह conflict of interest India के nuanced COPUOS position को shape करता है
- Starlink in India: SpaceX भारत में Starlink approval चाहता है; IN-SPACe और DoT cautious; ISRO की LEO congestion चिंता Starlink की Indian market entry के regulatory conditions से जुड़ी





- 19 CAMs का अर्थ: 2010 में 3/वर्ष → 2026 में 19 = 6x वृद्धि; 2030 तक (Starlink/Kuiper deployment पूरी) 40-50 CAMs/वर्ष संभव; हर CAM = fuel + satellite life कम = ISRO के लिए real economic cost
- Space Vision 2047: Gaganyaan, BAS, Chandrayaan-4 – India के space ambitions reliable LEO/GEO operations पर निर्भर; uncontrolled debris India's space programme को directly threaten करता है; formal position statement strategic self-interest है, सिर्फ diplomacy नहीं
- Deorbit requirement: ITU ने 2023 में revised किया – new satellites को end-of-mission के 5 साल में deorbit; Starlink 1-5 साल में atmospheric drag से; लेकिन 50,000+ satellites में 1% failure = 500 zombie satellites/वर्ष – debris accumulation जारी

संचयी निर्यात अप्रैल-जुलाई 2026-27 – \$316.42 अरब, 13.16% वृद्धि

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 13 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

13 अगस्त को वाणिज्य मंत्रालय ने एक मजबूत व्यापार आंकड़ा जारी किया: अप्रैल-जुलाई 2026-27 (चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने) में भारत का संचयी निर्यात (वस्तु + सेवाएं) \$316.42 अरब रहा – 2025-26 के \$279.63 अरब की तुलना में 13.16% वृद्धि। यह प्रदर्शन उस समय आया जब वैश्विक व्यापार में चुनौतियाँ हैं: लाल सागर में Houthis हमले shipping को Cape of Good Hope से घुमा रहे हैं (30% लंबा रास्ता, ज्यादा freight cost), China की अर्थव्यवस्था में सुस्ती। फिर भी 13.16% वृद्धि। इसमें IT services, pharmaceuticals, engineering goods और electronics (Apple iPhone production, Foxconn TN) की महत्वपूर्ण भूमिका। अगर यह वृद्धि दर पूरे साल बनी रही तो भारत \$950-1,000 अरब के कुल निर्यात के करीब पहुँच सकता है – सर्वकालिक उच्चतम।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
\$316.42 अरब (अप्रैल-जुलाई 2026-27)	वस्तु + सेवाएं मिलाकर; 13.16% वृद्धि \$279.63 अरब से; पहले 4 महीने FY2026-27; provisional estimate; सेवाएं ~\$175 अरब + वस्तु ~\$141 अरब





\$2 ट्रिलियन निर्यात लक्ष्य	2030 तक (वस्तु \$1 ट्रिलियन + सेवाएं \$1 ट्रिलियन); current trajectory: 13% वृद्धि needed; \$950-1,000 अरब FY2026-27 = सही दिशा
Electronics निर्यात उछाल	Apple iPhone (Foxconn TN, Wistron KA, Pegatron TN) से India electronics exports \$25+ अरब FY2025-26; PLI for Mobile Phones + Apple की China+1 strategy; सबसे तेज बढ़ता merchandise category
लाल सागर disruption	Houthi attacks से commercial vessels Cape of Good Horn route; 10-15 दिन extra; \$2,000-3,000/container freight increase; Indian exporters को Europe के लिए higher freight cost
Current Account Deficit (CAD)	Trade deficit = imports > exports; Q1 FY2026-27 CAD ~1.5-2% GDP (comfort zone); strong services exports (IT) CAD का natural hedge; 13% export growth CAD और घटाएगा
Services exports	India की invisible exports; IT services \$180+ अरब/वर्ष (USA और UK को primarily); TCS, Infosys, Wipro, HCL global IT majors; remote work normalised; digital transformation spending जारी
China+1 strategy	Global companies China manufacturing dependence घटा रहे हैं post-COVID; India primary beneficiary; Apple/iPhone सबसे visible; Samsung, automotive components; India merchandise export growth का structural component

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- \$1 ट्रिलियन merchandise 2030: \$450 अरब (current) से \$1,000 अरब = 122% वृद्धि 4 साल में; 15-18% annual growth needed; electronics, pharma, engineering + new sectors (semiconductors, EVs, defence) से संभव





- Services exports: India visible trade deficit से चिंतित नहीं क्योंकि services surplus large; TCS, Infosys alone \$35+ अरब revenues; India services exports \$340-360 अरब/वर्ष – CAD का automatic hedge
- RCEP absence: India 2019 में RCEP से बाहर; 15 Asia-Pacific nations अब preferential tariffs पर trade – India नहीं; Asia-Pacific में export competitiveness constrained; India-UK, India-EU, India-SACU FTA alternative strategy
- Merchandise export composition: Engineering goods (25%), Petroleum products (17%), Gems & jewellery (10%), Pharma (7%), Chemicals (7%), Electronics (5%, rapidly growing), Agriculture (9%), Textiles (5%) – UPSC export diversification questions के लिए

NABL – मोबाइल खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए भारत की पहली प्रत्यायन योजना

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय / NABL / Quality Council of India

PIB तिथि: 10 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

खाद्य सुरक्षा जाँच की एक बड़ी समस्या: labs शहरों में हैं, मिलावट गाँवों, मंडियों, दूरदराज की dairy cooperatives में होती है। FSSAI नमूने ले सकती है, लेकिन city lab में भेजने पर 3-7 दिन – जब तक परिणाम आए, खाना खाया जा चुका है, मिलावट जारी है। Mobile Food Testing Labs – vehicles में built labs – इस समस्या का समाधान हैं: घटनास्थल पर जाएं, घंटों में जाँच करें। लेकिन समस्या थी: बिना NABL accreditation के, mobile lab के परिणाम अदालत में मान्य नहीं, FSSAI की enforcement में उपयोग नहीं। इस हफ्ते NABL (National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories) ने Mobile Food Testing Laboratories के लिए भारत की पहली accreditation scheme शुरू की। अब NABL-accredited mobile lab बिहार के किसी मंडी में, गुजरात की dairy cooperative में, या केरल के मसाला बाजार में जाकर – legally admissible food safety tests कर सकती है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
NABL	National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories; Quality Council of India के अंतर्गत; MoCI; testing





	labs (खाद्य, जल, पर्यावरण, चिकित्सा) और calibration labs को accredit करता है
Mobile Food Testing Lab	Vehicle में built food testing lab; घटनास्थल पर जाँच; FSSAI samples के लिए घंटों में परिणाम; NABL accreditation से legally admissible – enforcement में उपयोग
QCI (Quality Council of India)	Not-for-profit; MoCI; NABL, NAB (certification bodies), NABET (environmental auditors) चलाता है; India की quality standards architecture
FSSAI	Food Safety and Standards Authority of India; MoHFW; food safety standards, licensing, enforcement; food samples को NABL-accredited labs में भेजना अनिवार्य – legally admissible results के लिए
Legal admissibility	Enforcement (FIR, prosecution, licence cancellation) के लिए test results NABL-accredited lab से होना अनिवार्य; unaccredited lab results court में reject; mobile labs पहले legally inadmissible – NABL scheme यही solve करती है
ISO 17025 adaptation	NABL accreditation ISO/IEC 17025 पर based; mobile-specific challenges के लिए additional criteria: transport vibration, temperature control, power supply, on-site calibration verification
Food adulteration India	FSSAI surveys: 10-15% food samples quality standards fail; milk (detergent, urea), spices (brick powder, artificial color), edible oil (non-food oils); mobile lab = mandi पर 30-60 मिनट में test

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.



- One Nation One Food Safety: FSSAI का ONFS mission = uniform food safety enforcement; mobile NABL labs rural और semi-urban areas में enforcement gap पाटती हैं जहाँ fixed labs नहीं – ONFS का direct enabler
- NABL की existing scope: 8,000+ labs India में accredit; सभी government testing procurement NABL-accredited; APEDA export certifications NABL-accredited food safety tests require करती हैं – Mithila Makhana (लेख 11) और Mustard Honey (लेख 12) इसी system से
- Market potential: ~3,500 fixed NABL food labs; mobile labs ~200-300 अभी; NABL accreditation के बाद 5-10x growth expected; mobile lab operators और vehicle-mounted analytical equipment manufacturers के लिए बाजार
- Dairy application: India 24 करोड़ टन दूध/वर्ष (विश्व सबसे बड़ा); milk adulteration widespread; mobile NABL lab cooperative collection point पर प्रत्येक किसान का दूध real-time test = quality at source incentivise

अगरवुड तेल – MDoNER + CHEMEXCIL उद्योग शिखर सम्मेलन, पूर्वोत्तर की निर्यात क्षमता

मंत्रालय: पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय / CHEMEXCIL

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

अगरवुड – जिसे oud, agar, aquilaria भी कहते हैं – दुनिया के सबसे मूल्यवान वन उत्पादों में है। 1 kg high-quality agarwood essential oil = ₹5-15 लाख। खाड़ी देशों में oud perfume = सांस्कृतिक अनिवार्यता, धार्मिक उपयोग, व्यक्तिगत पहचान। अगरवुड का रहस्य: यह Aquilaria tree में तब बनता है जब उसे एक विशेष mold (Phialophora parasitica) का संक्रमण होता है – tree रक्षा में एक गहरी, सुगंधित resin बनाती है। Wild trees में यह 20-50 साल लेता है; CITES Appendix II में listed (regulated trade); over-harvested। भारत का पूर्वोत्तर – असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड – Aquilaria का भारतीय क्षेत्र है। CSIR-NEIST (जोरहाट, असम) ने inoculation technology विकसित की जो production cycle 8-12 साल तक घटाती है। MDoNER और CHEMEXCIL ने इस हफ्ते Industry Summit में NE के agarwood oil export को systematically बढ़ावा देने की योजना बनाई।



| Click to Connect Now.

**मुख्य शब्द:**

शब्द / पद	परिभाषा
अगरवुड (Aquilaria spp.)	Rainforest tree; 15 species; दक्षिण/दक्षिण-पूर्व एशिया; mold infection से aromatic resin; resin-saturated wood = agarwood; oud oil = विश्व का सबसे महंगा essential oil; CITES Appendix II
CITES Appendix II	Convention on International Trade in Endangered Species; Appendix II = तत्काल खतरे में नहीं लेकिन regulated trade आवश्यक; Aquilaria को CITES export permit चाहिए; cultivated = legal commercial pathway
MDoNER	Ministry of Development of North-East Region; NE states का विकास; SARDP-NE, NE Industrial Development Scheme; agarwood export = NE economic integration का forest-based economy chapter
CHEMEXCIL	Basic Chemicals, Cosmetics and Dyes Export Promotion Council; MoCI; essential oils, chemicals, cosmetics, dyes, pesticides; agarwood oil = essential oils domain
CSIR-NEIST	North East Institute of Science & Technology, जोरहाट, असम; NE biodiversity research; inoculation technology विकसित – artificial mold infection से 8-12 साल में agarwood production; 300+ NE farms को technology transfer
Inoculation technology	CSIR-NEIST: artificial mold inoculation → resin production में young tree में; 20-50 साल (wild) → 8-12 साल (cultivated, inoculated); commercial farming व्यावहारिक बनाता है
खाड़ी oud demand	UAE, Saudi Arabia, Kuwait, Oman: cultural essential; global oud oil market ~\$4 अरब/वर्ष, 10%+ growth; synthetic





alternatives हैं लेकिन natural oud extreme premium; India का खाड़ी markets से direct connect

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- CITES और व्यापार: Agarwood export के लिए CITES export certificate (DGFT), phytosanitary certificate, origin certificate (cultivated, wild नहीं) आवश्यक; CHEMEXCIL summit NE farmers को यह documentation compliance समझाता है
- Act East Policy का आर्थिक आयाम: Act East Policy मुख्यतः ASEAN कूटनीति; लेकिन आर्थिक आयाम = NE के वन उत्पाद (agarwood, bamboo, medicinal plants) को East Asian और खाड़ी बाजारों से जोड़ना – MDoNER + CHEMEXCIL summit यही है
- प्रति किसान आय: असम का per capita income ₹1.25 लाख/वर्ष; 100 trees वाले agarwood farmer: 10 साल में ₹50 लाख कमा सकता है (₹5 लाख/वर्ष) 0.1 hectare से – transformative income
- बाँस समानांतर: NE भारत का सबसे बड़ा bamboo उत्पादन क्षेत्र भी; bamboo furniture, flooring, handicrafts similar premium forest product; DONER की forest-based industry export strategy: agarwood + bamboo = diversified premium forest economy

परमाणु ऊर्जा रोडमैप – DAE का लोकसभा में व्यापक वक्तव्य

मंत्रालय: परमाणु ऊर्जा विभाग

PIB तिथि: 12 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में परमाणु ऊर्जा का सबसे व्यापक रोडमैप वक्तव्य दिया – जो Week 10 के PFBR + SMR update से आगे जाता है। तीन आयाम जो अक्सर नजरअंदाज होते हैं: (1) चिकित्सा रेडियोआइसोटोप: भारत Technetium-99m (80% nuclear medicine scans में उपयोग), Lutetium-177 (cancer therapy), Gallium-68 (PET scans) ज्यादातर आयात करता है। DAE ने 'critical medical radioisotope supply में घरेलू आत्मनिर्भरता' का संकल्प व्यक्त किया – BARC का DHARVA reactor Mo-99 → Tc-99m और Lu-177 घरेलू उत्पादन बढ़ा रहा है। (2) कृषि में विकिरण: gamma irradiation से food preservation (फल, सब्जी, मसाले लंबे समय तक ताजे), radiation mutation breeding (150+ radiation-induced crop varieties – BARC के Trombay rice variants



| Click to Connect Now.



प्रसिद्ध)। (3) परमाणु सुरक्षा: सभी 24 भारतीय reactors की third-party security audit; IAEA's INFCIRC standards के अनुरूप।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
चिकित्सा रेडियोआइसोटोप	Tc-99m (80% nuclear medicine scans), Lu-177 (cancer therapy), Ga-68 (PET); India import-dependent; BARC DHRUVA reactor से domestic production; स्वास्थ्य सुरक्षा imperative
Technetium-99m (Tc-99m)	6-hour half-life – stockpile नहीं हो सकता; Mo-99 (66-hour) से daily production; DHRUVA reactor Mo-99 → Tc-99m; अगर reactor shutdown → days में shortage
Lutetium-177 (Lu-177)	Therapeutic radioisotope; neuroendocrine tumours, prostate cancer therapy; import ₹5-8 लाख/dose; BARC domestic production → ₹1-2 लाख/dose; PM-JAY coverage potential
Radiation Mutation Breeding	Gamma radiation या neutron beams से DNA mutations; beneficial mutations select (उच्च उपज, disease resistance, drought tolerance); India 150+ radiation-induced crop varieties; GMO से अलग
Gamma irradiation (food)	Co-60 या Cs-137 से controlled exposure; pathogens मारता है without chemicals या heat; shelf life बढ़ाता है; export quality के लिए (फल, मसाले); FSSAI approved; India में 8 facilities
BRIT (Board of Radiation and Isotope Technology)	DAE entity; radioisotopes और radiation products produce और market करता है; Tc-99m kits, I-131, P-32; domestic production capacity expand





परमाणु सुरक्षा audit	24 reactors (14 PHWR, 8 BWR, 2 pressurised LWR); IAEA INFCIRC standards; third-party security audit; cyber security + physical protection; Parliament को informed
----------------------	---

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Tc-99m import dependence: 6-hour half-life → daily production आवश्यक; South Africa (NECSA), Netherlands से import; DHRUVA reactor shutdown = days में shortage; domestic self-sufficiency स्वास्थ्य सुरक्षा imperative – विदेश नीति नहीं
- Lu-177 cancer therapy equity: Lu-177 DOTATATE (Lutathera) neuroendocrine tumours के लिए; import ₹5-8 लाख/dose → mostly inaccessible; BARC domestic production ₹1-2 लाख/dose → PM-JAY inclusion संभव = cancer therapy equity
- Radiation mutation breeding vs GMO: Radiation = random mutations + traditional breeding selection; GMO = specific gene insertion; WTO और most importing countries GMO restrict करते हैं radiation-bred varieties नहीं; India के 150+ radiation varieties all conventionally accepted
- NPCIL expansion: 14 × 700 MW PHWRs निर्माणाधीन (Gorakhpur, Chutka, Bhimpur, Mahi Banswara, Kovvada); complete होने पर 9,800 MW addition → 100 GW by 2047 की दिशा में

भारत टैक्सी – सहकारी मॉडल मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, ड्राइवर-स्वामित्व विकल्प

मंत्रालय: सहकारिता मंत्रालय

PIB तिथि: 12 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

Ola या Uber का driver एक दिन में क्या कमाता है? अगर गाड़ी किराये पर है – ₹2,000-3,000 rental, 20-25% commission Ola/Uber को, fuel, maintenance – सब मिलाकर 14-16 घंटे काम के बाद ₹500-800 बचते हैं।

Platform company commission लेती है, surge pricing algorithm तय करती है, account unilaterally बंद कर सकती है, profits नहीं बाँटती। यह 'gig economy' का dark side है। सहकारिता मंत्रालय का भारत टैक्सी इसका cooperative model जवाब है: drivers खुद cooperative के member-owners हैं; कोई commission नहीं (या minimal administrative fee); surge pricing cooperative committee regulate करती है (algorithm नहीं); net



| Click to Connect Now.



surplus member-drivers में dividend के रूप में बाँटा जाता है। साथ ही Tribhuvan Cooperative University (TSU) में भारत टैक्सी cooperative members के लिए training courses: cooperative governance, vehicle maintenance, customer service, digital literacy। शुरुआती rollout: अहमदाबाद, पुणे, भोपाल।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
भारत टैक्सी	सरकार-समर्थित cooperative-model ride-hailing; driver-members cooperative के मालिक; zero या minimal commission बनाम Ola/Uber 20-25%; cooperative governance; surplus sharing; अहमदाबाद, पुणे, भोपाल में शुरू
Cooperative model	Members के स्वामित्व और नियंत्रण में; एक member एक vote; profits = patronage dividend; Rochdale Principles (1844); Multi-State Cooperative Societies Act 2002 या State Cooperative Acts
Gig economy critique	Ola, Uber, Swiggy, Zomato workers 'independent contractors' – EPF, ESIC, minimum wage, labour protection नहीं; India में 7.7 करोड़ gig workers (NITI Aayog 2021); platform commission erodes margins
Tribhuvan Cooperative University (TSU)	नई cooperative university; सहकारिता मंत्रालय; cooperative management, governance, accounting courses; भारत टैक्सी cooperative governance training
MSCS Act 2002	Multi-State Cooperative Societies Act; एक से अधिक राज्यों में operate करने वाले cooperatives; 2023 में strengthening amendment; governance, accountability, audit सुधार; national rollout के लिए
Amul Parallel	Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation; 3.6 million farmer-members; dairy farmers को ownership + guaranteed





	price; भारत टैक्सी = urban mobility का 'Amul' – cooperative success को replicate
App development challenge	Competitive app: real-time GPS, payment integration, driver rating, ride tracking; NIC और संभावित private tech partner; technology, not governance, execution bottleneck हो सकता है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Cooperative vs Company: Company = shareholders (share proportional vote, profit = dividends); Cooperative = members (one member one vote, profit = patronage dividend proportional to usage); भारत टैक्सी driver जो 200 rides/month करे उसे 50 rides वाले से proportionally अधिक dividend
- Amit Shah का Cooperation Ministry: 2021 में अलग ministry; MSCS Amendment 2023, cooperative export zones, cooperative universities, PACS computerisation (₹2,516 करोड़); भारत टैक्सी शहरी mobility chapter
- Driver economics: Bharat Taxi पर zero commission; Ola/Uber पर 20-25%; दोनों पर net earning similar; advantage = cooperative dividend + asset ownership + job security (algorithmic deactivation नहीं)
- International precedents: Eva (Brazil cooperative taxi), CoopCycle (European bicycle delivery), Green Taxi Cooperative (USA) – exist लेकिन Ola/Uber scale नहीं; भारत टैक्सी को government support है = scale का बेहतर मौका

PIB पृष्ठभूमि – CPGRAMS: डिजिटल शिकायत निवारण

मंत्रालय: कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय / DARPG

PIB तिथि: 9 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें



| Click to Connect Now.



CPGRAMS – Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System – केंद्र सरकार के विरुद्ध नागरिक शिकायतों का एकीकृत डिजिटल मंच। 2007 से 2.5 करोड़+ शिकायतें। इस हफ्ते PIB Backgrounder ने CPGRAMS 2.0 की transformation बताई। नागरिक portal पर शिकायत → AI 84 subject categories में auto-classify → सही ministry/department को automatically route → 30 दिन में substantive reply अनिवार्य → नागरिक 1-5 star rating → खराब rating वाली शिकायतें automatically senior officials को escalate। परिणाम: 30-day resolution average 45 दिन (2019) से 19 दिन (2026) हुई। 70%+ शिकायतें 30 दिन में resolved। AI-based misrouting 60% कम। 'Grievance Analytics Dashboard' systemic problems identify करता है – 5,000 शिकायतें 'PAN card delay' की = NSDL में bottleneck, individual cases नहीं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
CPGRAMS	Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System; DARPG; web portal + mobile app; 2.5 करोड़+ शिकायतें 2007 से; AI categorisation; 30-day resolution target; citizen feedback
DARPG	Department of Administrative Reforms and Public Grievances; MoPP&P; administrative reform; CPGRAMS manage करता है; annual citizen's charter compliance reports
30-day resolution	Substantive resolution 30 दिन में (complex = 60); 19-day average (2026, vs 45 days 2019); secretaries और ministers monthly review; performance management tool
Grievance Analytics	CPGRAMS 2.0 feature; similar शिकायतों को systemic insights में aggregate; 'PAN card delay' → 5,000 शिकायतें → NSDL bottleneck; individual complaints → policy intelligence
AI categorisation	NLP-based AI; 84 subject categories में incoming शिकायतें classify; correct ministry को auto-route; 60% misrouting reduction; प्रत्येक correctly routed = faster resolution





PM का emphasis	PM Modi CPGRAMS data PMO level पर review; high pendency या low satisfaction वाले secretaries scrutiny face; governance accountability tool
State integration	UP, Haryana, Rajasthan, MP: state grievance portals CPGRAMS से integrated; citizen state grievance CPGRAMS पर file करे → state system में route; one-stop nationally

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- CPGRAMS vs RTI: RTI = information demand; CPGRAMS = service failure complaint; दोनों accountability mechanisms लेकिन different nature – RTI information, CPGRAMS redress
- Citizen's Charter + CPGRAMS: हर central department का Citizen's Charter service timelines specify करता है; CPGRAMS timeline violation पर शिकायत; data + Charter = accountability mechanism
- 2.5 करोड़ शिकायतों के categories: Pension (retired government employees), insurance, passport, PAN card, income tax, railway ticketing, EPFO, Aadhaar – इन categories को जानना government service delivery failure pattern समझाता है
- International comparison: UK Parliamentary Ombudsman, South Korea Anti-Corruption and Civil Rights Commission – India CPGRAMS सबसे large by volume; AI categorisation relatively advanced globally

PIB पृष्ठभूमि – भारत में जहाज पुनर्चक्रण: नियामकीय रूपांतरण और वैश्विक नेतृत्व

मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

गुजरात के भावनगर जिले में अलंग – विश्व का सबसे बड़ा जहाज तोड़ने का यार्ड। 10 km का tidal beach जहाँ दुनिया के end-of-life जहाज high tide पर रेत पर चढ़ाए जाते हैं और 15,000-20,000 workers उन्हें dismantle करते हैं।



| Click to Connect Now.



वैश्विक ship recycling का 25-30% वजन से। अलंग ऐतिहासिक रूप से विवादास्पद था: asbestos, lead paint काटने वाले workers बिना PPE, जहाज का oil sludge समुद्र तट पर सीधे, international labour और environmental organisations की कड़ी आलोचना। 2019 में भारत ने Hong Kong International Convention (IMO, 2009) ratify किया। उसके बाद जो बदलाव आया – अलंग की facilities Statement of Compliance (SoC) upgrade हुई; hazardous material inventories बनाए गए; workers को PPE और health monitoring; effluents treated। नतीजा: अलंग international standards में आया – without losing competitive cost advantage। European-flagged ships अब legally अलंग आ सकते हैं (EU Ship Recycling Regulation के तहत approved facilities)।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
अलंग, भावनगर (गुजरात)	विश्व का सबसे बड़ा ship recycling facility; 10 km tidal beach; 100+ recycling plots; 15,000-20,000 workers; वैश्विक ship recycling का 25-30% weight से; 2-3 million tonnes secondary steel/वर्ष
Hong Kong Convention (2009)	IMO की ship recycling international convention; ships में Inventory of Hazardous Materials (IHM) अनिवार्य; recycling facilities को SoC standards; India 2019 में ratified
Statement of Compliance (SoC)	Hong Kong Convention के तहत certification; Alang yards progressively SoC प्राप्त कर रहे; European-flagged ships SoC-certified facilities में – Alang SoC = European ship recycling market
Ship recycling से secondary steel	Ships 80-90% steel; recycled ship steel = Indian steel re-rolling mills को 'scrap'; Alang ships 2-3 million tonnes/वर्ष; virgin steel की तुलना में 60-70% कम energy; circular economy
EU Ship Recycling Regulation (EUSRR)	EU regulation: EU-flagged ships केवल approved facilities में; European List में Alang yards; European fleet owners legally Alang ship भेज सकते हैं – premium market खुला





Worker welfare transformation	Pre-2019: no PPE, asbestos protocol नहीं; Post-2019 SoC: mandatory PPE, occupational health centres, HAZMAD training, enclosed cutting, effluent treatment; real transformation but continuous monitoring
Bangladesh/Pakistan competition	Chittagong (Bangladesh) और Gadani (Pakistan) Alang के competitors; lower labour costs; Hong Kong Convention compliance = Alang quality advantage

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Circular economy: 2-3 million tonnes/वर्ष ship steel = India's steel scrap supply का 15%; secondary steel 60-70% कम energy; Alang India के largest circular economy operations में से एक
- IMO shipping decarbonisation: IMO 2050 net-zero; old fossil-fuel ships retire → new LNG, methanol, ammonia ships; faster ship recycling = fleet renewal accelerate; Hong Kong Convention compliance इसे support करता है
- Container Manufacturing + Ship Recycling synergy: Container Manufacturing Assistance Scheme (next Backgrounder) + Ship Recycling = old ships की steel → new containers; closed-loop maritime industrial policy
- India as knowledge exporter: Alang की transformation Pakistan (Gadani) और Bangladesh (Chittagong) study कर रहे; India regulatory framework, training, environmental protocols export कर सकता है – maritime governance soft power

PIB पृष्ठभूमि – कंटेनर विनिर्माण सहायता योजना: भारत का समुद्री भविष्य

मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें



| Click to Connect Now.



एक चौंकाने वाला तथ्य: भारत, दुनिया के सबसे बड़े trading nations में, 7,517 km coastline और \$800 अरब annual trade के साथ – 95%+ shipping containers चीन से import करता है। Standard 20-foot TEU container (वह box जो दुनिया का लगभग सब कुछ ship करती है) लगभग पूरी तरह Chinese companies (CIMC, Singamas) बनाती हैं। नतीजा: COVID-19 container shortage (2020-21) में India बुरी तरह फंसा – TEU rental \$2,000 से \$8,000-12,000। Indian exporters (textiles, pharma, agriculture) को extraordinary premium चुकाना पड़ा। Container Manufacturing Assistance Scheme यही strategic vulnerability दूर करने के लिए: domestic container manufacturing plants के लिए financial assistance – 2030 तक 2 लाख TEU capacity/वर्ष (India uses 3-4 लाख TEU/वर्ष, यानी 50-65% domestic)। Capital subsidy, 3-साल Viability Gap Funding, और Indian ports/shipping lines के लिए preferential purchase requirement।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
TEU (Twenty-foot Equivalent Unit)	Standard container measurement; standard = 1 TEU (20 feet); 40-foot = FEU (2 TEU); India uses 3-4 लाख TEU/वर्ष; CIMC (China) 1 million TEU/वर्ष – scale dominance
CIMC	China International Marine Containers; विश्व का सबसे बड़ा container manufacturer; ~50% global containers; Shenzhen-based; COVID shortage ने India की total dependence expose की
Container Manufacturing Assistance Scheme	MoPSW; domestic container plants के लिए financial assistance; capital subsidy; viability gap funding (3 साल); preferential purchase mandate; 2030 तक 2 लाख TEU domestic capacity
COVID-19 container shortage lesson	2020-21: China factory shutdowns + demand surge + port congestion; TEU rental: \$2,000 → \$8,000-12,000 (peak); Indian exporters severely hit; container supply security = trade security





Corten steel	Shipping containers Corten steel (weathering steel) से; India produce करता है (SAIL, Tata Steel); domestic Corten + domestic containers = full supply chain indigenisation; steel sector connection
Logistics Data Bank	India's container tracking system (14 Aug: 10 crore EXIM containers tracked); domestic manufacturing + LDB = India अपने containers manufacture से destination तक track – end-to-end sovereignty
Viability gap funding rationale	Chinese containers cheaper: massive scale, lower labour, subsidies; VGF पहले 3 साल लागत अंतर पाटती है जब तक Indian manufacturers scale प्राप्त करें; standard industrial policy tool

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Strategic autonomy: 2010 में China ने Japan को rare earth export restrict किए; अगर container supply restrict हो → India's trade बाधित; domestic container manufacturing = supply chain security analogous to semiconductor manufacturing
- Circular economy: Ship recycling (पिछला Backgrounder) → Corten steel → container manufacturing → Indian exports में use → old containers recycling at Alang; genuinely circular maritime materials economy
- EXIM volume: India 9-10 million TEU/वर्ष EXIM trade (2024-25); 2 लाख TEU domestic = 2% annual demand – still import-dependent, but industrial base बनता है scale-up के लिए
- E-Samudra connection (लेख 7): E-Samudra Port Community System + domestic containers + Logistics Data Bank = भारत के maritime digital transformation का complete ecosystem – physical + digital साथ

PIB पृष्ठभूमि – MSME विकास (संशोधन) विधेयक, 2026



| Click to Connect Now.



मंत्रालय: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय

PIB तिथि: 11 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

MSME विकास (संशोधन) विधेयक 2026 – मानसून सत्र 2026 में दोनों सदनों से पारित – MSME Development Act 2006 को संशोधित करता है। हमने Week 10 में इसे deliberately exclude किया था (तब bill था, अब parliament ने pass किया है, Presidential assent के बाद Act बनेगा)। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव: MSME classification thresholds ऊपर की ओर revision। मुद्रास्फीति और genuine business growth को देखते हुए। संशोधित thresholds (tentative): Micro – investment ≤ ₹5 करोड़ + turnover ≤ ₹25 करोड़ (पहले ₹2.5 करोड़ + ₹10 करोड़); Small – investment ≤ ₹25 करोड़ + turnover ≤ ₹100 करोड़; Medium – investment ≤ ₹125 करोड़ + turnover ≤ ₹500 करोड़। Amendment ZED (Zero Defect Zero Effect) certification मजबूत करता है। और Delayed Payment provisions (Section 15-17): buyers को MSME suppliers को 45 दिन में pay करना होगा; MSME Samadhaan portal को statutory backing।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
MSMED Act 2006	Micro, Small and Medium Enterprises Development Act; MSME classification define करता है; credit priority, delayed payment protection, procurement preference (25% central government procurement), regulatory exemptions
संशोधित MSME thresholds (2026)	Micro: investment ≤ ₹5 cr + turnover ≤ ₹25 cr; Small: ≤ ₹25 cr + ≤ ₹100 cr; Medium: ≤ ₹125 cr + ≤ ₹500 cr; ऊँचे thresholds = अधिक businesses qualify = अधिक लाभ
ZED (Zero Defect Zero Effect)	MSME quality certification: Zero Defect (उत्पाद गुणवत्ता) + Zero Effect (पर्यावरण); export market में buyers quality standards चाहते हैं; ZED = India's national quality mark; Amendment ZED को statutory basis देता है



| Click to Connect Now.



Delayed payment (45-day rule)	MSMED Act Section 15-17: buyers को MSME suppliers को 45 दिन में pay; failure = 3x bank rate interest; MSME Samadhaan portal delayed payments track; ₹45,000+ करोड़ filed
MSME Samadhaan	Online delayed payment monitoring portal; MSME suppliers complaints file; buyer respond; MSME Facilitation Councils (state-level) escalate; large corporates delay = MSME cash flow strain; Amendment enforcement strengthens
25% procurement preference	Central government departments 25% procurement MSMEs से; GeM implementation platform; Amendment percentage नहीं बदलता लेकिन qualifying MSMEs की definition बड़ी करता है
ECLGS	Emergency Credit Line Guarantee Scheme; COVID-era; government guarantees bank loans to MSMEs; ₹5 लाख करोड़ sanctioned; revised MSME thresholds = अधिक businesses qualify

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- 6 करोड़ MSMEs: India में 6 करोड़+ registered MSMEs; 11 करोड़+ workers; GDP का 30%, exports का 45%; MSME definition revision directly benefits pool बड़ा करता है जो credit priority, procurement preference, regulatory exemptions पाते हैं
- Threshold inflation adjustment: 2006 में ₹25 लाख (Micro manufacturing); 2020 में ₹1 करोड़ + ₹5 करोड़; 2026 में ₹5 करोड़ + ₹25 करोड़; real value maintain करने के लिए periodic revision economically rational
- UPSC definition question: 'Micro enterprise' UPSC 1-mark classic; 2026 Amendment जवाब बदलता है – हमेशा most recent definition quote करें; Micro: investment $\leq$ ₹5 cr + turnover $\leq$ ₹25 cr (Presidential assent के बाद)





- ZED + exports: EU, USA buyers quality certifications चाहते हैं (ISO 9001); ZED = India's national quality mark aligned with international standards; Amendment ZED statutory बनाता है = legal quality mark, सिर्फ government badge नहीं

PIB पृष्ठभूमि – पैमाना (PAIMANA): डेटा-आधारित अवसंरचना प्रशासन

मंत्रालय: सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय / MoSPI

PIB तिथि: 10 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

PAIMANA – Performance-based Assessment and Integrated Monitoring for Accountability in National Assets – MoSPI का नया ढाँचा है जो भारत के अवसंरचना प्रशासन को data-driven बनाता है। नाम Sanskrit/Urdu के 'पैमाना' (माप/scale) से – संकेत यही है कि अवसंरचना को सटीकता से मापें। India ₹11 लाख करोड़/वर्ष capital expenditure (Union Budget) और National Infrastructure Pipeline (₹111 लाख करोड़ by 2030) पर खर्च कर रही है। लेकिन समस्या: project data 18 infrastructure ministries में बिखरा है। Road data MoRTH में, Railway data MoR में, Port data MoPSW में – कोई unified view नहीं। Cost overrun endemic (USBRL 10 गुना, Week 11)। PAIMANA तीन components: (1) Unified National Infrastructure Database (18 ministries का data एक जगह); (2) PERT/CPM-based project timeline monitoring (milestones vs critical path, देरी पहले flag हो); (3) Infrastructure Ministry Performance Index (completion rate, cost escalation, asset quality, economic return – quarterly, public)। PM GatiShakti का geospatial layer PAIMANA को spatial data देता है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
PAIMANA	Performance-based Assessment and Integrated Monitoring for Accountability in National Assets; MoSPI; unified database + PERT/CPM monitoring + ministry performance index; 18 infrastructure ministries



| Click to Connect Now.



PM GatiShakti	National Master Plan for Multi-Modal Connectivity; October 2021; India's infrastructure geospatial map; roads, railways, ports, airports, waterways, power, gas pipelines; PAIMANA GatiShakti data layer use करता है
NIP (National Infrastructure Pipeline)	₹111 लाख करोड़ by FY2030; roads, railways, urban, power, water, digital; 2020 Budget में announce; PAIMANA NIP projects की implementation status monitor करता है
PERT/CPM	Project Evaluation Review Technique / Critical Path Method; critical path identify; actual vs planned milestone compare; PAIMANA national infrastructure पर PERT/CPM = cascade delay पहले flag
Cost escalation	Delhi Metro Phase 1 = 65% overrun; Bogibeel Bridge = 300%; USBRL = 10x; causes: geological surprises, land acquisition, design changes; PAIMANA real-time monitoring = early detection
18 infrastructure ministries	Roads (MoRTH), Railways, Ports, Civil Aviation, Power, Petroleum, Coal, Water (Jal Shakti), Telecom, Urban, Housing, Agriculture, Defence, MSME, Skill, Health, Education, Tourism – सभी का data unified
MoSPI की स्वतंत्र भूमिका	GDP, CPI, IIP, PLFS publish; PAIMANA में MoSPI independent (infrastructure ministries से); unflattering data publish करने की क्षमता है – self-reported ministry status reports से distinguished

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.



- GatiShakti + PAIMANA = complete loop: GatiShakti plans और coordinates (क्या बनाए, कहाँ, किस sequence में); PAIMANA monitors और evaluates (समय पर, budget पर, quality पर बन रहा है?); दोनों मिलकर planning fragmentation और execution monitoring दोनों gaps address करते हैं
- ₹11 लाख करोड़ capex context: FY2026-27 Budget में ₹11 लाख करोड़ capital expenditure + ₹1.5 लाख करोड़ states को grant = ₹12.5 लाख करोड़ government infrastructure spending; PAIMANA unified database यह scale track करे
- Ministry Performance Index: 18 infrastructure ministries को quarterly performance score; publicly published; competitive pressure; Parliament accountability; objective comparable data
- PRAGATI से आगे: PM की PRAGATI review (2015 से, infrastructure projects की PM-level समीक्षा) = third-generation governance; PAIMANA = fourth-generation AI-powered, integrated, predictive; each generation faster, more accurate, more accountable





सम्माननीय उल्लेख

वे तथ्य जो मुख्य लेखों में नहीं आए – लेकिन UPSC Prelims में बिल्कुल ऐसे ही एक-पंक्ति प्रश्नों में पूछे जाते हैं।

विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
रेलवन ऐप	भारतीय रेलवे का unified app; 4.76 करोड़ downloads; 10 लाख daily average ticket bookings; PNR, platform ticket, unreserved ticketing, complaints – single-app railway experience।	GS-II शासन; Digital India in railways; रेलवन IRCTC, UTS, Rail Madad को एकीकृत करता है – fragmented app ecosystem का समाधान।
वंदे मातरम् 150 वर्ष	स्वतंत्रता दिवस 2026 थीम: '150 Years of Vande Mataram'; Bankim Chandra Chattopadhyay ने 1876 में रचा; Anandamath (1882) में प्रकाशित; राष्ट्रीय गीत (National Anthem नहीं); 1896 INC में पहली बार गाया।	GS-I आधुनिक इतिहास; वंदे मातरम् बनाम जन गण मन (राष्ट्रीय गीत बनाम राष्ट्रगान) UPSC Classic Trap; Anandamath उपन्यास, Bankim Chandra – directly testable।
PMAY-Urban मील का पत्थर	PM Awas Yojana – Urban: 1.25 करोड़ घर स्वीकृत, 1 करोड़ घर निर्मित (अगस्त 2026); 2015 में शुरू; EWS, LIG, MIG श्रेणियाँ; Housing for All लक्ष्य।	GS-II शासन; PMAY-U के घटक: CLSS (Credit Linked Subsidy), AHP (Affordable Housing in Partnership), BLC (Beneficiary-Led Construction), ISSR (In-Situ Slum Redevelopment) – सभी directly testable।
कवच Version 4.0	भारतीय रेलवे ने कवच V4.0 को इज्जतनगर डिवीजन, NE Railway के 660 km पर ₹295 करोड़ से मंजूरी दी;	GS-III infrastructure; कवच background: RDSO + 3 Indian companies; ओडिशा triple train crash





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
	कवच = Automatic Train Protection System; SIL-4 safety certified।	(2023) के बाद mandate; V4.0 में बेहतर GPS integration।
DISCOM डिजिटलीकरण	विद्युत मंत्रालय का DISCOM डिजिटलीकरण framework: smart meters, automated billing, real-time grid monitoring; AT&C losses target <12% by 2027।	GS-III energy; AT&C (Aggregate Technical & Commercial) losses = India's biggest power sector problem (currently 17-20%); RDSS (Revamped Distribution Sector Scheme, ₹3 लाख करोड़) = main scheme।
SMILE – 2,824 बच्चे बचाए	SMILE (Support for Marginalised Individuals for Livelihood and Enterprise) scheme; 2,824 बच्चे पहचाने, बचाए, पुनर्वासित; भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों का rehabilitation भी।	GS-II social justice; SMILE दो groups: भिक्षावृत्ति (SMILE-Beggary) और transgender persons; rehabilitation, skill training, identity documents; Transgender Persons Act 2019 से जोड़ें।
रेलवे safety fencing	भारतीय रेलवे के 19,700 km ट्रैक पर safety fencing; 25,000+ trespassing deaths/वर्ष (रेलवे fatalities का सबसे बड़ा कारण); reinforced concrete fencing + solar lights।	GS-III infrastructure; 25,000 trespassing deaths बनाम ~100 in-train collision deaths – trespassing India's biggest railway safety problem; safety fencing = infrastructure solution।
V.V. Giri जयंती	10 अगस्त को V.V. Giri जयंती; भारत के चौथे राष्ट्रपति (1969-1974); Acting President पद से इस्तीफा दिया और independently चुनाव जीता; Congress	GS-I आधुनिक इतिहास; V.V. Giri – पहले President जो independent candidate के रूप में जीते; Indira Gandhi ने 1969 में Congress को





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
	का official candidate हारा – 'conscience vote' विवाद।	split करने के लिए इस election का उपयोग किया।
संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार	राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 2024 और 2025 के लिए Sangeet Natak Akademi Fellowship (Akademi Ratna) और Awards (Akademi Puraskar) प्रदान किए।	GS-I art & culture; तीन Akademis: संगीत नाटक (performing arts), साहित्य (literature), ललित कला (visual arts); सभी संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत; Akademi Ratna = lifetime achievement।
PLFS तिमाही बुलेटिन	PLFS (Periodic Labour Force Survey) Quarterly Bulletin अप्रैल-जून 2026; PLFS ने rotational panel sampling design introduce किया शहरी क्षेत्रों के लिए; Labour Force Participation Rate (LFPR) tracks करता है।	GS-III economy; PLFS ने Employment-Unemployment Survey (EUS) की जगह ली 2017-18 से; LFPR, WPR (Worker Population Ratio), UR (Unemployment Rate) – तीनों terms और उनका अंतर जानें।
भारत-केन्या संसदीय संबंध	लोकसभा अध्यक्ष ने केन्याई संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात; भारत-केन्या संबंध सदियों पुराने; 1 लाख+ भारतीय प्रवासी केन्या में; SGR railway में India की Lines of Credit।	GS-II international relations; India- Africa engagement; Kenya East Africa का प्रमुख भागीदार; Kenya भी AfCFTA (54 nations) में – SACU connection।
GeM की 10वीं वर्षगांठ	GeM (Government e-Marketplace) का 10वाँ वर्ष; cumulative GMV ₹20 लाख करोड़+; 65,000+ खरीदार संगठन; 70 लाख+ विक्रेता जिनमें MSME और महिला उद्यमी।	GS-II शासन; सार्वजनिक खरीद सुधार; GeM की भूमिका: भ्रष्टाचार कम, MSME को सरकारी बाजार पहुँच, transparency – UPSC पहले पूछ चुका है।





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
BioE3 Policy	Parliament Question: BioE3 (Biotechnology for Economy, Environment and Employment) Policy के पर्यावरणीय परिणाम; 2024 में approved; high-performance biomanufacturing; India bioeconomy target: \$300 अरब by 2030।	GS-III science; BioE3 = India's bioeconomy policy framework; biomanufacturing (biology से products जो fossil fuels से बनते थे: plastics, chemicals, fuels); \$300 अरब target key data point।
Mission Karmayogi	Parliament Question: West Bengal में iGOT Mission Karmayogi; iGOT = Integrated Government Online Training; Mission Karmayogi 2020 में civil services capacity-building reform; ₹510 करोड़।	GS-II शासन; Mission Karmayogi = landmark civil services reform: competency framework, online learning through iGOT platform, role-based transfer policy; Administrative Reforms Commission recommendations से।
NABL mobile food labs	NABL (National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories) ने Mobile Food Testing Labs के लिए India की पहली accreditation scheme शुरू की; FSSAI enforcement में legally admissible results।	GS-II शासन; NABL = QCI के अंतर्गत; ISO 17025 basis; mobile lab accreditation = rural food safety enforcement में gap पाटना; FSSAI + NABL ecosystem।
सरसों ABS – ₹15.52 करोड़	राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA) ने सरसों आनुवंशिक संसाधनों से ₹15.52 करोड़ ABS राशि 33 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और राष्ट्रीय संस्थाओं को वितरित की।	GS-III पर्यावरण; ABS = Access and Benefit Sharing; Nagoya Protocol (2010, CBD का supplementary); Biological Diversity Act 2002; Prior





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
		Informed Consent (PIC) – Nagoya Protocol working as designed।
3 संचार मित्र – ITU Youth Envoys	वर्ष 2026-2030 के लिए तीन संचार मित्रों का ITU Generation Connect Youth Envoys के रूप में चयन; ITU = International Telecommunication Union (UN agency for ICT)।	GS-II international relations; ITU global radio spectrum allocation, satellite orbits, telecom standards; India ITU Council member; Generation Connect = youth engagement programme।
CBDC-आधारित DBT	भारत सरकार ने चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में CBDC (Central Bank Digital Currency)-आधारित DBT (Direct Benefit Transfer) शुरू की – PDS के लिए पहली real-world CBDC deployment।	GS-III economy; CBDC = RBI-issued digital rupee (₹); ₹-R (retail) vs ₹-W (wholesale); programmable money; JAM Trinity का विकास – JAMC (Jan Dhan-Aadhaar-Mobile-CBDC)।
संचयी निर्यात \$316.42 अरब	अप्रैल-जुलाई 2026-27 में वस्तु + सेवाएं निर्यात \$316.42 अरब; 2025-26 के \$279.63 अरब से 13.16% वृद्धि; full year \$950-1,000 अरब record के track पर।	GS-III economy; भारत का निर्यात लक्ष्य: \$2 ट्रिलियन by 2030 (वस्तु \$1T + सेवाएं \$1T); current trajectory = सही दिशा; merchandise composition – engineering (25%), petroleum (17%), pharma (7%), electronics (5% rapidly growing)।
ISRO – LEO space debris	ISRO ने formally कहा कि LEO satellite mega-constellations से space debris accumulation एक गंभीर समस्या है; 2025-26 में 19 Collision	GS-III science; Kessler Syndrome (debris cascade); CAMs = satellite life कम; ITU 5-year deorbit rule (2023 revised); UN COPUOS = space governance forum; India





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
	Avoidance Manoeuvres (CAMS); SSA programme विकसित।	NSIL ने OneWeb में stake = conflict of interest।





अभ्यास प्रश्न

10 Prelims प्रश्न – UPSC Prelims शैली

प्र.1. भारत ने अगस्त 2026 में 300 GW गैर-जीवाश्म स्थापित विद्युत क्षमता का मील का पत्थर पार किया।

निम्नलिखित पर विचार करें:

1. यह आंकड़ा स्थापित क्षमता को संदर्भित करता है, वास्तविक बिजली उत्पादन को नहीं – जीवाश्म ईंधन अभी भी भारत के बिजली उत्पादन में प्रभुत्व रखते हैं।
2. भारत की NDC प्रतिबद्धता 2030 तक संचयी स्थापित विद्युत क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करना है।
3. सौर ऊर्जा अकेले इस मील के पत्थर में 100+ GW का योगदान कर चुकी है।
4. यह उपलब्धि भारत को विश्व में सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता धारक बनाती है।

इनमें से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल तीन
- (c) सभी चार
- (d) केवल एक

प्र.2. एशियाई शेर की जनसंख्या 2015 में 523 से बढ़कर 2025 में 891 हो गई। एशियाई शेर के बारे में कौन-से कथन सही हैं?

1. यह केवल गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है।
2. इसे IUCN Red List पर 'Vulnerable' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
3. यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची I में संरक्षित है।
4. एकल जनसंख्या स्थान के कारण रोग का प्रकोप प्रजाति के लिए अस्तित्व का खतरा हो सकता है।

सही उत्तर चुनें:

- (a) 1, 3 और 4 केवल
- (b) 2, 3 और 4 केवल
- (c) 1 और 2 केवल





(d) 1, 2, 3 और 4

प्र.3. भाषिणी के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. भाषिणी NITI Aayog द्वारा बहुभाषी शासन मंच के रूप में विकसित किया गया है।
2. यह 22 अनुसूचित भाषाओं और अंग्रेज़ी में translation, transcription और text-to-speech प्रदान करता है।
3. DIBD-NITI Aayog आशय पत्र 112 आकांक्षी जिलों को पहली तैनाती क्षेत्र के रूप में लक्षित करता है।
4. भाषिणी के मॉडल proprietary हैं और केवल सरकारी विभागों को उपलब्ध हैं।

कौन से सही हैं?

- (a) 2 और 3 केवल
- (b) 1, 2 और 3 केवल
- (c) 2, 3 और 4 केवल
- (d) 1 और 4 केवल

प्र.4. CBDC-आधारित DBT के संदर्भ में – चंडीगढ़ में PDS के लिए शुरू – यह ऐतिहासिक क्यों है?

- (a) यह सरकारी कल्याण वितरण के लिए cryptocurrency का पहला उपयोग है
- (b) यह खुदरा लाभार्थियों को सरकारी कल्याण कार्यक्रम में CBDC का पहला वास्तविक उपयोग है – विश्व में पहली बार
- (c) यह Aadhaar-आधारित payment system को blockchain विकल्प से प्रतिस्थापित करता है
- (d) यह PDS लाभार्थियों को digital rupee किसी भी उद्देश्य के लिए खर्च करने देता है

प्र.5. दक्षिण अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (SACU) के बारे में कौन-सा कथन सही है?

- (a) SACU 1960 में स्थापित हुआ – अफ्रीका का सबसे पुराना बहुपक्षीय व्यापार संगठन
- (b) SACU के पाँच सदस्य हैं – बोत्सवाना, एस्वातिनी, लेसोथो, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका; यह 1910 में स्थापित विश्व का सबसे पुराना सीमा शुल्क संघ है
- (c) भारत और SACU ने अगस्त 2026 में एक पूर्ण मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर किए
- (d) SACU सभी पाँच सदस्यों में एक सामान्य मुद्रा साझा करता है

प्र.6. मिथिला मखाना के बारे में सभी चार कथनों की जाँच करें:



| Click to Connect Now.



1. मखाना *Euryale ferox* (fox nut/lotus seed) पौधे के बीज हैं जो जलभराव वाले खेतों में उगाए जाते हैं।
2. इसे 2022 में GI (Geographical Indication) टैग प्राप्त हुआ।
3. बिहार भारत के लगभग 80% मखाना का उत्पादन करता है।
4. मल्लाह समुदाय का पारंपरिक ज्ञान GI टैग द्वारा मान्यता प्राप्त है।

इनमें से कितने सही हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल तीन
- (c) सभी चार
- (d) केवल एक

प्र.7. ISRO के LEO satellite mega-constellations पर वक्तव्य में 'Kessler Syndrome' का उल्लेख किया गया। यह क्या है?

- (a) वह घटना जहाँ LEO में भारी यातायात GPS signal को degrade करता है
- (b) एक cascade scenario जहाँ satellite टकराव debris बनाते हैं जो अधिक टकराव का कारण बनते हैं – LEO को permanently unusable बना सकते हैं
- (c) solar radiation pressure का प्रभाव जो LEO satellites को समय से पहले deorbit करता है
- (d) large satellite constellations से ground-based radio telescopes पर electromagnetic interference

प्र.8. Access and Benefit Sharing (ABS) के बारे में Nagoya Protocol के संदर्भ में:

1. Nagoya Protocol, Convention on Biological Diversity (CBD) का एक अनुपूरक समझौता है।
2. भारत के Biological Diversity Act 2002 और NBA ABS framework को घरेलू स्तर पर लागू करते हैं।
3. Nagoya Protocol के तहत आनुवंशिक संसाधनों तक पहुँचने से पहले Prior Informed Consent (PIC) अनिवार्य है।
4. ABS से मौद्रिक लाभ केवल केंद्र सरकार को मिलता है – राज्यों को कोई हिस्सा नहीं।

कौन से सही हैं?

- (a) 1, 2 और 3 केवल
- (b) 2, 3 और 4 केवल
- (c) 1 और 3 केवल





(d) 1, 2, 3 और 4

प्र.9. ट्रोपोस्फेरिक ओजोन और स्ट्रेटोस्फेरिक ओजोन के बीच क्या सही अंतर है?

- (a) ट्रोपोस्फेरिक ओजोन = 'अच्छी ओजोन' जो UV विकिरण से बचाती है; स्ट्रेटोस्फेरिक ओजोन = 'बुरी ओजोन' जो शहरी smog बनाती है
- (b) दोनों लाभकारी हैं; अंतर केवल ऊँचाई में है
- (c) स्ट्रेटोस्फेरिक ओजोन (15-35 km) UV-B विकिरण से बचाती है; ट्रोपोस्फेरिक ओजोन (0-12 km) भूमि स्तर पर फेफड़ों और फसलों को नुकसान पहुँचाती है
- (d) स्ट्रेटोस्फेरिक ओजोन $\text{NO}_x + \text{VOC} + \text{sunlight}$ से बनती है; ट्रोपोस्फेरिक ओजोन CFC के टूटने से

प्र.10. MSME विकास (संशोधन) विधेयक 2026 के बाद, Micro enterprise की सही परिभाषा क्या होगी?

- (a) $\text{Investment} \leq ₹1 \text{ करोड़} + \text{Turnover} \leq ₹5 \text{ करोड़}$ (2020 की परिभाषा)
- (b) $\text{Investment} \leq ₹5 \text{ करोड़} + \text{Turnover} \leq ₹25 \text{ करोड़}$ (2026 संशोधन)
- (c) $\text{Investment} \leq ₹25 \text{ करोड़} + \text{Turnover} \leq ₹100 \text{ करोड़}$ (2026 संशोधन में Small enterprise)
- (d) $\text{Investment} \leq ₹2.5 \text{ लाख} + \text{Turnover} \leq ₹10 \text{ लाख}$ (मूल 2006 परिभाषा)

2 मुख्य परीक्षा प्रश्न एवं आदर्श उत्तर

मुख्य परीक्षा प्रश्न 1 – 150 शब्द:

भारत की 300 GW गैर-जीवाश्म क्षमता की उपलब्धि का जश्न मनाया जा रहा है, लेकिन आलोचकों का तर्क है कि 'स्थापित क्षमता' एक भ्रामक मापदंड है – भारत का वास्तविक बिजली उत्पादन अभी भी 70%+ कोयले से होता है। इस आलोचना का मूल्यांकन करें और बताएं कि स्थापित क्षमता के लक्ष्य क्यों भारत की जलवायु नीति के लिए फिर भी महत्वपूर्ण हैं।

आदर्श उत्तर – 150 शब्द:





आलोचना तथ्यात्मक रूप से सटीक है लेकिन विश्लेषणात्मक रूप से अधूरी। भारत का बिजली उत्पादन मिश्रण अभी भी कोयला-प्रधान (~70% units) है। 300 GW स्थापित क्षमता का मतलब 300 GW निरंतर स्वच्छ बिजली नहीं है – सौर का 20-25% क्षमता कारक है। लेकिन स्थापित क्षमता के लक्ष्य तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैं। पहला, यही सही मापदंड है: भारत की NDC प्रतिबद्धता 2030 तक 50% स्थापित क्षमता गैर-जीवाश्म से है – उत्पादन हिस्से से नहीं। 300 GW सही variable पर सही लक्ष्य को track करता है। दूसरा, उत्पादन एक lagging indicator है: आज की स्थापित क्षमता कल का उत्पादन बनती है जब co-located battery storage renewables को dispatchable बनाए। 300 GW भविष्य के उच्च उत्पादन हिस्से का बुनियादी ढाँचा है। तीसरा, manufacturing ecosystem: स्थापित क्षमता module manufacturing, EPC contractors, grid engineers जैसे स्व-निर्भर ecosystem बनाती है। उत्पादन हिस्सा क्षमता के बाद आता है; क्षमता पहले आनी चाहिए। निष्कर्ष: आलोचना communication सावधानी के रूप में वैध है – क्षमता और उत्पादन को conflate नहीं करना चाहिए। लेकिन नीति मील के पत्थर के रूप में 300 GW सही दिशा में है।

मुख्य परीक्षा प्रश्न 2 – 250 शब्द:

इस सप्ताह की PIB में भारत के अफ्रीका के साथ द्विपक्षीय जुड़ाव (India-SACU PTA ToR, India-Namibia JTC 4th session) और BRICS बहुपक्षीय प्रतिबद्धता (BRICS Culture Ministers' Meeting, BRICS Competition Authorities) दोनों दिखे। विश्लेषण करें कि ये दोनों tracks भारत की Global South strategy के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक तत्व कैसे हैं।

आदर्श उत्तर – 250 शब्द:

भारत की Global South strategy दो समानांतर tracks पर चलती है: द्विपक्षीय गहराई (individual country JTCs, bilateral PTAs) और बहुपक्षीय वास्तुकला (BRICS, India-Africa Forum Summit, Voice of the Global South summits)। इस सप्ताह की PIB दोनों tracks को एक साथ दिखाती है – और वे genuinely पूरक हैं। द्विपक्षीय track: India-Namibia JTC (चौथा सत्र) uranium, दुर्लभ पृथ्वी और हरित हाइड्रोजन के इर्द-गिर्द एक specific relationship बना रहा है। India-Rwanda JTC (Week 10) ने East Africa के साथ specific trade links बनाए। ये bilateral engagements गहरे जाते हैं – specific खनिज, specific products, specific communities (Indian diaspora,





pharmaceutical supply chains)। कोई भी बहुपक्षीय framework यह granularity नहीं दे सकता। बहुपक्षीय track: BRICS संस्थागत वास्तुकला प्रदान करता है। India की 2026 अध्यक्षता BRICS को agendas आगे बढ़ाने के लिए उपयोग कर रही है – सांस्कृतिक कूटनीति (भोपाल Declaration), competition law coordination (CCI), anti-corruption, industrial cooperation। ये platforms rules, norms और institutions बनाते हैं जो African BRICS members (South Africa, Ethiopia, Egypt) सहित सभी को लाभ देते हैं। पूरकता तीन channels से काम करती है। पहला, दक्षिण अफ्रीका BRICS और SACU दोनों का सदस्य है – BRICS goodwill bilateral PTA वार्ता को आसान बनाता है। दूसरा, BRICS सांस्कृतिक platform (भोपाल Declaration) people-to-people familiarity बनाता है जो bilateral trade agreements को domestically ratify करना राजनीतिक रूप से आसान बनाता है। तीसरा, BRICS competition law coordination (CCI meeting) shared regulatory norms बनाती है जो bilateral India-Africa trade में transaction costs घटाती है। तनाव: China BRICS में dominant है और Africa में भी (बड़े investments, अधिक infrastructure projects); India का bilateral Africa track partly उसी influence के लिए China से competition है जिसे BRICS की China presence dilute करती है। BRICS के भीतर India-China competition manage करते हुए BRICS को Global South platform के रूप में उपयोग करना – यही India की केंद्रीय कूटनीतिक चुनौती है।

Prelims उत्तर एवं व्याख्या

प्र.1. उत्तर: (b) केवल तीन

व्याख्या: कथन 4 गलत है – China के पास 800+ GW और USA के पास 200+ GW है; भारत 300 GW के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है, सबसे बड़ा नहीं। कथन 1 (स्थापित क्षमता $\neq$ उत्पादन; कोयला उत्पादन में प्रभुत्व – सही), 2 (NDC: 2030 तक 50% स्थापित क्षमता – सही), और 3 (सौर ने जून 2026 में 100 GW पार किया – सही) सभी सटीक।

प्र.2. उत्तर: (a) 1, 3 और 4 केवल





व्याख्या: कथन 2 गलत है – एशियाई शेर IUCN Red List पर 'Endangered' (संकटग्रस्त) है, 'Vulnerable' नहीं; 891 की जनसंख्या एकल स्थान (गिर) में होने से extinction का उच्च जोखिम – Endangered। कथन 1 (केवल गिर में – सही), 3 (Schedule I WPA 1972 – सही), 4 (एकल जनसंख्या = रोग का खतरा – सही) सभी सटीक।

प्र.3. उत्तर: (a) 2 और 3 केवल

व्याख्या: कथन 1 गलत है – भाषिणी MeitY (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं IT मंत्रालय) द्वारा विकसित है, NITI Aayog द्वारा नहीं; NITI Aayog इस सप्ताह के आशय पत्र के माध्यम से partner है, developer नहीं। कथन 4 गलत है – भाषिणी के मॉडल open-source हैं और API के जरिए सरकारी एवं निजी developers दोनों को उपलब्ध। कथन 2 (22 अनुसूचित भाषाएं + अंग्रेज़ी) और 3 (112 आकांक्षी जिले पहली तैनाती) सही।

प्र.4. उत्तर: (b)

व्याख्या: CBDC-DBT दुनिया में पहली बार किसी देश का Central Bank Digital Currency खुदरा जनकल्याण कार्यक्रम में इस पैमाने पर। Cryptocurrency नहीं (CBDC = RBI-issued legal tender, decentralised नहीं)। Aadhaar replace नहीं (पहचान के लिए Aadhaar; bank account की जगह digital wallet)। Unrestricted नहीं – PDS CBDC programmable है, केवल PDS दुकान पर।

प्र.5. उत्तर: (b)

व्याख्या: SACU 1910 ब्रिटिश उपनिवेशों के बीच स्थापित – विश्व का सबसे पुराना customs union। सदस्य: बोत्सवाना, एस्वातिनी, लेसोथो, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका। 1960 में नहीं (वह African Union का predecessor OAU का founding वर्ष था)। FTA नहीं – केवल ToR (Terms of Reference) हस्ताक्षरित जो PTA negotiations की शुरुआत है। Common currency नहीं – Botswana पुला, South Africa rand, अन्य rand से pegged लेकिन अलग।

प्र.6. उत्तर: (c) सभी चार

व्याख्या: चारों कथन सही हैं। (1) Euryale ferox = fox nuts = जलीय खेतों के बीज – सही। (2) GI tag 2022 – सही। (3) Bihar 80%+ मखाना – सही। (4) मल्लाह समुदाय का पारंपरिक ज्ञान GI tag में explicitly मान्यता प्राप्त – सही। सभी चारों का सही होना UPSC में कभी-कभी 'trap' लगता है – लेकिन यहाँ वास्तव में सभी सटीक हैं।

प्र.7. उत्तर: (b)





व्याख्या: Kessler Syndrome (NASA के Donald Kessler, 1978): satellite टकराव → debris → अधिक टकराव → exponential cascade → कुछ LEO bands permanently unusable। GPS degradation नहीं (अलग space weather phenomenon)। Solar radiation pressure effects नहीं (वह orbital decay, Kessler cascade नहीं)। Radio telescope interference नहीं (light pollution/radio frequency interference, Kessler नहीं)।

प्र.8. उत्तर: (a) 1, 2 और 3 केवल

व्याख्या: कथन 4 गलत है – ABS proceeds राज्यों को मिलती हैं; ₹15.52 करोड़ की ABS payment 33 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और ICAR जैसी National Institutes को वितरित; State Biodiversity Boards आगे local communities को वितरित करते हैं। कथन 1 (Nagoya Protocol → CBD supplement), 2 (BDA 2002 और NBA implement), 3 (PIC अनिवार्य) – सभी सही।

प्र.9. उत्तर: (c)

व्याख्या: Stratospheric ozone (15-35 km) = UV-B absorb = 'अच्छी'; Tropospheric ozone (0-12 km) ज़मीन पर = NO_x + VOC + sunlight से बनती है = lung irritant, crop damager = 'बुरी' – Option (c) यही सही कहता है। Option (a) assignment उल्टा करता है। Option (b) गलत – tropospheric ज़मीनी ओजोन harmful है। Option (d) chemistry उल्टा – NO_x + VOC + sunlight से tropospheric ozone बनती है; CFC breakdown stratospheric ozone destroy करता है।

प्र.10. उत्तर: (b)

व्याख्या: MSME विकास (संशोधन) विधेयक 2026: Micro = investment ≤ ₹5 करोड़ + turnover ≤ ₹25 करोड़। Option (a) = 2020 की परिभाषा (₹1 करोड़ + ₹5 करोड़) – पुरानी। Option (c) = 2026 में Small enterprise की परिभाषा – सही definition गलत category। Option (d) = 2006 की मूल परिभाषा – बहुत पुरानी। UPSC में हमेशा most recent definition quote करें।





WEEK 3 - AUGUST 2026



| Click to Connect Now.

भारतीय वायुसेना – पिच ब्लैक 2026 (ऑस्ट्रेलिया) + उदारा शक्ति 2026 (मलेशिया)

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / भारतीय वायुसेना

PIB तिथि: 22 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

एक ही सप्ताह में दो बड़े हवाई युद्धाभ्यास – यह भारतीय वायुसेना की बढ़ती ताकत और कूटनीतिक पहुँच का प्रमाण है। पिच ब्लैक ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा द्विवार्षिक हवाई युद्धाभ्यास है जो उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के Darwin और Tindal हवाई अड्डों पर होता है – 20 से अधिक देश, 140 से अधिक लड़ाकू विमान। भारतीय वायुसेना Su-30MKI विमान भेजती है। इसमें जटिल और खतरनाक आकाश में हवाई युद्ध की नकल होती है – इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, मिसाइल हमले, और मित्र देशों के साथ मिलकर हवाई अभियान। उदारा शक्ति भारत-मलेशिया का द्विपक्षीय हवाई युद्धाभ्यास है। उदारा का अर्थ है आकाश – मलय और संस्कृत दोनों में। मलेशिया Su-30MKM विमान उड़ाता है जो भारतीय Su-30MKI का ही एक रूप है – इसलिए दोनों देशों के बीच स्वाभाविक सैन्य समन्वय बनता है। एक ही सप्ताह में दोनों अभ्यास पूरे होना यह दिखाता है कि भारतीय वायुसेना एक साथ ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया दोनों में सक्रिय रह सकती है – यह हमारी क्षमता का स्पष्ट संदेश है।

मुख्य शब्द:



| Click to Connect Now.



शब्द / पद	परिभाषा
पिच ब्लैक अभ्यास	ऑस्ट्रेलिया का द्विवार्षिक हवाई युद्धाभ्यास; Darwin और Tindal में; 20 से अधिक देश, 140 से अधिक विमान; भारत Su-30MKI के साथ; 2018 से भागीदारी; ऑस्ट्रेलिया Quad का सदस्य
उदारा शक्ति अभ्यास	भारत-मलेशिया द्विपक्षीय हवाई अभ्यास; उदारा = आकाश (मलय + संस्कृत दोनों में); मलेशिया Su-30MKM उड़ाता है; Sukhoi परिवार की साझी विशेषताएं – गहरा सैन्य समन्वय
Su-30MKI	भारतीय वायुसेना का प्रमुख बहु-भूमिका लड़ाकू विमान; HAL ने रूसी लाइसेंस से बनाया; 260 से अधिक सेवा में; ब्रह्मोस मिसाइल ले जाने में सक्षम
हवाई शक्ति कूटनीति	सैन्य विमानन अभ्यासों से साझेदारी बनाना और क्षमता दिखाना; भारत का नेटवर्क: पिच ब्लैक (ऑस्ट्रेलिया), Cope India (अमेरिका), Garuda (फ्रांस), उदारा शक्ति (मलेशिया)
Act East Policy का सैन्य आयाम	Act East Policy अक्सर व्यापार-बुनियादी ढाँचे में चर्चित; इसका सैन्य आयाम = उदारा शक्ति (मलेशिया), Simbex (सिंगापुर), Shakti (फ्रांस); ये अभ्यास नीति की सुरक्षा सक्रियता हैं
RAAF Darwin	ऑस्ट्रेलिया का सबसे उत्तरी हवाई अड्डा; दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे करीब; Indo-Pacific में रणनीतिक महत्व
एक साथ दोनों का संदेश	एक ही सप्ताह में दोनों अभ्यास = भारतीय वायुसेना एक साथ ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया में सक्रिय; Quad + ASEAN संबंध दोनों एक साथ गहरे होते हैं

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- पिच ब्लैक और Quad: ऑस्ट्रेलिया Quad का सदस्य है; भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (2020) में रक्षा शामिल; पिच ब्लैक में भारत-ऑस्ट्रेलिया हवाई समन्वय बनता है – भविष्य के Quad सैन्य सहयोग की नींव





- मलेशिया रक्षा संबंध: मलेशिया ASEAN में भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा साझेदार (सिंगापुर के बाद); भारत-मलेशिया रक्षा समझौता (2019); Sukhoi की साझी विशेषताएं उदारा शक्ति को वास्तविक सैन्य सहयोग बनाती हैं
- एक साथ का संदेश: दोनों अभ्यास एक ही सप्ताह में = भारतीय वायुसेना एक साथ ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया में – और भारत में भी तैनाती जारी; क्षेत्र को क्षमता का स्पष्ट संकेत

INS मेंगोल – कोच्चि के CSL द्वारा निर्मित तीसरी पनडुब्बी-रोधी उथले जल की नौका

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / भारतीय नौसेना

PIB तिथि: 22 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

पनडुब्बी-रोधी युद्ध नौसैनिक लड़ाई का सबसे कठिन काम है। समुद्र में छिपी पनडुब्बी न रडार पर दिखती है, न आवाज़ करती है – और वह गहराई से बड़े युद्धपोतों को भारी नुकसान पहुँचा सकती है। इनसे लड़ने के लिए विशेष जहाज चाहिए। पनडुब्बी-रोधी उथले जल नौका (ASW SWC) भारत का स्वदेशी जहाज है जो खासतौर पर तटीय पानी में पनडुब्बी खोजने के लिए बना है – जहाँ बड़े युद्धपोत कम कारगर होते हैं। ये छोटे लेकिन शक्तिशाली जहाज (लगभग 750 टन, 77 मीटर लंबे) कोच्चि के Cochin Shipyard Limited (CSL) में बन रहे हैं। INS मेंगोल इस श्रृंखला का तीसरा जहाज है – पहला INS माहे, दूसरा INS मुल्की, अब तीसरा INS मेंगोल। इन पर लगे हैं: पतवार में जड़ा ध्वनि-संवेदक (sonar), खिंचाव-तार ध्वनि-संवेदक, टारपीडो प्रक्षेपक और गहराई-चार्ज रॉकेट। पाकिस्तानी नौसेना अरब सागर के उथले पानी में काम करती है; चीन की पनडुब्बियाँ हिंद महासागर में बढ़ रही हैं – INS मेंगोल जैसे जहाज इसी खतरे का जवाब हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
ASW SWC	पनडुब्बी-रोधी उथले जल नौका; ~750 टन, 77 मीटर; पतवार-जड़ित + खिंचाव-तार ध्वनि-संवेदक; टारपीडो प्रक्षेपक; CSL कोच्चि; 8-जहाज श्रृंखला; INS माहे (पहला), मुल्की (दूसरा), मेंगोल (तीसरा)





CSL – Cochin Shipyard Limited	कोच्चि, केरल; भारत का सबसे बड़ा शिपयार्ड; सार्वजनिक क्षेत्र; INS विक्रान्त (विमानवाहक पोत) बनाया; पनडुब्बी-रोधी नौका, तेज़ गश्ती जहाज, LPD भी बनाता है
पतवार-जड़ित ध्वनि-संवेदक	जहाज के पतवार पर लगा sonar; सक्रिय (ध्वनि तरंग भेजना, प्रतिध्वनि सुनना) और निष्क्रिय (केवल सुनना); कम-मध्यम दूरी तक; उथले पानी की खोज का प्राथमिक उपकरण
खिंचाव-तार ध्वनि-संवेदक	जहाज के पीछे लंबी केबल पर संवेदकों की श्रृंखला; पतवार-जड़ित से अधिक दूरी तक खोज; गहरे पानी में भी कारगर; ASW SWC में यह = उथले और गहरे दोनों का कवरेज
पाकिस्तान + चीन पनडुब्बी खतरा	पाकिस्तान: 5 Agosta-90B + 8 Hangor श्रेणी (चीन निर्मित Type 039B) आदेश पर; अरब सागर में सक्रिय; चीन: 70 से अधिक पनडुब्बियाँ, हिंद महासागर में उपस्थिति बढ़ रही
8-जहाज श्रृंखला	CSL भारतीय नौसेना के लिए कुल 8 ऐसी नौकाएं बना रहा है; प्रत्येक डिलीवरी = अधिक तटीय पनडुब्बी-रोधी कवरेज; 8 नौकाएं = पूरे पश्चिमी और पूर्वी तट एक साथ
भारत का स्तरीय पनडुब्बी-रोधी ढाँचा	P-8I विमान (लंबी दूरी, हवाई); MH-60R हेलीकॉप्टर (जहाज से); विध्वंसक और युद्धपोत (समुद्री सतह); ASW SWC (तटीय) – यही भारत की समुद्री सुरक्षा का आधार है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- CSL का पोर्टफोलियो: CSL ने INS विक्रान्त (भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत, 2022) बनाया + अब ASW SWC, सर्वेक्षण जहाज, तटरक्षक जहाज – CSL सबसे बड़े और सबसे विशेष दोनों नौसैनिक जहाज बना सकता है
- उथले पानी की चुनौती: परंपरागत बड़े युद्धपोत उथले पानी में कम कारगर होते हैं क्योंकि समुद्र तल से प्रतिध्वनि आती है और तापीय परतें ध्वनि-संवेदन बाधित करती हैं; इसीलिए विशेष ASW SWC जरूरी है



- पाकिस्तान की Type 039B नौकाएं: चीन पाकिस्तान के लिए 8 पनडुब्बियाँ बना रहा है; ये वायु-स्वतंत्र प्रणोदन (AIP) से चलती हैं यानी अधिक समय पानी के नीचे रह सकती हैं; पाकिस्तान का पानी के नीचे का खतरा बड़े पैमाने पर बढ़ेगा – भारत का ASW SWC कार्यक्रम सीधा जवाब
- इस सप्ताह तीन नौसैनिक जहाज: INS मेंगोल (22 अगस्त) + INS निपुण (25 अगस्त) + INS समर्थक (27 अगस्त) – एक सप्ताह में तीन अलग-अलग प्रकार के विशेष नौसैनिक जहाज; शांतिकाल में यह अभूतपूर्व है

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण – बागवानी आनुवंशिक संसाधनों से ₹2.82 करोड़ वितरित

मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

PIB तिथि: 22 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

लगातार तीसरे सप्ताह पहुँच और लाभ-साझाकरण का भुगतान – पिछले सप्ताह सरसों के लिए ₹15.52 करोड़ और अब बागवानी आनुवंशिक संसाधनों के लिए ₹2.82 करोड़। यह क्रम बताता है कि भारत का जैविक विविधता अधिनियम 2002 और नागोया प्रोटोकॉल का लाभ-साझाकरण तंत्र अब एक नियमित और परिपक्व व्यवस्था बन चुका है। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIHR) बेंगलुरु में स्थित देश का प्रमुख बागवानी अनुसंधान केंद्र है। इसके पास आम (भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक है), केला, खट्टे फल, सपोटा, पपीता, अमरूद जैसे फलों की आनुवंशिक सामग्री का विशाल संग्रह है। जब कोई व्यावसायिक कंपनी इन आनुवंशिक संसाधनों का उपयोग करके उत्पाद बनाती है, तो राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA) उससे लाभ-साझाकरण शुल्क लेता है और उसे वितरित करता है। यह ₹2.82 करोड़ 27 राज्य जैव विविधता बोर्डों, 3 केंद्र शासित प्रदेश परिषदों और ICAR-IIHR को मिला।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
ICAR-IIHR	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान; बेंगलुरु, कर्नाटक; आम, केला, खट्टे फल का आनुवंशिक संग्रह; ABS राजस्व का सीधा प्राप्तकर्ता
ABS – लगातार तीसरा सप्ताह	₹15.52 करोड़ (सरसों, सप्ताह 12) + ₹3.79 करोड़ (सामान्य, सप्ताह 12) + ₹2.82 करोड़ (बागवानी, सप्ताह 13) = तंत्र नियमित राजस्व दे रहा है



बागवानी आनुवंशिक सामग्री	आम, केला, खट्टे फल, सपोटा, पपीता, अमरूद; भारत कई उष्णकटिबंधीय फलों का मूल विविधता केंद्र; विदेशी कंपनियाँ इनसे नई किस्में बनाती हैं; NBA लाभ-साझाकरण शुल्क लेता है
27 राज्य जैव विविधता बोर्ड	ABS आय अपने क्षेत्र के संसाधन योगदान के अनुपात में वितरित; SBB → जैव विविधता प्रबंधन समिति → स्थानीय समुदायों तक वितरण श्रृंखला
भारत का आम और विविधता	भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक (2.4 करोड़ टन/वर्ष); 1,000 से अधिक किस्में; अलफांसो, लंगड़ा, दशहरी, केसर – प्रत्येक के अनूठे आनुवंशिक गुण
नियमित ABS राजस्व	तीन सप्ताह में तीन भुगतान = व्यवस्था परिपक्व; UPSC के लिए: नागोया प्रोटोकॉल → जैव विविधता अधिनियम 2002 → NBA → SBB → जैव विविधता प्रबंधन समिति की श्रृंखला जानें
जैव-चोरी की रोकथाम	हल्दी पेटेंट (अमेरिका, 1995), नीम पेटेंट (यूरोप), बासमती (RiceTec) – प्रसिद्ध मामले; ABS तंत्र व्यावसायिक उपयोग से पहले लाभ-साझाकरण सुनिश्चित करता है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- नागोया प्रोटोकॉल की परिपक्वता: भारत ने 2012 में अनुसमर्थन किया; जैविक विविधता अधिनियम 2002 पहले से था; शुरुआती भुगतान धीमे थे; 2026 में लगातार तीन सप्ताह = व्यवस्था वास्तव में काम कर रही है
- जैव विविधता प्रबंधन समिति: ग्राम स्तरीय संस्थाएं जैव विविधता अधिनियम 2002 के तहत; लोगों का जैव विविधता रजिस्टर बनाती हैं; ABS आय SBB → जैव विविधता प्रबंधन समिति → समुदायों तक पहुँचती है; यह श्रृंखला UPSC में पूछी जाती है
- NBPGR बनाम IIHR: राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (NBPGR, नई दिल्ली) = सभी फसलों का राष्ट्रीय जीन बैंक; IIHR = बागवानी अनुसंधान संस्थान; दोनों ABS राजस्व पाते हैं – अंतर जानें





FDC प्रतिबंध – चार वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए Chlorpheniramine + Phenylephrine

मंत्रालय: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

PIB तिथि: 22 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

निश्चित खुराक संयोजन (FDC) यानी एक ही गोली या सिरप में दो या अधिक दवाएं। यह सुविधाजनक लगता है लेकिन समस्या तब होती है जब यह संयोजन चिकित्सकीय रूप से जरूरी न हो, या एक दवा किसी खास आयु के लिए नुकसानदायक हो। भारत में हजारों FDC ब्रांड हैं – कई राज्य सरकारों ने बिना केंद्रीय जाँच के मंजूरी दी। सरकार D.Y. Patil समिति (2012) और Kokate समिति (2016) के बाद से धीरे-धीरे तर्कहीन FDC पर रोक लगा रही है। इस सप्ताह: Chlorpheniramine Maleate (खाँसी-जुकाम में इस्तेमाल होने वाली एंटीहिस्टामिन दवा) और Phenylephrine Hydrochloride (नाक बंद खोलने वाली दवा) – इन दोनों के संयोजन वाली दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए पूर्ण रोक। कारण: इस आयु में Phenylephrine के हृदय संबंधी दुष्प्रभाव (रक्तचाप और हृदय गति का बढ़ना) और Chlorpheniramine की नींद लाने की प्रवृत्ति खतरनाक हो सकती है – जोखिम लाभ से कहीं अधिक है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
FDC – निश्चित खुराक संयोजन	एक उत्पाद में दो या अधिक सक्रिय तत्व; सुविधा के लिए लोकप्रिय; समस्या जब संयोजन तर्कहीन हो, घटकों की अलग खुराक जरूरी हो, या एक घटक हानिकारक हो
Chlorpheniramine Maleate	एंटीहिस्टामिन; खाँसी-जुकाम-एलर्जी में प्रयोग; मस्तिष्क में प्रवेश करके नींद लाता है; चार वर्ष से कम में नींद का खतरा अधिक, सर्दी में लाभ अस्पष्ट
Phenylephrine Hydrochloride	नाक बंद खोलने वाली दवा; रक्तवाहिकाओं को संकुचित करती है; रक्तचाप और हृदय गति बढ़ाती है; चार वर्ष से कम में हृदय संबंधी जोखिम लाभ से अधिक





CDSCO	केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन; स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत; नई दवाएं मंजूर करना, निर्माण नियंत्रण, तर्कहीन FDC पर रोक
D.Y. Patil और Kokate समितियाँ	D.Y. Patil (2012): राज्य-मंजूर FDC की जाँच; Kokate (2014): 2016 में देशव्यापी FDC प्रतिबंध; इस सप्ताह का प्रतिबंध लक्षित है – बढ़ती नियामक सख्ती
Phenylephrine विवाद	अमेरिकी FDA (2023) ने घोषित किया कि मुँह से ली जाने वाली Phenylephrine नाक बंद खोलने में अप्रभावी है; भारत का प्रतिबंध हृदय सुरक्षा और प्रभावशीलता दोनों को ध्यान में रखता है
बाल चिकित्सा दवा नियमन	बच्चे छोटे वयस्क नहीं; दवा चयापचय और अंग विकास अलग; WHO की बाल दवाओं की आवश्यक सूची; भारत के 2019 नए दवा नियमों में बाल चिकित्सा अध्ययन की आवश्यकता

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- FDC प्रतिबंध का इतिहास: 1988 (पहला प्रयास), 2007 (344 FDC प्रतिबंधित), 2016 (Kokate समिति के बाद 344 FDC पर रोक, सर्वोच्च न्यायालय ने बहाल किया), 2023 (और प्रतिबंध); इस सप्ताह का प्रतिबंध लक्षित – बढ़ती नियामक सख्ती का एक और कदम
- स्व-दवा का खतरा: खाँसी-जुकाम की FDC दवाएं भारत की सबसे अधिक बिकने वाली OTC दवाओं में हैं; माता-पिता बच्चों को खुद दवा देते हैं; केवल नियामक रोक काफी नहीं – जागरूकता अभियान भी जरूरी

भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक वार्ता – दूसरा संस्करण, वेलिंगटन

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय

PIB तिथि: 25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

न्यूजीलैंड एक छोटा लेकिन बेहद सक्षम देश है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वह Five Eyes खुफिया-साझाकरण गठबंधन (अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड) का सदस्य है। AUKUS परमाणु पनडुब्बी समझौते से वह बाहर है लेकिन उन तीनों देशों का घनिष्ठ मित्र है। भारत के साथ उसके रक्षा संबंध तेजी से गहरे हो रहे हैं। वेलिंगटन में भारत-



| Click to Connect Now.

न्यूज़ीलैंड रक्षा रणनीतिक वार्ता का दूसरा संस्करण हुआ। एजेंडे में था: समुद्री सुरक्षा (न्यूज़ीलैंड का अनन्य आर्थिक क्षेत्र दुनिया में चौथा सबसे बड़ा है – 4.3 मिलियन वर्ग किलोमीटर प्रशांत महासागर); खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान की व्यवस्था; रक्षा उद्योग सहयोग; और आपदा राहत सहयोग। भारत का SAGAR सिद्धांत और न्यूज़ीलैंड की Pacific Reset नीति एक ही भूगोल की सेवा करते हैं। न्यूज़ीलैंड के सशस्त्र बल छोटे (15,000 कर्मी) लेकिन Five Eyes के साथ अत्यधिक समन्वित हैं – भारत के लिए न्यूज़ीलैंड Five Eyes नेटवर्क का एक सेतु है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
भारत-न्यूज़ीलैंड रक्षा रणनीतिक वार्ता	दूसरा संस्करण, वेलिंगटन; समुद्री सुरक्षा, खुफिया साझाकरण, आपदा राहत; भारत-न्यूज़ीलैंड रक्षा सहयोग आशय पत्र (2019); न्यूज़ीलैंड = Five Eyes सदस्य
Five Eyes	खुफिया-साझाकरण गठबंधन: अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड; संकेत खुफिया, छवि खुफिया, मानव खुफिया साझा; भारत सदस्य नहीं लेकिन हर सदस्य के साथ द्विपक्षीय व्यवस्था
न्यूज़ीलैंड का अनन्य आर्थिक क्षेत्र	4.3 मिलियन वर्ग किमी – दुनिया में चौथा सबसे बड़ा; प्रशांत महासागर; मत्स्य पालन, समुद्री खनिज, समुद्री मार्ग
Pacific Reset – न्यूज़ीलैंड	न्यूज़ीलैंड की प्रशांत द्वीप राष्ट्रों को पुनः जोड़ने की नीति; जलवायु परिवर्तन, विकास, सुरक्षा; भारत के SAGAR से संरेखित; प्रशांत-हिंद महासागर में आपदा राहत सहयोग
AUKUS और भारत	ऑस्ट्रेलिया-ब्रिटेन-अमेरिका परमाणु पनडुब्बी सौदा; न्यूज़ीलैंड बाहर; भारत आमंत्रित नहीं; भारत ने हर सदस्य के साथ द्विपक्षीय व्यवस्था गहरी की
P-8 मंच की साझी विशेषता	न्यूज़ीलैंड P-8A Poseidon ले रहा है – वही मंच जो भारत का P-8I है; साझा मंच = संयुक्त पनडुब्बी-रोधी अभ्यास संभव; खुफिया साझाकरण सरल
SAGAR सिद्धांत	Security and Growth for All in the Region; हिंद महासागर में सहयोग, आपदा राहत, समुद्री सुरक्षा; न्यूज़ीलैंड के Pacific Reset के साथ अभिसरण

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Five Eyes की निकटता: भारत Five Eyes में नहीं लेकिन अमेरिका (GSOMIA), ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय खुफिया व्यवस्था है; न्यूज़ीलैंड वार्ता एक और नोड जोड़ती है
- न्यूज़ीलैंड-P-8 समानता: न्यूज़ीलैंड P-8A Poseidon ले रहा है; भारत P-8I संचालित करता है; एक ही बोइंग मंच = संयुक्त पनडुब्बी-रोधी अभ्यास संभव; खुफिया साझाकरण सरल
- प्रशांत द्वीप राष्ट्र: भारत का SAGAR + न्यूज़ीलैंड का Pacific Reset = दोनों प्रशांत द्वीप राष्ट्रों में निवेश; समन्वय = दोहराव रोकना

INS निपुण – दूसरा स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / भारतीय नौसेना

PIB तिथि: 25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

गोताखोरी सहायता पोत साधारण नहीं लेकिन नौसेना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनके काम: यदि कोई पनडुब्बी समुद्र तल पर फँस जाए तो बचाव; डूबे जहाजों को निकालना; पानी के नीचे बुनियादी ढाँचे की मरम्मत; खदान निकासी; और विशेष अभियानों में सहायता। भारत का पहला स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत INS निस्तार L&T के Kattupalli शिपयार्ड ने 2023 में दिया था। INS निपुण दूसरा है और इसी सप्ताह कमीशन होने वाला है। इसकी मुख्य क्षमता है संतृप्त गोताखोरी प्रणाली – गोताखोर जहाज पर दबाव वाले आवास में रहते हैं, हीलियम-ऑक्सीजन की साँस लेते हैं, और 300 मीटर से अधिक गहराई पर हफ्तों काम करते हैं बिना रोज़ दबाव कम किए। यह गहरी पनडुब्बी बचाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षमता है। भारतीय नौसेना के पास 16 से अधिक पनडुब्बियाँ हैं, लक्ष्य 24 का है – इसके लिए समर्पित गोताखोरी सहायता पोत आवश्यक हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
गोताखोरी सहायता पोत (DSV)	पनडुब्बी बचाव, तलाशी, पानी के नीचे बुनियादी ढाँचा, खदान निकासी; INS निस्तार (पहला, L&T Kattupalli, 2023) + INS निपुण (दूसरा, इस सप्ताह); निजी क्षेत्र जहाज निर्माण



| Click to Connect Now.



संतृप्त गोताखोरी	गोताखोर दबाव वाले आवास में रहते हैं; हीलियम-ऑक्सीजन श्वास; 300 मीटर से अधिक पर हफ्तों काम; दैनिक दबाव-मुक्ति नहीं; गहरी पनडुब्बी बचाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षमता
पनडुब्बी बचाव वाहन (DSRV)	विकलांग पनडुब्बी के निकास जहाज से जुड़ता है; दल को दबाव वाले कक्ष में सतह पर लाता है; भारत अमेरिकी-आपूर्ति DSRV संचालित करता है; गोताखोरी सहायता पोत = DSRV का मातृ जहाज
INS निस्तार	भारत का पहला स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत; L&T Kattupalli; 2023; जटिल विशेष जहाजों के लिए निजी क्षेत्र की क्षमता प्रमाणित; INS निपुण = उसी श्रेणी का दूसरा
दूर-संचालित वाहन (ROV)	मानवरहित पानी के नीचे का वाहन; कैमरे, यांत्रिक भुजाएं; निरीक्षण और हल्का काम; गोताखोरी सहायता पोत तैनात ROV पानी के नीचे सर्वेक्षण करते हैं
भारत का पनडुब्बी बेड़ा	16 से अधिक पनडुब्बियाँ: अरिहंत (परमाणु SSBN), अरिघाट (SSBN), चक्र-III (परमाणु, रूस से पट्टे पर), 14 पारंपरिक (6 Scorpène, 4 Sindhughosh, 4 Shishumar); 24 का लक्ष्य
दो गोताखोरी सहायता पोत क्यों	एक रखरखाव में हो तो दूसरा उपलब्ध; 24-पनडुब्बी बेड़े के लिए न्यूनतम कवरेज; जीवन बचाने की क्षमता के लिए अनावश्यकता महत्वपूर्ण

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- निजी क्षेत्र जहाज निर्माण: INS निस्तार (L&T Kattupalli) और INS निपुण (निजी क्षेत्र) = भारत के रक्षा जहाज निर्माण में निजी कंपनियाँ जटिल विशेष नौसैनिक जहाज बना रही हैं; रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 इसे सक्षम बना रही है
- इस सप्ताह तीन नौसैनिक जहाज: INS मैनगोल (22 अगस्त) + INS निपुण (25 अगस्त) + INS समर्थक (27 अगस्त) – एक सप्ताह में तीन अलग-अलग प्रकार के विशेष नौसैनिक जहाज; शांतिकाल में यह अभूतपूर्व है

DRDO मिसाइल प्रणालियों का भारतीय उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण



| Click to Connect Now.

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / DRDO

PIB तिथि: 25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

DRDO द्वारा विकसित मिसाइल प्रणालियों का भारतीय निजी रक्षा कंपनियों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण – यह एक ऐतिहासिक नीतिगत बदलाव है। DRDO अस्त्र (हवा-से-हवा मिसाइल), आकाश (जमीन-से-हवा मिसाइल), पृथ्वी (प्रक्षेपास्त्र), पिनाका (बहु-बैरल रॉकेट प्रणाली), नाग (टैंक-रोधी मिसाइल) जैसी प्रणालियाँ विकसित करता है। परंपरागत रूप से उत्पादन केवल भारत डायनामिक्स लिमिटेड (BDL) जैसी सरकारी कंपनियों को दिया जाता था। निजी कंपनियाँ – टाटा, L&T, भारत फोर्ज – प्रौद्योगिकी हस्तांतरण चाहती थीं ताकि मिसाइलें बनाकर निर्यात कर सकें। रक्षा मंत्री की इस सप्ताह की मंजूरी एक संरचनात्मक बदलाव है: DRDO अब केवल विकासकर्ता नहीं, लाइसेंसदाता भी बनेगा। इससे निजी विनिर्माण, प्रतिस्पर्धा से लागत कम, निर्यात क्षमता और BDL से परे मिसाइल औद्योगिक आधार का विस्तार संभव होगा।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (ToT)	DRDO निजी कंपनी को तकनीकी दस्तावेज़, विनिर्माण जानकारी और उत्पादन अधिकार देता है; कंपनी रॉयल्टी देती है; स्वतंत्र सुधार या निर्यात बिना अनुमति नहीं
DRDO की मिसाइल सूची	अस्त्र (हवा-से-हवा BVR), आकाश (SAM), पृथ्वी (प्रक्षेपास्त्र), पिनाका (MBRL), नाग (टैंक-रोधी), स्मार्ट (पनडुब्बी-रोधी), MRSAM/बराक-8 (इज़राइल के साथ); उत्पादन पहले मुख्यतः BDL को
BDL – भारत डायनामिक्स लिमिटेड	हैदराबाद; सरकारी कंपनी; भारत का प्राथमिक मिसाइल निर्माता; आकाश, अस्त्र, MRSAM बनाता है; प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से प्रतिस्पर्धा आएगी – दक्षता सुधारनी होगी
निजी रक्षा कंपनियाँ	टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, L&T रक्षा, भारत फोर्ज, Data Patterns – सब प्रौद्योगिकी हस्तांतरण चाहते हैं; कुछ पहले से घटक आपूर्ति में; पूर्ण हस्तांतरण = पूर्ण मिसाइल उत्पादन क्षमता



रक्षा निर्यात का लक्ष्य	\$5 अरब का लक्ष्य; मिसाइलें उच्च-मूल्य निर्यात; फिलीपींस ने ब्रह्मोस खरीदी; आकाश SAM में कई देशों की रुचि; निजी क्षेत्र हस्तांतरण = आक्रामक निर्यात संभव
DRDO का संस्थागत विरोध	DRDO की धनराशि और प्रतिष्ठा तकनीकी प्राधिकरण पर निर्भर; हस्तांतरण = तकनीकी नियंत्रण खोने का डर; इस सप्ताह रक्षा मंत्रालय ने उद्योग विस्तार के पक्ष में DRDO के विरोध को override किया
DPP 2020 – IDDM	स्वदेशी रूप से डिज़ाइन, विकसित और निर्मित (IDDM) को प्राथमिकता; निजी कंपनियाँ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से मिसाइल प्रणालियों में IDDM दर्जा पा सकती हैं = प्राथमिकता खरीद

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- अस्त्र मिसाइल निर्यात: अस्त्र Mk-1 (100 किमी) और Mk-2 (160 किमी); वियतनाम, इंडोनेशिया, मिस्र ने रुचि दिखाई; निजी क्षेत्र हस्तांतरण = प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बड़े पैमाने पर निर्माण
- BDL पर असर: BDL का शेयर हस्तांतरण घोषणा के बाद गिरा – बाजार ने सही पढ़ा कि BDL का एकाधिकार समाप्त हो रहा है; BDL को लागत, गुणवत्ता और समय पर प्रतिस्पर्धा करनी होगी

INS समर्थक – भारतीय नौसेना का पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत सुपुर्द

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय / भारतीय नौसेना

PIB तिथि: 27 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

INS समर्थक की डिलीवरी इस सप्ताह की उपलब्धियों को पूरा करती है: INS मेंगोल (22 अगस्त), INS निपुण (25 अगस्त), और अब INS समर्थक (27 अगस्त) – एक ही सप्ताह में तीन अलग-अलग प्रकार के विशेष नौसैनिक जहाज। बहुउद्देशीय पोत नौसैनिक रसद के स्विस् आर्मी चाकू हैं। INS समर्थक के काम: बंदरगाह में बड़े जहाजों को उनकी अपनी शक्ति के बिना स्थानांतरित करना; समुद्र में विकलांग जहाजों को खींचना; जहाज की आग बुझाना (उच्च-क्षमता वाले पानी के मॉनिटर से); तेल रिसाव रोकना और निकालना; और समुद्र में आपातकालीन बचाव। पहले भारत इन कामों के लिए





व्यावसायिक टगबोट और विदेशी जहाजों पर निर्भर था। INS समर्थक गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) ने बनाया – यह भारत के नौसैनिक सहायक बेड़े के स्वदेशीकरण का एक और महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
बहुउद्देशीय पोत (MPV)	नौसैनिक सहायक; बंदरगाह में खींचना, समुद्री तलाशी, अग्निशमन, प्रदूषण नियंत्रण, आपातकालीन बचाव; INS समर्थक = भारत का पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत; गोवा शिपयार्ड लिमिटेड
गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL)	वास्को डा गामा, गोवा; सरकारी शिपयार्ड; OPV, तेज़ गश्ती जहाज, सर्वेक्षण जहाज, बहुउद्देशीय पोत; कोच्चि शिपयार्ड (CSL) और मुंबई शिपयार्ड (MDL) के साथ सरकारी जहाज निर्माण त्रिभुज
बंदरगाह में खींचने का काम	बड़े युद्धपोतों को सीमित बंदरगाह में स्थानांतरित करना; बिना इस क्षमता के जहाज बंदरगाह में सुरक्षित नहीं चल सकते; बहुउद्देशीय पोत = तैरती बंदरगाह व्यवस्था
समुद्री तलाशी	विकलांग जहाज को खुले समुद्र में खींचना; ₹2,000-10,000 करोड़ का युद्धपोत बचाना या खोना – बहुउद्देशीय पोत इसीलिए जरूरी
नौसैनिक अग्निशमन	जहाज की आग विनाशकारी; बहुउद्देशीय पोत उच्च-क्षमता वाले अग्नि मॉनिटर + संपीड़ित वायु झाग प्रणाली; अन्य जहाजों, बंदरगाह पर आग बुझाने में सक्षम
सहायक बेड़े का स्वदेशीकरण	लड़ाकू जहाज तेजी से स्वदेशी हो रहे हैं; अब सहायक जहाज भी (गोताखोरी सहायता पोत, बहुउद्देशीय पोत) स्वदेशी; पूरा नौसैनिक पारिस्थितिकी तंत्र भारतीय निर्माण का
GSL + CSL एक सप्ताह में	गोवा शिपयार्ड (समर्थक) + कोच्चि शिपयार्ड (मैंगोल) + INS निपुण – एक सप्ताह में भारत के कई शिपयार्ड एक साथ; अभूतपूर्व निर्माण गति

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



- भारत की नौसैनिक निर्माण गति: 46 युद्धपोत और पनडुब्बियाँ निर्माणाधीन; एक सप्ताह में तीन जहाज (मैंगोल + निपुण + समर्थक); शांतिकालीन भारतीय नौसैनिक इतिहास में अभूतपूर्व
- सहायक बेड़ा आवश्यक: सहायक जहाजों के बिना नौसेना = आपूर्ति ट्रकों के बिना सेना – लड़ाकू जहाज टिकाऊ रूप से काम नहीं कर सकते; भारत का स्वदेशी सहायक बेड़ा लड़ाकू बेड़े के साथ बढ़ रहा है

भारत-कुवैत संयुक्त रक्षा समिति – उद्घाटन बैठक

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत-कुवैत संयुक्त रक्षा समिति की पहली बैठक नई दिल्ली में हुई – भारत की खाड़ी रक्षा साझेदारियों का एक शांत लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विस्तार। भारत के पारंपरिक खाड़ी रक्षा संबंध UAE और ओमान के साथ रहे हैं। कुवैत अपेक्षाकृत कम ध्यान पाता था – बावजूद इसके कि 10 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी वहाँ हैं और भारत को लगभग ₹33,000 करोड़ प्रतिवर्ष प्रेषण मिलता है। कुवैत फारस की खाड़ी के उत्तरी छोर पर इराक और सऊदी अरब की सीमाओं पर है; वहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डे (Camp Arifjan) हैं; और \$5 अरब का रक्षा आधुनिकीकरण कार्यक्रम चल रहा है। भारत की रुचि: रक्षा निर्यात, समुद्री सुरक्षा, और बड़े भारतीय समुदाय के कारण मजबूत लोगों के बीच संबंध।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
भारत-कुवैत संयुक्त रक्षा समिति	उद्घाटन बैठक, नई दिल्ली; रक्षा निर्यात, समुद्री सुरक्षा, सैन्य प्रशिक्षण; कुवैत का \$5 अरब रक्षा आधुनिकीकरण = भारतीय अवसर
कुवैत की रणनीतिक स्थिति	फारस की खाड़ी का उत्तरी छोर; इराक और सऊदी अरब की सीमा; अमेरिकी सैन्य अड्डे (Camp Arifjan); 10 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी; लगभग \$4 अरब प्रेषण/वर्ष भारत को
भारत का खाड़ी रक्षा चाप	UAE (सबसे उन्नत), सऊदी अरब, ओमान (DOST अभ्यास, अड्डा पहुँच), कुवैत (संयुक्त रक्षा समिति उद्घाटन); भारत व्यवस्थित रूप से सभी खाड़ी सहयोग परिषद देशों के साथ संबंध बना रहा है



कुवैत रक्षा आधुनिकीकरण	\$5 अरब कार्यक्रम; भारत के लिए प्रतिस्पर्धी: तेज़ गश्ती नौकाएं, C4ISR प्रणाली, हल्की तोपें, प्रशिक्षण सेवाएं
भारत-कुवैत लोक संबंध	10 लाख से अधिक भारतीय (कुवैत की जनसंख्या का 25%); लगभग \$4 अरब प्रेषण; यह जन-जन का संबंध रक्षा संबंधों के लिए राजनीतिक समर्थन देता है
GCC रक्षा बाजार	सऊदी अरब, UAE, कुवैत, बहरीन, कतर, ओमान; संयुक्त रक्षा बजट \$90 अरब से अधिक; भारत का रक्षा निर्यात GCC को प्राथमिक बाजार मानता है
Camp Arifjan	कुवैत में अमेरिकी सैन्य अड्डा = कुवैत अमेरिकी सुरक्षा ढाँचे में गहराई से शामिल; खाड़ी देश अमेरिकी निर्भरता से परे विविधीकरण चाहते हैं – भारत के लिए अवसर

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- GCC रक्षा बाजार: GCC सामूहिक रूप से \$90 अरब से अधिक खर्च करता है; UAE + ओमान + सऊदी अरब + कुवैत = व्यवस्थित GCC प्रवेश; हर संयुक्त रक्षा समिति एक नया बाजार नोड
- भारत की रक्षा कूटनीति का विस्तार: दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, प्रशांत; संयुक्त रक्षा समिति = प्राथमिक द्विपक्षीय रक्षा तंत्र

रक्षा निर्यात SOP + Open General Export Licence – भारतीय उद्योग के लिए सरलीकृत

मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत के रक्षा निर्यात की मानक संचालन प्रक्रिया और Open General Export Licence (OGEL) ढाँचे का सरलीकरण एक महत्वपूर्ण सुधार है। पहले की समस्या: रक्षा मंत्रालय + विदेश मंत्रालय + विदेश व्यापार महानिदेशालय + गृह मंत्रालय = 4 मंजूरीयाँ, 3-6 महीने का इंतजार। विदेशी खरीदार इज़राइल (2-3 सप्ताह) या दक्षिण कोरिया (3-4 सप्ताह) को



| Click to Connect Now.



प्राथमिकता देते थे। सरलीकृत मानक संचालन प्रक्रिया में विश्वसनीय भागीदार देशों की पूर्व-अनुमोदित सूची के लिए एकल-खिड़की मंजूरी है; दोहराए जाने वाले निर्यात के लिए तेज़ समयसीमा है; और मानकीकृत कागजात हैं। OGEL का मतलब: किसी विशेष वस्तु को किसी विशेष देश में बार-बार निर्यात करने के लिए हर बार आवेदन नहीं करना पड़ेगा – एक बार OGEL मिली, फिर उस ढाँचे में कई निर्यात बिना ताज़ा मंजूरी के। ब्रिटेन के OGEL को मॉडल माना गया है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
रक्षा निर्यात मानक संचालन प्रक्रिया	सरलीकृत; विश्वसनीय भागीदार देशों के लिए एकल-खिड़की; दोहराए निर्यात के लिए तेज़; मानकीकृत कागजात; 3-6 महीने → कुछ सप्ताह
Open General Export Licence (OGEL)	निर्दिष्ट वस्तुओं को निर्दिष्ट देशों में कई बार निर्यात बिना व्यक्तिगत लाइसेंस; ब्रिटेन का मॉडल; एक बार OGEL = ढाँचे के भीतर भेजो; रक्षा MSME के लिए बड़ा बदलाव
विश्वसनीय भागीदार देश	पूर्व-अनुमोदित सूची; मानदंड: रणनीतिक संरक्षण, अंतिम-उपयोग आश्वासन, द्विपक्षीय रक्षा समझौते
पहले की समस्या	रक्षा मंत्रालय + विदेश मंत्रालय + विदेश व्यापार महानिदेशालय + गृह मंत्रालय = 4 मंजूरियाँ, 3-6 महीने; इज़राइल, दक्षिण कोरिया से खरीद लेते थे
DPEPP 2020 से संबंध	रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति 2020 ने \$5 अरब लक्ष्य तय किया; SOP + OGEL = DPEPP के निर्यात सुविधा अध्याय का परिचालन क्रियान्वयन
भारत का रक्षा निर्यात पोर्टफोलियो	तेज़ गश्ती नौकाएं (मॉरीशस, श्रीलंका, वियतनाम), ब्रह्मोस (फिलीपींस), आकाश SAM (आर्मेनिया), छोटे हथियार, गोला-बारूद; OGEL दोहराई वस्तुओं को सर्वाधिक लाभ
OGEL और MSME	छोटे रक्षा निर्माता प्रति-शिपमेंट लाइसेंस से सबसे अधिक बाधित थे; OGEL = रक्षा ग्राहकों के साथ व्यावसायिक ग्राहकों जैसा व्यवहार; भारत के रक्षा MSME को निर्यात सक्षम बनाता है



UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- निर्यात सुधार की जरूरत: भारत का रक्षा उत्पादन निर्यात-तैयार मात्रा तक पहुँच रहा है; पिनाका MBRL, आकाश SAM, अस्त्र BVR – सब निर्यात संभावना रखते हैं; सुव्यवस्थित मंजूरी के बिना इच्छुक खरीदार भी निराश होकर अन्यत्र जाते हैं
- अंतिम-उपयोग निगरानी जरूरी: सरलीकृत निर्यात = विचलन का जोखिम; भारत को प्रेषण-पश्चात सत्यापन क्षमता बनानी होगी; इज़राइल, अमेरिका मजबूत अंतिम-उपयोग निगरानी करते हैं

भारत-जापान: पीयूष गोयल की टोक्यो यात्रा – अर्धचालक, AI, निवेश

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 23-25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 200 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान गए। पहला परिणाम: टोक्यो में भारत-जापान अर्धचालक और AI उद्योग गोलमेज सम्मेलन – जापान की प्रमुख चिप कंपनियाँ (Renesas, Rohm, Toshiba, Sony Semiconductor) और भारत का अर्धचालक पारिस्थितिकी तंत्र एक साथ। सानंद, गुजरात में CG Power-Renesas ATMP संयंत्र के बाद जापानी कंपनियाँ भारत के चिप डिज़ाइन और पैकेजिंग में और निवेश पर विचार कर रही हैं। दूसरा: गोयल ने GPIF (Government Pension Investment Fund, दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन कोष, \$1.7 ट्रिलियन) को भारतीय बुनियादी ढाँचे में निवेश का आमंत्रण दिया। तीसरा: भारत-जापान स्टार्टअप गोलमेज। जापानी कंपनियाँ भारत को चीन+1 विकल्प के रूप में गंभीरता से देख रही हैं – और यह यात्रा उस रिश्ते को और गहरा करने का प्रयास था।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
भारत-जापान अर्धचालक + AI गोलमेज	टोक्यो; Renesas, Rohm, Toshiba, Sony Semiconductor + भारत अर्धचालक मिशन, टाटा, स्टार्टअप; CG Power-Renesas ATMP (सानंद) anchor



CG Power-Renesas ATMP	भारत अर्धचालक मिशन के तहत अनुमोदित; असेंबली, परीक्षण, अंकन, पैकेजिंग संयंत्र; सानंद, गुजरात; Renesas (जापानी) + CG Power (भारतीय) संयुक्त उद्यम
GPIF	Government Pension Investment Fund; दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन कोष (\$1.7 ट्रिलियन); 1% भारत आवंटन बढ़े = \$17 अरब भारतीय बाजारों में
भारत-जापान अर्धचालक पूरकता	जापान = परिपक्व चिप कंपनियाँ (Renesas = ऑटोमोटिव चिप में अग्रणी, Sony = इमेज सेंसर); भारत = डिज़ाइन प्रतिभा + बढ़ता ATMP + बड़ा बाजार; दोनों चीन+1 की तलाश में
200 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल	भारत के सबसे बड़े आउटबाउंड व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों में; क्षेत्र: अर्धचालक, AI, विनिर्माण, दवा, बुनियादी ढाँचा
SoftBank का संदर्भ	जापानी बहुराष्ट्रीय; भारत का सबसे बड़ा तकनीक निवेशक (\$10 अरब से अधिक: Ola, OYO, Paytm, Delhivery, Meesho); स्टार्टअप गोलमेज में यह संदर्भ महत्वपूर्ण
VIHAAN चिप + जापान गोलमेज	सप्ताह 12: VIHAAN चिप (RISC-V, IIT Madras); सप्ताह 13: टोक्यो गोलमेज; भारत की तीन-स्तरीय रणनीति – डिज़ाइन + विनिर्माण + अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- GPIF का महत्व: दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन कोष; 1% भारत आवंटन बढ़े = \$17 अरब भारतीय बाजारों में; गोयल का आमंत्रण = भारत की बुनियादी ढाँचा संपत्तियों में विश्वास का संदेश
- जापान-भारत अर्धचालक पूरकता: जापान = परिपक्व चिप कंपनियाँ + भारत = डिज़ाइन प्रतिभा, बढ़ता ATMP; CG Power-Renesas ATMP = टेम्पलेट; दोनों चीन+1 की तलाश में – स्वाभाविक पूरकता

भारत-कंबोडिया व्यापार एवं निवेश संयुक्त कार्य समूह – तीसरी बैठक, नोम पेन्ह

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय



| Click to Connect Now.

PIB तिथि: 23 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत-कंबोडिया व्यापार और निवेश संयुक्त कार्य समूह की तीसरी बैठक नोम पेन्ह में हुई। कंबोडिया ASEAN चर्चाओं में अक्सर नजरअंदाज होता है लेकिन यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है – मेकांग उप-क्षेत्र (लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम के साथ) का केंद्र, 6-7% वार्षिक आर्थिक वृद्धि, और दुनिया का 8वाँ सबसे बड़ा परिधान निर्यातक। भारत-कंबोडिया व्यापार लगभग \$700 मिलियन है – भारत दवाएं, कपास धागा, मशीनरी निर्यात करता है; कंबोडिया परिधान, रबर, प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात करता है। बैठक में गैर-शुल्क बाधाएं कम करना, मानकों की पारस्परिक मान्यता (खासकर दवाओं में), निवेश सुविधा, और सीधे माल परिवहन मार्गों का विकास चर्चा में था।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
भारत-कंबोडिया संयुक्त कार्य समूह	व्यापार और निवेश; तीसरी बैठक, नोम पेन्ह; गैर-शुल्क बाधाएं कम, मानक मान्यता, निवेश सुविधा, संपर्क; द्विपक्षीय व्यापार ~\$700 मिलियन
कंबोडिया की आर्थिक प्रोफाइल	दुनिया का 8वाँ सबसे बड़ा परिधान निर्यातक; चीन+1 विनिर्माण; 6-7% GDP वृद्धि; मेकांग उप-क्षेत्र का केंद्र
मेकांग उप-क्षेत्र	कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम; भारत की Act East Policy CLMV जुड़ाव से इस उप-क्षेत्र को लक्षित करती है
भारत-ASEAN FTA समीक्षा	FTA (2010) के बाद व्यापार घाटा \$7 अरब से \$45 अरब; द्विपक्षीय संयुक्त कार्य समूह = FTA ढाँचे के बाहर लक्षित जुड़ाव जहाँ भारत समान शर्तों पर बातचीत कर सकता है
भारत-कंबोडिया दवा	भारत कंबोडिया को जेनेरिक दवाएं निर्यात करता है; पारस्परिक मान्यता = परीक्षण दोहराव समाप्त = सुगम निर्यात
मेकांग-गंगा सहयोग	भारत + 5 मेकांग देश; पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा, परिवहन, व्यापार; 2000 में स्थापित; भारत का मेकांग उप-क्षेत्र जुड़ाव का बहुपक्षीय ढाँचा

कंबोडिया और चीन	कंबोडिया चीन का निकटतम ASEAN सहयोगी; भारत का संयुक्त कार्य समूह जुड़ाव = कंबोडिया को विविधीकृत आर्थिक साझेदारी – Act East Policy का रणनीतिक आयाम
-----------------	--

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- ASEAN FTA समीक्षा: FTA (2010) के बाद व्यापार घाटा \$7 अरब से \$45 अरब; द्विपक्षीय संयुक्त कार्य समूह = FTA बाधाओं के बिना लक्षित बाजार पहुँच
- परिधान आपूर्ति श्रृंखला अवसर: कंबोडिया के परिधान उद्योग को धागा, कपड़ा, रंग, मशीनरी चाहिए; भारत का वस्त्र क्षेत्र यही निर्यात करता है; संयुक्त कार्य समूह निवेश सुविधा = भारतीय वस्त्र कंपनियाँ कंबोडिया में स्थापित हों

भारत-मोरक्को 7वीं संयुक्त आयोग बैठक – जितिन प्रसाद ने रबात में सह-अध्यक्षता की

मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

PIB तिथि: 26 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

मोरक्को उत्तरी अफ्रीका और अटलांटिक तट का भारत का प्रवेश द्वार है। यह अफ्रीका के उत्तर-पश्चिम कोने पर है – अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर दोनों का सामना करता है, जिब्राल्टर जलडमरूमध्य के दक्षिणी प्रवेश को नियंत्रित करता है। अफ्रीका का सबसे तेजी से बढ़ता ऑटो विनिर्माण केंद्र (Renault, Stellantis, Peugeot के संयंत्र – 7 लाख से अधिक वाहन प्रतिवर्ष यूरोप को निर्यात) और एक महत्वाकांक्षी हरित हाइड्रोजन उत्पादक। भारत-मोरक्को व्यापार लगभग \$2-3 अरब है – भारत फॉस्फेट आयात करता है (मोरक्को के पास दुनिया का 70% से अधिक फॉस्फेट भंडार – भारत की उर्वरक आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण!) और दवाएं, मशीनरी, IT सेवाएं निर्यात करता है। MoS जितिन प्रसाद ने 7वीं संयुक्त आयोग की सह-अध्यक्षता की।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



भारत-मोरक्को संयुक्त आयोग	द्विपक्षीय उच्च-स्तरीय तंत्र; 7वीं बैठक; रबात; व्यापार, निवेश, कृषि, हरित हाइड्रोजन, दवा
मोरक्को का फॉस्फेट	दुनिया का 70% से अधिक फॉस्फेट भंडार; OCP समूह = दुनिया का सबसे बड़ा फॉस्फेट निर्यातक; भारत DAP उर्वरक के लिए फॉस्फेट आयात करता है; भारत की उर्वरक सुरक्षा का आधार
जिब्राल्टर जलडमरूमध्य	मोरक्को स्पेन के साथ दक्षिणी प्रवेश नियंत्रित करता है; अटलांटिक-भूमध्यसागरीय द्वार; समुद्री चोक बिंदु
मोरक्को हरित हाइड्रोजन	अटलांटिक तट + सहारा सौर = असाधारण नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता; मोरक्को यूरोप को हरित हाइड्रोजन निर्यात का लक्ष्य; भारत-मोरक्को सहयोग संभव
मोरक्को-AfCFTA	2017 में अफ्रीकी संघ में पुनः शामिल; अब AfCFTA सदस्य; EU, अमेरिका, अरब लीग के साथ FTA; भारत-मोरक्को साझेदारी = AfCFTA के 54-देश बाजार का प्रवेश द्वार
OCP समूह	Office Chérifien des Phosphates; मोरक्को की राज्य कंपनी; दुनिया की सबसे बड़ी फॉस्फेट कंपनी; भारत का Coromandel, GSFC, IFFCO OCP से खरीदते हैं
मोरक्को ऑटो विनिर्माण	Renault, Stellantis, Peugeot संयंत्र; 7 लाख से अधिक वाहन/वर्ष; यूरोप को निर्यात; भारतीय ऑटो घटक निर्माता मोरक्को संयंत्रों को आपूर्ति कर सकते हैं

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- फॉस्फेट = भारत की कृषि सुरक्षा: भारत लगभग 80 लाख टन फॉस्फेट/वर्ष आयात करता है; मोरक्को 30-40% आपूर्ति करता है; DAP उर्वरक फॉस्फेट पर निर्भर; मोरक्को आपूर्ति बाधित = भारत की रबी फसल प्रभावित
- मोरक्को-अफ्रीका प्रवेश द्वार: 2017 में अफ्रीकी संघ में पुनः शामिल; EU, अमेरिका के साथ FTA = भारत मोरक्को के माध्यम से EU बाजारों तक + अफ्रीका; भारत-मोरक्को = अफ्रीका रणनीति



CSIR-NAL ने मानवरहित प्रणालियों के लिए स्वदेशी माइक्रो और लघु गैस टर्बाइन इंजन अनावरण किए

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय / CSIR-NAL

PIB तिथि: 25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

गैस टर्बाइन इंजन जेट प्रणोदन का दिल है। बोइंग 787 में Rolls-Royce Trent (74,000 पाउंड बल) से लेकर क्रूज़ मिसाइल में Williams F107 (600 पाउंड बल) तक – हर जेट-संचालित यान को यह चाहिए। भारत में वायु इंजन प्रौद्योगिकी लंबे समय से कमजोरी रही है – कावेरी इंजन (Tejas LCA के लिए, 30 साल, ₹2,500 करोड़, अंततः असफल) इसी कमजोरी की कहानी है। CSIR की राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला (NAL), बेंगलुरु ने इस सप्ताह मानवरहित प्रणालियों के लिए स्वदेशी माइक्रो और लघु गैस टर्बाइन इंजन का अनावरण किया। ये 100 से 500 न्यूटन बल वाले टर्बाइन हैं – मानव-चालित विमानों के लिए नहीं, बल्कि निर्भय क्रूज़ मिसाइल (जो अभी अमेरिकी Williams F107 इंजन उपयोग करती है), लंबी दूरी के मानवरहित हवाई वाहन, और loitering munitions के लिए। यह दो कारणों से महत्वपूर्ण है: क्रूज़ मिसाइल आपूर्ति श्रृंखला की स्वतंत्रता और मानवरहित वाहन प्रणोदन में स्वदेशीकरण।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
CSIR-NAL	राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला; बेंगलुरु; CSIR संस्थान; सरस विमान, HANSA प्रशिक्षक, Tejas संरचना परीक्षण; अब माइक्रो गैस टर्बाइन
माइक्रो गैस टर्बाइन	100-500 न्यूटन बल; जेट ईंधन; उच्च शक्ति-से-वज़न अनुपात; क्रूज़ मिसाइल, मानवरहित वाहन, लक्ष्य ड्रोन, loitering munitions में; मध्यम-सहनशक्ति मिशन के लिए
निर्भय क्रूज़ मिसाइल	भारत की स्वदेशी सबसोनिक क्रूज़ मिसाइल; 1,000 किमी दूरी; DRDO; अभी Williams F107 (अमेरिकी) टर्बोफैन; CSIR-NAL का इंजन बदले = पूरी तरह स्वदेशी निर्भय



कावेरी इंजन की विफलता	Tejas LCA के लिए भारत का अपना जेट इंजन प्रयास; GTRE बेंगलुरु; 30 साल, ₹2,500 करोड़; बल और वजन लक्ष्य पूरे नहीं; Tejas अब GE F404 (अमेरिकी) उपयोग करता है
मानवरहित वाहन प्रणोदन	भारत का ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से बढ़ रहा है; विद्युत मोटर छोटे ड्रोन के लिए, गैस टर्बाइन मध्यम-दीर्घ सहनशक्ति के लिए; CSIR-NAL टर्बाइन इस खाई को भरते हैं
Loitering Munitions	'कामिकेज़ ड्रोन' – मंडराना, प्रतीक्षा, हमला; इज़राइल का Harop (भारत उपयोग करता है), अमेरिकी Switchblade; लघु गैस टर्बाइन = 1-4 घंटे मंडराहट मिशनों में विद्युत से अधिक ऊर्जा
वायु इंजन रोडमैप	चरण 1: माइक्रो टर्बाइन मानवरहित वाहन/मिसाइलों के लिए (CSIR-NAL, इस सप्ताह); चरण 2: प्रशिक्षक विमानों के लिए; चरण 3: लड़ाकू विमान के लिए (दीर्घकालिक)

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- गैस टर्बाइन प्रौद्योगिकी की कठिनाई: टर्बाइन ब्लेड 1,500°C से अधिक पर काम करते हैं – आंतरिक वायु चैनल और तापीय अवरोध कोटिंग से ठंडे रहते हैं; केवल अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन में पूर्ण क्षमता; CSIR-NAL की सफलता = भारत इस सूची में प्रवेश कर रहा है
- निर्भय स्वदेशीकरण: अमेरिकी F107 इंजन पर निर्भरता = संघर्ष में अमेरिकी प्रतिबंध = निर्भय का उपयोग नहीं; CSIR-NAL का टर्बाइन बदले = पूरी तरह स्वदेशी = रणनीतिक स्वायत्तता
- DRDO-CSIR का अंतर: DRDO = रक्षा R&D (मिसाइल, रडार, कावेरी); CSIR = व्यापक विज्ञान-प्रौद्योगिकी (NAL = एयरोस्पेस); CSIR-NAL का माइक्रो टर्बाइन = नागरिक एयरोस्पेस अनुसंधान रक्षा में लागू

दक्षिण एशियाई आंत माइक्रोबायोम – जीवनशैली रोगों के उपचार के लिए अनोखी विशेषताएं

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

PIB तिथि: 25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें



| Click to Connect Now.

मानव पाचन तंत्र में खरबों सूक्ष्मजीव रहते हैं – बैक्टीरिया, कवक, वायरस – जिन्हें सामूहिक रूप से आंत माइक्रोबायोम कहते हैं। इसे 'दूसरा मस्तिष्क' भी कहा जाता है क्योंकि यह चयापचय, रोग प्रतिरोधक क्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और दवाओं की प्रतिक्रिया को प्रभावित करता है। समस्या यह है कि अधिकांश माइक्रोबायोम शोध पश्चिमी देशों में हुआ है और वे निष्कर्ष पूरी दुनिया पर लागू किए जाते हैं – भारत पर भी। इस सप्ताह भारतीय वैज्ञानिकों के एक महत्वपूर्ण अध्ययन ने दक्षिण एशियाई आंत माइक्रोबायोम की विशेषताएं पहचानीं जो पश्चिमी आबादी से स्पष्ट रूप से अलग हैं। पारंपरिक भारतीय आहार में अधिक फाइबर (दालें, साबुत अनाज, सब्जियाँ) होता है जो *Prevotella* बैक्टीरिया को पोषण देता है। जब भारतीय शहरीकरण के साथ पश्चिमी आहार अपनाते हैं, तो यह *Bacteroides* की ओर बदलता है – इससे लघु-शृंखला वसा अम्ल का उत्पादन बदलता है, इंसुलिन संवेदनशीलता प्रभावित होती है, और मधुमेह-हृदय रोग-मोटापे का खतरा बढ़ता है। व्यावहारिक निष्कर्ष: भारतीय मरीजों के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश भारतीय माइक्रोबायोम डेटा पर आधारित होने चाहिए।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
आंत माइक्रोबायोम	पाचन तंत्र में खरबों सूक्ष्मजीव; चयापचय, प्रतिरक्षा, मनोदशा, दवा प्रतिक्रिया प्रभावित; 'दूसरा मस्तिष्क'; दक्षिण एशियाई माइक्रोबायोम = पश्चिमी से भिन्न
Prevotella बनाम Bacteroides	<i>Bacteroides</i> = उच्च वसा, उच्च प्रोटीन आहार में प्रमुख (पश्चिमी); <i>Prevotella</i> = उच्च फाइबर, पौधा-आधारित आहार में प्रमुख (पारंपरिक भारतीय); दक्षिण एशियाई आंत में <i>Prevotella</i> अधिक
लघु-शृंखला वसा अम्ल (SCFA)	आंत बैक्टीरिया फाइबर किण्वन से बनाते हैं; butyrate = बृहदान्त्र ऊर्जा + सूजनरोधी; अलग माइक्रोबायोम → अलग SCFA → अलग इंसुलिन संवेदनशीलता और सूजन
भारत में जीवनशैली रोग	मधुमेह प्रकार-2: 10.1 करोड़ भारतीय; हृदय रोग: मृत्यु का प्रमुख कारण; मोटापा और NAFLD: तेजी से बढ़ रहे; दक्षिण एशिया-विशिष्ट माइक्रोबायोम डेटा महत्वपूर्ण



दवा प्रतिक्रिया का अंतर	Metformin (मधुमेह दवा) की प्रभावशीलता आंत माइक्रोबायोम द्वारा आंशिक रूप से नियंत्रित; दक्षिण एशियाई माइक्रोबायोम = Metformin प्रतिक्रिया भिन्न हो सकती है
पश्चिम-केंद्रित शोध पूर्वाग्रह	अधिकांश नैदानिक परीक्षण पश्चिमी आबादी में; दिशा-निर्देश वैश्विक रूप से लागू; 'भारतीय डेटा से भारतीय मरीजों के लिए' – व्यापक विषय
ICMR और भारतीय जैविक डेटा	ICMR का IndiGen कार्यक्रम (1,008 भारतीयों का जीनोम अनुक्रमण); माइक्रोबायोम = अगली परत; ICMR + DST भारत-विशिष्ट माइक्रोबायोम अध्ययनों को धनराशि दे रहे हैं

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- Prevotella और भारतीय आहार: पारंपरिक उच्च-फाइबर आहार Prevotella को पोषण देता है; शहरीकरण → पश्चिमी आहार → Bacteroides की ओर बदलाव → SCFA बदलता है → इंसुलिन संवेदनशीलता और सूजन बदलती है → जीवनशैली रोग जोखिम बढ़ता है
- भारतीय डेटा से भारतीय मरीजों के लिए: Griva Healthcare का AI (सप्ताह 11) + CSIR-NAL टर्बाइन + यह माइक्रोबायोम अध्ययन – व्यापक विषय: भारत को पश्चिमी शोध को सीधे लागू नहीं करना, अपना डेटा बनाना है
- प्रोबायोटिक बाजार: \$500 मिलियन से अधिक; अधिकांश पश्चिमी प्रजातियाँ; इस अध्ययन से = भारत-विशिष्ट प्रोबायोटिक प्रजातियाँ आवश्यक हो सकती हैं – भारतीय जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए अवसर

अल्जाइमर रोग – स्मार्ट प्रौद्योगिकी से निदान अधिक सुलभ

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

PIB तिथि: 25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

अल्जाइमर रोग (AD) एक प्रगामी मस्तिष्क-क्षरण विकार है और मनोभ्रंश (dementia) का सबसे सामान्य कारण। भारत में अभी 41 लाख मरीज हैं, 2030 तक 76 लाख होने का अनुमान है। निदान की समस्या यह थी: निश्चित निदान के लिए पहले तंत्रिका मनोवैज्ञानिक परीक्षण (समय लेने वाला, विशेषज्ञ चाहिए), मस्तिष्क MRI/PET स्कैन (महंगा, बड़े शहरों तक सीमित), या मस्तिष्कमेरु द्रव (CSF) परीक्षण (रीढ़ में सुई – कष्टदायक) जरूरी था। भारत में अधिकांश मामले देर



| Click to Connect Now.



की अवस्था में पहचाने जाते थे। भारतीय वैज्ञानिकों ने एक बहु-आयामी निदान प्रौद्योगिकी विकसित की जो तीन चीज़ें एक साथ करती है: रक्त-आधारित जैव-संकेतक (amyloid-beta और tau प्रोटीन रक्त में पहचानना – बिना सुई रीढ़ में); AI द्वारा वाणी विश्लेषण (अल्जाइमर भाषा को जल्दी प्रभावित करती है – AI विशेष परिवर्तन पहचानता है); और टैबलेट पर डिजिटल संज्ञानात्मक परीक्षण। यह संयोजन CSF परीक्षण जितना सटीक है लेकिन लागत का अंश मात्र। डिज़ाइन जिला अस्पताल स्तर पर तैनाती के लिए है – AD जाँच को तृतीयक देखभाल से परे सुलभ बनाने के लिए।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
अल्जाइमर रोग (AD)	प्रगामी मस्तिष्क-क्षरण विकार; मनोभ्रंश का सबसे सामान्य कारण; 41 लाख भारतीय (2024), 2030 तक 76 लाख; amyloid पट्टिका + tau उलझन; कोई उपचार नहीं लेकिन शीघ्र निदान = बेहतर जीवन प्रबंधन
स्मार्ट निदान प्रौद्योगिकी	बहु-आयामी: रक्त जैव-संकेतक (amyloid-beta, tau) + AI वाणी विश्लेषण + डिजिटल संज्ञानात्मक परीक्षण; CSF परीक्षण जितनी सटीकता; जिला अस्पताल स्तर पर तैनाती योग्य; गैर-आक्रामक और किफायती
Amyloid-beta और tau	AD जैव-संकेतक; amyloid-beta = न्यूरॉन के बाहर पट्टिका; tau = न्यूरॉन के अंदर उलझन; दोनों तंत्रिका कार्य बाधित करते हैं; रक्त और CSF में पहचाने जा सकते हैं; रक्त-आधारित = गैर-आक्रामक जाँच
AI वाणी विश्लेषण	AD भाषा को जल्दी प्रभावित करती है: शब्द खोजने में कठिनाई, कम शब्द-भंडार, वाक्य संरचना में बदलाव; AI इन परिवर्तनों को संज्ञानात्मक परीक्षणों से पहले पहचान सकता है; फोन कॉल या रिकॉर्डिंग से गैर-आक्रामक
भारत की बुजुर्ग आबादी	60+ आयु वर्ग: 14 करोड़ (2024) → 23 करोड़ (2036); 80+ सबसे तेजी से बढ़ रहा; AD प्रसार: 65-74 आयु = 3%, 75-84 = 17%, 85+ = 32%; भारत को अभी से सुलभ निदान उपकरण चाहिए
डिजिटल संज्ञानात्मक परीक्षण	MMSE, MoCA = मानक परीक्षण लेकिन समय लेने वाले और विशेषज्ञ की जरूरत; टैबलेट पर डिजिटल परीक्षण = मानकीकृत, त्वरित, न्यूरोलॉजिस्ट के बिना तैनात योग्य





ARDSI	अल्जाइमर और संबंधित विकार सोसाइटी ऑफ इंडिया; 41 लाख का अनुमान; AIIMS, क्षेत्रीय अस्पतालों के साथ कार्य; नई प्रौद्योगिकी ARDSI के सामुदायिक नेटवर्क के साथ शीघ्र जाँच के लिए
--------------	---

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत की स्नायु-क्षरण रोग चुनौती: AD + पार्किंसन + अन्य मनोभ्रंश = बढ़ता संकट; भारत की स्वास्थ्य प्रणाली बुजुर्गों से संबंधित रोगों की लहर के लिए तैयार नहीं; शीघ्र निदान उपकरण = 2030-2047 की भारत की स्वास्थ्य योजना के लिए महत्वपूर्ण
- रक्त जैव-संकेतक क्रांति: CSF जैव-संकेतकों के लिए रीढ़ में सुई (invasive, विशेषज्ञ-केवल) चाहिए; रक्त-आधारित amyloid-beta परीक्षण वैश्विक रूप से प्रमाणित हो रहे हैं; भारत की प्रौद्योगिकी AI + संज्ञानात्मक परीक्षण जोड़ती है = व्यापक गैर-आक्रामक परीक्षण; भारत वैश्विक जैव-संकेतक-आधारित AD निदान आंदोलन में शामिल
- NMHP 2014: राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति 2014 में मनोभ्रंश शामिल; क्रियान्वयन कमजोर; यह स्मार्ट प्रौद्योगिकी = भारत के लिए पहला मापनीय जैव-संकेतक-आधारित शीघ्र पहचान मार्ग

UNCCD COP17 – भारत ने 2011-2020 में 2.176 करोड़ हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापित की

मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

PIB तिथि: 24 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

उलानबाटर, मंगोलिया में UNCCD COP17 में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्रस्तुत की: भारत ने 2011-2020 के बीच 2.176 करोड़ हेक्टेयर क्षरित भूमि पुनर्स्थापित की – और इस प्रक्रिया में 122 करोड़ व्यक्ति-दिवस रोजगार सृजित किया। संदर्भ के लिए: 2.176 करोड़ हेक्टेयर $\approx$ संयुक्त राज्य अमेरिका के United Kingdom के आकार का। UNCCD के अंतर्गत भारत की भूमि क्षरण तटस्थता (LDN) प्रतिबद्धता है 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर पुनर्स्थापित करना। 2020 तक 84% लक्ष्य 10 वर्ष पहले हासिल। पुनर्स्थापना गतिविधियाँ: वनारोपण और पुनर्वनीकरण (वन सर्वेक्षण भारत के आँकड़े); जलग्रहण विकास (MGNREGA – बाँध, मेड़बंदी, रोपण); कृषि-वानिकी विस्तार; आर्द्रभूमि पुनर्स्थापना (मैंग्रोव, अंतर्देशीय आर्द्रभूमि); और घास के मैदान पुनर्स्थापना। रोजगार सृजन (122 करोड़ व्यक्ति-दिवस)



| Click to Connect Now.



उल्लेखनीय है – यह दर्शाता है कि भूमि पुनर्स्थापना केवल पर्यावरणीय नीति नहीं, ग्रामीण रोजगार नीति भी है।

MGNREGA प्राथमिक वितरण तंत्र है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
2.176 करोड़ हेक्टेयर पुनर्स्थापित (2011-2020)	~UK के आकार का क्षेत्र; वनारोपण, जलग्रहण विकास, कृषि-वानिकी, आर्द्रभूमि + घास के मैदान पुनर्स्थापना; MGNREGA प्राथमिक उपकरण; FSI आँकड़े; 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर LDN लक्ष्य का 84%
LDN (भूमि क्षरण तटस्थता)	UNCCD अवधारणा; 2030 तक शुद्ध भूमि क्षरण शून्य; भारत ने Bonn Challenge के अंतर्गत प्रतिबद्धता; संतुलन: क्षरित भूमि = पुनर्स्थापित भूमि; 2.176 करोड़ हेक्टेयर पुनर्स्थापित = क्षरण की भरपाई
122 करोड़ व्यक्ति-दिवस रोजगार	MGNREGA भूमि पुनर्स्थापना कार्य (बाँध, मेड़बंदी, रोपण) रोजगार उत्पन्न करते हैं; भूमि पुनर्स्थापना = पर्यावरणीय + सामाजिक नीति एक साथ; भारत इसे UNCCD में स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करता है
MGNREGA और LDN	महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम; 100 दिन गारंटीकृत रोजगार; 14 अनुमत कार्यों में जलग्रहण, रोपण, भूमि विकास शामिल; FY2024-25 में 9 करोड़+ अद्वितीय व्यक्ति; भारत का सबसे बड़ा भूमि पुनर्स्थापना वितरण तंत्र
Bonn Challenge	2030 तक 35 करोड़ हेक्टेयर पुनर्स्थापित करने की वैश्विक स्वैच्छिक प्रतिबद्धता; भारत ने 2.6 करोड़ हेक्टेयर प्रतिबद्ध किए (विश्व की सबसे बड़ी प्रतिबद्धताओं में); 2020 तक 2.176 करोड़ = 84% लक्ष्य 10 साल पहले
वन सर्वेक्षण भारत (FSI)	द्विवार्षिक वन आवरण मूल्यांकन; वन की स्थिति रिपोर्ट (SFR); उपग्रह-आधारित मानचित्रण; भारत का वन आवरण 21.7% भूमि क्षेत्र (SFR 2023); मैंग्रोव = 4,992 वर्ग किमी
मैंग्रोव संबंध	भारत में 4,992 वर्ग किमी मैंग्रोव (दुनिया में 3rd सबसे बड़ा); नीला कार्बन पारिस्थितिकी तंत्र; पुनर्स्थापित मैंग्रोव = कार्बन संग्रहण + तट सुरक्षा + मत्स्य पालन सहायता; MISHTI योजना



UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- MGNREGA और पर्यावरण: MGNREGA को अक्सर रोजगार नीति के रूप में चर्चा होती है; यह डेटा दिखाता है कि यह भारत का सबसे बड़ा पर्यावरणीय पुनर्स्थापना कार्यक्रम भी है; 122 करोड़ व्यक्ति-दिवस = MGNREGA का पर्यावरणीय लाभान्श
- भारत की तीन Rio सम्मेलन उपलब्धि: CBD (जैव विविधता – 30x30 Kunming ढाँचा, घास के मैदान गाइड, बाघ पुनर्प्राप्ति), UNFCCC (NDC – 300 GW गैर-जीवाश्म, 2070 तक शुद्ध शून्य), UNCCD (LDN – 2.176 करोड़ हेक्टेयर पुनर्स्थापित); भारत तीनों में विश्वसनीय रूप से प्रदर्शन कर रहा है
- 2.6 करोड़ हेक्टेयर LDN: भारत की प्रतिबद्धता; 2020 तक 2.176 करोड़ + शेष 42.4 लाख हेक्टेयर 2030 तक; भारत लक्ष्य पर है; UNCCD COP17 प्रस्तुति = भूमि प्रबंधन नेता के रूप में भारत की विश्वसनीयता

UNCCD COP17 – समुदाय-आधारित चरागाह पुनर्स्थापना की भारत की पुकार

मंत्रालय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

PIB तिथि: 26 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

UNCCD COP17 में भारत का तीसरा प्रमुख योगदान – पर्यावरण मंत्री ने विशेष रूप से 'चरागाहों की समुदाय-आधारित पुनर्स्थापना' का आह्वान किया। चरागाह = घासों, झाड़ियों, गैर-वृक्ष वनस्पति से ढकी भूमि – मुख्यतः पशुपालन के लिए। ये पृथ्वी की भूमि सतह का लगभग 50% ढकते हैं और 1 अरब से अधिक पशुपालकों की आजीविका का समर्थन करते हैं – भारत में रबारी, मालधारी, वन गुज्जर, गुज्जर-बकरवाल, धनगर। 'समुदाय-आधारित' की माँग महत्वपूर्ण क्यों है? ऊपर से नीचे की पुनर्स्थापना (सरकार पेड़ लगाए, संरक्षित क्षेत्र बनाए) ने अक्सर उन चरागाहों से पशुपालक समुदायों को विस्थापित किया जिन्हें वे सदियों से प्रबंधित करते थे। समुदाय-आधारित पुनर्स्थापना = रबारी और मालधारी को औपचारिक अधिकार और जिम्मेदारियाँ – वे भूमि को सबसे अच्छे जानते हैं। यह भारत के वन अधिकार अधिनियम 2006 (सामुदायिक वन संसाधन अधिकार) से जुड़ता है। और यह भारत को वैश्विक पर्यावरण शासन में सामुदायिक अधिकारों के चैंपियन के रूप में स्थापित करता है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------





चरागाह	घास, झाड़ियाँ, गैर-वृक्ष वनस्पति से ढकी भूमि; पशुपालन के लिए; पृथ्वी की भूमि सतह का ~50%; 1 अरब+ पशुपालन आजीविका; भारत के घास के मैदानों और 'राजस्व बेकार भूमि' के साथ अतिव्यापन
समुदाय-आधारित पुनर्स्थापना	पशुपालक समुदाय (रबारी, मालधारी, वन गुज्जर, गुज्जर-बकरवाल) पुनर्स्थापना प्रबंधक के रूप में; सदियों का पारंपरिक पारिस्थितिकी ज्ञान (TEK); औपचारिक अधिकार + जिम्मेदारियाँ; ऊपर से नीचे सरकारी रोपण का विरोध
किले का संरक्षण	संरक्षण मॉडल जो समुदायों को संरक्षित क्षेत्रों से बाहर रखता है; Project Tiger ने ऐतिहासिक रूप से यही किया (वन-निवासियों को बाघ अभयारण्यों से विस्थापन); वैश्विक स्तर पर आलोचित; भारत का चरागाह आह्वान इसके विपरीत
पशुपालक समुदाय	रबारी (कच्छ, राजस्थान – ऊँट, मवेशी), मालधारी (गिर – भैंस), वन गुज्जर (उत्तराखंड – भैंस, खानाबदोश), गुज्जर-बकरवाल (J&K/HP – भेड़, बकरी), धनगर (महाराष्ट्र – भेड़); सदियों से चरागाह प्रबंधित
FRA 2006 सामुदायिक अधिकार	सामुदायिक वन संसाधन (CFR) अधिकार FRA 2006 के अंतर्गत; समुदाय अपने पारंपरिक वनों और घास के मैदानों का प्रबंधन, सुरक्षा और उपयोग कर सकते हैं; CFR = समुदाय-आधारित पुनर्स्थापना का कानूनी आधार
पारंपरिक पारिस्थितिकी ज्ञान (TEK)	स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में स्वदेशी समुदायों का संचित ज्ञान; मौसमी चराई पैटर्न, जल बिंदु, घास प्रजातियाँ, चरागाह वहन क्षमता; बन्नी के बारे में रबारी का TEK = अपूरणीय पुनर्स्थापना उपकरण
UNCCD चरागाह निर्णय	UNCCD COP14 से चरागाहों पर विशिष्ट मार्गदर्शन विकसित हो रहा है; भारत का COP17 आह्वान = चरागाह पुनर्स्थापना में सामुदायिक अधिकारों पर बाध्यकारी या मजबूत स्वैच्छिक ढाँचे के लिए दबाव

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- बन्नी घास के मैदान केस अध्ययन: बन्नी (कच्छ, गुजरात) = भारत का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय घास का मैदान; मालधारी समुदाय ने सदियों से प्रबंधित किया; 1970 के दशक में सरकारी वनारोपण (*Prosopis juliflora* – आक्रामक प्रजाति) ने देशी घास नष्ट की; समुदाय-आधारित पुनर्स्थापना = *Prosopis* हटाना, देशी घास बहाल करना





- FRA 2006 + चरागाह पुनर्स्थापना: CFR अधिकार समुदायों को कानूनी नियंत्रण देते हैं; भारत का UNCCD COP17 आह्वान = अन्य देशों से FRA जैसे सामुदायिक अधिकार ढाँचे अपनाने की माँग; भारत अपने घरेलू कानून को वैश्विक मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर रहा है
- भारत का COP17 चाप: घास के मैदान गाइड लॉन्च (सप्ताह 12, 22 अगस्त) → भूमि पुनर्स्थापना 2.176 करोड़ हेक्टेयर (24 अगस्त) → समुदाय-आधारित चरागाह आह्वान (26 अगस्त); UNCCD COP17 में भारत की तीन-अंकीय कथा
- UNCCD + CBD संबंध: चरागाह पुनर्स्थापना = जैव विविधता (GIB आवास, घास के मैदान पक्षी, काला हिरण) + भूमि क्षरण + जलवायु (चरागाह महत्वपूर्ण मृदा कार्बन संग्रहित करते हैं); भारत तीनों Rio सम्मेलनों को UNCCD प्रस्तुति में जोड़ रहा है

UPI के 10 वर्ष – विश्व का सबसे बड़ा वास्तविक-समय भुगतान तंत्र

मंत्रालय: वित्त मंत्रालय / NPCI

PIB तिथि: 24-25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) अप्रैल 2016 में शुरू हुआ। अगस्त 2026 में: 1,000 करोड़ से अधिक लेनदेन/माह, ₹20 लाख करोड़ से अधिक मासिक मूल्य – यह मात्रा के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा वास्तविक-समय भुगतान तंत्र है। अमेरिका, यूरोप, चीन और ब्रिटेन के सभी वास्तविक-समय भुगतानों से अधिक भारत में होते हैं। 10वीं वर्षगाँठ पर प्रधानमंत्री ने नागरिक UPI अनुभव आमंत्रित किए, PIB ने व्यापक पृष्ठभूमि दस्तावेज़ जारी किया, और वित्त मंत्री ने उत्सव मनाया। संख्याएं: 300 से अधिक बैंक; 50 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता; शून्य MDR (व्यापारियों के लिए जनवरी 2020 से); 17 से अधिक देश; PhonePe + Google Pay मिलकर 80%+ बाजार हिस्सेदारी; UPI Lite (ऑफलाइन छोटे भुगतान); UPI 123PAY (फीचर फोन के लिए)। यात्रा: 2016 = 4 बैंक → 2018 = 1 अरब मासिक → 2020 = 2.23 अरब → 2022 = 7.4 अरब → 2024 = 12+ अरब → 2026 = 14+ अरब (वार्षिक)।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------





UPI 10 साल – मुख्य संख्याएं	1,000 करोड़+ लेनदेन/माह; ₹20 लाख करोड़+ मासिक मूल्य; 50 करोड़+ पंजीकृत उपयोगकर्ता; 300+ बैंक; शून्य MDR; 17+ देश; PhonePe + Google Pay 80%+ हिस्सेदारी; UPI Lite + 123PAY
शून्य MDR (जनवरी 2020 से)	व्यापारियों के लिए कोई लेनदेन शुल्क नहीं; ₹1,500 करोड़ सरकारी मुआवजा योजना (FY2026-27) बैंकों के लिए; व्यापक व्यापारी अपनाने का मूल कारण; UPI की मात्रा वर्चस्व का मूल कारण
UPI की 10-वर्षीय यात्रा	2016: 4 बैंक → 2018: 100 करोड़ मासिक → 2020: 223 करोड़ → 2022: 740 करोड़ → 2024: 1,200+ करोड़ → 2026: 1,400+ करोड़; Jio ने डेटा सस्ता किया + COVID डिजिटल धक्का = तेज़ी से बढ़ोतरी
UPI Lite	₹500 से कम लेनदेन; निकट-ऑफलाइन, NFC-आधारित; पूर्व-भारित शेष; PIN की आवश्यकता नहीं; सर्वर भार कम; कम-कनेक्टिविटी क्षेत्रों तक विस्तार; 2022 लॉन्च
UPI 123PAY	फीचर फोन (बिना इंटरनेट) के लिए; IVR (इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पॉन्स) फोन कॉल; 3 चरणों में लेनदेन; 40 करोड़+ फीचर फोन उपयोगकर्ताओं तक पहुँच; वित्तीय समावेशन अंतिम मील पर
वैश्विक UPI विस्तार	सिंगापुर (PayNow), UAE, फ्रांस, नेपाल, भूटान, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, कतर (PosTransfer, सप्ताह 13); 17+ देश; NPCI International प्रबंधन; PM मोदी ने G20, Quad, BRICS में प्रचारित
PIB पृष्ठभूमि: UPI	व्यापक नीति दस्तावेज़; वित्तीय समावेशन, व्यापारी पारिस्थितिकी तंत्र, प्रेषण, GDP योगदान, DPI मॉडल निर्यात; UPSC पृष्ठभूमि = सीधे परीक्षण योग्य नीति विवरण

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- UPI का GDP योगदान: RBI अनुमान – UPI भारत को वार्षिक 0.3-0.5% GDP नकद संचालन लागत बचाता है; औपचारिक लेनदेन = कर अनुपालन बढ़ता है; UPI का आर्थिक मूल्य सुविधा की कथा से कहीं परे
- NPCI की संरचना: राष्ट्रीय भुगतान निगम भारत; धारा 8 (गैर-लाभ) कंपनी; RBI + 10 प्रमुख बैंक = प्रवर्तक; NPCI International = अंतर्राष्ट्रीय UPI सहायक; NPCI IMPS, NACH, AePS, RuPay, FASTag, NETC भी संचालित करता है – भारत का भुगतान बुनियादी ढाँचा कंपनी





- PhonePe-Google Pay द्वंद्व और 30% सीमा: NPCI ने तृतीय-पक्ष UPI ऐप्स के लिए 30% बाजार हिस्सेदारी सीमा लगाई; PhonePe (~48%) + Google Pay (~36%) = 84% = NPCI की 30% सीमा लागू करना असंभव; NPCI ने क्रियान्वयन समय-सीमा बार-बार बढ़ाई
- JAM Trinity विकास: जन धन (खाता) + आधार (पहचान) + मोबाइल (कनेक्टिविटी) = JAM → DBT सक्षम; UPI ने निर्बाध भुगतान जोड़ा; CBDC (e₹) ने प्रोग्रामेबल मुद्रा जोड़ी; JAM → JAM+UPI → JAM+UPI+CBDC = भारत का प्रगामी डिजिटल वित्तीय बुनियादी ढाँचा

प्रधानमंत्री जन-धन योजना – 12 वर्ष, 53+ करोड़ खाते, ₹2.3 लाख करोड़ जमा

मंत्रालय: वित्त मंत्रालय

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

28 अगस्त 2026 = PMJDY की 12वीं वर्षगांठ (28 अगस्त 2014 को शुरू)। PMJDY = भारत का प्रमुख वित्तीय समावेशन कार्यक्रम – और दुनिया के सबसे सफल वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों में से एक। 12 साल में: 53+ करोड़ खाते; ₹2.3 लाख करोड़ कुल जमा; 55% खाते महिलाओं के; 67% ग्रामीण/अर्ध-शहरी में; शून्य न्यूनतम शेष; RuPay डेबिट कार्ड + ₹2 लाख दुर्घटना बीमा; और पात्र खाताधारकों के लिए ₹10,000 ओवरड्राफ्ट सुविधा। PMJDY ने वित्तीय परिदृश्य बदल दिया: 2014 से पहले, 14.5 करोड़ भारतीय परिवारों के पास कोई बैंक खाता नहीं था। आज लगभग हर वयस्क भारतीय के पास औपचारिक खाता है। PMJDY का प्रभाव सबसे स्पष्ट: DBT सीधे खाते में – बिचौलिए खत्म; PM-KISAN ₹6,000/वर्ष किसानों को सीधे; PMJJBY और PMSBY बीमा; COVID में PM Garib Kalyan Yojana का ₹500/माह सीधे 20 करोड़ महिलाओं को – यह PMJDY खातों के बिना असंभव होता।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
PMJDY 12 साल – मुख्य संख्याएं	53+ करोड़ खाते; ₹2.3 लाख करोड़ जमा; 55% महिलाएं; 67% ग्रामीण/अर्ध-शहरी; शून्य न्यूनतम शेष; RuPay + ₹2 लाख दुर्घटना बीमा; ₹10,000 ओवरड्राफ्ट



| Click to Connect Now.



2014 से पहले वित्तीय बहिष्करण	14.5 करोड़ परिवार बिना बैंक खाते; अनौपचारिक ऋण 30-60% वार्षिक ब्याज पर; सरकारी सब्सिडी रिसाव में; मजदूरी नकद में 20-30% विचलन के साथ; PMJDY ने सब एक साथ हल किया
RuPay डेबिट कार्ड	भारत का घरेलू कार्ड नेटवर्क (NPCI); हर PMJDY खाते के साथ जारी; ₹2 लाख दुर्घटना बीमा जुड़ा; शून्य MDR; Visa/Mastercard से प्रतिस्पर्धा; NPCI का कार्ड
DBT की रीढ़	प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण PMJDY खातों पर निर्भर; PM-KISAN (9.3 करोड़ किसान), PMJJBY/PMSBY, MGNREGA मजदूरी, LPG सब्सिडी – सब PMJDY खाते उपयोग करते हैं; 2013 से ₹38+ लाख करोड़ DBT के माध्यम से
55% महिला खाताधारक	PMJDY का लैंगिक आयाम; महिलाएं ऐतिहासिक रूप से बैंकिंग से बाहर; 55% महिलाएं = 29+ करोड़ महिलाओं के अपने बैंक खाते; वित्तीय स्वायत्तता
JAM Trinity का आधार	जन धन = JAM (जन धन-आधार-मोबाइल) में 'J'; JAM = भारत के पूरे कल्याण वितरण प्रणाली की नींव; PMJDY खातों के बिना UPI का आधार नहीं, DBT काम नहीं
COVID नकद हस्तांतरण	COVID-19 लॉकडाउन में PM Garib Kalyan Yojana ने 20 करोड़ महिला PMJDY खाताधारकों को सीधे ₹500/माह हस्तांतरित किया – यह केवल PMJDY खातों के कारण संभव था; इनके बिना लॉकडाउन नकद सहायता इस पैमाने पर असंभव होती

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- PMJDY बनाम बैंक-आधारित वित्तीय समावेशन: 2005-2014 तक बिना-न्यूनतम-शेष खाते = धीमी प्रगति (<25% जनसंख्या बैंकिंग में 2014 तक); PMJDY के राज्य-चालित, मिशन-मोड दृष्टिकोण ने जन धन मेलों, दरवाजे-दरवाजे नामांकन से महीनों में वह हासिल किया जो दशक में नहीं हुआ
- शून्य शेष महत्व: पारंपरिक खाते = ₹1,000-10,000 न्यूनतम शेष; गरीब बनाए नहीं रख सकते → खाते निष्क्रिय → बाहर; PMJDY का शून्य न्यूनतम शेष = सच्चा समावेशन; 53 करोड़ खाते = 53 करोड़ लोग सरकारी हस्तांतरण डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकते हैं
- ओवरड्राफ्ट सुविधा: पात्र PMJDY खाताधारकों के लिए ₹10,000 ओवरड्राफ्ट (6 महीने खाता इतिहास); शून्य संपार्श्विक; छोटा व्यापारी, छोटा किसान अस्थायी नकद जरूरत को साहूकार (36% वार्षिक ब्याज) के बिना पूरा कर सकता है; महत्वपूर्ण गरीबी उन्मूलन उपकरण



क्रिटिकल मिनरल्स इनोवेशन हैकाथॉन 2026 – खान मंत्री ने लॉन्च किया

मंत्रालय: खान मंत्रालय

PIB तिथि: 25 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

क्रिटिकल मिनरल्स इनोवेशन हैकाथॉन 2026 – खान मंत्री G. किशन रेड्डी ने लॉन्च किया। प्रतिस्पर्धा स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को भारत की महत्वपूर्ण खनिज चुनौतियों के समाधान के लिए आमंत्रित करती है। पाँच ट्रैक: डाउनस्ट्रीम प्रसंस्करण (खनिज अयस्क को बैटरी-श्रेणी सामग्री में बदलना), पुनर्चक्रण और शहरी खनन (ई-कचरे से महत्वपूर्ण खनिज), विकल्प सामग्री (किसी एकल खनिज पर निर्भरता कम करने के लिए विकल्प विकसित करना), महत्वपूर्ण खनिज मानचित्रण (उपग्रह डेटा से AI/ML द्वारा खनिज भंडार पहचानना), और मूल्य श्रृंखला डिजिटलीकरण (ब्लॉकचेन-आधारित आपूर्ति श्रृंखला ट्रैकिंग)। हैकाथॉन सीधे जुड़ता है: MMDR संशोधन अधिनियम 2026 (सप्ताह 12) ने महत्वपूर्ण खनिज नीलामी सुव्यवस्थित की; क्रिटिकल मिनरल्स मिशन (बजट 2024-25) नीति ढाँचा प्रदान करता है; हैकाथॉन = नवाचार परत जो प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण के लिए तकनीकी समाधान प्रदान करे।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
क्रिटिकल मिनरल्स इनोवेशन हैकाथॉन 2026	खान मंत्रालय; 5 ट्रैक: डाउनस्ट्रीम प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण/शहरी खनन, विकल्प सामग्री, AI खनिज मानचित्रण, ब्लॉकचेन आपूर्ति श्रृंखला; स्टार्टअप, शोधकर्ता, नवप्रवर्तक
5 ट्रैक	प्रसंस्करण: अयस्क → बैटरी-श्रेणी; पुनर्चक्रण: ई-कचरा → खनिज; विकल्प: वैकल्पिक सामग्री; मानचित्रण: उपग्रह डेटा से AI; डिजिटलीकरण: ब्लॉकचेन आपूर्ति श्रृंखला; प्रत्येक ट्रैक महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला की एक बाधा को संबोधित करता है
क्रिटिकल मिनरल्स मिशन (बजट 2024-25)	भारत की व्यापक नीति: विदेशी संपत्ति अधिग्रहण, घरेलू अन्वेषण, प्रसंस्करण क्षमता, पुनर्चक्रण; MMDR 2026 = नियामक शाखा; हैकाथॉन = नवाचार शाखा; ISM = विनिर्माण शाखा



शहरी खनन	ई-कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालना (पुराने फोन से लिथियम, EV बैटरी से कोबाल्ट, हार्ड ड्राइव से दुर्लभ मृदा); भारत 32 लाख टन ई-कचरा/वर्ष (दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा); 95% अनौपचारिक पुनर्चक्रण; हैकार्थॉन औपचारिक तकनीकी समाधान चाहता है
AI/ML खनिज मानचित्रण	उपग्रह रिमोट सेंसिंग डेटा + AI/ML = खनिज भंडार के हस्ताक्षर पहचानना; GSI के पास दशकों का रिमोट सेंसिंग डेटा; AI पुनः विश्लेषण → मानव विश्लेषकों द्वारा चूके हुए भंडार खोजना
विकल्प सामग्री	लिथियम मूल्य उछाल → सोडियम-आयन बैटरी विकल्प; कोबाल्ट दुर्लभ → LFP बैटरी विकल्प; शोध विकल्प रणनीतिक भेद्यता कम करते हैं घरेलू आपूर्ति के बिना भी
MMDR 2026 + हैकार्थॉन	नियामक (MMDR संशोधन) + संस्थागत (क्रिटिकल मिनरल्स मिशन) + विनिर्माण (REPM योजना) + नवाचार (हैकार्थॉन) = भारत की बहु-परत महत्वपूर्ण खनिज रणनीति

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत की महत्वपूर्ण खनिज आयात निर्भरता: 30 खनिज चिह्नित (2023); लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, ग्रेफाइट, दुर्लभ मृदा तत्व, वैनेडियम; EV + स्वच्छ ऊर्जा + रक्षा अनुप्रयोग; भारत बैटरी विनिर्माण के लिए 100% लिथियम, कोबाल्ट, निकेल आयात करता है – पूर्ण निर्भरता
- शहरी खनन अवसर: भारत का 32 लाख टन ई-कचरा/वर्ष में पुनर्प्राप्त करने योग्य लिथियम, कोबाल्ट, सोना, चाँदी, ताँबा, दुर्लभ मृदा है; अनौपचारिक क्षेत्र = 40-50% दक्षता + श्रमिक स्वास्थ्य जोखिम; औपचारिक शहरी खनन = 95%+ पुनर्प्राप्ति + सुरक्षा + घरेलू पुनर्चक्रित खनिज आपूर्ति
- ब्लॉकचेन आपूर्ति श्रृंखला: महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाएं अपारदर्शी; संघर्ष खनिज (DRC कोबाल्ट बाल श्रम के साथ); ब्लॉकचेन = अंत-से-अंत सत्यापित; EU का महत्वपूर्ण कच्चा माल अधिनियम आपूर्ति श्रृंखला उचित परिश्रम आवश्यक करता है; भारत के निर्यातकों को EU के लिए ब्लॉकचेन सत्यापन चाहिए
- AI खनिज मानचित्रण और GSI: GSI के पास दशकों का भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण + रिमोट सेंसिंग डेटा; AI पुनः विश्लेषण → मानव विश्लेषकों द्वारा चूके हुए भंडार खोजना; पूर्वोत्तर भारत, राजस्थान, ओडिशा में महत्वपूर्ण अन्वेषण न हुआ; AI मानचित्रण = नई क्षेत्र कार्य के बिना ज्ञात भंडार दोगुना हो सकता है

ज्ञानी अर्थ – उपराष्ट्रपति ने स्वदेशी AI स्टैक लॉन्च किया (Evon 3.3 + Plexus)



| Click to Connect Now.



मंत्रालय: उपराष्ट्रपति सचिवालय / इलेक्ट्रॉनिक्स एवं IT मंत्रालय

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने 'ज्ञानी अर्थ' लॉन्च किया – भारत का संप्रभु AI स्टैक। दो घटक: Evon 3.3 और Plexus। 'ज्ञानी' का अर्थ है विद्वान/जानकार (संस्कृत/तमिल में); 'अर्थ' का अर्थ है धन/अर्थ। नाम कौटिल्य के अर्थशास्त्र से जुड़ा है – शासन और राजनीतिक अर्थव्यवस्था का चौथी शताब्दी ईसा पूर्व का ग्रंथ – अर्थशास्त्र परंपरा में AI for governance। Evon 3.3 एक बड़ा भाषा मॉडल (LLM) है जो भारतीय संदर्भों के लिए अनुकूलित है – सम्भवतः BHASHINI के 22-भाषा कोष + भारतीय शासन डेटा पर प्रशिक्षित। Plexus एक AI समन्वय परत है – कई AI मॉडल एक जटिल कार्य पर मिलकर काम कर सकें (जैसे ऑर्केस्ट्रा में कंडक्टर)। 'संप्रभु' का अर्थ: यह AI स्टैक घरेलू रूप से नियंत्रित है, अमेरिकी तकनीकी कंपनियों (OpenAI, Google, Anthropic) पर निर्भर नहीं। रक्षा विश्लेषण, खुफिया जानकारी, वर्गीकृत डेटा – इन पर विदेशी AI उपयोग करना सुरक्षा जोखिम होता। संप्रभु AI = सरकारी डेटा भारतीय सर्वर पर, भारतीय-विकसित मॉडल पर।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
ज्ञानी अर्थ	भारत का संप्रभु AI स्टैक; VP राधाकृष्णन लॉन्च; 'ज्ञानी' = विद्वान (संस्कृत/तमिल), 'अर्थ' = धन/अर्थ; Evon 3.3 (LLM) + Plexus (समन्वय परत)
Evon 3.3	भारतीय संदर्भों के लिए LLM; BHASHINI 22-भाषा कोष + भारतीय शासन डेटा पर संभवतः प्रशिक्षित; 3.3 = पहले के संस्करण भी थे; 'संप्रभु' = घरेलू रूप से नियंत्रित
Plexus	AI समन्वय परत; कई AI मॉडल एक जटिल कार्य पर मिलकर काम करें; LangChain (ओपन-सोर्स) जैसा; सरकारी उपयोग के लिए बहु-मॉडल कार्यप्रवाह सक्षम
संप्रभु AI	घरेलू रूप से विकसित, प्रशिक्षित, नियंत्रित; अमेरिकी कंपनियों पर निर्भर नहीं; रक्षा (वर्गीकृत डेटा), खुफिया विश्लेषण, संवेदनशील सरकारी डेटा के लिए महत्वपूर्ण; CLOUD Act चिंताएं (अमेरिकी सरकार की पहुँच)



| Click to Connect Now.



BharatGen संबंध	IndiaAI मिशन का BharatGen = भारत का बहुभाषी LLM (घोषित, विकास में); ज्ञानी अर्थ BharatGen का परिचालन परिनियोजन + समन्वय हो सकता है; या पूरक प्रणालियाँ; विवरण स्पष्ट होगा
IndiaAI मिशन (₹10,372 करोड़)	7 स्तंभ: AI गणना, अनुसंधान, डेटासेट (AIKosh), AI in governance, कौशल, स्टार्टअप, सुरक्षित AI; ज्ञानी अर्थ = AI in governance स्तंभ; संप्रभु AI = महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों में विदेशी AI निर्भरता कम
अर्थशास्त्र ढाँचा	कौटिल्य का चौथी शताब्दी ईसा पूर्व का शासन, अर्थशास्त्र, राजनीति पर ग्रंथ; 'ज्ञानी अर्थ' नाम इस विरासत को जगाता है = अर्थशास्त्र परंपरा में AI; सांस्कृतिक ढाँचा

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- संप्रभु AI क्यों जरूरी: भारत का रक्षा, खुफिया, संवेदनशील सरकारी डेटा अमेरिकी कंपनी AI पर संसाधित नहीं हो सकता (OpenAI, Google अमेरिकी कानून के अंतर्गत – CLOUD Act अमेरिकी सरकार को पहुँच देता है); संप्रभु AI = भारतीय-नियंत्रित सर्वर पर भारतीय-विकसित मॉडल = रणनीतिक आवश्यकता
- BharatGen बनाम ज्ञानी अर्थ: BharatGen = IndiaAI मिशन का बहुभाषी LLM (घोषित, विकास में); ज्ञानी अर्थ = परिचालन संप्रभु AI स्टैक (इस सप्ताह लॉन्च); एक ही प्रणाली विकास के विभिन्न चरणों पर हो सकते हैं, या पूरक; अधिक जानकारी उभरेगी
- AI समन्वय महत्व: आधुनिक AI शासन उपयोग = कई मॉडल मिलकर काम करें – अनुवाद (BHASHINI) + तर्क (LLM) + सरकारी डेटा पहुँच (RAG) + कार्रवाई (एजेंट); Plexus = संयोजी ऊतक जो AI को इन घटकों में काम करने देता है
- VP की भूमिका: VP राधाकृष्णन ने ज्ञानी अर्थ लॉन्च किया; VP की भागीदारी = PM-स्तर के निकट राजनीतिक समर्थन बिना PM के व्यक्तिगत उत्तरदायित्व के; प्राथमिकता संकेत

परिवर्तन योजना – दिल्ली-NCR में वाणिज्यिक वाहन मालिकों के लिए EV वित्त

मंत्रालय: सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026



| Click to Connect Now.



सरल भाषा में समझें

PARIVARTAN (हिंदी में 'परिवर्तन') – एक योजना जो दिल्ली-NCR में वाणिज्यिक वाहन मालिकों को पुराने प्रदूषणकारी वाहनों से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर जाने में मदद करती है – EV वित्त प्रदान करके। समस्या: पुराने वाणिज्यिक वाहन (BS-III, 2015 से पहले के) सबसे अधिक प्रदूषण फैलाते हैं और CAQM के LGV आदेश (सप्ताह 12) के तहत प्रतिबंधित होंगे। लेकिन उनके मालिक अक्सर दैनिक मजदूरी कमाने वाले या छोटे उद्यमी हैं जो EV का अग्रिम खर्च वहन नहीं कर सकते। PARIVARTAN इस अंतर को पाटता है: बैंकों, NBFCs और ऑटो OEM को एक मंच पर लाता है, ऋण आवेदन प्रक्रिया सुव्यवस्थित करता है। एक वर्ष के पुनर्गठन पर: 1,300+ लाभार्थी पंजीकृत; 42 बैंक/NBFC; 15 ऑटो OEM (Tata Motors EV, Mahindra Last Mile, Piaggio, Hero Electric); और EV-for-commercial-use ऋण का डिजिटल बाज़ार। MoRTH इसे FAME-III के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित करने पर विचार कर रहा है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
PARIVARTAN योजना	MoRTH; दिल्ली-NCR में वाणिज्यिक वाहन मालिकों को EV वित्त; पुराने प्रदूषणकारी वाहन → EV; बैंक/NBFC + ऑटो OEM एकल मंच पर; 1,300+ लाभार्थी, 42 बैंक/NBFC, 15 OEM
लक्ष्य लाभार्थी	ऑटो-रिक्शा चालक, LGV संचालक, स्कूल बस मालिक, ई-रिक्शा संचालक; दैनिक मजदूरी कमाने वाले और छोटे उद्यमी; EV का अग्रिम खर्च वहन असंभव; PARIVARTAN = कम दर पर संरचित वित्त
CAQM संबंध	CAQM का LGV आदेश (सप्ताह 12): BS-III/IV → BS-VI/EV बदलाव; वित्त के बिना LGV मालिक अनुपालन नहीं कर सकते; PARIVARTAN = नियामक आदेश को छोटे वाहन मालिकों के लिए व्यवहार्य बनाता है
42 बैंक/NBFC	सार्वजनिक (SBI, PNB, बैंक ऑफ बड़ौदा), निजी (HDFC, ICICI, Axis), NBFC (Mahindra Finance, Sundaram Finance), सूक्ष्मवित्त; विविध ऋणदाता = उधारकर्ता ऋण प्रोफाइल के अनुसार मिलान
15 ऑटो OEM	Tata Motors EV, Mahindra Last Mile, Piaggio (Ape electric), Hero Electric, Greaves Electric, Ather Energy; OEM PARIVARTAN मंच के माध्यम से बेड़ा छूट और सेवा पैकेज प्रदान करते हैं





FAME संबंध	FAME-I (2015-2019, ₹895 करोड़), FAME-II (2019-2024, ₹10,000 करोड़); FAME-III प्रत्याशित; PARIVARTAN FAME को पूरक है – माँग सब्सिडी के बजाय वित्त अंतर को संबोधित
दिल्ली-NCR EV धक्का	दिल्ली EV नीति (2020): मुफ्त पंजीकरण, सड़क कर छूट, खरीद प्रोत्साहन; CAQM + दिल्ली EV नीति + PARIVARTAN = वाणिज्यिक EV परिवर्तन की तीन-परत हस्तक्षेप

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- FAME-III प्रत्याशा: FAME-II मार्च 2024 में समाप्त; FAME-III ₹15,000-20,000 करोड़ के साथ प्रत्याशित; वाणिज्यिक EV (बसें, डिलीवरी के लिए दोपहिया, तिपहिया) पर ध्यान; PARIVARTAN दिल्ली-NCR में वित्त मॉडल का पायलट कर रहा है जिसे FAME-III राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाएगा
- छोटे वाहन मालिक अर्थशास्त्र: ऑटो-रिक्शा चालक: शुद्ध ₹600-800/दिन; EV से ईंधन बचत ₹200-300/दिन (बिजली CNG से सस्ती); EV ऑटो ₹3-4 लाख बनाम CNG ऑटो ₹2-2.5 लाख; PARIVARTAN का कम दर वित्त + ईंधन बचत = EV 3-4 वर्षों में आर्थिक रूप से तर्कसंगत
- वायु गुणवत्ता प्रभाव: वाणिज्यिक वाहन (ऑटो, LGV, बसें) दिल्ली के वाहन PM2.5 उत्सर्जन का 35-40% हैं लेकिन वाहन संख्या का केवल 15% – असंगत प्रभाव; वाणिज्यिक बेड़े को EV में बदलना = एकल श्रेणी सबसे बड़ा वायु गुणवत्ता सुधार; PARIVARTAN = वित्त के रूप में दिल्ली की वायु गुणवत्ता नीति

मलेरिया उन्मूलन – 2030 लक्ष्य की प्रगति की समीक्षा

मंत्रालय: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय / NVBDCP

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत का मलेरिया उन्मूलन लक्ष्य – 2030 तक शून्य स्वदेशी मलेरिया मामले – दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिबद्धताओं में से एक है। भारत ने वैश्विक मलेरिया मामलों में लगभग 2% योगदान किया (2000 में 64 लाख मामले, 1.57 लाख मौतें – इससे यहाँ तक की यात्रा वास्तव में उल्लेखनीय है)। स्वास्थ्य मंत्रालय की इस सप्ताह की समीक्षा ने प्रगति डेटा प्रस्तुत किया। प्रगति: 2025 में 21 लाख मलेरिया मामले (2000 में 64 लाख से); ओडिशा (2005 में भारत के मलेरिया बोझ का 40%, अब 20% से कम); 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने लगातार वर्षों में शून्य स्वदेशी



| Click to Connect Now.

संचरण हासिल किया। शेष चुनौतियाँ: Plasmodium falciparum (अधिक खतरनाक मलेरिया प्रजाति) अभी 50%+ मामलों में; आदिवासी बेल्ट (झारखंड, छत्तीसगढ़, MP, ओडिशा, पूर्वोत्तर) उच्च-संचरण क्षेत्र; जलवायु परिवर्तन Anopheles मच्छरों की भौगोलिक सीमा बढ़ा रहा है; और म्यांमार सीमा के पास दवा-प्रतिरोधी मलेरिया उभर रहा है।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
मलेरिया उन्मूलन लक्ष्य	2030 तक शून्य स्वदेशी मलेरिया मामले; राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन ढाँचा (NFME) 2016-2030; उन्मूलन = 3 लगातार वर्षों में शून्य स्वदेशी मामले; 64 लाख (2000) → 21 लाख (2025) → लक्ष्य: शून्य 2030 तक
NVBDCP	राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम; स्वास्थ्य मंत्रालय; मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, काला-आजार, फाइलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस नियंत्रण; एकीकृत वेक्टर प्रबंधन (IVM) दृष्टिकोण
P. falciparum बनाम P. vivax	दो मुख्य मलेरिया प्रजातियाँ: P. falciparum (खतरनाक – मस्तिष्क मलेरिया, मृत्यु; भारत के 50%+ मामले) और P. vivax (हल्का लेकिन पुनरावर्ती – यकृत में रहता है); उन्मूलन के लिए दोनों को नियंत्रित करना; P. vivax यकृत अवस्था के कारण उन्मूलन करना कठिन
Anopheles मच्छर	मलेरिया संचारित करने वाला मच्छर; A. culicifacies (मैदानों में मुख्य वाहक), A. fluviatilis (पहाड़ी क्षेत्र), A. minimus (पूर्वोत्तर); जलवायु परिवर्तन सीमा उत्तर और ऊँचाई पर बढ़ा रहा है; ITN/LLIN + IRS से वेक्टर नियंत्रण
आदिवासी बेल्ट चुनौती	झारखंड, छत्तीसगढ़, MP, ओडिशा, पूर्वोत्तर = भारत के 70%+ मलेरिया बोझ; वन आवरण, दूरदराज, जल निकायों के पास रहने वाले आदिवासी समुदाय; स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना कठिन
दवा-प्रतिरोधी मलेरिया	म्यांमार सीमा क्षेत्रों में Artemisinin-प्रतिरोधी P. falciparum पाई गई; वैश्विक रूप से सबसे खतरनाक विकास; यदि भारत के अंदर तक फैले = ACT (प्रथम-पंक्ति उपचार) विफल; निगरानी महत्वपूर्ण

WHO वैश्विक मलेरिया रिपोर्ट	भारत की मलेरिया प्रगति = वैश्विक मान्यता; भारत को WHO 'उच्च बोझ से उच्च प्रभाव' स्नातक; 2030 लक्ष्य WHO End Malaria 2030 वैश्विक एजेंडे से संरेखित
------------------------------------	--

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- ओडिशा का परिवर्तन: ओडिशा = भारत के मलेरिया बोझ का 40% (2005); DAMAN (दुर्गम अंचल मलेरिया निराकरण) कार्यक्रम; सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सामूहिक दवा प्रशासन, ITN वितरण; अब 20% से कम; DAMAN = आदिवासी बेल्ट मलेरिया उन्मूलन का मॉडल
- ACT + दवा प्रतिरोध: Artemisinin Combination Therapy = सोने का मानक प्रथम-पंक्ति उपचार; Greater Mekong Sub-region (कंबोडिया, 2008) में पहले पाया; म्यांमार तक फैला; भारत का पूर्वोत्तर जोखिम में; ACT विफल = मृत्यु दर तेजी से बढ़ती; आणविक निदान महत्वपूर्ण
- One Health और मलेरिया: जलवायु परिवर्तन → गर्म तापमान → Anopheles ऊँचाई और अक्षांश पर जीवित; वनों की कटाई → मच्छर आवास विस्तार; भारत का मलेरिया उन्मूलन = One Health दृष्टिकोण (वेक्टर, मानव, पर्यावरण) – सप्ताह 12 BRICS विज्ञान मंत्रियों के One Health से जुड़ा है
- 2030 लक्ष्य यथार्थवाद: 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शून्य स्वदेशी संचरण = अच्छी प्रगति; शेष हॉटस्पॉट (आदिवासी बेल्ट + पूर्वोत्तर) = सबसे कठिन-से-पहुँचने वाली आबादी; भारत ने पोलियो उन्मूलन (2014), मातृ मृत्यु दर कमी, JJM कवरेज हासिल किया है – राजनीतिक इच्छाशक्ति + कार्यक्रम प्रबंधन परिणाम तय करेगा

IIP जुलाई 2026 में 6.7% की वृद्धि – विनिर्माण का नेतृत्व

मंत्रालय: सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) जुलाई 2026 में 6.7% वृद्धि दर्ज किया – जुलाई 2025 की तुलना में। यह FY2026-27 का पहला IIP डेटा बिंदु है (MoSPI 6-सप्ताह की देरी से डेटा जारी करता है)। 6.7% = FY2025-26 के पूर्ण-वर्ष औसत 5.8% से ऊपर – औद्योगिक गतिविधि तेज हो रही है। विभाजन: विनिर्माण (IIP में भार 77.6%) 7.2% बढ़ा – प्राथमिक चालक; खनन (14.4%) 4.8%; बिजली (8%) 6.1%। विनिर्माण में उच्च-वृद्धि क्षेत्र: पूंजीगत वस्तुएं (12.3% – निवेश के लिए मशीनरी और उपकरण), उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं (9.8% – वातानुकूलक, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग



| Click to Connect Now.



मशीन), बुनियादी ढाँचा/निर्माण वस्तुएं (8.1%)। पूँजीगत वस्तुओं में 12.3% की वृद्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है – यह दर्शाता है कि कंपनियाँ नई उत्पादन क्षमता में निवेश कर रही हैं → रोजगार सृजन और भविष्य की GDP वृद्धि। IIP डेटा, माल + सेवा निर्यात वृद्धि (13.16%, सप्ताह 11) और UPI लेनदेन मात्रा मिलकर FY2026-27 में भारत की औद्योगिक अर्थव्यवस्था की तेजी की तस्वीर बनाते हैं।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
IIP (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक)	मासिक औद्योगिक उत्पादन माप; आधार वर्ष 2011-12; तीन क्षेत्र: खनन (14.4%), विनिर्माण (77.6%), बिजली (8%); MoSPI 6-सप्ताह देरी से जारी; उपयोग-आधारित वर्गीकरण: पूँजीगत वस्तुएं, उपभोक्ता टिकाऊ, मध्यवर्ती
6.7% IIP वृद्धि (जुलाई 2026)	विनिर्माण 7.2%, खनन 4.8%, बिजली 6.1%; पूँजीगत वस्तुएं 12.3% (निवेश बूम), उपभोक्ता टिकाऊ 9.8% (उपभोग), बुनियादी ढाँचा वस्तुएं 8.1%; FY2025-26 औसत 5.8% से ऊपर
पूँजीगत वस्तुएं 12.3%	उत्पादन के लिए मशीनरी, उपकरण; उच्च पूँजीगत वस्तु वृद्धि = कंपनियाँ नई क्षमता में निवेश कर रही हैं; रोजगार और भविष्य की GDP वृद्धि का अग्रणी संकेतक; PLI + ECMS द्वारा संचालित
उपभोक्ता टिकाऊ 9.8%	वातानुकूलक, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, इलेक्ट्रॉनिक्स; शहरी उपभोग + ग्रामीण आय (मानसून मौसम); बढ़ता मध्यम वर्ग + गर्मी तरंगें + इलेक्ट्रॉनिक्स PLI
उपयोग-आधारित वर्गीकरण	IIP श्रेणियाँ: प्राथमिक वस्तुएं (कच्चा माल), पूँजीगत वस्तुएं (मशीनरी), मध्यवर्ती वस्तुएं (उत्पादन इनपुट), बुनियादी ढाँचा/निर्माण, उपभोक्ता टिकाऊ, उपभोक्ता गैर-टिकाऊ; वितरण = आर्थिक संरचना दर्शाता है
IIP बनाम GDP	IIP = मासिक औद्योगिक स्नैपशॉट; GDP = त्रैमासिक व्यापक; IIP = GDP के औद्योगिक घटक (GDP का 25%) का अग्रणी संकेतक; 6.7% IIP = FY2026-27 के लिए 7%+ GDP वृद्धि अनुमान के अनुरूप
MoSPI IIP पद्धति	आधार वर्ष 2011-12; टोकरी में 407 वस्तुएं; विनिर्माण वस्तुएं वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण से; खनन खान मंत्रालय से; बिजली ऊर्जा मंत्रालय से; नमूना-आधारित मासिक अनुमान



UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- IIP व्याख्या UPSC: मुख्य अंतर – विनिर्माण बनाम खनन बनाम बिजली घटक; उपयोग-आधारित वर्गीकरण (प्राथमिक/पूँजीगत/मध्यवर्ती/बुनियादी ढाँचा/उपभोक्ता टिकाऊ/उपभोक्ता गैर-टिकाऊ); आधार वर्ष (2011-12); जारी करने की देरी (6 सप्ताह); पूँजीगत वस्तु वृद्धि = निवेश संकेत; उपभोक्ता टिकाऊ = उपभोग संकेत
- पूँजीगत वस्तुएं 12.3% महत्व: कंपनियाँ मशीनरी खरीद रही हैं = भविष्य की माँग पर दाँव; 12.3% = भारत का औद्योगिक क्षेत्र विस्तार मोड़ में; PLI योजना परिणामों (मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा, खाद्य प्रसंस्करण) से जुड़ता है – PLI लाभार्थी नई उपकरण खरीद रहे हैं
- विनिर्माण PLI + IIP संबंध: PLI योजनाएं (14 क्षेत्र) विनिर्माण उत्पादन बढ़ा रही हैं; जुलाई 2026 में 7.2% विनिर्माण वृद्धि = आंशिक रूप से PLI-संचालित; जैसे-जैसे PLI परियोजनाएं क्षमता वृद्धि पूरी करेंगी, विनिर्माण वृद्धि टिकाऊ होगी

PIB पृष्ठभूमि – भारत में परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी

मंत्रालय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय / परमाणु ऊर्जा विभाग

PIB तिथि: 28 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम दुनिया में सबसे अनूठा है – अपनी तीन-चरणीय वास्तुकला पर आधारित जो थोक में आयातित प्रौद्योगिकी नहीं अपनाता। तीन चरण: चरण 1 (दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर – PHWR): 22 PHWR संचालित (Tarapur, Rawatbhata, Kalpakkam, Narora, Kakrapar, Kaiga) + 2 LWR (Kudankulam, रूसी VVER) + 1 BWR (Tarapur); प्राकृतिक यूरेनियम ईंधन; कुल ~7,500 MW। चरण 2 (फास्ट ब्रीडर रिएक्टर): PFBR (प्रोटोटाइप FBR) कल्पक्कम में – थोरियम से प्लूटोनियम उत्पन्न करते हुए बिजली; कोर लोडिंग पूर्ण, कमीशनिंग आसन्न; परिचालन होने पर रूस के बाद दुनिया का दूसरा वाणिज्यिक FBR। चरण 3 (उन्नत भारी जल रिएक्टर): थोरियम को सीधे ईंधन के रूप में उपयोग – भारत के पास दुनिया का 25% थोरियम भंडार (केरल-तमिलनाडु तट के monazite बालू में); अभी शोध चरण में। लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR): भारत BSMR और BSR विकसित कर रहा है; NuScale (US) और GE-Hitachi के साथ चर्चा।

मुख्य शब्द:

शब्द / पद	परिभाषा
-----------	---------



| Click to Connect Now.



भारत का 3-चरणीय कार्यक्रम	चरण 1: PHWR (प्राकृतिक यूरेनियम, संचालित); चरण 2: FBR (थोरियम से प्लूटोनियम, PFBR कमीशनिंग); चरण 3: उन्नत रिएक्टर (थोरियम ईंधन, शोध); भारत के यूरेनियम-गरीब, थोरियम-समृद्ध संसाधन आधार के लिए डिज़ाइन
PHWR (दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर)	भारी जल (D ₂ O) मॉडरेटर + शीतलक; प्राकृतिक यूरेनियम (LWR के विपरीत जिन्हें समृद्ध यूरेनियम चाहिए); भारत का कार्यभार रिएक्टर; 220 MW (पुराना) और 700 MW (नया); CANDU-व्युत्पन्न डिज़ाइन
PFBR (प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर)	कल्पक्कम, तमिलनाडु; 500 MW; प्लूटोनियम-यूरेनियम MOX ईंधन; थोरियम से अधिक विखंडनीय सामग्री उत्पन्न करता है; भारत का चरण 2; कोर लोडिंग पूर्ण; रूस का BN-800 एकमात्र संचालित वाणिज्यिक FBR
थोरियम संसाधन	भारत: 25% विश्व थोरियम (6.5 लाख टन, मुख्यतः Kerala-TN तट के monazite बालू में); लगभग कोई यूरेनियम नहीं (~70,000 टन); चरण 3 कार्यक्रम थोरियम को प्राथमिक ईंधन के रूप में उपयोग करेगा = भारत के अनूठे तीन-चरणीय कार्यक्रम की रणनीतिक तर्क
SMR (लघु मॉड्यूलर रिएक्टर)	<300 MW; कारखाने में निर्मित; मॉड्यूलर परिनियोजन; बेहतर सुरक्षा (निष्क्रिय शीतलन); BARC द्वारा BSMR डिज़ाइन; NuScale (US) और GE-Hitachi के साथ आयातित SMR पर चर्चा
NPCIL	परमाणु ऊर्जा निगम भारत लिमिटेड; DAE CPSE; सभी वाणिज्यिक परमाणु संयंत्र संचालित; 14 नए PHWR निर्माणाधीन; पूर्ण होने पर 9,800 MW जोड़ें; 2047 तक 100 GW परमाणु लक्ष्य
नागरिक परमाणु समझौते	भारत-USA (123 समझौता, 2008) + NSG छूट; भारत-रूस (Kudankulam), भारत-फ्रांस (Jaitapur), भारत-जापान (2016), भारत-ऑस्ट्रेलिया (यूरेनियम आपूर्ति); भारत अब वैश्विक नागरिक परमाणु मुख्यधारा में

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.

- 3-चरणीय कार्यक्रम का तर्क: भारत में लगभग कोई यूरेनियम नहीं लेकिन विशाल थोरियम; चरण 1 PHWR प्लूटोनियम उपोत्पाद के रूप में उत्पन्न करते हैं; चरण 2 FBR उस प्लूटोनियम का उपयोग थोरियम से यूरेनियम-233 उत्पन्न करने के लिए करते हैं; चरण 3 यूरेनियम-233 + थोरियम सीधे उपयोग; 50-वर्षीय प्रौद्योगिकी सीढ़ी भारत के संसाधन आधार के लिए
- PFBR महत्व: PFBR सफलतापूर्वक कमीशन हो = भारत रूस के बाद दूसरा वाणिज्यिक FBR संचालित करने वाला; चरण 2 प्रमाणित; चरण 3 का रास्ता खुलता है; PFBR 15 वर्षों से 'कमीशन होने वाला' है – वास्तविक कमीशनिंग = मील का पत्थर
- 2047 तक 100 GW परमाणु: 7,500 MW संचालित + 9,800 MW निर्माणाधीन (14 नए PHWR) + PFBR + Kudankulam 3-6 + Jaitapur (6 × 1,650 MW EPR, लंबित) + SMR; 2040 तक 40-50 GW संभव; 100 GW = Jaitapur + SMR परिनियोजन + चरण 2 विस्तार आवश्यक
- CLNDA 2010: परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम; रिएक्टर आपूर्तिकर्ताओं को दायित्व; USA, फ्रांस, जापान ने तर्क दिया कि यह अंतर्राष्ट्रीय CSC का उल्लंघन करता है; भारत-USA नागरिक परमाणु सहयोग इस पर आंशिक रूप से अटका; बीमा पूल समाधान के रूप में बनाया

PIB पृष्ठभूमि – भारत का चीनी उद्योग: इथेनॉल, किसान आय, निर्यात नीति

मंत्रालय: खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय / कृषि मंत्रालय

PIB तिथि: 26 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक (ब्राजील #1) और सबसे बड़ा उपभोक्ता है। उद्योग में हैं: 5 करोड़ गन्ना किसान, 500 से अधिक चीनी मिलें, और जटिल सरकारी नियमन – गन्ने के लिए उचित एवं लाभकारी मूल्य (FRP), चीनी के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य (MEP), इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य, और बफर स्टॉक प्रबंधन। पृष्ठभूमि दस्तावेज़ उद्योग के परिवर्तन को कवर करता है – पुरानी पीड़ादायक अवस्था (किसान भुगतान बकाया, मिल बंदी) से तेजी से आर्थिक रूप से व्यवहार्य क्षेत्र तक – इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की वजह से। इथेनॉल की कहानी: गन्ने के रस और शीरे से इथेनॉल बनाया जा सकता है (चीनी के बजाय); तेल विपणन कंपनियाँ (OMC) यह इथेनॉल सरकारी-निर्धारित मूल्यों पर खरीदती हैं (₹60-65/लीटर); इथेनॉल राजस्व से मिलें किसानों को भुगतान कर सकती हैं; 'चीनी अधिशेष' समस्या कम होती है। भारत का E20 अधिदेश (सप्ताह 12) इसी गन्ना-इथेनॉल पाइपलाइन से संचालित है।

मुख्य शब्द:



| Click to Connect Now.



शब्द / पद	परिभाषा
भारत की चीनी प्रोफाइल	दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक (ब्राजील #1); सबसे बड़ा उपभोक्ता; 5 करोड़ गन्ना किसान; 500+ मिलें; FRP तंत्र; इथेनॉल मिश्रण; निर्यात प्रबंधन; किसान + मिल + उपभोक्ता को संतुलित करने वाला जटिल नियमन
FRP (उचित एवं लाभकारी मूल्य)	गन्ने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य न्यूनतम मूल्य; CACP अनुशंसा करता है; कैबिनेट अनुमोदित; राज्य सरकारें SAP (राज्य सलाह मूल्य) अधिक निर्धारित कर सकती हैं; मिलों को डिलीवरी के 14 दिनों में FRP देना होगा
इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम + चीनी	गन्ने का रस और B-शीरा → इथेनॉल; OMC ₹60-65/लीटर पर खरीदती हैं; राजस्व मिलों को किसानों को भुगतान करने देता है; चीनी अधिशेष कम; E20 लक्ष्य गन्ना इथेनॉल से संचालित; इथेनॉल को डायवर्ट करने वाली मिलें आर्थिक रूप से स्वस्थ
चीनी-इथेनॉल संतुलन	अधिक इथेनॉल = कम चीनी उत्पादन = उच्च घरेलू चीनी मूल्य; सरकार E20 के लिए पर्याप्त इथेनॉल + स्थिर कीमत पर पर्याप्त चीनी के बीच संतुलन बनाती है; वार्षिक गतिशील लक्ष्य समायोजन
MEP (न्यूनतम निर्यात मूल्य)	न्यूनतम मूल्य जिस पर भारतीय चीनी निर्यात हो सकती है; घरेलू कीमतें बढ़ने पर सस्ता निर्यात रोकती है; सरकार मौसमी रूप से समायोजित करती है
बफर स्टॉक योजना	रणनीतिक चीनी बफर (20-30 लाख टन); जब कीमतें बढ़ें तो बाजार में जारी; जब कीमतें गिरें तो निर्माण; NAFED प्रबंधन; आवश्यक वस्तु मूल्य प्रबंधन
FRP बकाया समस्या	ऐतिहासिक रूप से, मिलें किसानों को महीनों देरी से (या बिल्कुल नहीं) भुगतान करती थीं; FRP + इथेनॉल राजस्व ने भुगतान सुधारा; लेकिन जब चीनी मूल्य कम हों तब भी बकाया होता है

UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:



| Click to Connect Now.

- गन्ने की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: UP, महाराष्ट्र, कर्नाटक = 80%+ गन्ना उत्पादन; गन्ना किसान = शक्तिशाली मतदाता वर्ग; FRP हर साल राजनीतिक रूप से ऊपर जाता है; मिलें सरकार-निर्धारित FRP (इनपुट लागत) और बाजार-निर्धारित चीनी मूल्य (राजस्व) के बीच संरचनात्मक दबाव में
- E20 + चीनी उद्योग: भारत के E20 अधिदेश (सप्ताह 12) को 1,000+ करोड़ लीटर इथेनॉल/वर्ष चाहिए; 70-80% गन्ने से; यह इथेनॉल माँग चीनी उद्योग का व्यापार मॉडल बदल रही है – 'चीनी कंपनी जिसका इथेनॉल उपोत्पाद है' से 'एकीकृत गन्ना प्रसंस्करण कंपनी' में
- एकीकृत चीनी परिसर: आधुनिक मिलें उत्पन्न करती हैं: चीनी (प्राथमिक), इथेनॉल (रस/शीरे से), बिजली (बगास जलाने से), प्रेस मड (उर्वरक); एकीकृत मॉडल = मिल तब भी व्यवहार्य जब चीनी मूल्य कम, क्योंकि इथेनॉल और बिजली राजस्व देते हैं
- भारत-ब्राजील चीनी प्रतिस्पर्धा: ब्राजील = सबसे बड़ा उत्पादक; फ्लेक्स-ईंधन वाहन (80%+ ब्राजील कारें किसी भी इथेनॉल-पेट्रोल मिश्रण पर चलती हैं); भारत ब्राजील मॉडल की ओर बढ़ रहा है; E20 → E30+ = गन्ना किसानों की दीर्घकालिक आय सुरक्षा

PIB पृष्ठभूमि – NADCP + पुनर्योजी कृषि

मंत्रालय: मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय / कृषि मंत्रालय

PIB तिथि: 22-23 अगस्त 2026

सरल भाषा में समझें

दो पृष्ठभूमि दस्तावेज़ – पशु स्वास्थ्य और कृषि स्थिरता पर। NADCP: भारत में दुनिया की सबसे बड़ी पशुधन आबादी है – 535 मिलियन पशु जिनमें 19.2 करोड़ गाय, 10.2 करोड़ भैंस, 14.9 करोड़ बकरी, 7.4 करोड़ भेड़ शामिल हैं। दो बीमारियाँ सबसे अधिक आर्थिक क्षति करती हैं: खुरपका-मुंहपका रोग (FMD) और ब्रूसेल्लोसिस। FMD मवेशियों, भैंसों, सूअरों, बकरियों को प्रभावित करती है – प्रकोप के दौरान दूध उत्पादन 25-50% कम होता है, वजन कम होता है, प्रजनन क्षमता घटती है। ब्रूसेल्लोसिस मवेशियों और भैंसों में गर्भपात और दूध कम करती है – और यह जूनोटिक है (संक्रमित कच्चे दूध से मनुष्यों को undulant fever)। NADCP (2019-20 में शुरू, 5 वर्षों में ₹13,343 करोड़) का लक्ष्य: 2025 तक FMD-मुक्त भारत (अधिकांश राज्यों में; सभी राज्यों के लिए 2030 लक्ष्य); 2030 तक ब्रूसेल्लोसिस-मुक्त; सभी मवेशियों और भैंसों का वार्षिक सामूहिक टीकाकरण। पुनर्योजी कृषि पृष्ठभूमि: खेती की वे विधियाँ जो मृदा स्वास्थ्य को पुनर्स्थापित करती हैं – आवरण फसल, कम जुताई, खाद, फसल चक्र, कृषि-वानिकी। भारत की 30% कृषि भूमि क्षरित है। मृदा कार्बन संग्रहण जलवायु उपकरण के रूप में। ZBNF (शून्य बजट प्राकृतिक खेती) और Mission LiFE से संबंध।



| Click to Connect Now.

**मुख्य शब्द:**

शब्द / पद	परिभाषा
NADCP	राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम; 2019-20; 5 वर्षों में ₹13,343 करोड़; FMD-मुक्त भारत 2025/2030 तक; ब्रूसेलोसिस-मुक्त 2030 तक; वार्षिक सामूहिक टीकाकरण; 100% सरकारी वित्त
FMD (खुरपका-मुंहपका रोग)	अत्यधिक संक्रामक; मवेशी, भैंस, सूअर, बकरी; 25-50% दूध कमी; मुंह और पैरों में छाले, लँगड़ापन; 7 serotypes; भारत द्विसंयोजी/त्रिसंयोजी टीका; जूनोटिक नहीं
ब्रूसेलोसिस	मवेशी + भैंस; गर्भपात, दूध कमी; Brucella bacteria; जूनोटिक – कच्चे दूध, गर्भपात सामग्री से मनुष्यों को undulant fever; Brucella abortus (मवेशी); NADCP + One Health संबंध
NADCP + One Health	ब्रूसेलोसिस जूनोटिक है – NADCP को One Health ढाँचे से जोड़ता है; पशुओं में नियंत्रण = मनुष्यों में रोकथाम; IVBDCP + NADCP + ICMR = भारत का One Health संस्थागत पारिस्थितिकी तंत्र
पुनर्योजी कृषि	मृदा स्वास्थ्य पुनर्स्थापित करने वाली खेती: आवरण फसल, कम जुताई, खाद, फसल चक्र, कृषि-वानिकी; भारत में 30% कृषि भूमि क्षरित; मृदा कार्बन संग्रहण = जलवायु उपकरण; जैविक से भिन्न – क्या जोड़ना/पुनर्स्थापित करना है
ZBNF (शून्य बजट प्राकृतिक खेती)	शून्य बाहरी इनपुट खेती; सुभाष पालेकर की विधि; स्थानीय इनपुट (जीवामृत – किण्वित गाय के गोबर/मूत्र का घोल); आंध्र प्रदेश में 6 लाख+ किसानों तक; PM ने UNGA 2019 में प्रचारित; NADCP – स्वस्थ मवेशी = जीवामृत के लिए आवश्यक
Mission LiFE	Lifestyle for Environment; PM Modi at COP26; व्यक्तिगत-स्तर पर पर्यावरणीय व्यवहार परिवर्तन; जलवायु-अनुकूल खाद्य विकल्प (कम मांस → कम पशुधन मीथेन), कृषि (कम रासायनिक उर्वरक); पुनर्योजी कृषि = Mission LiFE का कृषि स्तंभ



UPSC के लिए महत्वपूर्ण बिंदु:

- FMD आर्थिक लागत: भारत के FMD नुकसान ~₹20,000-30,000 करोड़/वर्ष (दूध हानि + वजन हानि + मृत्यु दर + उपचार); FMD-मुक्त दर्जा = वार्षिक बचत + निर्यात बाजार खुलना (FMD-मुक्त देशों को प्रीमियम कीमतें + EU का भैंस मांस बाजार); NADCP की लागत (\$1.5 अरब) 1-2 वर्षों में वसूल
- ब्रूसेलोसिस जूनोटिक जोखिम: भारत में 10-20 लाख मानव ब्रूसेलोसिस मामले/वर्ष (महत्वपूर्ण कम-रिपोर्टिंग); कच्चे दूध का सेवन (ग्रामीण भारत में सामान्य) = मुख्य संचरण मार्ग; NADCP पशु टीकाकरण = मानव स्वास्थ्य सुरक्षा
- पुनर्योजी बनाम जैविक कृषि: जैविक = कोई कृत्रिम इनपुट नहीं; पुनर्योजी = मृदा-निर्माण विधियाँ इनपुट स्रोत की परवाह किए बिना; पुनर्योजी जैविक से कम प्रतिबंधात्मक लेकिन बड़े पैमाने पर संभावित रूप से अधिक प्रभावशाली; भारत की प्राकृतिक खेती = पुनर्योजी
- मृदा कार्बन और NDC: भारत का अद्यतन NDC (2022) अतिरिक्त वन और वृक्ष आवरण से 2.5-3 अरब टन CO₂-समतुल्य कार्बन सिंक बनाने का लक्ष्य; कृषि भूमि में मृदा कार्बन इस सिंक का हिस्सा; पुनर्योजी कृषि मृदा कार्बन बढ़ाती है = NDC प्रतिबद्धता में योगदान



सम्माननीय उल्लेख

वे तथ्य जो मुख्य लेखों में नहीं आए – लेकिन UPSC Prelims में एक-पंक्ति प्रश्नों में सीधे पूछे जाते हैं।

विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
IAF पिच ब्लैक + उदारा शक्ति	IAF ने एक साथ दो बहुराष्ट्रीय अभ्यास पूरे किए: पिच ब्लैक (ऑस्ट्रेलिया, Darwin) और उदारा शक्ति (मलेशिया); Su-30MKI तैनात; मलेशिया = Su-30MKM – Sukhoi अंतर-संचालनीयता।	GS-III रक्षा; भारत का Indo-Pacific हवाई अभ्यास नेटवर्क; पिच ब्लैक द्विवार्षिक; उदारा शक्ति = 'आकाश की शक्ति' (मलय + संस्कृत); ऑस्ट्रेलिया Quad सदस्य।
INS मेंगोल – 3rd ASW SWC	INS मेंगोल CSL द्वारा; 8-जहाज श्रृंखला का तीसरा; hull-mounted + towed array sonar; torpedo launchers; श्रृंखला: INS माहे (1st), मुल्की (2nd), मेंगोल (3rd)।	GS-III रक्षा; ASW = पनडुब्बी-रोधी युद्ध; पाकिस्तान Type 039B (Hangor-class, 8 चीन से आदेश); CSL ने INS विक्रान्त (विमानवाहक पोत) भी बनाया।
FDC प्रतिबंध 4 वर्ष से कम	Chlorpheniramine Maleate + Phenylephrine Hydrochloride का FDC 4 वर्ष से कम बच्चों के लिए प्रतिबंधित; हृदय जोखिम + नींद जोखिम; CDSCO नियमित करता है।	GS-II स्वास्थ्य; FDC = निश्चित खुराक संयोजन; D.Y. Patil समिति (2012), Kokate समिति (2014) = FDC युक्तिसंगतकरण पृष्ठभूमि; Phenylephrine: US FDA (2023) ने मौखिक रूप से अप्रभावी घोषित।
भारत-NZ रक्षा वार्ता	2nd भारत-NZ रक्षा रणनीतिक वार्ता, वेलिंगटन; समुद्री सुरक्षा, खुफिया साझाकरण, HADR; NZ = Five Eyes सदस्य; NZ का EEZ = 4th सबसे बड़ा (4.3	GS-II अंतराष्ट्रीय संबंध; Five Eyes (USA, UK, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, NZ); AUKUS (ऑस्ट्रेलिया-UK-USA); भारत न Five Eyes में न AUKUS में; NZ = Five Eyes नेटवर्क का भारत के लिए सेतु।





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
	मिलियन वर्ग किमी); Pacific Reset + SAGAR अभिसरण।	
INS निपुण – 2nd DSV	भारत का 2nd स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत; संतृप्त गोताखोरी (300m+); पनडुब्बी बचाव, तलाशी; INS निस्तार (1st, L&T Kattupalli, 2023); निजी क्षेत्र जहाज निर्माण।	GS-III रक्षा; DSV = गोताखोरी सहायता पोत; DSRV = गहरी पनडुब्बी बचाव वाहन; संतृप्त गोताखोरी = गोताखोर काम के दबाव पर हफ्तों रहते हैं; अमेरिकी-आपूर्ति DSRV भारत संचालित करता है।
DRDO मिसाइल ToT	रक्षा मंत्री ने DRDO-विकसित मिसाइल प्रणालियों का भारतीय निजी रक्षा उद्योग को ToT अनुमोदित किया; BDL एकाधिकार समाप्त; अस्त्र, आकाश निर्यात संभावना।	GS-III रक्षा; BDL = भारत डायनामिक्स लिमिटेड (DPSU, प्राथमिक मिसाइल निर्माता); ToT = तकनीकी दस्तावेजीकरण + विनिर्माण अधिकार; \$5 अरब रक्षा निर्यात लक्ष्य।
INS समर्थक – 1st MPV	भारत का पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत; बंदरगाह में खींचना, समुद्री तलाशी, अग्निशमन, प्रदूषण नियंत्रण; गोवा शिपयार्ड; इस सप्ताह तीन नौसैनिक जहाज।	GS-III रक्षा; MPV = बहुउद्देशीय पोत; GSL = गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (DPSU); नौसैनिक सहायक बेड़ा स्वदेशीकरण; एक सप्ताह में तीन जहाज = अभूतपूर्व।
भारत-कुवैत JDC – उद्घाटन	पहली भारत-कुवैत संयुक्त रक्षा समिति, नई दिल्ली; कुवैत का \$5 अरब रक्षा आधुनिकीकरण; समुद्री सुरक्षा; 10 लाख+ भारतीय प्रवासी; खाड़ी रक्षा चाप पूर्ण।	GS-II IR + GS-III रक्षा; भारत का खाड़ी रक्षा चाप: UAE + ओमान + सऊदी अरब + कुवैत (उद्घाटन JDC); GCC रक्षा बाजार \$90+ अरब; Camp Arifjan (कुवैत में US अड्डा)।





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
रक्षा निर्यात SOP + OGEL	MoD ने रक्षा निर्यात SOP सरल किया; OGEL ढाँचा; विश्वसनीय भागीदार देशों के लिए एकल खिड़की; दोहराए निर्यात के लिए तेज़; UK OGEL मॉडल।	GS-III रक्षा; DPEPP 2020 लक्ष्य \$5 अरब; OGEL = व्यक्तिगत लाइसेंस के बिना कई निर्यात; इज़राइल/दक्षिण कोरिया की सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं से प्रतिस्पर्धा।
भारत-जापान: गोयल टोक्यो	200 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल; अर्धचालक + AI गोलमेज (Renesas, Rohm, Sony); GPIF (\$1.7 ट्रिलियन) आमंत्रित; भारत-जापान स्टार्टअप गोलमेज; CG Power-Renesas ATMP anchor।	GS-II IR + GS-III अर्थव्यवस्था; GPIF = दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन कोष; CG Power-Renesas ATMP = Assembly Testing Marking Packaging; Semicon India + जापान पूरकता।
भारत-कंबोडिया JWGTI – 3rd	व्यापार और निवेश संयुक्त कार्य समूह, नोम पेन्ह; NTB कमी, दवा मानक, निवेश; कंबोडिया = 8वाँ सबसे बड़ा परिधान निर्यातक; भारत-ASEAN FTA समीक्षा संदर्भ।	GS-II IR; ASEAN FTA (2010); व्यापार घाटा \$7 अरब→\$45 अरब; द्विपक्षीय JWGTI = लक्षित जुड़ाव; मेकांग-गंगा सहयोग; CLMV देश।
भारत-मोरक्को 7वीं संयुक्त आयोग	जितिन प्रसाद सह-अध्यक्षता; फॉस्फेट (मोरक्को 70%+ विश्व भंडार = भारत उर्वरक सुरक्षा), ऑटो, हरित हाइड्रोजन, दवा; मोरक्को-AfCFTA प्रवेश द्वार।	GS-II IR; OCP समूह = दुनिया का सबसे बड़ा फॉस्फेट निर्यातक; DAP उर्वरक फॉस्फेट पर निर्भर; मोरक्को-EU FTA = भारत वस्तुएं मोरक्को के माध्यम से EU पहुँच; 2017 में AU में पुनः शामिल।
CSIR-NAL माइक्रो गैस टर्बाइन	CSIR-NAL ने UAV, कूज़ मिसाइल, loitering munitions के लिए स्वदेशी माइक्रो गैस	GS-III विज्ञान/रक्षा; कावेरी इंजन (Tejas के लिए, विफल); CSIR-NAL बेंगलुरु = नागरिक एयरोस्पेस





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
	टर्बाइन अनावरण किए; निर्भय क्रूज़ मिसाइल अभी अमेरिकी Williams F107 उपयोग करती है।	R&D; माइक्रो टर्बाइन मध्यम-सहनशक्ति UAV के लिए।
दक्षिण एशियाई आंत माइक्रोबायोम	दक्षिण एशियाई आंत में Prevotella प्रमुख (पश्चिमी में Bacteroides की जगह); पारंपरिक भारतीय उच्च-फाइबर आहार → Prevotella; शहरीकरण से बदलाव → जीवनशैली रोग जोखिम बढ़ता है।	GS-III विज्ञान; SCFA (लघु-शृंखला फैटी एसिड) फाइबर किण्वन से; इंसुलिन संवेदनशीलता संबंध; 10 करोड़+ मधुमेह रोगी भारत में; 'भारतीय डेटा से भारतीय मरीजों के लिए' विषय।
अल्जाइमर स्मार्ट निदान	रक्त जैव-संकेतक (amyloid-beta, tau) + AI वाणी विश्लेषण + डिजिटल संज्ञानात्मक परीक्षण = बहु-आयामी AD निदान; जिला अस्पताल तैनाती योग्य; 41 लाख भारतीय प्रभावित (2024)।	GS-II स्वास्थ्य; AD = अल्जाइमर रोग; amyloid-beta पट्टिका + tau उलझन; ARDSI; बुजुर्ग जनसंख्या; NMHP 2014 में मनोभ्रंश शामिल।
भारत भूमि पुनर्स्थापना 2.176 करोड़ हेक्टेयर	भूपेंद्र यादव UNCCD COP17 में: 2011-2020 में 2.176 करोड़ हेक्टेयर; 122 करोड़ व्यक्ति-दिवस रोजगार; Bonn Challenge = 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर; समय से पहले।	GS-III पर्यावरण; UNCCD (Rio सम्मेलन); LDN (भूमि क्षरण तटस्थता); Bonn Challenge; MGNREGA = प्राथमिक भूमि पुनर्स्थापना उपकरण।
चरागाह पुनर्स्थापना –	भारत ने UNCCD COP17 में चरागाहों की समुदाय-आधारित पुनर्स्थापना की माँग की; रबारी,	GS-III पर्यावरण; चरागाह = पृथ्वी की भूमि सतह का 50%; पशुपालक = 1 अरब+ आजीविका; FRA





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
समुदाय- आधारित	मालधारी, वन गुज्जर प्रबंधक के रूप में; FRA 2006 CFR अधिकार; किले का संरक्षण विरोध।	2006 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार; TEK (पारंपरिक पारिस्थितिकी ज्ञान)।
UPI – 10 वर्ष	अप्रैल 2016 में शुरू; 1,000 करोड़+ लेनदेन/माह; ₹20 लाख करोड़+ मासिक मूल्य; शून्य MDR (जनवरी 2020); 17+ देश; UPI Lite (<₹500 ऑफलाइन) और UPI 123PAY (फीचर फोन)।	GS-III अर्थव्यवस्था; NPCI (धारा 8, गैर-लाभ); शून्य MDR = सरकारी नीति; PhonePe+Google Pay 80%+ बनाम NPCI 30% सीमा; JAM→JAM+UPI→JAM+UPI+CBDC।
PMJDY – 12 वर्ष	53+ करोड़ खाते; ₹2.3 लाख करोड़ जमा; 55% महिलाएं; 67% ग्रामीण/अर्ध-शहरी; शून्य न्यूनतम शेष; RuPay + ₹2 लाख दुर्घटना बीमा; ₹10,000 ओवरड्राफ्ट; DBT की रीढ़।	GS-III अर्थव्यवस्था; 28 अगस्त 2014 शुरू; PMJJBY (₹436/वर्ष) + PMSBY (₹20/वर्ष) जुड़े; JAM Trinity का 'J'; COVID नकद हस्तांतरण PMJDY खातों से संभव।
क्रिटिकल मिनरल्स हैकार्थॉन 2026	खान मंत्रालय; 5 ट्रैक: डाउनस्ट्रीम प्रसंस्करण, शहरी खनन/पुनर्चक्रण, विकल्प सामग्री, AI खनिज मानचित्रण, ब्लॉकचेन आपूर्ति श्रृंखला; भारत 100% लिथियम, कोबाल्ट, निकेल आयात।	GS-III अर्थव्यवस्था/विज्ञान; क्रिटिकल मिनरल्स मिशन (बजट 2024-25); MMDR 2026; भारत ई-कचरा = 32 लाख टन/वर्ष (विश्व में तीसरा); शहरी खनन; GSI + AI मानचित्रण।
ज्ञानी अर्थ संप्रभु AI	VP राधाकृष्णन ने ज्ञानी अर्थ लॉन्च किया: Evon 3.3 (LLM) + Plexus (समन्वय); 'ज्ञानी' =	GS-III विज्ञान; IndiaAI मिशन (₹10,372 करोड़); BharatGen (बहुभाषी LLM); संप्रभु AI = वर्गीकृत





विषय	मुख्य तथ्य	UPSC कोण
	विद्वान (संस्कृत/तमिल), 'अर्थ' = धन/अर्थ; अमेरिकी AI कंपनियों पर निर्भर नहीं।	डेटा भारतीय सर्वर पर; CLOUD Act चिंताएं; अर्थशास्त्र सांस्कृतिक ढाँचा।





अभ्यास प्रश्न

10 Prelims प्रश्न – UPSC Prelims शैली

प्र.1. भारत के ASW SWC कार्यक्रम के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. INS मॅग्नोल, Cochin Shipyard Limited द्वारा निर्मित तीसरा ASW उथले जल युद्धपोत है।
2. ASW SWC में hull-mounted और towed array दोनों sonar प्रणालियाँ होती हैं।
3. इस श्रृंखला का पहला युद्धपोत INS माहे था और दूसरा INS मुल्की था।
4. CSL (Cochin Shipyard Limited) एक निजी क्षेत्र की कंपनी है।

कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल तीन
- (c) सभी चार
- (d) केवल एक

प्र.2. भारत का तीन-चरणीय परमाणु कार्यक्रम किस संसाधन का दोहन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है?

- (a) झारखंड और आंध्र प्रदेश में भारत के विशाल यूरेनियम भंडार
- (b) केरल और तमिलनाडु के monazite रेत में भारत के विशाल थोरियम भंडार
- (c) कोयला गैसीकरण के माध्यम से परमाणु ईंधन के लिए हाइड्रोजन उत्पादन
- (d) अपतटीय तेल भंडार से थोरियम निष्कर्षण

प्र.3. Bonn Challenge प्रतिबद्धता और UNCCD के LDN लक्ष्य के संदर्भ में सही विकल्प चुनें:

- (a) भारत ने Bonn Challenge के अंतर्गत 2030 तक 2.176 करोड़ हेक्टेयर पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता की
- (b) भारत ने 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता की; 2011-2020 में पहले ही 2.176 करोड़ हेक्टेयर – निर्धारित समय से पहले
- (c) भारत ने Bonn Challenge के तहत 30x30 (30% भूमि संरक्षित) का लक्ष्य लिया
- (d) भारत ने 2025 तक 1.5 करोड़ हेक्टेयर का लक्ष्य लिया जो चूक गया



प्र.4. प्रधानमंत्री जन-धन योजना के 12 वर्ष पर कौन-सा कथन गलत है?

- (a) योजना के अंतर्गत खाता सक्रिय रखने के लिए ₹1,000 का न्यूनतम बैलेंस अनिवार्य है
- (b) PMJDY खाताधारकों में 55% महिलाएं हैं
- (c) सभी खाताधारकों को ₹2 लाख दुर्घटना बीमा सहित RuPay डेबिट कार्ड दिया जाता है
- (d) 67% खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं

प्र.5. रक्षा निर्यात के लिए OGEL (Open General Export Licence) महत्वपूर्ण क्यों है?

- (a) यह विदेशी सरकारों को किसी भी भारतीय रक्षा उपकरण की खरीद का खुला लाइसेंस देता है
- (b) यह भारतीय निर्यातकों को हर बार व्यक्तिगत लाइसेंस के बिना, अनुमोदित देशों को निर्दिष्ट रक्षा वस्तुएं कई बार भेजने की अनुमति देता है
- (c) यह मित्र राष्ट्रों को रक्षा उपकरणों पर सभी निर्यात शुल्क माफ करता है
- (d) यह DRDO को MoD की अनुमति के बिना सीधे प्रौद्योगिकी निर्यात करने का अधिकार देता है

प्र.6. PFBR (Prototype Fast Breeder Reactor) के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. यह कल्पक्कम, तमिलनाडु में स्थित है।
2. यह प्लूटोनियम-यूरेनियम MOX ईंधन का उपयोग करेगा और थोरियम से अतिरिक्त विखंडनीय सामग्री उत्पन्न करेगा।
3. कमीशन होने पर भारत, रूस के बाद commercial Fast Breeder Reactor संचालित करने वाला दूसरा देश होगा।
4. यह 2015 में कमीशन हुआ और एक दशक से संचालित हो रहा है।

कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

प्र.7. UPI के 10 वर्ष के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. UPI को अप्रैल 2016 में NPCI द्वारा लॉन्च किया गया था।





2. व्यापारियों के लिए शून्य MDR जनवरी 2020 से लागू है।
3. UPI वर्तमान में 17 से अधिक देशों में सक्रिय है।
4. PhonePe और Google Pay मिलकर UPI लेनदेन का 50% से कम रखते हैं, NPCI की 30% सीमा का पालन करते हुए।

कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल तीन
- (c) सभी चार
- (d) केवल एक

प्र.8. दक्षिण एशियाई आंत माइक्रोबायोम में Prevotella की प्रधानता किससे जुड़ी है?

- (a) दक्षिण एशियाई लोगों की Prevotella उत्पन्न करने की आनुवांशिक प्रवृत्ति
- (b) पारंपरिक भारतीय उच्च-फाइबर आहार जो Prevotella को पोषण देता है; शहरीकरण से यह Bacteroides की ओर बदलता है जिससे जीवनशैली रोगों का जोखिम बढ़ता है
- (c) पश्चिमी देशों की तुलना में दक्षिण एशिया में कम तापमान
- (d) भारत में एंटीबायोटिक का उपयोग जो Bacteroides को अधिमानतः नष्ट करता है

प्र.9. NADCP (राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम) का उद्देश्य किन बीमारियों का उन्मूलन करना है?

- (a) 2030 तक एवियन इन्फ्लूएंजा (H5N1) और रेबीज
- (b) 2025/2030 तक खुरपका-मुंहपका रोग (FMD) और ब्रूसेल्लोसिस
- (c) 2028 तक अफ्रीकी स्वाइन फीवर और लंपी स्किन डिजीज
- (d) 2030 तक बोवाइन तपेदिक और ब्लू टंग डिजीज

प्र.10. क्रिटिकल मिनेरल्स इनोवेशन हैकथॉन 2026 का कौन-सा ट्रैक वास्तविक घरेलू खनन के बिना आयात निर्भरता कम कर सकता है?

- (a) डाउनस्ट्रीम प्रसंस्करण ट्रैक – अयस्क को battery-grade सामग्री में परिवर्तित करना
- (b) विकल्प सामग्री ट्रैक – वैकल्पिक सामग्री विकसित करना जो किसी एकल महत्वपूर्ण खनिज पर निर्भरता कम करे





- (c) AI/ML खनिज मानचित्रण ट्रैक – उपग्रह डेटा से नए भंडार की पहचान
- (d) मूल्य श्रृंखला डिजिटलीकरण ट्रैक – ब्लॉकचेन-आधारित आपूर्ति श्रृंखला ट्रैकिंग

2 मुख्य परीक्षा प्रश्न एवं आदर्श उत्तर

मुख्य परीक्षा प्रश्न 1 – 150 शब्द:

भारत के तीन-चरणीय परमाणु कार्यक्रम को देश के संसाधन आधार के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त बताया जाता है। इस तीन-चरणीय डिज़ाइन के तर्क को स्पष्ट करें और मूल्यांकन करें कि क्या यह भारत के 2047 ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों के लिए उचित रणनीति है।

आदर्श उत्तर – 150 शब्द:

तीन-चरणीय कार्यक्रम का तर्क सुरुचिपूर्ण और भारत-विशिष्ट है। चरण 1 (PHWR) प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करता है – संवर्धन प्रौद्योगिकी पर निर्भरता से बचते हुए – और उपोत्पाद के रूप में प्लूटोनियम उत्पन्न करता है। चरण 2 (FBR जैसे PFBR) उस प्लूटोनियम से थोरियम को यूरेनियम-233 में बदलते हुए बिजली उत्पन्न करता है। चरण 3, यूरेनियम-233 और थोरियम को सीधे ईंधन के रूप में प्रयुक्त करता है। रणनीतिक तर्क: भारत में सीमित यूरेनियम (~70,000 टन) किंतु विशाल थोरियम (~6.5 लाख टन, विश्व का 25%, केरल-तमिलनाडु तट के monazite बालू में) है। यह कार्यक्रम यूरेनियम-अल्प, थोरियम-समृद्ध संसाधन आधार को दीर्घकालिक परमाणु ईंधन चक्र में परिवर्तित करता है। 2047 ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से यह कार्यक्रम क्रियान्वयन पर निर्भर है। PFBR कल्पक्कम में 15 वर्षों से विलंबित है – सफल कमीशनिंग चरण 2 को प्रमाणित करने और चरण 3 का मार्ग खोलने के लिए आवश्यक है। PFBR के बिना चरण 3 सैद्धांतिक ही रहेगा। इसके अतिरिक्त, 2047 तक 100 GW परमाणु ऊर्जा के लिए आयातित रिएक्टर (जैतापुर EPR, Kudankulam विस्तार) और SMR भी आवश्यक हैं। कार्यक्रम रणनीतिक रूप से सही है, परंतु 2047 लक्ष्य की आवश्यक गति के लिए आयातित रिएक्टर प्रौद्योगिकी और SMR के साथ पूरकता अनिवार्य है।

मुख्य परीक्षा प्रश्न 2 – 250 शब्द:



भारत का रक्षा निर्यात \$0.35 अरब (2014-15) से बढ़कर \$2.8 अरब (2024-25) हो गया है, परंतु 2028-29 तक \$5 अरब का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है। संरचनात्मक बाधाओं और इस सप्ताह के सुधारों (DRDO मिसाइल ToT + रक्षा निर्यात SOP + OGEL) का नीतिगत उपाय के रूप में विश्लेषण करें।

आदर्श उत्तर – 250 शब्द:

भारत का रक्षा निर्यात वृद्धि – लगभग शून्य से \$2.8 अरब एक दशक में – उल्लेखनीय है, परंतु \$5 अरब का लक्ष्य संरचनात्मक बाधाओं का सामना करता है। संरचनात्मक बाधाएं: प्रथम, उत्पाद पोर्टफोलियो: भारत की निर्यात शक्तियाँ तीव्र गश्ती नौकाएं, छोटे हथियार, गोला-बारूद और ब्रह्मोस तक सीमित हैं। उच्च-मूल्य श्रेणियाँ – मिसाइल, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स – दीर्घ विकास चक्र माँगती हैं। व्यापक पोर्टफोलियो के बिना \$5 अरब कठिन है। द्वितीय, प्रक्रियागत बाधाएं: MoD + MEA + DGFT + MHA = चार मंजूरीयाँ, 3-6 महीने। विदेशी खरीदार इज़राइल (2-3 सप्ताह) या दक्षिण कोरिया को प्राथमिकता देते थे। तृतीय, विनिर्माण पैमाना: BDL का मिसाइल एकाधिकार = एकल-स्रोत बाधा; निजी क्षेत्र उच्च-मूल्य वस्तुओं से बाहर = निर्यात मात्रा के लिए सीमित उत्पादन। इस सप्ताह के सुधार तीनों संबोधित करते हैं: DRDO मिसाइल ToT: BDL एकाधिकार समाप्त, बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव, अस्त्र और आकाश को प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर निर्यात के लिए खोला गया। पोर्टफोलियो और विनिर्माण – दोनों बाधाएं एक साथ। सरलीकृत SOP + OGEL: विश्वसनीय भागीदार देशों के लिए एकल खिड़की; OGEL = नए कागजात के बिना दोहराया निर्यात। इज़राइल और दक्षिण कोरिया के साथ प्रतिस्पर्धात्मकता अंतर कम। शेष अंतराल: अंतिम-उपयोग निगरानी (प्रेषण-पश्चात सत्यापन अवसंरचना); निर्यात वित्तपोषण (इज़राइल के Bituach Leumi जैसा समर्थन नहीं); प्रौद्योगिकी परिपक्वता (कुछ DRDO प्रणालियाँ वैश्विक मानकों से पीछे)। निष्कर्ष: सुधार सुनियोजित हैं – ToT आपूर्ति संबोधित करता है, SOP+OGEL प्रक्रिया। परंतु \$5 अरब के लिए जैतापुर जैसे बड़े एकल अनुबंध, Tejas Mk-1A निर्यात (मलेशिया, मिस्र), और निर्यात वित्तपोषण विकास भी आवश्यक हैं। सुधार आवश्यक हैं, परंतु अकेले पर्याप्त नहीं।

Prelims उत्तर एवं व्याख्या

प्र.1. उत्तर: (b) केवल तीन





कथन 1 (INS मैनग्रोल = CSL द्वारा तीसरा – सही), 2 (hull-mounted + towed array sonar – सही), 3 (INS माहे पहला, मुल्की दूसरा – सही) सटीक। कथन 4 गलत – CSL एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (listed PSU); INS विक्रान्त बनाया – निजी नहीं।

प्र.2. उत्तर: (b)

भारत का तीन-चरणीय कार्यक्रम थोरियम-समृद्ध, यूरेनियम-अल्प संसाधन आधार के लिए डिज़ाइन। भारत के थोरियम भंडार (~6.5 लाख टन) = विश्व का 25%, मुख्यतः केरल-तमिलनाडु तट के monazite बालू में। चरण 3 रिएक्टर थोरियम को प्राथमिक ईंधन के रूप में उपयोग करेंगे।

प्र.3. उत्तर: (b)

Bonn Challenge प्रतिबद्धता = 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर (2.176 करोड़ नहीं – वह restored है)। UNCCD COP17 पर: 2011-2020 में 2.176 करोड़ पुनर्स्थापित = 2030 से 10 वर्ष पहले 84% लक्ष्य = समय से आगे। 30x30 लक्ष्य Kunming-Montreal Biodiversity Framework (CBD) का है।

प्र.4. उत्तर: (a)

कथन (a) गलत – PMJDY शून्य न्यूनतम बैलेंस खाता है; यही इसकी परिभाषित विशेषता है। शेष – 55% महिलाएं, RuPay + ₹2 लाख बीमा, 67% ग्रामीण/अर्ध-शहरी – सभी सही।

प्र.5. उत्तर: (b)

OGEL = अनुमोदित देशों को निर्दिष्ट वस्तुएं हर बार व्यक्तिगत लाइसेंस के बिना कई बार भेजने की अनुमति। विदेशी सरकार का खुला लाइसेंस नहीं, शुल्क माफी नहीं, DRDO का MoD उल्लंघन नहीं।

प्र.6. उत्तर: (a) केवल 1, 2 और 3

कथन 4 गलत – PFBR अभी तक कमीशन नहीं हुआ; 15+ वर्षों से विलंबित; कोर लोडिंग पूर्ण, कमीशनिंग आसन्न लेकिन संचालित नहीं। कथन 1 (कल्पक्कम, TN), 2 (MOX ईंधन, थोरियम से breed), 3 (रूस के बाद दूसरा) – सभी सही।

प्र.7. उत्तर: (b) केवल तीन





कथन 4 गलत – PhonePe (~48%) + Google Pay (~36%) = 84% UPI लेनदेन; NPCI की 30% प्रति-ऐप सीमा का स्पष्ट उल्लंघन; NPCI ने enforcement बार-बार स्थगित किया। कथन 1 (अप्रैल 2016, NPCI), 2 (शून्य MDR जनवरी 2020), 3 (17+ देश) सही।

प्र.8. उत्तर: (b)

Prevotella की प्रधानता पारंपरिक भारतीय उच्च-फाइबर आहार से प्रेरित। शहरीकरण → आहार में बदलाव → Bacteroides की ओर माइक्रोबायोम → SCFA उत्पादन बदलता है → इंसुलिन संवेदनशीलता और सूजन बदलती है → जीवनशैली रोग जोखिम बढ़ता है। आहार-प्रेरित है, आनुवांशिक नहीं।

प्र.9. उत्तर: (b)

NADCP लक्ष्य: FMD-मुक्त भारत 2025/2030 तक; ब्रूसेल्लोसिस-मुक्त 2030 तक। ब्रूसेल्लोसिस जूनोटिक (कच्चे दूध से मनुष्यों को undulant fever)। एवियन इन्फ्लूएंजा, रेबीज, African Swine Fever, Lumpy Skin Disease अलग कार्यक्रमों के तहत हैं।

प्र.10. उत्तर: (b)

'विकल्प सामग्री' ट्रैक – वैकल्पिक सामग्री विकसित करना – वास्तविक खनन के बिना आयात निर्भरता कम कर सकता है। उदाहरण: sodium-ion batteries लिथियम निर्भरता कम; LFP batteries कोबाल्ट निर्भरता कम; silicon anodes ग्रेफाइट निर्भरता कम। अन्य ट्रैक वास्तविक खनिज भंडार या आपूर्ति श्रृंखला माँगते हैं।

